واک سدھاکر

ॐनमसद्गुरवेनमः

दो॰

श्रीनिरगुणवपुसगुणप्रति कविजनकरत
प्रणाम जयतिजयतिनिरविशेशिवसुद्ध
शांतनिशकाम १

सो॰ श्रीमतसाधूराम उदासीनवरभेषज-
हि वाकसुधाकरनाम कीनोग्रंथविधाननहि २
चिंतामणिसमान कामधेनुसमकलपतरु
मनबांछनफलवान श्रीगुरुमुखतेश्रवणकर ३

दोहरा

मुनशीहरसुखराइवर लवपुरमाहि
उदार कोहनूरछापेविषे कीनतास
विस्तार ४ ॥ सं॰१९३२ सनई॰१८७५

مطبع کوہ نور لاہور میں باہتمام منشی پھولول
اسسٹنٹ منیجر و پرنٹر کے چھپا

सवैया श्रीगणनाइकसारस्वती निगमागमश्रीजग
दीशतिहारे सेगुरुश्रीअवतारगुरूदशमानपितारु-
रसंतपिआरे औरकवीजनकोविदजेजगजीवचराचर
धीरउदारे बंदनहौंसभकेपदपंकजब्रह्मनिजातमको
लखसारे १ अथवार्तिक श्रीमतसाधूरामवरउदासीन
करप्रतिपादित श्रीवाकसुधाकरनामग्रंथ श्रीमति
मान् परमहंस श्रीहरिनारायणजी तथा श्रीमति-
मान् भाईफतेसिंहजी और सर्बसंतों के अँगेरेसन सं
पूर्ण होकर केवल परउपकार वाले श्रीमत ललता
चरन सिरसतेदारकी मारफत श्रीमतिमान् मुनशी
हरसुखराइके कोहनूर छापेखाने में श्री लवपुर
में छपा संवत १९३२ सन १८७५ ई०।

अथ श्री वाकसुधाकर ग्रंथ की सूचीपत्र का प्र-
तिपादन विद्या के अष्टादश प्रस्थानों विसे वेदांतादी
जोजो सारभूत पदार्थ हैं सोसो इस वाकसुधाकर ग्रं-
थ के उनतीस सर्गों कर श्रुतीस्मृती प्रमाणों कर युक्
प्रतिपादन कीए हैं प्रथम इकांग से लेकर छत्तीस अं
क पर्यंत क्रमकर पदार्थों का प्रतिपादन है तिसते अनंत
र श्रीगणपति स्तोत्र आदि अद्भुत विचित्र श्रीभगवतना
म तथा स्तोत्रों का प्रतिपादन है। इस श्रीवाकसुधाकर
नाम ग्रंथ विषे वेदांतादी त्रैकांड पदार्थ दस हजार सें कछु
क ऊपर प्रतिपादन कीए हैं श्री गुरुमुख द्वारा श्रवण कर
समझ लेवो॥

ॐस्वस्तिश्रीगणेशायनमः

श्रीगुरुभ्योनमः अथश्रीवाकसुधाकरग्रँथप्रारम्भः दो॰
श्रीॐकारसुवर्णअथ मंगलरूपविचार श्रीग्रंथादसुधर-
तकविमननतनगिराजुहार १ श्रीगणपतिगुरुहरहरी
जननीजनकउदार श्रीगुरुदशअवतारप्रति कविजनक-
रनजुहार २ गुरुशिष्यसंवादमिससूत्रभूतश्रुतिसार
वाकसुधाकरग्रंथमो कथनकरोंनिरधार ३ सुमनसार
जिमभ्रमरगहि तिमश्रुतिसारनिकार भाषाछन्दनिबंध
जनपरउपकारविचार ४ निगमागमसिद्धांतजहिसु-
धारूपपहिचान श्रीगुरुमुखजितासुजन करेंश्रोत्रपुटपा-
न ५ कथनश्रवणअरुअर्थवन पथ्यतिकेचितधीर अन्व
यौव्यतिरेककरयथाहंसपयनीर ६ धरमअरथजनकाम
प्रदमोक्तपदारथचार भगतिब्रह्मवितानप्रद पुन्यअखि-
लअघहार ७ तीरथदानसमस्तव्रत योगयतहरिध्यान
देवयजनविद्यादिफल रिद्धिसिद्धिप्रदमान ८ शरद्धामन
उतसाहजहि गुरुवाकविश्वास साधनयुगतमसुख्यउरमल
विक्षेपनहिजास ९ पठेवेदवेदांगजहि ब्रह्मनिष्ठनिष्का
म भगतिभाववैराग्ययुत श्रीसद्गुरुगुणधाम १०
असगुरुशिष्यमिलापकर उदेबोधकिरमान ब्रह्मानमपेकन
करभसमतूलअज्ञान ११ परविरतीनिरविघनहितशिष्टा
चारविचार मंगलविविधप्रकारकर ग्रंथआदनिरधार १२

श्रीगणपतिमंगलवपू चारुचतुरभुजजास गिरजा
प्रियगुणतानप्रद नमोतानगुणरास १३ सैया श्री
गणनाइक शैलसुतासुतमौलशशीपदकंजनिहारे
मंगलमैजनवृन्दसुरासुर बंदनभूपभुजंगउदारे पूजत
शेशमहेशजिसे गुणसारसुनीश्रुतिपुंजउचारे धूमर
केतुगजाननकेपद कंजनमोगुणजाँहिअपारे १४ दो.
श्रीसरबानमसरबगत सुखस्वरूपसुखरास जयतिजयति
निरविशेशशिवशांतरूपनिरवास १५ सैया ज्यजग
दीशयतीजगदातम ज्यजगअंतरयत प्रियासी ज्यजग
कारणयतपतीयुग ज्यजगभासकयतनिवासी ज्यजग
रंजनयत वपूयुग ज्यजगप्रेरकयतप्रकासी ज्यजगअ-
रयुगिंद्रवसूतव ज्यजगपालयतीबनवासी १६ दो. चि
दानंदघनरूपसमस्तप्रकाशनिरमाइ ब्रह्मनिजाननरूप
जहि नेतिनेतिश्रुतिगाइ १७ सैया सुरशेशमहेशसु
रेशजिसे गुणसारसुनीनिगमागमगावें गणरुद्रसुरा
सुरमणअगनीरवि इंद्रजिसेचितमारुतध्यावें यतकिन्नर
भूपभुजंगभजेंभवआनमभूहितजानपनावें असब्रह्मनि
जानमबोधवपूश्रुतिवृन्दमुनीजिसअंतनपावें १८
दो. श्रीनानकपदपद्मप्रतिकविजननकरतजुहार जा
सुविमलपदपोतजनभवनिधिउतरतपार १९ सैया
अजअमृतरअरतअगोचरजोसमस्तहुकब्रह्मवपूअविना
शी जगकिंचिननाहिनभिन्नजिसेरसरूपअनादिनजो
सुखराशी परपावनरूपपरावरजोपरप्रेरकशरणरूप

प्रकाशी असश्रीगुरुकेपदकंजनमोसदचेतनरूपजि
सेनिरवाणी २० दो॰ श्रीसदगुरुवरब्रिथ्यनिजरामप्याल
जहिनाम नमोस्तुशिवशांतश्रीमहंतअलकाम २१
सैया मदमानममत्वनमोहिजिसेसमसंयमशीलशु-
ची सबदाई भ्रमकामनक्रोधनलोभजिसेयतयोग
प्रमादकभूरभलाई छलछलालचदंभनदोषजिसेकरुणा
भरताशुनबोधसमाई असश्रीगुरुकेपदकंजनमोगुण
कोटिजिसेबरनेकविराई २२ दो॰ श्रीगुरुमेलारामनिज
परमहंसनिरबास ब्रह्मरूपपदप्रप्रतिनमोकोटिगुण
जास २३ जोहिकृपालवलेशकरप्रापतपदनिरबान
नेतिनेतिकरवदतजहिनिगमागमपौरान २४ रचना
ग्रंथविचित्रलखनिजमतिस्वल्पविचार श्रीभगवद
प्रतिप्रार्थना कविजनकरतउदार २५ श्रीमतसा-
धूरामपनमानसरोवरजान भगवतजहिपरहंसवपुक-
रेग्रंथवखान २६ कवित्त जासपदमाहिसुरसारदा
सुरिंदनाहिसुरगुरुशशिसरवगशीलवतीयां जासपद
माहिध्रुवपरमध्रुरिंदनाहिधीरधृतिवानधनिधरमकर-
तीयां जासपदमाहिमनुमानवमुनिंदनाहिमारुतमहिं
द्रमहिमानमदमतीयां असब्रह्मरूपनिजज्ञानमस्वरूप
प्रतिकरतजुहारकविमनकाइबतीयां २७ जासपदमा-
हिसुधिसामगासनंदनाहिसवदसकेनसदमारगचर-
तीयां जासपदमाहिधृतिधूरतधनिंदनाहिधनदधन

घधरधूमधामवत्तीयां जासपदमाहिभूतभौतकभुतिं
इनाहिभगती भंडारभारभूरभोगमत्तीयां असब्रह्म
रूपनिजध्यानमस्वरूपप्रति करतजुहारकविमनकाइ
वत्तीयां २९ जासपदमाहिनिगमागमपुराणनाहिसि
म्रतीसंगीतसचीसाधनसहत्तीयां जासपदमाहिभव
भेषजभुमिंइनाहिभूतरामहंडभेदभ्रमभागवत्तीयां
जासपदमाहिसेव्यसेवकसुसीलनाहिसर्य्यसनढवइ
शासनाकरत्तीयां असब्रह्मरूपनिजध्यानमस्वरूपप्र-
तिकरतजुहारकविमनकाइवत्तीयां २९ जासपद
माहिमत्तमुकतममुत्युनाहिमाघदमछंदमतिमानमू
ढमत्तीयां जासपदमाहिक्रतुकारककुलिंइनाहिको
विदकविंदकविकालक्रिनवत्तीयां जासपदमाहिशेव
विरकविंदकविकालक्रिनवत्तीयां
शाकतशाकंधनाहिशानिशिशुमारमुकशेशग्रस्तिरत्ती
यां असब्रह्मरूपनिजध्यानमस्वरूपप्रतिकरतजुहार
कविमनकाइवत्तीयां ३० जासपदमाहिनागनागनीनरिं
इनाहिनारदनगिंइनिमिनिधिनीनवत्तीयां जासपदमा
हिदिगदिग्गजदिगिंइनाहिदानवदिगंबरसदयादानर-
नीयां जासपदमाहियमयोगनीयुगींइनाहिजामनी
जलेशजुगजनमरहत्तीयां असब्रह्मरूपनिजध्यानम
स्वरूपप्रतिकरतजुहारकविमनकाइवत्तीयां ३१
दो· अतरअजरअजनअजअद्वैरूपअपार ब्रह्मनिजा
नमरूपप्रतिकविमनकरतजुहार ३२· अथगुरुशब्द

का लक्षण गुकारंगुणाहीनंच रुकारंरूपवर्ज्जितं गुण
हीनमरूपाख्यं गुरुरित्यक्षरद्वयं ३३ गुशब्दस्त्वंधकार
स्यादुशब्दस्तन्निरोधकः अंधकारनिरुद्धत्वाद्गुरुरित्य
भिधीयते ३४ पुनः गुरुशिष्यलक्षण सदीक्षयाचार्य्य
मूर्त्तिस्थाः इतिश्रुतेः शांतादांताउपरतास्तितिक्षवा समा
हिता समितपाणिः भूत्वा श्रोत्रयं ब्रह्मनिष्ठं गुरुमेवाभिग-
छेत् ३५ दो॰ भगवनकारणजगतबद सहितवेदपरि
मान देवशक्तनिजैगुणोकर गूढहेतुजगजान ३६ प्रमा
ण देवात्मशक्तिंस्वगुणैरनिगूढामित्यादिश्रुतेः सोरठा
अष्णा निष्ठानिगमअनूप वेद्यवस्तुअनुभूतसै मुक्तिनि
जातमरूप भगवनजगतस्वरूपबद ३७ दो॰ उत्त॰ ब्र-
ह्मादिअस्तंभलौ जगतनिजातमरूप नान्यकिंचितभिन्य
जहिनिष्ठानिगमअनूप ३८ सत्यंज्ञानमनंतश्रुतिवदत
सनातनजास ब्रह्मनिजातमरूपकरवेद्यवस्तुसुखरास ३९
निरभैरूपनिरवधिशिवसुदृशांतनिरवान ब्रह्मनिजात
मबोधमैनिजअनभवपहिचान ४० शोकनिविरतीप्रा-
पतीपरमानंदस्वरूप अविकल्पपदमुक्तिवपुगावत
निगमअनूप ४१ मनगोगिराअतीतसमस्तप्रकाशनि
रमाइ ज्ञानब्रह्मतनवरूपजहिनेतिनेतिश्रुतिगाइ ४२
इंद्रजालमृगनीरजिमशुक्तिरजतगुणमार व्योमपुष्प
शशबांझसमस्वपनजगतनिरधार ४३ वायुवायूअगनि
जलअवनिभवनदसचार नामरूपपरपंचसभमनोमात्र

निरधार ४४ बंधनिविरतीमुकतिग्रह भगवनकवन
उपाइ ब्रह्मानमयैकत्वद्रिढ़ब्रह्मबोधश्रुतिगाइ ४५
बोधनिजानमहेतुजो भगवनकरोविधान श्रीगुरुमुख
उपदेशसुनमहावाक पहिचान ४६ भगवनब्रह्मस्थि
तीवद सैमहिमनिपहिचान पुनःब्रह्मनिजरूपकिमत
त्तैमसीश्रुतिगान ४७ मुख्यप्रयोजनब्रित्तिकाभगवन
करोविधान मूलाज्ञाननिविरतिब्रितिमुख्यप्रयोजनजा-
न ४८ ब्रित्तीकामुख्यप्रयोजनअज्ञानकीनिवृत्ती है जै
सेघटादिक अज्ञानमाकारवृत्तीसें घटादिक अवछिन्न
चेतनस्थ अज्ञान की निवृत्ती होवे है तैसे अखंड ब्रह्मा-
कारवृत्तीसें निरविछिन्न चेतनस्थ अज्ञान की निवृत्ती
होवे हैं वाचस्पती के मनमै वृत्तीमें बाध्य जो अज्ञान है
तिसका आश्रय जीव है औ विसे ब्रह्म है अर विवरणका
रादिकों के मनमै अज्ञान का आस्रे औ विषे शुद्ध चेतन है
जैसे ज्ञानकृत घटादिकों का प्रकाश ज्ञान की विषयता
कहिये है तैसे अज्ञानकृतस्वरूप का आछादनही अज्ञा
नकी विषयता है जीवईसभाव अज्ञानअधीन है यांते
अज्ञानकृतजीव अज्ञानका आश्रय संभवेनही दो०
प्रश्न भगवनसोवद कवनअणुकोटिभवनगतजास
उदैसरबदालीनजहि जिमतरंगजलरास ४९ उ० यथा
बीजगतकोद्रुमतिमअज्ञानमजगजान मनगोगिराअ-
तीतमन अणुरूपश्रुतिगान ५० प्र० कवनप्रकासग

इविन भगवनकरो विधान जगतचराचरजासगतशो
नपोनहै भान ५१ उ० सरबरहितपुनसरबमयसूनासून
प्रकाश चिदाकाशसरबानमाहसवस्वरूपसखरास ५२
प्र० जोंतेस्वैपरउदेहंरावरंकसमजोइ संगीरहितकलंक
जोभगवनकहीएसोइ ५३ उ० स्वैपरहंताउदेजहि
पुनालीनहं जास साखीरूपनिजानमा हंतारहितप्रका
स ५४ प्र० गमनागमनस्वरूपपुनगमनागमनविही
न भगवनवस्तूकवनअसजासबोधभवछीन ५५ उ०
चलेचलावेसरबकोअचलरूपनिरबान पूरणरूपनि-
जानमानिषप्रपंचपहिचान ५६ प्र० दाहरहनसमसर
बगततमप्रशांतपरकाश भगवनअगनीकवनअस
जहिसपरशभवनाश ५७ उ० जासभासकरभानहै ना-
मरूपजगजोइ सरबानमविज्ञानमैअगनीकह्यतसोइ
५८ प्र० चखरादिजहिलखननहिसभप्रकाशगतजास
जोअनुभैयासरबका भगवनकरोप्रकास ५९ उ० मन
गोगिराअतीतसमजोग्यानमकरभान साखीरूपनि-
जानमा अनुभैयाजगजान ६० प्र० नमप्रकाशइक
ठौरमें रहैंइकत्तरजास भगवनसोवदकवनअसज-
हियटसरबनिवास ६१ उ० संपुटमाहिइकत्रजिमर
हितरतनगणजान तानातानइकत्रतिमआतममाहि
पछान ६२ प्र० भगवनसोवदकवनअणुजोनिजनि-
कटनदूर पुनानिकटअरदूरजोकलनारहितहजूर ६३

उ० अलखअगोचरदूरइमनिकटसदाअपरोक्ष द्वंद्वातीत
निजानमाजोंगगनबंधनमोक्ष ६४ प्र० कवनअकाशउ-
लाड़बिनभासकसरबसमान नहिरविआदप्रकाशजहि
भगवनकरोनिधान ६५ उ० अनुभवरूपनिजानमासा-
खीपरमप्रकाश रविशशिभासकसरबगनव्यापकयथा
अकाश ६६ प्र० रहैंइकनरजासमैसत्यासत्यसमान भ-
गवनसोवदकवनअणुजहिश्रुतिभननमहान ६७ उ०
कथनीमानरजासगनअगनगविवहार नैसेसत्यअसत्य
जहिसोअानमनिरधार ६८ प्र० एकनिमषजहिकलपसम
कलपनिमषसमभान भगवनसोवदकवनअणुजामेअ-
रवसमान ६९ उ० दुखीचित्तखिणकलपसमसुखीकल
पखिणभान चित्तचेनबिनआनमानिरविकारनिरबान ७०
प्र० कवनजुशबदअशबदनिजशबदाशबदविहीन भग
वनवदअसचरपपदजामैचकितप्रबीन ७१ उ० सबद
अरथचैनन्नघनघटघटआनमजान पुनःअचिंतअगम्य
पदशबदरहितनिरबान ७२ प्र० भगवनचेतनअचेनवद
उभेजासगनभान जोंहिबोधकरहानहैनमोरूपअजान ७३
उ० हंतात्वंतासहितचिदरहितअचेतननजान आनमचेतनअ-
चेतनिजउभेरूपपहिचान ७४ प्र० जोंकेपाइनपाइकछु
पारसभपाइआजाइ अप्रापनकीप्रापतीभगवनमोहिबता
इ ७५ उ० प्रापतनित्यनिजानमायोंनेपावननोंहि जहि
प्रापनसभप्रापतीजगगनअंगगनजोंहि ७६ प्र० भगवनसो

वदकवनम्रणुजोमुमेरूवतभान अणुरूपनिजत्यागबिन
नैंसेभयोतमहान ७७ उ० बीजरूपनिजत्यागबिनजिम
डुमहोतमहान जगनांवारनिजानमामणुमेरूवतभान ७८
प्र० स्वादास्वादविहीनजोस्वादास्वादस्वरूप भगवनसोवद
कवनअसजासरंकसमभूप ७९ उ० मतिसूतमपरमानमा
यांतेस्वादविहीन समस्वादनगतस्वादवहिसमघटव्याप
कचीन ८० प्र० भगवनसोवदकवनअणुजोसमछापनहा
र निजछापनसमरम्यनहिव्यापकरूपउदार ८१ उ० चि
दाकाशसमअंवनहियांतेछापनहार जांतेअपकनअवर
कोछापनहारउदार ८२ प्र० अंगरहितसरबंगजहिगाव-
ननिगमअनूप भगवनसोवदकवनअसजोकेरंगनरूप ८३
उ० निरावयवचिदहोतसन अंगरहितपहिचान सरबनि-
जानमहोतसनसरबअंगतहिजान ८४ प्र० जहिअनंता
नत्तलोकमोकल्पकोटिहैभान भगवनवस्तुकवनअस
जासबोधभमहान ८५ उ० निजअनमअनंताननेकोटिज-
नमखिनमांहि भानहोतजिमस्वपनगनब्रह्मबोधमिटजां
हि ८६ प्र० समक्रमत्वतेरहितपुनसमक्रमत्वजहिभा
न भगवनवस्तूकवनअसजहिस्मृतिमननमहान ८७ उ०
जिमस्वपनाबीस्वपनगन भगतअभगताभान तिमअा-
नमकरनत्वयुतभानहोतनिरबान ८८ प्र० भगवनदृ-
षाकवनजोभइअोदृश्यनतकाल निजस्वभावकोत्याग
करकैसेभइअोकुचाल ८९ उ० घटाकारदृगहोतजिम

वस्तु रनाहि अभाव॥ ८० प्र० जास बोध कर त्रिपुटि लै भ-
गवन वस्तु विधान चिदजड़ ग्रंथि अन्तु दे फल जास भन
न विज्ञान ८१ उ० रज्जु सकनि के बोध जिम सरप रजत
हैरान तथा निजातम बोध सन जगत भाव लै जान ८२
प्र० द्वैत सहित अद्वैत जो भगवन करो विधान द्वैत अभि
न्न अद्वैत किम उभे विरोधी जान ८३ उ० जल तरंग जिम तंतु
पट हेम कटक है भान ब्रह्म निजातम जगत तिम ओत
प्रोत पहिचान ८४ प्र० भगवन द्वैताद्वैत बिन वस्तु कवन
विधान सरब कलपना रहित जहि एक न द्वतीव रवान ८५
उ० मन अरु वाङ् श्रुति वदन जे द्वतीभाव बिन जान ब्रह्मनि
जातम रूप श्रुति आगम भनन पुरान ८६ प्र० चिद अरू-
प किम अजागन प्रति बिंबन श्रुति गान सौंतदारनभश
वदगुण य थाअहि लधी जान ८७ स्वैं परकरन हि वे यजो
भगवन वस्तु विधान योगिजना परमि स्थिती निष्ठा पर
निरबान ८८ प्रमाण ब्रह्मगीतायां श्लोक परनिरबान
निष्ठस्य योगिनः परमां स्थितिं स्वयं च न विजानाति नह
रिर्न महेश्वरः ८९ न मया च परिज्ञातुं शक्यते योगिनः
स्थितिं नापि वेदेन मानेन न च स्मृति पुराणकैः १००
श्री मत साधूराम वर उदासीन कृत ज्ञान वाकसुधाकर
तरंग इति प्रथम स भगपहिचान ९१॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

दो० श्रीमदगुरुपद हरहरी जननी जनक उदार श्रीगुरु

दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ कुंदिन्दूसम
वरणजहिवारुचवरभुजजास वागेश्वरिपदपदमप्रति
नमोसुखदसुखरास २ सवैया मुखकंजप्रभाकरकंज
जिसेपदकंजप्रभादृगकंजनिहारे गजमोतनहारमणी
मुकटांगदभूरभुजांकरआगमधारे ननकंजप्रभाश्रुत
कुंडलजहिकटिदामनिकेसदकूलसवारे अससारस्व-
तीपदकंजनमोपगनेवरजहिगुणशीलउदारे ३
सो॰ प्र॰ जनमहेतभ्रमहाननरकस्वरगअपवरगप्रद
शत्रूमित्रविधान भगवनहेयाहेयवद ४ दो॰ उ॰ हेत
जनमअविद्याया श्रुतीबोधभ्रमहान पापकरमजनन
रकप्रद पुन्यस्वरगप्रदजान ५ ब्रह्मबोधअपवरगप्र
द शत्रुमित्रमनजान हेयअनातमआतमा उपादेय
पहिचान ६ सो॰ प्र॰ ज्ञानरूपअज्ञानजगआधारधिष्ठा
नवपु भगवनरहितविधान आतमवस्तुअनातमा ७
दो॰ उ॰ ब्रह्मातमएकत्वहृदु ज्ञानरूपपहिचान ब्रह्म
निजातमभूलना यहीरूपअज्ञान ८ सत्ताचेतनरूप
करब्रह्मजगतआधार अद्वैरूपअनंदकर अधिष्ठान
निरधार ९ जगमोरत्तीरहितफल मोपयकह्योनजा
इ लोकनथापरलोकमय पूजनीयहितलाइ १० अंत
रयामीआतमा बुद्धिनियंताजान स्वप्रकाशअपरोक्ष
वपुहोतविषेबिनभान ११ विषेअतसंबंधकरजोप्र-
त्यक्षकरभान नामरूपपरपंचसभवस्तुअनातमजा-

न १२ सो० प्र० दारिद्री धनवान योग भोग युत रोग प्रद
भगवन दान विधान क्षिणभंगुर थिर वस्तु सद १३ दो०
उ० त्रिशनां युगन दरिद्रि जन संतोषी धनवान ब्रह्मध्या
न युत योगि जन भोगि भोग युत जान १४ भोग रोग प्र-
द ज्ञान जग ब्रह्मज्ञान पहिचान क्षिणभंगर धन आत्म
थिर आनम सत्य पछान १५ सो० प्र० चंचल वस्तु विधा
न दुरनिग्रह वपु दुरविगेय परम सधारण भान तेत्र रूप
ते त्रतवद १६ दो० उ० दुरनिग्रह मन चंचलं दुरविगेय
निज भान परम सधारण ध्यान हरि नाम उचारण तान १७
आनम वस्तु समान कर भान होन पहिचान ऐवन रहूप
शरीर ते चत आतमा जान १८ भगवन बंधन मुकति प्रद
भवनिधि तरण उपाइ विषे राग वैराग उर विष्णु चरण चि-
तलाइ १९ नरक द्वार अपवर्ग वद मंद संग सद जान
बंध हेतु जन शांति प्रद मोह निजात मज्ञान । २० हरष
हेतु जन शोक प्रद गुंणि औगण पहिचान त्यांगनीय भ्र
म हेतु वद कनक कामनी जान २१ वरद्धमान जग वस्तु व
द त्रिषणा विषे विधान एकांतर महमंत्र वद उभे प्रणव
पहिचान २२ भगवन सुख दुख हेतु जन जाग्रन स्वपन
विधान बोधं दुरासा हेतु जन न तत्र्मत पहिचान २३
भगवन बंधन रूप वद हंतां ममता जान दीरघ रोग उ-
पाइ तुं जंगंन संग सद भान २४ भगवन जीवन उरष जग
हेतु मोक्ष विधान दोषं रहित जन मुकति प्रद आनम

विद्याजान ज्ञानीध्यानीधीरजन भगवनकरोविधान ब्रह्म
बोधहूरिध्यानयुत थिरमतिधीरपछान २६ हेयसरवदाउपा
य भगवनकरोविधान हेयवासनाउपादेय ज्ञानमविद्याजा
न २७ दुर्लभवस्तु पूज्यजग भगवनकरोविधान परउपका
रीनरबिन दुर्लभसुज्ञजहान २८ सो॰ प्र॰ सदगुरुशिष्यस्व
रूप निरमलवस्तुमलनवपु नीरक्षपरमअनूप भगवनजी-
वनमनसुवद २९ उ॰ सदगुरुहितउपदेशशिष्यभगतियुत
जान निरमलवस्तुनिजानमा मलनसरीरविधान ३० नीर-
क्षपरमनिजानमा मस्तुकअपयसवान अंवणवेदगुरुगि-
राविषयुवतीचिंतनजान ३१ सो॰ प्र॰ मूरखचतुरविधान
भगवनयेहीसंतजन भूषणअंधवखान हानलाभदृगतू
रजग ३२ दो॰ उ॰ मूरखरहितविचारयुत चतुरपुरषपहिचा
न रागीयेहीसंतजनउदासीनपहिचान ३३ भूषणविद्या
कामयुत अंधपुरषपहिचान हानिनिजानमभूलनोलाभ
निजानमतान ३४ श्रुतीस्मृतीनेत्रद्वयसूरविजयमनजास
उपादेयसदसंगत्यजदुरजनसंगनिवास ३५ असधारणआ
रणाशिवद आशात्रुंवतीजान लघुनारेनबजनवद आशान
छिनवान ३६ निरभयवदभयहेतजनभगवनकरोविधान
निरभयब्रह्मस्वरूपउरद्वतीभावभयवान ३७ भगवनपामर
पशुवदशिश्नउदरपरजान विद्याविनयविहीनजनपामरपशु
पछान ३८ भगवनगुंगाकवनजहिफुरेनअवसरबा
न अनामधुरंगरुवाकस्मृतिसुननननहदेसरवान ३९

भगवन भकतीपंथवद धरमब्रह्मविज्ञान पुनजिज्ञा-
साब्रह्मकी मोक्षहेतुपहिचान ४० तंत्ववस्तुनिशानत्व
जोभगवनकरोविधान तंत्वब्रह्मनिशानत्वजगकारय
कारनजान ४१ सूक्षमथूलजगनतत्कृतभगवनकरो
विधान हंताकरम कामकरअतलिपायमान ४२ जिम
सफटकमणिवहिरतेरंजितअंतरविसुद्ध तिमसभक
रमनकरतजगनतअंरंजितबुद्ध ४३ सो० प्र० प्रीतिभा
वसनमानस्नानध्यानधीरोगअद्य संशेतनभगवान
दरबदरिदरघटनकिम ४४ दो० उ० जाचनसनजन
प्रीतिउरघटनभननमतिवान गमनवितापतिमित्र
गृहिभावघटतिपहिचान ४५ आदरघटतदरिद्रमन
मूढसंगवितान ध्यानघटतबिनधीरधी चिंताउगन
विधान ४६ रोगऔषदीघटतअग श्रीगंगाइशनान
संशेसंतनसंगनन घटनअन्नबिनप्राण ४७ दरबव्य
सनकानामहरि घटतदरिदरजान मलनपापकरस्तु
हैधी भगवदनामविधान ४८ सो० प्र० यननसपरशवि
धान भगवनहहरीकृत्यघन पातकभेदाखवान दंपति
रतताग्रताग्रवफल ४९ सो० उ० खपचसहस्तरउभेशन
नासअधकहैजान नहिसमयवनसपरसफलआगम
भननमहान ५० तिन्नसबलीखपबली खानमांसमद
मांहि रुधरलिपतपटछापकरनरकपासनधरतांहि ५१
तिनउगनमलमूत्रकरनारकपालनधरतांहि हरीपवेस

कन्यघन रहेपवित्तरनांहि ५२ उभेबरसकेअंत्रमृतकवि
तीदाहितहिजान एकदिवसचतुवरणगतसमपातक
पहिचान ५३ बरसषष्टलोअगनिदाहपातकभेदपष्ठ
न तीनषष्टनवदिवसदस विप्रादीपहिचान ५४ तास
अनंतरविप्रदस क्षत्रियद्वादशजान वैश्यषष्टदशशूद्र
गतपातकतीसदिनान ५५ लज्जाबुद्धीचतरगुणउद्द
मतुगणअहार संशेषटगुणपुरुषते युवतिअष्टगुण
मार ५६ सपनकोटिमहमंत्रगनप्रणवशिरोमणिजा
न जासुउचारणशांतिमनहेतुमोक्षनिरबान ५७ दो॰
प्र॰ भगवनभूषणसुभगवदमहंनामसरबजनान शीतल
मंदसुगंधियुतभूषणपवननिधान ५८ युवतीप्रतिब्र-
तसमानपियाविश्वविधान धनीदाननृपनीतमुनिशा
नीउपसमजान ५९ पंडतभूषणमानबिन सूरगिराभि
नवान भगवदभूषणलक्षणभृगुननभूषणदृगजान ६०
भगवनलक्षणसत्वबद अल्पाक्षरपदजान सारभूतजहिअ
रथबहुसूत्रभननतमनिबान ६१ अल्पाक्षरंबहुरथव्याप
कसंसूत्रत्वे ६२ लक्षणइति निमेषघटादिक्षानादकोकर
नब्रह्मपरकाश तथाकुनिक्षानादकोकिमकूटस्थनविभाग ६३
रहिनैक्षाननाक्षाननेवृत्तीभननमहान इसीहेतुनेसाक्षिन
हिभासकनाहिविधान ६४ रहिनैक्षाननाक्षाननेकिमधी
वृत्तिविधान तौंनरूपवृत्तिहोनसनक्षाक्षनरहितपहिचान ६५
नहिआवृतअक्षानकरयांनेरहिनैक्षाम अप्रकाशवृत्ति

१७ होतसनघटअवरणकिमजान ६६ विक्षेपांकावृत्तिविषे नाह वृत्तिसात्तिकरभास जोसभासवृत्तिविषेद्वैवृत्तीनास प्रकाश ६७ लोहकुंनवनवृत्तिचिद करतगेयतमनास भानहोतनतबविशेजब विषेवृत्तिसहिवास ६८ सो०प्र० ब्रह्मशाकतिअज्ञान जीवईशभ्रमध्यानवउ भगवन ब्रह्मविधानशाक्तअवरणविक्षेपद्गुन ६९ दो०उ० मुद्ध सत्वपरधानगुन मलनसत्वपरधान मायाविद्याद्गुवि धवउ ब्रह्मशाकतिपहिचान ७० किरयाशकतीज्ञान पुनदुविधशाकतिअज्ञान किरयावरणविक्षेपकर दु- विधरूपपहिचान ७१ मूलाविद्याभाशचिदअरचेतन आधार नादातमइनत्रिनेकात्वंपदवाचनिहार ७२ मूलाविद्याभाशका केवलंअद्विष्ठान सात्विरूपकूट- स्थजो त्वंपदलत्तविधान ७३ मायाअरआभासचिद पुनचेतनआधार नादातमइनत्रिनेकाततपदवाचनि हार ७४ मायाअरआभासका केवलंअद्विष्ठान ब्रह्म नंदाद्वैतजोततपदलत्तविधान ७५ जहिभ्रमप्रापत अरथसैं संवादीभ्रमजान अप्रापतसैं अरथजहि वि- संवादिभ्रममान ७६ निरगुणसगुणउपासना संवादी भ्रमजान गुवतिज्ञानथनध्यानजो विसंवादिभ्रममा- न ७७ मणीदीपद्दृष्टांतजिम दुविधप्रभाभ्रमचीन म णिप्रभाकरलाभमणि दीपप्रभाफलहीन ७८ संवा दीगुणगुगनचिद सगुणध्यानपहिचान गुणनीत

चैतन्यघन निरगुणध्यानविधान ७९ जगअधारअधि-
ष्टानजोभोगब्रह्मपहिचान नादानमननत्रितेगतब्र-
ह्मभोगनाजान ८० बोधकब्रह्मपरोक्षकरवाकअवां
तरजान जोबोधकअपरोक्षकरमहावाकपहिचान ८१
प्रमाण सत्यंज्ञानमनंतंनश्रुतिब्रह्मपरोक्षकरगान
तत्वमसीअपरोक्षब्रह्मप्रतिपादनपहिचान ८२ असत
ीब्रह्मनभातिपुनदुविधआवरणविधान ज्ञानपरो
क्षपरोक्षकरनासनविरतीजान ८३ रागाभानापाद-
कंदुविधविक्षेपविधान रागहानवैराग्यकरभानस-
माधीहान ८४ सो·प्र· योगीयोगविधानहैनविपर
येज्ञानफल भगवनसहितवरदानजीवईशवपुएकता ८५
दो·उ· सुनेज्ञानहैकालजहि योगीयुग्जानविधान पुना
योगबलबोधजहि सोयोगीयुंजान ८६ अष्टअंगयुत
योगहठआगमधननमहान शत्रुमित्रसमआतमा
मिरदुलयोगविधान ८७ मगमकतीअनुकूलजोहैन
शासनरीजान तीवरमंदअशासनरिप्रतीबंधवितान ८८
कामादकतीवरवपुमनोराजवपुमंद तजेयोगवैरास
बलहैनदुविधमनिवंद ८९ जीवब्रह्मगतभेदसद
ब्रह्मइत्रजगभान निदिध्यासनकरहानहूंदुविधविप
रयेज्ञान ९० ज्ञानकालअज्ञानमोसमसत्ताचिदजान
अविरोधीअज्ञानकीज्ञानस्वरूपविधान ९१ चेतनसून्य
रूढ़जोवृत्तीज्ञानविधान भ्रमनाशकफलमोक्षजहि

जीवनमुक्तनपछान ९२ ब्रह्मप्राप्तिकरभानजो ज्ञानपरो
क्षविधान अहंब्रह्मअपरोक्षअस ज्ञानभनतविद्वान ९३
ब्रह्मज्ञानसुपरोक्षकर श्रीगुरुमुखतेजान ज्ञानपाप
सभभस्महैं यथातूलकिरसान ९४ ब्रह्मज्ञानअपरो
क्षकर श्रीगुरुमुखतेजान भवकारणअज्ञाननमतहि
नाशकसमभान ९५ प्रमाण परोक्षंब्रह्मविज्ञानं शा-
ब्दं देशकपूर्वकं बुद्धिपूर्वं कृतंपापं कृत्स्नंदहतिवह्नि
वत् ९६ अपरोक्षंब्रह्मविज्ञानं शाब्दंदेशकपूर्वकं सं
सारकारणाज्ञानं तमसश्चण्डभास्करः ९७ ईक्षणादि
प्रविशान्तो सृष्टी ईश विधान जाग्रतआदिविमोक्षलौ
सृष्टीजीवबखान ९८ मायाविद्याउभेगनचिच्छायाऽ
धिष्ठान नहिंइकब्रजीवीशवपुचेतनसखाविधान ९९
ब्रह्मसाथकूटस्थकी मुख्यएकताजान बाधसमानधि-
करणकरचिदाभासकीमान १०० श्रीमतसाधूरामवर
उदासीनकृतजान वाक्सुधाकरसरगइति द्वितीसु-
भगपहिचान १०१

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसद्गुरुपदहरहरी जननीजनकउदार श्रीगु
रुदशअवतारप्रति कविजनकरतजुहार १ वागवाण
श्रुतिघ्राणदृग नामरूपकरपाद जोंहिसहसरशीरखा
नमोविष्णुजगदाद २ सवैया मच्छमोरहनिदन्तधनंतर
कूरमबोधबढ्ढ हरिहैमखधारी नरसिंघनरायणश्रीरघु

नरनडुवरदायक हंसखरारी कलकीकपलप्रभुश्रीय
डनंदनयतवपुसनकादकचारी वपुश्रूकरव्यासनमो
परशुधर श्रीरिषभंहिजगोहितकारी ३ सो॰ प्र॰ मनयु-
वनीसंतान इच्छाकारणगंथमन भगवनबोधविधान
विबुधवैद्यसापरणजग ४ दो॰ उ॰ परविरतीनिरविर-
तिमन प्रवतिदुविधपहिचान बंधहेतपरविरतिजन
मुकतिनिविरतीजान ५ दैवीआसुरिसंपदामनसंतति
पहिचान लक्षणसंतअसंतके उभेसंपदाजान ६
सुखसाधनसुखरूपकी इच्छादुविधविधान ब्रह्मबोध
वैरागकर नासनविरतीजान ७ कारयज्ञानासंगचित
कारयइच्छावान सापरयतननिमित्तवपुघटकुला
लवतजान ८ कारयमैंअन्वैवपूपुनकारयजहिलीन
उपादानकारणवपू हेमकटकवनचीन ९ सुरभिअ-
सुरभीदुविधवपुगंधरूपपहिचान पुनसंकलपवि
कलपमनरूपदुविधकरजान १० ब्रह्मनिजानमबोध
हृढ़संशेरहितविधान पुनसंशेयुतबोधजो अहृढ़भ
ननमहान ११ श्रीसुरयसतअष्टनीविबुधवैद्यपहि
चान पठोसुआयुरवेदजहि रुचिररूपमतिवान १२
कोमलकठनसपरशपुन शीतनउष्नविधान प्राण
सहितचेतनजगतप्राणरहितजड़जान १३ ग्रंथको
टिसिद्धंतनजो भगवनकरोविधान जेगेतअसदजड़
जीवसद ब्रह्मरूपपहिचान १४ सो॰ प्र॰ व्यापकता

हंकारसाधनधर्मवित्तमन विद्यावस्तुविचारभगवन
संशेरूपवद १५ दो॰ ३॰ वहुव्यापकसामानवस्तुसत्य
रूपपहिचान अल्पव्याप्यसुविशेषवस्तु मिथ्यानासवि
धान १६ हंकरताफलभोगतादुविधमलनहंकार हं
असंगसद्रूपशिवशुद्धरूपनिरधार १७ निरपेक्षकफल
हिवजोअंतरंगपहिचान सापेक्षकफलहेतुजोसोव-
हिरंगविधान १८ सुनेकालत्रैबोधजहिं परमाईशवि
धान पुनायोगवलबोधजहिं परमाजीववखान १९
सत्यंज्ञानमनंतवस्तु आतमवस्तुजान पुनअसत्यज-
डदुखमयवस्तुअनात्मगान २० विशिष्यापाकनअ-
शुद्धमनशुद्धविशेविनजान कल्पनत्वाधिष्ठानमोबंध
मोक्षफलवान २१ आतमनित्यअनित्यजगप्रथम
अवस्याजान पुनसत्तपतिवतत्रिपुटिलयसिद्धअवस्था
मान २२ ब्रह्मादीअलंभलौसमसंविदनिजरूप इंद्र
जालसमसपनजगवस्तुविचारअनूप २३ निगमअ-
रथअद्वैतकाप्रतिपादकवाक्यान संशेअसपरमाणग
त होतअवणकरहान २४ जीवब्रह्मगतभेदसदवाअभे
दसदगान संशेअसपरमेयगत होतमननकरहान २५
सो॰ प्र॰ चिंतादुविधप्रमान दुविधपदारथहानमन
लक्षणवस्तुविधान भगवनपापसुपुन्यफल २६ दो॰
३॰ प्रापतइष्टअनिष्टतय चिंतादुविधविधान लौकिक
आपनवाकपुन वैदकवेदप्रमाण २७ दुविधविलक्ष

णपरसपरद्रष्टादृश्यविधान द्रष्टाब्रह्मनिजातमा दृश्य
अनातमजान २८ ज्ञानयोगमननाशकेहेतूदुविधवि
धान ज्ञानस्वरूपसरूपमननाशयोगकरजान २९
ब्रह्मसच्चिदानंदस्वारूपसलक्षणजान पुनतटस्थज-
गकदाचिनचिदअसंगगतभान ३० लौकिकगिराअ-
शुद्धमनविषेनआतमजान वैदकगिराविशुद्धमनआ
तमविषेविधान ३१ पुनः वृत्तिव्याप्यकरआतमाफल
व्यापतिबिनजान विधिनिषेधकरदुविधचिदविषया
विषेविधान ३२ धरमतथाशुभवासनापुन्यकरमफल
जान पुनअधरमदुरवासनापापकरमफलवान ३३
सुःखदुःखफलउभेजो भोगेबिनानहान भोगेबिनान
हानजोपरारबधपहिचान ३४ पुरषारथकरवासना
हान बुद्धिपहिचान संतनसंगकुसंगकरबंधमोक्ष
फलवान ३५ परमप्रेमअभ्यासनस्तुतिआतमकरतवि
धान आतमभानअभानवाभानविषेरतिहान ३६
पुनअभानपरप्रेमनहिभगवनउक्तविधान आतमभा
नसमानकरनहिविशेषकरभान ३७ नहिविशेष
करभानमयप्रतीबंधअज्ञान ब्रह्मबोधअपरोक्षकर
नासनिविरतीजान ३८ आतमविविखयाविखेवाविषे
दृश्यहूैहानु पुनआतमनिरविशेसनशून्यदोषपहि-
चान ३९ विषेरहितअपरोक्षचिदशून्यसिद्धहैजास
आतमदृष्टासरबकाशून्यदृश्यपरकास ४० प्रेमस्वर-

णसत्वपतिलयसत्वस्वरूपचिद्गान सत्वसत्वपति
किसविशेषैंपुनभासवृत्तिअज्ञान ४१ विषमदृष्टिनि
रघिन्यताईशदोषबिनजान ऊचनीचजनरचेकिम
कैरमसपेषकमान ४२ भंगवनवृत्तीविषेवदशंक
तिलक्षणभान शाकतिअज्ञानअज्ञानमा विषेल-
क्षणाभान ४३ जोंअभिव्यंजकभावकीकहोवृत्ति
निशाकाम ऐंनशंकरणज्ञानवाभाषायुगनपरिणा
म ४४ ज्ञानघटादीवृत्तिगत वाअभासगनभान हैं
जीयुगनअभाशविद ज्ञानदुविधकरजान ४५ पंर
मएकवादुविधनहिवृत्तीनथाअभाशैं वृत्तीकर जअ
वरणखेचिदाभासपरकाश ४६ किंसआश्रितवद
विशेकिसअनिरवाच्यअज्ञानैं निरविभागचिद्विशे
पुनतिसिआश्रितपहिचान ४७ मालाधाराआद
जिमरज्जुतरज्जुअज्ञान अनिकशाकतिअज्ञानतिम
रचनजगनपहिचान ४८ जीवएकअज्ञानगनबंध
मोक्षकिमगान स्वैपनाबीजिमस्वपनगनबंधमोक्ष
तिमजान ४९ भगवनज्ञानाज्ञानकाकवनसबंध
विधान उपमरदकउपमरदकं भावसबंधपछान
रवीरहितनमसहितकिम भगवनकरोविधान उभे
विरोधीपरसपरयथाज्ञानअज्ञान ५० कौंरणनमयुत
भाषाकरकारयनमबिनजान कारणअन्वयउभयगु
ननमोरूपअज्ञान ५१ भंगवननिग्रहज्ञानवदहैं

निग्रहिक्रमजान पुनासमष्टीव्यष्टिवपुत्तानदुविध
पहिचान ५३ भगवनष्टहि शरीरवद बाह्याभ्यन्तर
जान व्यष्टिसमष्टिशरीरहै जीवईशकेगान ५४ पुनः
सोहंनामथत्वमतना पुगनजीवपहिचान निरहंतासर
वतनापुगनईशवपुज्ञान ५५ श्रीवैरागउपासना
भगवनकरोविधान पैंपुनअपरविरागवपुअध
नाअरण बखान ५६ ब्रह्मादीसरवविषेहेअपरवै-
रागविधान पुनात्रिविधगुणहृत्तिहेपरवैरागवख
न ५७ ब्रह्मैवाहंभावनाहंग्रेभननमहान देषादि
कपरिछेदपुनसोपरतीकविधान ५८ गैणपतिपु
वतीताननहिभगवनकरोविधान रिद्धिसिद्धित-
हिपुवनिसतनतलाभपहिचान ५९ भगवनक
रमकलंकवद हंकैरताअभिमान हतीकरमफलभो
गकीइच्छाभननमहान ६० ईश्वरइच्छातानपुन
नित्यानित्यवखान नैयीहुकमननित्यश्रुतिउतपत्ती
पुनगान ६१ सोजीवनअहंष्टजनम्रपरलेलोपिरजा
न भ्रमपरमात्मविलक्षणपकव्याकतिपहिचान ६२
हेरवदुरवसंमृतितानवपुभगवनकरोविधान भ्रम
परमात्मविलक्षणजीवसुखादीतान तानपरोताप
रोतगतप्रतीबंधविस्तार सांधारहितविचारजन
प्रतीबंधनिस्तार ६४ भगवनभगतीदुविधवदप्रेमी
परापवान प्रेमगोपकाभगतिपरतानवानगमजा-

नैं भँगवन शांतीहु विधवद पैंणि अपरपहिचान ब्रह्म
बोधसन पराधुन अपरयोग करजान ६६ सँमंसमुच्चेक-
रमवपु भगवनकरोविधान तीनकरमसमकालवपु
समंसमुच्चेजान ६७ प्रथमकरमपुनकालवपुपत्तस-
मुच्चेजान समंसमुच्चे हेयक्रमउपादेयपहिचानु ६८
किरतीअंगसपरशफलभगवनकरोविधान कँटीउर
हुफलसुभगपुन अधोमत्युपहिचान ६९ ऊरधअंगस
परशलन जलसचैलरशनानु अंगअसुभगसपरशस
नु स्वरणघृत्यकरदान ७० भंगवनमंगलवरणवद प्र
णँवबरणअथजानु प्रगटभपअजकंठसन आगम
भननमहान ७१ प्राकृतवैकृतसरगजोभगवनकरो
विधान मैंहितत्वहंकारमह भूतसुप्राकृतजान ७२
करणदेवरिखिमनुजपुनपंचमतिरयगजान इस्था
वरसनकादमुनिवैकृतसरगविधान ७३ जीवब्रह्मग-
नभेदसद वाअभेदसदगान भगवनउभे अभिन्नसन
वाकव्याख्यापहिचान ७४ जीवब्रह्मगनभेदसनजन
ममत्युनहिहान उतीभावनेहोनभयपुनीभनतवि-
द्वान ७५ जीवब्रह्मगनभेदनहिभेदभ्रांतिकरभान द
समपुरुषजिमभ्रांतिकरनाहिनिजा नमतान ७६ महां
वाकउपदेशगुरू भरमनिवारकजान जीवब्रह्मएकत्व
मोवाकसफलपहिचान ७७ प्रमाण सपतसमानजी
वघनानपगानपुरिशायंपुरुषमीत्तने ७८ पुनः हतिया

नवैभयंभवती: ७९ बहूजनदुरलभजगतमोभगवन
करोविधान श्रौंरथीप्रशानीबहूतकमदानाउत्तरवान ८
सो· प्र· प्रतीबंधवितान त्रिपुटीकांडग्रहीरवपु भग
वनअगनिविधानविशारेदनूसरागतै ८१ उ· पूरब
भोगेभोगजोरागसहितसबदाद ध्यानकालतद्रूप
मनप्रतीबंधभूनाद ८२ करमकामनासहितजो भो
गेबिनानहान जनमहेतप्रतिबंधअस भावीकरत
विधान ८३ विषियाशकतकुनरकथी मंदउरागे
जान वरतमानवपुचतुरविधअपुनाअरथविधान ८४
सबदादकआसकतमन विषियाशकतविधान प्रग
तीपूरबपतप्रियशोकुनरकपहिचान ८५ निगमअरथ
अग्रहिगाधीमंदरूपपहिचान हठकरअनथाग्रहिण
जोरूपडरागेजान ८६ हानअवणकरमंदधीविषेशक
तिनैरास तपकुनरकस्मुतिमननकरउरआग्रेनिदिध्या
स ८७ पुनः ब्रह्मलोकहितकरीशुभब्रह्मुपाशनाजा
स पुनातासवैरागहूं ब्रह्मलोकमेंवास ८८ करताकि
रयाकरमपुनतानातानसुगेय परमानादिकत्रिपुटि
वपुध्याताध्यानसुधेय ८९ करमुपासनातानवरवेद
कांडत्रैजान उत्तममध्यममंदत्रैअधिकारीप्रतिगान ९०
प्रियरमपुगतोत्रपथिर अन्नसात्वकीजान धैरयआयुअरोग
बलतासविवरधकवान ९१ कटूअमलअतिउष्णन
पुननीतलगारुतविदाहि पुनाडुःखफलशोकजहिअ-

नराजसीम्राहि ९२ ह्लताबासीबासयुनज्रूडाजलिभ्रा
जोर् पुनाश्रमेध्यविधानबिन ध्रन्ननामसीसोर् ९३
बड़वादावाजदापुनश्रगनित्रिविधनिरधार कामक्रो
धपुनलोभमैजांहिजरनसंसार ९४ विद्यासनगुरूसे
वधनविद्याहेनूजान उत्तममध्यममंदवपुसरणात्रि
विधपहिचान ९५ देहबुद्धिकरदासनवजीवरूपक
रश्रंश ब्रह्महष्टिकररूपनवरामानाथरघुवंश ९६
भगवनवेदस्वरूपवद मैंनुजवेदऋगजान यजुरवेद
स्वरसामपुनपितररूपपहिचान ९७ भगवनश्रातम
करणावदमैंनोवागननजान श्रानमत्तानमहानपुन
शांनानमपहिचान ९८ मोभगवनरिणात्रिविधवद
देवपितरऋषिजान यज्ञनधासंतानसुभविद्याकर
ऋणहान ९९ हृदेनाममधुपरकवदहृदेवब्रुउरजा
न दधीशारकराधिरन मिल मधुपरकपहिचान १००
श्रीमनमाधूरामवरउदासीनकृनजान वाकसुधाक
रसरगइनिननीसुभगपहिचान ९१ ॥

उं श्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरी जननीजनकउदार श्रीगुरु
दशश्रवनारप्रनि कविजनकरनजुहार १ चाहचतुर
मुखचतुरभुज हंसासनपुनत्तान श्रानमभूभवहेतुपर
नमोनिगमधरध्यान २ सैया श्रजश्रानमभूचतुरानन
हे भवकारणभूनचराचरसारे जिसबंदिनभूपभुजंग

सुरासुरसुरशशीसनकादकचारे भवशेशमहेशासुरे
शपतीश्रुतिसारसुनीजगजोविसतारे निजआतम
तत्वप्रबोधनिसेजगदादनमोपदकंजनिहारे ३ सो॰
प्र॰ मंगलआतमज्ञानयत्तदोषनपत्यागतन भगवन
विधीविधान शारदाकरताकरमसुख ४ दो॰ उ॰ वस्तु
विशेषणकथनजहि सोवस्तूनिरदेश नमसकारातम
कहुनीजाचिनजांहिनलेश ५ पुनिजाचिनहितगि-
राज्ञहिजयजयशबदविधान असअ शीरबादातम
कमंगलत्रितीविधान ६ मुख्यगौणमिथ्यातमासा-
सीमुत्तविधान तातगौणतनमिथ्याआत्रिविधआत
माजान ७ मोक्षहेतुमुख्यातमागौणतातनधनहेत
तनवुषीहितमिथ्याआ अससुतिभननसकेत ८ ब्रह्म
निजातनमसरबगत ज्ञानसात्वकीजान भिन्नभिन्नकर
भानजोतानराजसीगान ९ देहमात्रकरजानणाता
नतामसीजान तानत्रिविधगुणभेदकर कीनेंवेदवि-
धान १० वेदविहितफलचाहिबिनयत्तसात्वकीजान
दंभकामनायुगतजोयत्तराजसीगान ११ मंत्रअन्नवि-
नदत्तणाशरधारहितविधान यत्ततामसीवेदविनआ
गमभननमहान १२ मलविषेपआवरणत्रैदोषयुग
तजनजोइ करमउपासनाज्ञानवरभेषजनांकीसोइ १३
गुरुदेवद्विजप्राज्ञसुचिपूजिनरुचिअनुसार ब्रह्मचर
यसुनहिंसबिन तप शरीरनिरधार १४ हितूसत्यप्रिय

१८ अभयसुतिगुगनगिरानपजान मनप्रसन्नम्रदुमौन
नयमानसभननमहान १५ पुनः फलइच्छाबिन
सात्वकीपूजाआदरजास दंभयुगततपराजसीआग-
मकरनप्रकास १६ कष्टयुगत हठमूढ़नाफलसमा
नयुनजास लोकदिखावेहेतजोतपतामसपरकास १९
करमकरनफलचाहिबिनत्यागसात्वकीजान शीत
उशानभयत्यागकृतत्यागराजसीमान १७ आलसपुन
परमादकरवेदउक्तकृतजोइ करतत्यागनहिमूढथी
त्यागनामससीसोइ १९ कारणतनसूत्तमहितीत्रती
स्थूलपहिचान प्राततैजसंविस्वतैजीवभिमानीजान २०
अप्रापतलैअरण्यकावाकविचारकवान विधिअपूर
वरूपअसआगमकरतविधान २१ लक्षण अप्रापता
रथविचारकोअपूर्वविधिः २२ पांचपांचनखिभतअ
सपरिसंख्याविधिजान अन्यमाससभत्यागनहिविधी
नियमपहिचान २३ नथामुमुक्षुजनोंप्रतिश्रवणनि-
यमविधिजान श्रवणअन्यकृतत्यागसभपरसंख्या—
विधिगान २४ पुनः नृष्यनिवृतनीव्रीहहिनशालीव
इनविधान वंध्यनिविरतीमोक्षहितनणाश्रवणविधि
जान २५ प्रमाण अनात्मादर्शनेनैवपरात्मानमुपा
स्महे २६ स्वरभूजिनसोसात्वकीयत्तराजिसीजान भूत
प्रेतपूजिनतनीपारथातामसिगान २७ धैरयउरउतसा
हजतहिराहितसंगहंकार हानलाभसमजासधीसोसात्व

कुकरनार २८ हरखशोकउरलोभजहिरागीहिंसावान
पुनाकरमफलचाहिजहिकरताराजसजान २९ मूढ़
विषादीआलसीपुनाअन्नमरजान दीरघसूत्रीतामसी
करतावेदविधान ३० संगरागफलचाहिबिनकरमसा
त्वकीजान हंतापुगनसकामअभकरमराजसीगान ३१
हिंसाअरअविचारयुतकरमशुभाशुभजोइ बहुपुरुषा
रथविधीबिनकरमतामसीसोइ ३२ पुना करमविक
रमअकरमनहि विधिनिशेधहैजान करमशुभाशुभत्या
गजोरूपअकरमविधान ३३ विषसमानसुखप्रथमजो
पाछेसुधासमान उदेहोतपरमादथीसोसुखसात्वकजा
न ३४ इंद्रेविषेसबंधकेरप्रथमसुधासमभान विषस-
मानसुखअंतजोसोराजसपहिचान ३५ आलसनिद्रा
तेउदे देहीमोहितजास आदअंतसुखतामसीआगम
करतप्रकास ३६ विद्यागुणवदवेदवै सौंमयजुरऋग
जान रजोसतोतमगुणनअनदेवब्रह्मीहरजान ३७ किम
इकत्रइकवस्तुगतएककालमोभान प्रेयउपेक्षाद्वेषव
शुभगवनकरोविधान ३८ प्रेयँवस्तुअनुकूलमोद्वेषव
स्तुप्रतिकूल प्रतीकूलअनुकूलबिनवस्तुउपेक्षामूल ३९
हरखपदारथलाभजहि द्वेषलाभजहिनाहि करत
उपेक्षानामसमोउदासीनपनमाहि ४० जोवस्तुअनिष्टयत
वहुदनकरावेवीर नाशसमेसवियोगमोतासप्रीतितनज
धीर ४१ वंस्तुविपरयेभावमोभगवनदोषविधान मंयंकंप

४· दीदोषजोपरमातागतजान ४२ काचकमललौरोगजो सो
प्रमाणगतगान त्रतीदोषपरमेयगतसोसाहृष्यविधान ४३
भंगवनदेवनतापवदर्भैतिसहितापहिचान ग्रायूत्तयभ-
यपतनपुनतापत्रिविधसुरजान ४४ सो॰ प्र॰ ग्रजाशबद
धीदानलोकभेदपरिछेदगति सत्ताविविधविधानपत्तवा-
सनाशकतिहित ४५ दो॰ उ॰ तुच्छग्रनिरवचनीयपुनग्रजा
वालवीभान ततसुमतूग्रत्तकी दृष्टीत्रिविधविधान ४६
वाचकलत्तकव्यंजकंशबदत्रिविधपहिचान बिनासहाय
कशबदजो वाचकभननमहान ४७ ग्रवरसहायिकजास
मो सोलत्तकपहिचान ग्ररथव्यंगकरकथनजहि सो व्यंजक
करगान ४८ परविरतीनिरविरतिजहिकाजग्रकारयतान
बंधमोत्तभयग्रभयपुनबुद्धिसात्वकीजान ४९ धरमाधर
मस्वरूपपुनकाजग्रकारयतान लखनयथारथनाहिजो
बुद्धिराजसीजान ५० लखनग्रधरमंधरामसम ग्ररथविपरये
भान तमगुणग्राहतबुद्धिग्रसनामसिभनतमहान ५१ पुना
नमदामुकतानेलियाप्रथममंदनिरधार मध्यमद्वितीय
तीसरीउत्तमभनतउदार ५२ ग्रलपग्रवणविस्तारजहिधी
उत्तमनिरधार जिततानाग्रवणस्तुग्रहिणतहिमंदभूलणे
हार ५३ देशकालपाविचजहिद्विजग्रधिकारीजान गुपत
पुनाउपकारबिनदानसात्वकीगान ५४ फलइच्छाउपकार
हितदंभकष्टपुनमान दानराजसीरूपग्रसग्रागमभनत
महान ५५ देशकालमनकारबिन पात्रयुगनत्रिसकार

ज्ञानतामसीरूपअसकोविदमननउदार ५६ भूरभुअरमहलो-
कहैगायत्रीपदजान स्वरगमरुतपातालहै लोकमननयौ-
रान ५७ भेदसजातिविजातिपुनस्वैगतत्रतीविधान जीवब्र-
ह्मसमअभिन्नसनभेदसजातीह्वान ५८ पुनविजातिअसजान
जड़चिदकलपतपहिचान निरावयवचिदहोनतसनस्वैगत
भेदनजान ५९ देशकालअरवस्तुकरहैपरछेदजगमाहि
विभूनित्यसरवात्ममासोपरछेदयुतनाहि ६० करमउपासनज्ञा
ज्ञानकरगतीत्रिविधिपहिचान स्वरगलोकअजमोक्षपुन
अरथकरमकरजान ६१ ब्रह्मद्वैपरमारथीजाग्रतजगविव
हार स्वपनजगतप्रतिभासकीसत्तातीनप्रकार ६२ ज्ञान
करमसमकालजहिपतसमुच्चैजान जोंहिपदारथउभैस
मपत्तविकलपविधान ६३ प्रथमकरमपुनज्ञानगहिप-
त्तविवस्थाजान मोक्षहेतुअभपत्तयेनजेअन्यथमतिवान २४
लोकागमननवासनाअयुनाअरथविधान सभजननैस्तु
स्तुतिकरैंलोकवासनाजान ६५ तृतीयग्रंथअधैनहरस
भगपुनानुष्ठान सुंदरततगुणागुणनहै त्रतीवासनाजान ६६
पदअवैवकरअरथकीउपलभधीजहिहोइ योगाशकती
नामतहिभननवेदविनजोइ ६७ संकेतकपदअरथजहिरू-
ढ़ीशकतीजान विनुपत्तीसंकेतजहियोगारूढ़ीगान ६८
हितप्रापतअजलोकसवहिततरतहिवैराग हितनममा-
नस्वरूपनिजप्रापतजनवड़भाग ६९ सो॰ प्र॰ जनमहेतु
प्रस्थानहिंसासात्तीलक्षण भगवनवारविधानप्रात-

मग्रंथीदोशजग ७० दो० ३० हेतूजन्मअविद्याआकरमवा-
सनाजान गीतासूत्रउपनिषदतुमत्रितैभाष्यप्रस्थान ७१
क्रितकारतअनुमोदपुनहिंसात्रिविधविधान क्रोधलोभ
मोहहेतुजहिफलरउरवनरकान ७२ उदासीनसामीप
विदसाक्षीलक्षणजान वाचस्पतिसाक्षातकरद्वतीअरथ
पहिचान ७३ जहितलक्षणांजहितपुनजहताऽजहितव
खान शक्तसबंधोहिलक्षणा लक्षणजहितविधान ७४
शक्तसबंधीगुणनजहिअहिणःजहितविधान ग्रहिण
भागइकत्यागजहिजहिताजहित वषान ७५ जिमगं
गागतग्रामजनकिसीअरथहितगान शक्तगंगतजल-
क्षणातीरेकारतमहान ७६ लक्षण शक्त्यर्थपरित्यागे
नतत्संबंधीअर्थान्तरेवृत्तीजहल्लक्षणः गंगातीरेघोष
वत् ७७ कऊअनतेदधिराखेनोसुधिजनकरतवखान
शक्तसंबंधीस्वानलोअहिणहोतपहिचान ७८ लक्षण
शक्त्यर्थपरित्यागेनतत्संबंधीअर्थान्तरेवृत्तीअजहल्ल
क्षणः यथामंचाक्रोशंति ७९ जहितलक्षणाऽजहितहै
समीचीननहिजान जीवब्रह्मऐकत्वमोजहिताऽजहितवि
धान ८० सुपंदेशकालादितजपिंडमात्रअवधार देवदत्त
दृष्टांतवततुपंपुरुषवीचार ८१ लक्षण शक्तएकदेशप-
रीत्यागेनऐकदेशेवृत्तीजहताऽजहल्लक्षणः यथासोयं
देवदत्तः ८२ यथासोयमितिपदयोः केवलदेवदत्तपिं
डेवृत्तीतथातत्वमसिइति ८३ तत्वंपदयोरखंडचैतन्ये

रूजी: पुनः प्रत्यकबोधआभातिसोअद्वयानंदलक्षणःअ-
द्वयानंदरूपप्रत्यकबोधैकलक्षणः ८४ द्वोधिभाग
जीवेशानजअविरोधीअवधार भागत्यागसुभलक्षण
महांवाकगनसार ८५ तत्वंपदकीएकताअसीब्रह्मपहि-
चान सोऽहंनिजातमरूपनिजतत्वमसीश्रुतिगान ८६ स-
मसत्तावपुविषमजहिदधीदुगपवनजान लक्षणअस
परिणामकोआगमभनतमहान ८७ सत्ताअरवपुविष
जहिस्रुकनिरजनतवनजान लक्षणवादविवर्तकोकोवि
दकरतविधान ८८ बहुकारणजहितंतुवनरूपविलक्षण
जास लक्षणवादआरंभकोआनमसतेप्रकास ८९ सान्त-
तमतअरुआनमामध्यमजैनविधान समीचीनवेदांतमत
आनमभनतमहान ९० चेतनअंतशाकरणकेधामविपर-
येभान हिरदेग्रंथीरूपअसब्रह्मबोधकरहान ९१ एकवं-
स्तगतभ्रांतिकरहै नानाविधभान सरपरज्जुदंडादिअस
संशेग्रंथीजान ९२ करमसुभासुभतासगतहंकरताअभि
मान पुनातासफलभोगताग्रंथीकरमविधान ९३ अ-
व्यापतिअतिव्यापतीत्रितीअसंभवजान त्रितेदोषतेर
हितजोलक्षणभनतमहान ९४ जिमकटुशीतसुगंधियु
तचंदनभनतसुजान सत्यंज्ञानमनंततिमलक्षणब्रह्मवि-
धान ९५ पुनः वर्णएकगोजातिगतएकदेशमोजान
अव्यापतियेदोशकवि कोविदकरतविधान ९६ शृंगासुच्छ
वतिधेनुकहु सोअस्गारगनजान अतीव्यापतीदेशअसआ-

गमकरतविधान ९७ एकसुंबवतिथेनुकहु सोअस्त्रादिक
जान लत्तसरखथात्यागजहिदोषअसंभवगान ९८
अंगपूछ्यनशासना चतुरपदीपहिचान त्रितेदोषतेर-
हितगोलत्तणभनतमहान ९९ जगअसत्यजड़दुखवमे
तासविलत्तणजान सत्यंज्ञानमनंतनिज ब्रह्मरूपनिर-
वान १०० श्रीमतसाधूरामवर उदासीनकृतजान वाक
सुधाकरसरगइतितुरीसुभगपहिचान १०१ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो· श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ श्रीशिवशांत
स्वरूपभुजचारुचतुरघटजास नीलकंठसितभस्मतन
नमोशंभुसुखरास २ सैया मौलशशीसिरगंगजटावृष
वाहिनजोडमरूकरधारे अंगविभूतिदिघंबरअंबरभूष
णअंगभुजंगसवारे भूतपतीसितकंठजिसेविषपांच
मुखीश्रुतिपुंजउचारे पारबतीपतिईशनमोत्रिकरुंडजि
सेउरबोधउदारे ३ सो· प्र· साधनरूपअधारगुणाकारय
प्रारबपवयु प्राणायामउचारभगवनकरमाध्यासवद ४
दो· ३· अंतरंगअवणादिसुविवेकादकवहिरंग परंपरा
यत्नादिशुभसाधनमुकतिप्रसंग ५ श्रीपशालेखकधर-
णिजिमवैषेककघटजान अभिव्यापकनिजआतमा त्रि-
विधअधारविधानद शरधापूर्णनीसतो समनाउरवैराग
कामक्रोधपरपतनमद लोभरजोगुणभाग ७ आलस

निद्राभरमउरनमगुणकारयजान इच्छाअनिच्छपरिछा
वपुपरारबधपहिचान ८ बांवीस्वरकरप्राणकोअंतरघैं
चनजोइ षोडसवारीमंत्रयुतपूरककह्यतसोइ ९ दहिणी
स्वरकरप्राणकोवाह्यनिकासनजान वारत्रिंशहैमंत्रयुतरेच
ककरनविधान १० वाह्याभ्यंतरप्राणथिरप्रणवमंत्रयुत
जोइ वारचौठजपमनोमैकुंभककह्यतसोइ ११ परार-
भधफलभोगसनदेहअंतलोजान क्रन्यसुभासुभहोत
जोक्रेयमानपहिचान १२ वरतमाननतनप्रथमकृतपुन्य
पापमैजोइ जनमअगामीहेतुजोसंचनकह्यनसोइ १३
श्रीरारंभकहेतुकृतपरारभधपहिचान ज्ञानीआयुभो
गफसमनासभननविद्वान १४ भ्रांतिजसाक्षिअभासका
करमजननहंकार अंतष्करणअभासकासहिआध्या-
शविचार १५ मैननिरोधत्रयवासनाभवसज्ञाकिमहा
न थौंगैनणावैरागबलब्रह्मबोधकरज्ञान १६ श्रौतम
वस्तुअभावकरज्ञानमहोतनभान अनुभवरूपअभावते
नाअनुभैयाहान १७ श्रौतैमअनुभवरूपरकअनुभव
करनाहान अनुभैयाभवहैनसनज्ञानमहोतनभान १८
चौरभारयानामजौभगवनकरोविधान चौरनिशफलं
ज्ञानफलजहिसमरणभयहान १९ ञादउचौरकफल्य
नहिज्ञानमभूवरदीन दानीभोगीमोहिनीनासभारया
वीन २० सो॰ प्र॰ देहीकरमविधानदेशादिकजीवेशजन
भगवनकालवखान धैरयभ्रोनाशकनिवे २१ दो॰ ऊ॰

मननतनकावादंडदे सोत्रैदंडीजान ब्रह्मलोकफलवा-
सयतिमनूसंम्म्रतीगान २२ काइकवाचिकमानसीकर
मत्रिविधपहिचान उत्तममध्यममंदत्रै त्रिविधत्रिविधफ
लजान २३ हिरण्यगर्भस्वरपतीतनयज्ञादिकपहिचान
उत्तममध्यममंदये पुन्यकरमफलजान २४ लतागुल
मतनंमकक्रिमि वृश्चिकजूंआजान बनपरवकादिकप्राप
तीफलउत्तमअधगान २५ आम्रपनसनलयेरतनमहि
षीगरडूपजान इत्यादिकतनप्रापतीफलमध्यमअध
गान २६ तुलसीपिप्पलअश्वगजगोआदिकतनजान
इत्यादिकफलमंदअधआगमभनतमहान २७ उत्तम
मिश्रितमध्यमं मिश्रितमंदविधान जनमविजातीस्व
रूफलरूपचादिकपहिचान २८ हृदेकंठअरचक्षुत्रैदेश
जीवकेजान जाग्रतस्वपनसुसुपतित्रैकालजीवकेगा
न २९ प्राणिंद्रिनवलुत्रैगुणतिजीवपहिचान शांत
घोरअरमूढ़धीवृत्तीभनतमहान ३० हिरण्यगरभवैरा
टपुनअव्याकृतवखान त्रितेदेशयेईशाकेआगमकर-
नविधान ३१ उतपत्तीसैपालणकालईशकेजान स-
न्यरजोतम त्रितेगुणईशवलुपहिचान ३२ उत्तममध्य
मंमंदधीमनुजत्रिविधपहिचान जिमकटेलदुमआम्र
पुनचंपकभनतमहान ३३ फलेंपकबिनपुष्पपुनउ
मीडुंबरफलवान त्रितीपुष्पपुतरहितफलतथाम-
ननपहिचान ३४ करैंधरमइककहेबिनकहाकरतइक

मान निमग्नसुखकहानकरतइकअरथकरमनेजान ३५
भूतभविष्यनकालसुभवरतमानपहिचान उतपत्ती
थिरनाशजगत्रिनेकालमोजान ३६ प्राणिंद्रेमनवशी
करयोगत्तुगनजनजोइ ब्रह्मपरायणजासधी धैरयसा
त्विकसोइ ३७ धरमअरथअरकाममहितधैरयराजसिम
न जहिभयनिद्राशोकमदधैरयनामसिमान ३८ खल
पश्ववणकरबोधजहि श्रोताउत्तमजान मधकथ्यवण
करबोधमहिश्रोतामध्यमगान ३९ अंतशकरणाकुत
र्कजहि फुरेसरबदाभाव सीघरजहि विश्वांतहि श्रोतामं
दविधान ४० इच्छाकिरयाज्ञानत्रैशक्तीईशविधानु
पुनासारस्वनिरमावसुउमाशक्तित्रैजान ४१ जीव
त्रिविधसंन्यासजोभगवनकरोविधान वंदनीयजग
सरबदाविधालिंगवखान ४२ विंबहारकप्रतिभासकं
परमारथपहिचान जाग्रतस्वपनसुसुप्तिकरजीवत्रि-
विधजगजान ४३ विद्वतआरनविवदिशाविविधरूप
संन्यास जीवनमुकतीहेतुजो विद्वनवेदप्रकाश ४४
प्राणअंतआरनविधीमोसहेतुपहिचान प्रैंतमंत्रपुन
विवदिशानिशकिंचननिरमान निगमईशगुरुसरबदा
वंदनीयपहिचान ओंहिपूजिनफलदरशघर पुन्यअ-
खिलअघहान ४५ जेत्रमंत्रपुननंत्रमैविधात्रिविध
विधान इसत्रीपुरषनपुंसकं त्रिनेलिंगपहिचान ४७
भोभगवनसंबंधवद कौरयकारणजान पुनाअधारा

धेयवस्तुविषेविषईविधान ४८ भंगवनआतममाहि
जगकैसेवेदविधान ब्योंमपुषपसुतबांझजिमतातज
गनपहिचान ४९ ब्योंमपुषपअत्यंतनहिजगप्रतीतहू
भान ब्योमपुषपसमजगतकिमभगवनकौनविधा
न ५० शुकंतिरजतमृगनीरसमतातजगतपहिचान
हूप्रतीतकरभानपरनहिदरिद्रविषहान ५१ भंगवन
युवतीनातनजगहरखशोकहूभान कैसेजगतअभास
समकारयरहितविधान ५२ तौंनसभीकुबदेरवियेस्व-
पनअवस्थामाहि हरखशोकआदिकसभीजागेनेकहु
नाहि ५३ तिनेअवस्थाकालत्रैसाखीस्वतेप्रकाश तात
ब्रह्मस्वरूपमैंजगतभ्रांतिकरभास ५४ सो० प्र० वेदी
दानविधानमहांवाकपदविधीहो नाड़ीनदीवखान
भगवनतापसुत्रिपुरपुर ५५ दो० उ० नैमशारकुरुक्षे-
त्रपुनवेदीरूपप्रयाग दानब्रह्मदिनअोदशं अोदशगु-
णविभाग ५६ तत्वमसीमहवाकमैंततपदत्वंपदजान
असीउभेपदएकताकिरयावेदविधान ५७ मायोपाधीई
शअवपुजीवअविद्यावान ततंपदकीएकताब्रह्मस्वरूपनि
रवान ५८ विधीअनत्रैवरणस्तुतिआगमकरतविधान
अन्त्रअभतअस्पृश्यातजतरीवरणपहिचान ५९ इड़ा
पिंगलासुखमनानाड़ीमुख्यविधान गंगायमुनासरस्व
तीनदीमुख्यपहिचान ६० अध्यातमअधिदैवज्वर
अधिभूतिकपहिचान हेमरजतताम्रलोहमेतिनेत्रिपुर

सुजान ६१ औभगवनवदसुरासमनाश्वपौत्रपयपान
घृतउच्छिष्टमोलयपैसुरानस्यपहिचान ६२ औभगव
नवदपितात्रैपोषकजनकपह्यान प्रांगत्रागाकरत्रि-
विधवपुपितारूपपहिचान ६३ भैगवनदाननहेय
वरकंदद्रुगपद्रुमवान नचारहितजोत्रिविधवपुदान
नमनेविधान ६४ सो॰ प्र॰ वेदुपवेदविधानवरणाश्रम
धनुबंधव्याकृ आसनशाकृनिमहान भगवनगुणअवता
रवद ६५ उ॰ वेदप्रथमरिगयजुरपुनसामअथरवणजा
न धनुआयुरगंधरबउपआयुरवेदविधान ६६ ब्राह्मण
क्षत्रयवैश्यपुन तुरीशूद्रपरकाश ब्रह्मचरयग्रेहस्थव
वानप्रस्थसंन्यास ६७ सत्यदानतपक्षमायुतशील
शौचस्मृतिज्ञान कृपायुगतअक्रूरद्विजलक्षणवेदवि
धान ६८ क्षमातेजबलधीरराणशूरनीतियुतदान गो
द्विजभगतीत्राणबृषक्षत्रैधरमविधान ६९ कृषी
वणजगोसेवद्विजनम्रचतुरपहिचान साअरंभसुभ
करमरतिवैश्यधरमवखान ७० नामउचारणप्रीतह
रिसेववरणत्रैजान दंभकपटस्मृतिपाठबिनशूद्रधर
मपहिचान ७१ वेदपाठगुरुसेवयुतब्रह्मचरयपहि-
चान यतदानयुतसेवहरिदयायेहधरमान ७२ वेद
विचारणतपोवृतिधरमज्ञानबनबास निरहिंसावैराग
युतसमदृष्टीसंन्यास ७३ चतुराश्रमस्मृतिवदतद्विज
तत्रैतीनविधान वैश्याश्रमअधिकारहैशूद्रविहूबिनजा-

९० न ७४ साधनचारोयुगतजोग्रंथअधिकारिविधान जीव
ब्रह्मकीएकता विशेग्रंथपहिचान ७५ ग्रंथब्रह्मसंबंध
पुन प्रतिपादिकप्रतिपाद्य प्रापकप्राप्यसंबंधपुनफल
अधिकारीवार ७६ करत्रीअरकरतव्यपुन अधिकारी
विचार ग्रंथज्ञानसंबंधपुनजनकजन्यनिरधार ७७
कारणसहितअनरथतै प्रापतब्रह्मस्वरूप दुविधप्र-
योजनग्रंथकागावतनिगमअनूप ७८ वासुदेवअ-
निरुद्धपुन शंकरषणपहिचान पुनप्रद्युमनयुतचतुर
व्यूहभगवद्रूपविधान ७९ मगछालाकंबलकुशा
पुनबाघंबरजान सिद्धपदमआसनइपुन तुरीसिंघपहि
चान ८० मोक्षहेतुमृगत्वचासिन कंबलश्रीसुखवान
आयुवृद्धकुशपोरनचधरमवृद्धपहिचान ८१ ईश्वरइ-
च्छायोगताभेदाभेदविधान तुरीरूपसामरथताएदग
तशाकतीजान ८२ नैयाइकव्याकरणपुन मीमांसकवे
दांत पदगतशाकतीभनतअसखैसैमतसिद्धान्त ८३
कृतत्रेताद्वापुरकलीनामचतुरयुगजान बारसबीसत्रै
तालिलखआयूभनतमहान ८४ कल्पकष्टकलानैमि
त्तिपिसतयुगउपजैजान चतुरविंशअवतारनहिअध
नाकरेमविधान ८५ चैतरकृष्णापंचमीमतसरूपअव
तार ज्येष्ठकृष्णापंचमीकूरमरूपअपार ८६ चैतरकृ-
ष्णाद्वादशीसूकररूपपहिचान श्रीनरसिंहविसाखमे
शुकलचतुरदशिजान ८७ त्रेतायुगवैसाखमोशुकल

तृतीयाजान विशानुतीन अवतार तहि अयुनाकरौंविधा
न ८८ भाईंशुकला द्वादशी वामन रूप विधान तृतिया
शुकल विसाखमो परसराम पहिचान ८९ चैतरशुकला
नौमितिथिरामचंद्र अवतार रावण आदिकरजनिचर हू-
नेंजासनिरधार ९० कृषणापक्ष अमसिअ माघमासपहि
चान द्वापरयुगउतपन्नितहि द्वै अवतार विधान ९१ भाईं
कृषणा अष्टमी श्रीकृषणा अवतार मघसर कृष्णत्रयोदशी
बोधरूपनिरधार ९२ भाईंकृष्णत्रयोदशी कलियुग
उपजैजान कल्किएक अवतार तहि संभलमाहि विधा
न ९३ सतयुग आयू सतारालक्ष अठाईस हजार बरस धर
मपादचार तीरथ नैमिषारण्य देवीकामाख्या लिंगसोमे
श्वर आयू बरस एकलक्ष बाल्यावस्था दशहजार शरीर
लंबा ताल इकीस प्राण अस्थिगत वेदऋग धनुर्धारी ईशा
ताल संज्ञा चार हाथ लंबा। त्रेतायुग आयू बारां लक्ष छ्या
नवें हजार बरस धरमपादतीन तीर्थ पुष्कर देवीउमा लिंग
केदार आयूदस हजार बाल्यावस्था एक हजार शरीर लं-
बा ताल चोदा प्राणमांसगत वेद यजुर धनुषधारी राम
चंद्र। द्वापुरयुग आयू आठलक्ष चौंठ हजार बरस धरम
पाद दो तीर्थकुरुक्षेत्र देवीज्वाला लिंग विश्वेश्वर आयू
बरस एक हजार बाल्यावस्था एकशत शरीर लंबा ताल
सात प्राणरुधिरगत वेदसाम धनुर्धारी अर्ज्जुन। कलि-
युग आयू चार लक्ष बत्तीस हजार बरस धरम एकपाद तीर्थ

९३ श्रीगंगा काशी देवीदुरगा लिंगभूतेश्वर आयू बरस ए-
कशत बाल्यावस्था दशबरस शरीर लंबा एक ताल प्राण
अन्नगत वेर अथरवण धनुषधारी कोई नहिं । आनम
प्रीतीरूपजो सोभगवनवदजोइ भगती शारदा रागउर
बाइच्छावपुसोइ ९४ भगतीसतगुरुपत्तमोशरधाक
रतविधान रागसुवनिश्वप्रापनी इच्छाभनतमहान ९५
सवमातर अवगाहिनीसात्वक वृत्तीजान आनमप्रीती
रूपअस आगमभनतमहान ९६ सोभगवनमहराज्ञि
वदजनैम अष्टमीजान दीपमालिश्वरमांथिपुन शिवरा
त्रीपहिचान ९७ मेंगवर आयुध अश्वरथ भगवनकरो
विधान शांखरू धनुषकमोदकी गदासभगपहिचान ९८
चक्रसुदरशन खड्गजहिं नंदनामपहिचान मेघपुष्प
सुग्रीवहैं सैबवलाहकजान ९९ मेंगवनसपतजगार
किमगुरूचरणमलजान बालकमस्तकमित्रकर अवर
शबदमदुगान १०० श्रीमनसाधूरामवर उदासीनकु-
तजान वाकसुधाकरसशास्त्र इति पंचमसभगविधान १०१
ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः ।
दो० श्रीसदगुरुपद हरहरी जननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजन करतजुहार १ उदेहेनजगती
ननहिं शांत रूपश्रुतिसार सरबानमजगदीशपद कवि
जनकरतजुहार २ सैया दृगसीससहस्र जिसेरसनाभ
व घ्राणसहस्र श्रुतीश्रुनधारे करपादसहस्र जिसेननरंटर

वेदप्रमाणगिराश्रुतिचारे त्वकप्राणसहस्त्रजिसेवरणा
श्रमनामसहस्त्रजिसेश्रवतारे गुणजांहिसहस्त्रनमोकर
णानिधिव्योमयथाजगव्यापकसारे ३ सो॰प्र॰ नीतिपाद
हंकारअंतष्करणअविद्यश्रा भगवनथूलिउचारखाणी
वाणीपनीव्रत ४ दो॰उ॰ सामरामश्ररभेदपुनतुरीदंउनि
रधार मलनभुद्धसूक्ष्मवपूनिरविकलपहंकार ५ मनो
चित्तहंकारथीअंतष्करणविधान ब्रह्मनिजातनमसरबं
हणाभननमहान ६ देहअनित्यअनातमानित्यनिजा
तमधान पुनअशुचनतनउकरमैपावनसुखीविधान ७
ब्राह्मणगोपदअन्नजलनथूलीपावनजान जाडुयुवतिपर
श्रजासरथूलिअपावनमान ८ अंडजजेरजउदभिजसेदजखाणीचा
रलाखइकीसइकीसतहिंसंख्याभननअनुदान ९ परायसंतीमध्या
वणवैरवरीजान नाभीहिरदेकंठमुखमालवादीअस्थान १० पतिबिन
पुरुषनिहैरहीयुवतीउत्तमजान पिताभ्रातसमतातजनन है २ न
मध्यममान ११ सुंदरपुरुषनिहाररहैकामातरमनजास
धरमघाणहिनबचनजोमारनकुपप्रकास १२ बचनदं
उभयलाजकरपुनावकाणनजास युवतीअधमस्वरूप
असआगमभननप्रकास १३ सो॰प्र॰ करमुपासनाज्ञान
पुनवैरागउपरितहो भगवनकरोविधान हेतरूपफल
अवधितहि १४ दो॰उ॰ जीवानमतनअसतगणतुरीप्राण
व्यापार पंचमईसाहुषिवाकरमहेतुनिरधार १५ कृत्य
शुभाशुभकरमवपुहरखशोकफलजान ब्रह्मबोधनहि

सवधिकविकोविदभनतमहान १८ हेतुउपाशनसुद्ध मनवसुधीयेआकार मुकतिचतुरफलअवधिनहि येप्र नतनिरधार. १७ ज्ञानहेतुश्रवणादिवसुसारासारविचार चिदजड़ग्रंथिअनुदेफल आगमभनतउदार १८ ब्रह्मज्ञान मयेकत्वहष्टु देहानमवनत्तान ब्रह्मबोधकीअवधिकवि कोविदकरतविधान १९ दोषदृष्टियेहेतुतहि त्यागसरूप विधान फलअदीनताअवधिअज लोकशोकमेभान २० हेतुउपरमानियमयम धीनिरोधवसुजान तयविहारउप रतिफल अवधिसुखपतिसमान २१ विजिआपत्रतमाल पुनसेनवतीऊंजान मसुरदालयुतचतुरहो मदरानुल्य विधान २२ योगहेतुअष्टांगवसु वृत्तीचित्तनिरोध आण मादीफलअवधितहिं निरविकलपधीसोध २३ सो. प्र. दोषपदारथचार मित्रवाकसंबंधकवि चेतनमुकतीद्वा र भगवनतूष्णीनीरवद २४ दो. ३. आतमआश्रेदोषपुन अन्योंअन्यविधान वृतीचक्रकातुरीवसु अनवस्थापहि- चान २५ स्वापेक्षतास्वैसिद्धि मो आतमआश्रेजान जोंहिअ पेक्षापरसपर अन्योंअन्यविधान २६ सुतकारणपितहो- तजिम पितनिपितामेजान हैवपितामहिपोत्रपुनभ्रमण चक्रकामान २७ कारणकाकारणपुना होततअवधीजा स अनवस्थायेदोषकवि कोविदकरतप्रकास २८ उत पत्तीनिमकरनतय आतमआश्रेजान निजकारजतय करनजोअन्योंअन्यविधान २९ निजवृहीतयचक्रका

मूल ऽनवस्याहान चत्तुरदोषविनज्योतिमैब्रह्मनिजा
नमजान ३० परमअरथअरकामपुनमुकतिपदारथ
चार नेनूंइच्छू स्वारथीपरमसनेहीयार ३१ नेनूंनैन
नपिखैलाइच्छुधनपरयंत सैस्वारथलैास्वारथीपरम
सनेहीसंत ३२ अनुवादकसंयोगुगनवाकविरोधीजा
न वरणअबोधकवरीवपुअपुनाअरथविधान ३३
हिमकोभेषजअगनियेवाकनुवादिकजान पुरुषस्वा
नूचौरवासंशेवाकविधान ३४ जलमोडूवनतूंबड़ीवा
क विरोधीजान भेरीसिंघूशब्दजोवरणअबोधक
वान ३५ समवाईसंयोगगुनतादातमपहिचान कल
पनतादातमतुरी अपुनाअरथविधान ३६ समवाई
गुणगुणीका उभेदाबसंयोग तादातमपेअनलका
कलपनगुणअहिहोग ३७ नामतुरावनभारयाअरथ
तुरावनपून पादतुरावनमित्रकवि सनेरचतअविधू-
न ३८ ब्रह्मईशकूटस्थपुनजीवचतुरविदजान सम
संतोषविचारपुनसदसंगनपहिचान ३९ गजसहस्र
नवलक्षरथ अस्वकोटिनवजान जोहिपदातीवृंदनव
लक्षणीचमूविधान ४० पुनः नागअयुतनहित्रिगुणिर
थ अश्वलक्षदशजान लक्षत्रीसपदातिजहिजोधा
लक्षविधान ४१ नदीनीरद्विजतालजल तदैरूपविधा
न कूपवैणजलसूदघटमनूंकरनैवखान ४२ सो० प्र०
जीवसाखीसंन्यासजीवब्रह्मपदस्वचीसम प्रतैग्रवनवि-

आस ध्यान हेत अमिलरागजग ४३ दो॰ उ॰ करुणाम
दतामैत रीतुरीउपेक्षाजान चतुरसखी मिलजीवनिज
पावतपदनिरबान ४४ दुखीदेखकरुणाकरे मुदताप
रसुखहेर मैत्रीमिलनापरसपरदुष्टउपेक्षानेर ४५
बहुदेशनमोअटनकर करेउदकबहूपान बाहूदकसं
न्यास अस आगमभनतमहान ४६ गंगादकनटकु
टीरच ब्रह्मध्यानयुतजोइ वशीभूतकरपादमनयती
कुटीचरसोइ ४७ बोधवाहियुतलोकअज हंसरूपसं
न्यास सवयुगतबिनशिखाअ सवाह्यचिन्ह परकास
बोधवाहि इसिजनमननशिखासूत्रबिनमान परमहं
सश्रुतिवदतवाजटाजूटयुतजान ४९ बेणुअलांबू
दारमेतुरीमिरणमैजान भिक्षूपात्रचतुरविधआग
मकरतविधान ५० कामकामनासिद्धफलसरबक-
रमहोगान खैलैमनसंन्यासकाअरण्यभनतमतिवा
न ५१ शुद्धशबलसूत्रानमा वैश्वानरपहिचान चतुर
पादयेब्रह्मके आगमभनतमहान ५२ साखीप्राप्तसु
नैजैविश्वजीवपदचार जलकरमज्जनमनोमैज्ञानमं
निरधार ५३ निद्राभोजनयोगभयसुरनरपशुसमान
अधिकबोधसुरनरनकोबोधरहितपशुजान ५४ पर
लयनित्यनिमित्त है पुनप्राकृत विधान अत्यंतकपुन
मुनीवपुअपुनाअरण्यवखान ५५ सखीसरबसमुपनि
लयप्रलेनित्यपहिचान नैनेलोकलयनिशाअजसो

नैमित्तकजान ५६ पांचभूतजगश्रजालयसो प्राकृतविथ ८५
न ब्रह्मबोधकरहानजगग्रात्यंतकपहिचान ५७ भक्तभोज्य
श्रलेहाउन तरीचोष्यपहिचान श्रन्नचतुरविधईशनिज
रचेजीवहितजान ५८ निगमागमगुरुसंतजन बचनमा
हि विस्वास इच्छाविधि विस्वासहठध्यानहेतभ्रवरास ५९
शशीयुवतिमखत्तीरनिधि सुधास्वरागनिरधार युवतिता-
नसंतोषविनचारस्वरगसंसार ६० ज्ञानखड़्गवैरागतहि
सुद्दीभननमहान भगतिकोशशुभशाकनितहि हनत
शत्रुश्रज्ञान ६१ सो॰ प्र॰ युवतीपुरुषविधानधनभागीप
रसादश्रम वरणुनप नीध्यानभगवनश्रायुपहेतवद ६२
दो॰ ३॰ परमशिशिचित्रणिसंखिणी तुरीहस्तनीजान समा
हारागुनवृषभहैदंपतिरूपविधान ६३ परमचोरभूपा
लपुन तुरीश्रगनिपहिचान धनभागीयेचतुरसमश्रा
गमभननमहान ६४ परमक्रोधसनकोपहैं नृनेश्रनु
जपहिचान हरनतुरावनजरनथन जोनरकरतनदान २५
गुरुईश्वरनिजनिगमकीजबश्रनुकंपाहोइ ब्रह्मनिजात
मज्योतिमै लहितपरमपदसोइ ६६ सोपाधकनिरुपाध
भ्रमश्रयुनाकरौंविधान बाह्याभ्यंतरभेदकर भेदचतुर
विधजान ६७ वसतुबोधहैहानजोनिरपाधकभ्रमजा
न वसतुबोधभयभानजो सोसोपाधकगान ६८ शुक-
रजननिमरज्जुमहि होतभ्रांतिकरभान रज्जुशुकनिके
बोधसननिरूपाधकभ्रम   हान ६९ नीरनीरजिम

अधोमुखसैननहोवतभान ऊरधमुखीननबोधसन
सोपाधकनहिहान ७० अपध्वंसीय नहिजाननतैमैं
आपकोयेकारणअज्ञान ब्रह्मबोधअपरोक्तकरनि
रुपाधिकभ्रमहान ७१ गच्छामीतिश्वामिहूं तथापि
पासावान अजअसंगनिजबोधसन सोपाधिकभ्रम
भान ७२ ब्राह्मणमुखमासीनभुज क्षत्रेवेदविधान
वैश्यउरूउतपन्नअज शूद्रचरणतेजान ७३ ससेष्वंग
तजसरबगतसत्ताव्यापकजान ध्यानमंदमतिवंद
कविकोविदकरनविधान ७४ जड़वसतूतजवृत्तिग
नसत्ताचेतनभान मध्यमध्यानसरूपअस आगमक
रनविधान ७५ सत्ताज्ञानानंदत्रै सात्वकवृत्तीभान
उत्तमध्यानसरूपअस निगमभननमतिवान ७६
सरबबुद्धिवृत्तिशिथिलहूं उदासीनताभान ध्यानबा
सनानंदअस उत्तम उत्तमजान ७७ आगुपचारप्रका
रके आगमकरतबखान मुकतामुकतस्वयंत्रमे मु
कतामुकतविधान ७८ बरछीमुकतामुकतसरयंत्र
मुकतपहिचान चक्रमुकतपुनखड़गजो सो अमुकत
करगान ७९ देशकालअरकरमजगईश्वरकारणचार
श्रीमनसाधूरामनिजब्रह्मरूपनिरधार ८० सो० प्र० साध-
नपितरविधानकलहांपरमाधरमपद भगवनमुनीव-
खानमौनमेघसरघेनवप ८१ दो० उ० श्रीवैरागविवेक
भमसाधनउभैविधान षटसंपत्तीतुरीवपमुकतिचाहि

पहिचान ८२ तृणीकारसुखलोकअजसाधनप्रथम
विधान आतमनित्यअनित्यजगसाधनदुतीवखान ८३
समदमतपसनतितआशरद्धापंचमजान समाधान
संपत्तिषटसाधनतृतीविधान ८४ मननिरोधसम
अतगणनिग्रहिदमपहिचान खैधरमानुष्ठानतपआ
गमभननमहान ८५ शीतुशनादिकद्वंदननसहिन
तितिक्षाजान गुरूवाकविश्वासश्रुतिशरद्धावेदविधा-
न ८६ बिनविखेपऐकाग्रमनसमाधानपहिचान शोक
हानसुखचाहिउरसाधनतुरीविधान ८७ पितरसोम
पानामहिजसुकृतपहिचान पितरहविरभुजबाहु
जं अंगुसपुत्रविधान ८८ पितरमाजपावैशावपुत्तलहि
पुत्रपहिचान पितरकालिनाभूद्रवपुसुतनबसिष्टतहि
जान ८९ नरकलोकपरलोकअपवरगानरकपहिचान
नरक तरककरकुलहिसिर चारतरककीजान ९० सत्य
सोचतपदयाधुभधरमपादपहिचान गरबसंगमदकू
दयेपादअधरमविधान ९१ सनतसनंदनप्रथमपुन
सनतसनातनजान तृतीयसनतकुमारपुनसनतसु
जातविधान ९२ भोजनमैथुनसोचजपमौनचतुरअस्था
न धूमज्योतिजलमरुनमिलमेघरूपपहिचान ९३
पूरबमेरूमहांसरदलणामानसरान पश्चममेरूअरुणा
सर उत्तरसेतसरजान ९४ धेनुसुभद्रारोहिणीविश्वरूप
बनरूप जासदुगदकरतीरनिधिभरयोपरमअनूप ९५

० वाह्याभ्यंतरशौचवडुभगवनकरोविधान नौरमसमत
नमंत्रमनत्तानश्रातमाजान ९८ भंगवनविघनसमा
धिवदलयविक्षेपपहिचान रसास्वादकारवादवडुअष्ट
नाश्ररथविधान ९७ लयसमुपतिवाक्षेपमन चपलरू
पपहिचान रसास्वादसुखविखेरसचिंतनभननमहान
शुनावासनाशुभाशुभकारवाइवडुजान विघनसमाधी
माहिश्रसश्रागमकरतविधान ९९ भंगवनकौशलत-
नयवदरौंमलखनपहिचान भरतशत्रुघनचतुरवडुभग
गवदरूपविधान १०० श्रीमतसाधूरामवर उदासीनरू
नजान वाकसुधाकरसरगइनिषष्टमसुभगविधान ९१॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो· श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ सत्यंज्ञानमनंत
वडुनिगमजासपरसंस श्रीनानकपदपदमप्रतिनमोवे
दिअवतंस २ सैया ब्रह्मवप्रकृतिव्याप्यविनाफलवेद
प्रमाणविषेसुखराशी नाहिनकिंचितभिन्नजिसेजगअं-
तरअंतविनाअविनाशी भेदत्रितेपरिछेदविनावडुबोध
जिसेपररूपप्रकाशी वंदनश्रीगुरुनानककेपदजोबिच
रियरभेषउदाशी ३ सो· प्र· त्यागनीयअस्थानमुकत
अवस्थाविधीअघ भगवनधामविधानजीवअवस्थारो
घवपु ४ दो· उ· वैद्यज्योतशीनदीप्तानहींजासअस्था
न नहिरासे इकदिवसनहि आगमभननमहान ५ प्रथम

अवस्थाब्रह्मवित्तब्रह्मवित्यवरजान ब्रह्मवित्यवारिष्ठ
तरिब्रह्मवित्यवरयान ६ विथीनीलपटनक्रजलतीर
थमधुकरिजान गोशालाग्रहिलपचविधिमनूकरन
वख्यान ७ अजामध्यखरदंपती गुरुशिष्यपहिचान
मंदीश्वरगतनागमनजो अखलपुन्यकरहान ८ जगन
नाथरामेश्वरंत्रतीद्वारकाजान चतुरथबद्रीनाथहरि
धामभनतमतिवान ९ घनसप्तपतिगतशैलद्रुमती
णसप्तपतीवान चतुरपादरवगखपनगतजाग्रतम-
नुजविधान १० प्रथमभरमपरमादपुन विपरलिपसा
जान करणअपाटवदोशयुत गिरामनुजपहिचान ११
उत्तममध्यममंदपुनमंदमंदजनूमोइ ब्रह्मबोधहितक्र
त्यनहिजोभगवनवदसोइ १२ ब्रह्मध्यानसुविचारस्रुति
श्रवणकरमनिशकाम उत्तमआदीकरमकरहे तुमोत्त
मवधाम १३ भगवनकरमःथकारीवेदवाणहिजानी
जान करमनतानादरबयुतकरमफलारथिवान १४
भगवनपापसपरशकिमसंभाषणकृतजान त्रेतादेह
सपरशाकर द्वापुरभोजनखान १५ कलीकालअग्य
देहकरतथापुन्यपहिचान पुन्यमानसीहोतकलिपाप
मनोकृतहानि१६ भगवनदानानरककिम ब्रह्मचारिव्रतिपान
चोरअभयधनधनीप्रतिभित्तदानाजान १७ भगवन
जीवनमुकतिकेहत्वादकवदजोइ मनोनाशवासना
तत्ववोधफलखसोइ १८ अथवाविद्वतसंन्यास त्रिवि-

यतापतेरहितवधुफलस्वपोंचविषजान अवथीसपत
मधूमकाजीवनमुकतिविधान १९ सो॰ प्र॰ भगवन
युगव्यापारजाग्रतस्वपनसुखुपतितुरि एकएकमो
चारशौचधरमहेत्वादिवर २० उ॰ करुणामुद्तामैत्रि
तपशांतिदांतयुतध्यान समदृष्टीसंतुष्टजनु सतयुग
धरमविधान २१ विशेरहितसदकरमरतितपीअहिंस
कजान विद्यादीगुणज्ञानयुतत्रेताधरमविधान २२
वेदार्थैनउदारमन धनीकुटुंबीजान द्वापुरयुगजनताप-
सीआगमभनतमहान २३ दुराचारनिरदैजनअतीलु
भधयुतमान कपटीकामीदंभयुत द्वेषीतृशनावान २४
हिंसाचोरीपापरत मोहयुगतअभिमान धरमरहितज
नदुरभगाव्यरथवैरमदपान २५ शिश्नउदरपरमूढ़
धीपरमविपरयेवान पितापुत्रगुरुशिष्यमोदंपतिवैर
महान २६ दूषननिगमपखंडकरधरमरहितद्विजजा
न भूपलोभयुतचोरभयकरमशिथलपहिचान २७
निंदायुगतअचारबिनदानहोमस्नानान यतशिथल
स्वाध्यायबिनअलपआयुधनहान २८ अलपदेहबल
अशनबहुयुवतीवंचकजान मिथ्यावादीद्रोहयुतनब-
कथ्यानीपहिचान २९ धरमसूद्रप्रतिपाद्ययुतहासीक
रतमहान हरनयुवतिधनधामपर कलियुगधरमविधा
न ३० एकाकीजनसंगनजजीवनमुकतीहेन देवनदीन
टसुधीजनबिचरेरहितनिकेन ३१ इंद्रियकरव्यापारजहि

जाग्रतरूपविधान मानसचिंतनसपनवपुजाग्रत ५
माहिवखान ३२ तूष्णनिभावससपनिवपुजाग्रतविषे
विधान पुनजाग्रतमोतुरियवपुतूपतीभनतमहान ३३
पुनसंमृतिअसपष्टजोसपनरूपपहिचान संमृति
पुनससपष्टवपुसपनेजाग्रतजान ३४ पुनाअसंमृ-
तिसपनगतरूपससपतीजान तुरीयवस्थासपन
गततूपतीभनतमहान ३५ निद्रागाढ़ससपतिवपु
सैपरजहांनभान तंद्रावस्थाथैनसुतिसपतीजाग्रतजा
न ३६ तंद्रावस्थाध्यानमनसपनीसुपनाजान तुरीय
रूपससपतिगततूपतीभनतमहान ३७ओतअनुता
जीदतीतुतीअनुताजान अविकलपवपुतुरीगततुरी
यरूपविधान ३८ ब्रह्मसरबअनुसूतसमसरबातमक
रभान गुरूशास्त्रकरबोधअसतुरीयजाग्रतजान ३९
इंद्रेचित्तनिरोधसनब्रह्मज्ञानमविज्ञान रूपअनुसाक्षी
हतीतुरीयसपनविधान ४० निराकृत्यसातूत्वजहि
तुरीअनुताजान अविकलपपदमुकतिवपुतुरीयतुरी
विधान ४१ जीवअवस्थातुरीलैमायामात्रविधान तु
रीयतुरीनिजानमात्मकनरूपनिरबान ४२ एकलिंग
गुदपांचविधवामहस्तषटचार स्तलणकरमृतसपन
परतीनतीननिरधार ४३ धरमहेतसदगिराधिरधरम
तमाकरजान दयादानकरहाथ्यहै धरमक्रोधकरहान ५५
पैकिन्द्रेविवेकपुनयतमानपहिचान वशीकारवैराग

वपुभगवनकरोविधान ४५ ईंद्रेकीननिरोधकछु
भोगचाहिमनजांहि एकिंद्रेवैराग्यवपुसुधीभननम-
नमाहि ४६ दोशनिवरतीजानकछु हरखकरतमति
वान नहिनिविरतजोयतननहिविनरेकीपहिचान
सारासारविचारकर तजअसारसंसार यारनिजातम
सारउरयत्तमाननिरधार ४८ ब्रह्मलोकलौविषेहि
शोकरूपपहिचान वशीकारवैराग्यअससयागमभ-
ननमहान ४९ भगवनब्रह्मस्वरूपपुनमायारूपवि
धान. जीवब्रह्मयेकत्वकिममिथ्याजगतवखान ५०
सैंत्यंज्ञानानंदवपुअहैब्रह्मविधान पुनअसत्यजडदु
ख्वमैमायासहैजान ५१ योवुद्धीपररूपनिजवुद्धिनि
यंताजान स्वप्रकाशअपरोक्षवपुहोनविषेबिनभान
लक्षण जीवोब्रह्माभिन्नः कुतः चेतनत्वात् यत्र यत्र
चेतनत्वं तत्रतत्र ब्रह्माभिन्नत्वं यथा ब्रह्मणी ईहांजी
वपतहै ब्रह्माभिन्नत्वसाध्यहै चेतनताहेतुहै ब्रह्म
दृष्टांतहै पुनः व्यवहारकप्रपंचोमिथ्याकसमातज्ञा
ननिवर्तत्वात् यत्रयत्र ज्ञाननिवर्तत्वं तत्र तत्रमिथ्या-
त्वं यथा सुक्तिरजतादौ ईहां व्यवहारकप्रपंचपक्ष
है मिथ्यात्वसाध्यहै ज्ञाननिवरतत्व हेतुहै सुक्तिर-
जतादिक दृष्टांतहै इति पुनः व्यवहारकप्रपंचोमि
थ्या येह प्रतिज्ञावाक्य है ज्ञाननिवर्तत्वात येह हेतु
वाक्य है यत्रयत्र ज्ञाननिवर्तत्वं तत्र तत्र मिथ्यात्वं यथा

शुकतिरजतादियेहउदाहरणवाक्यहै पुनः त्रैकाला
बाध्यत्वंसत्यत्वं। अधिष्ठानसत्तानोत्रसत्ताशून्यत्वं मिथ्या
त्वं। त्रैकालसत्ताशून्यत्वंअसत्यत्वं। बिनबुलाइकह
जाइजन भगवनकहियेसोइ पिताअौन गुरुस्वामिअहि
जेकरवैरनहोइ ५३ भंगवनहेतूशबदवदअाकांता
काणीय इतीयोगतासंनि धी तातपरयनिरणीय ५४
दोनोंपदकी परसपर इच्छाजांहिविधान घटमानैंनि-
जअरथहितयहीअकांताजान ५५ टीका अकांता क-
हियेएकपदको दूसरेपदकीइच्छा अपने अर्थ सिद्धीवा
ले जैसेघटमानय घटको आनेकी अौआनेको घटकीइच्छा
है पुनः जिसप दकीजिसपदविना अरथुपतवैंनाहि
यथानीरद्रुमसिंचनोयहीयोगतानौंहि ५६ टीका यो-
गताकहिये जिसपदकी जिसपदबिना अरथुपलब्धी ना
बने जैसे नीर कर द्रुम को सिंचना योग्य है अन्यकर सिंचन
नही पुनः घटमानयये देर बिन शबद उचारणजोइ सो
सानिधीपछानंवा अरथविचारणसोइ ५७ टी॰ संनिधी
कहिये पदोंका बिलंबरहितउचारण वा पदोंका बिलंब र-
हित अर्थ समझना जैसे घटमानय पुनः अरथजननकी
योगताजहिवकताऽभिप्राइ सैंधवआनयशबदवत तात
परयनिरणाइ ५८ टीका तातपरयकहिये शबदके अर्थ
कीयोगतारूप अरवकताकाजामैं अभिप्राइ होवै जैसे सैं
धवआनयकी सवारीमो अश्वकी योगता है औरसोईमोल

वनकीयोग्यताहै। चंतुरअवस्थापुगनचिदभगवन
करोविधान ओंप्रतस्वपनसुसुपतितुरिजीवअवस्था
जान ५९ पुनः यथाधौतपटघोटपुनलांछितरंजित
जान तथाअवस्थाचतुरपुनचेतनभननमहान ६०
सुइअजाबिनअजापुनअंतरयामीजान सूतमनन
अभिमानपुनहिरण्यगरभपहिचान ६१ भवनचतुर
दशाजासननवैश्वानरनिरधार कलपतुअधिष्ठान-
मोमायाकरविस्तार ६२ सो॰ प्रं॰ चतुरानुंभुवनामदि-
शावेददिगदाहितहि भगवनकृतनिशाकाम आमिरव
समसुरजानिवद ६३ दो॰ ३॰ अजअनंदमुखप्राचिरि
गनंदनदत्तणजान पश्चमदिगतामोलसुखधूम्रअज
पहिचान ६४ प्रथमवेदऋगयजुरपुनसामअथरव
णजान चारपादकेवरणसमजांहिवेदऋगगान ६५
न्यूनअधिकजहियजुरवपुसामकृविसुरगान मारण
मोहिनआदिजहिवेदअथरवणजान ६६ अगनिदाह
रिगयजुरजलसामपवनपहिचान वेदअथरवणदा
हिखितिआगमभनतमहान ६७ उत्तमखेतीवणज
कृतमध्यमभनतमहान मंदचाकरीभीखजगमंद
मंदपहिचान ६८ विप्रवायतीतपस्विपुनब्रह्मचारिअ
तिपान मांसतुल्यइनचतुरप्रदिमनूभननमतिवान ६९
अगनीब्राह्मणवरणपुन तत्रेइंद्रविधान यत्तवैशगंध
खवपुसूद्रवरणपहिचान ७० उत्तमकेवलमंदजग

उत्तमउत्तमजोइ मंदमंदकुलचतुरविधिभगवनकहे
सोइ ७१ कैवलउत्तमसंतदरथनीगमनपहिचान
संतथनीदरगमनजोकेवलमंदविधान ७२ उत्तमदा
ननचाहिजहिउत्तमउत्तमजान मंदजाचनादेतनहि
मंदमंदपहिचान ७३ सो॰ प्र॰ अधिष्ठानआधारउपा-
दाननैमित्तवपु भगवनकरोउचारचिदाभासकाचतु
रविध ७४ दो॰ उ॰ अधिष्ठानआधारतहिसाखीचेतन
जान साखीआश्रितमोहतहिउपादानपहिचान ७५
साखीमोहसबंधजो तहि निमित्तपहिचान श्रीमतसा
धूरामअस आगमभनतमहान ७६ भगवनत्यागअथ
तवदवांमहलजलपान त्यागरनखलादथीनिसअत्र
पतिग्रेवान ७७ रकनथागहेदिनेरतकांसीपात्रअहा
र सूद्रवैश्यव्यभचाररगीगनकाअन्नगवार ७८ ब्रह्म
चरयस्तुगृहस्थउनबानप्रस्थसंन्यास एकएकवपुचतु
रविधभगवनकरोप्रकास ७९ सावित्रंप्राजापतीत्र-
तीब्राह्मपहिचान तरीबहनवपुचनरविधब्रह्मचरय
श्रुतिगान ८० द्विजउपनयनअनंत्रसुखगायत्रीजप
वान ब्रह्मचरयब्रतनिशात्रैप्रथमसवित्रविधान ८१
ब्रह्मचरयब्रतयुगतजोबारसएकपरमान प्राजापत्य
सरूपअसआगमभनतमहान ८२ ब्रह्मचरयब्रतयु-
गतजोगुरुग्रहिकरननिवास वेदपढनपरयंतअस
ततीब्राह्मपरकास ८३ ब्रह्मचरयब्रतआयुलौ वेदा-

ध्ययनविधान ब्रह्मचरयअसवेदवितनुरीब्रूहतपहि
चान ८४ बारनसंचैब्रतीवपुउनसालीनपछान नुरी
ग्टहस्थशिलोंछुनहिअयुनाअरथविधान ८५ पाय
रहितउपजीविकाखेतिवणजकरजास ग्रेहीवारत
ब्रत्यअसआगमकरतप्रकास ८६ यज्ञोंकरउपजीवि
काजहिसंचयब्रतिजान बिनजाचिनउपजीवकाब्रत
सालीनविधान ८७ खेतीअन्नडुकानमोञ्छणकरकर
नअहार ग्रेहीतुरीसिलोंछब्रतिआगमभननउदार ८८
वैखानसवपुप्रथमपुनबालखिल्लपहिचान औडुंबर
फेनपतुरीबानप्रस्थवपुजान ८९ हलवाहेबिनअन्य
करउपजीवीमतिवान वैखानसअसप्रथमवपुबान
प्रस्थपहिचान ९० नएअन्नबनहोनसनसंचेतअन्नवि
हाइ बालखिल्लअसद्वतीवपुबानप्रस्थश्रुतिगाइ ९१
जहिदिगआनाकालमुखहोइतांहिफलआन तहिकर
करनुपजीवकात्रतीउडुंबरजान ९२ गिरेभूमपरफलों
करउपजीवीमतिवान चतुरथफेनपनामअसबानप्र
स्थपहिचान ९३ सैआश्रमकुतजासरतियतीकुटीच
रजान करमगौणसुखतानजहियतीबहूदकगान ९४
जहिरतिज्ञानाभ्यासमोयतीहंसपहिचान ब्रह्मबोध
हुभयोजहिपरमहंसवपुजो ९५ हैंवादिकअध्यासकेभ-
गवनकरोविधान उपादानअध्यासकामूलाज्ञानपछा
न ९६ पूरबलेअध्यासकेसंसकारहढ़जान कारणउत्त्वा

ध्यासकेसोनिमित्तपहिचान ९७ अन्यवस्तुमेअन्यकी
परतीतीवपुजान जनममरनसुखदुःखफलअवधी
नरकविधान ९८ चतुरवेदउपनिषदजोभगवनकरो
विधान एकसहस्रउअैशतनूनबीसपहिचान ९९
ऋगइकीसनवअथकशतयजुरवेदपहिचान सामसह
सशाखपंचासअथरबगनजान १०० श्रीमतसाधूरामवर
उदासीनकृतजान वाकसुधाकरसरगइतिसपतमसुभ
गविधान १०१ ॥

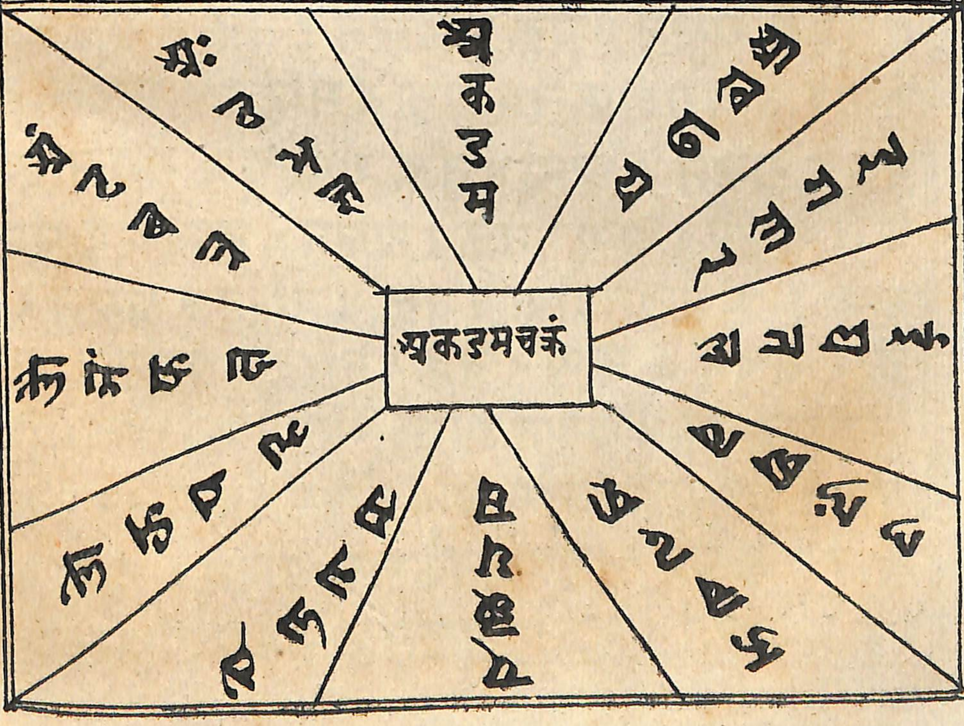
ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ गुणअनंत
श्रुतिवदतजहिस्वप्रकाशश्रुतिसार सोसदगुरुपदपद
मप्रतिकविजनकरतजुहार २ सवैया श्रीगुरुहैगतिज्ञा
नगुणाकरहैपरतापरप्राणपिआरे हैसुखसागरहैप्रति
पालकपावनरूपमकंदसुरारे हैसरबज्ञविभूसरणा
गतहैश्रुतिसारसनाननसारे हैनिरमाइकदीनदयानि
धिवंदतश्रीपदकंजतिहारे ३ सो॰ प्र॰ हैतूतंत्रविधान
महांवाकसिद्धांतवपु भगवनजपअस्थानमंत्रमुहूर
तमच्छतन ४ दो॰ उ॰ सांततंत्रऋगयजुरनेमीमांसा
पहिचान सामविदांतअथरवनेपातंजलनिरमान ५
प्रज्ञानआनंदब्रह्ममहांवाकऋगजान प्रनाअहंब्रह्म
समीयजुरवेदगतगान तत्वमसीमहांवाकसुभसाम

वेदपहिचान अयंआतमाब्रह्ममहवाक अथरवणज्ञा
न ७ सरबनं त्रप्रतितंत्रुन अथीकरणपहिचान
अभ्युपगमसिद्धांततुरिअयुनाअरथविधान ८ टीका
एक वस्तू को जहां सर्व शास्त्र प्रतिपादन करें सो कहे सर
वतंत्र जैसे वस्तू की सिद्धी चक्षुरादि प्रमाणोंकर होवे है।
अर जो वस्तू एक शास्त्रमो प्रतिपादित होवे अर अन्यमो
विरुद्ध होवे सो कहे प्रतितंत्र जैसे सूर्य्य के तुफेरे भूगोल
का फिरना । अर जिस वस्तू की सिद्धी सें अवर वस्तू की सि
द्धी होवे सो कहे अधिकरण जैसे संसार कार्य्य द्वारा कार
ण ईश्वर की सिद्धी होवे है । अर मन को सूत्रों विषे इंद्रे न
ही कहा तथापि मन कर पदार्थ का ज्ञान होवे है इस कार
ण ते इसका नाम अभ्युपगम सिद्धांत है ॥
जिस स्थान मो जप करे तिस ग्राम के नाम का प्रथम अक्ष
र जिस मंदिर की दिशा वा कोण मो होवे तहां बैठ कर
जप करे मुखपूर्व ।

८ अं अः लक्षत्र	१ अ आ कखगघङ	२ इ ई चछजझञ	ॐ श्रीमहादेव उवा च नृसिंहार्कवराहा णांप्रसादाअगणव
७ ओ औ शषसह	कूर्मचक्रं	उ ऊ ३ टठडढण	स्यच सपिंडाक्षरमं त्राणां सिद्धादीन्नैव
ए ऐ यरलव ६	लृ लॄ पफबभम ५	ऋ ॠ तथदधन ४	शोधयेत् ९ सिद्धः१ साध्यः२ सुसिद्ध ३ अ

अरि ४ ॐ नामाद्यक्षरमारभ्य मंत्राद्यादिविचारणात् अ
रिस्थानं परित्यज्य त्रिभिः स्थानैर्वशाह्वयेत् ९ नवैकपंच
मे सिद्धिः साध्यं षट्दशयुग्मके सुसिद्धिस्त्रिसप्तरौद्रे
चतुर्थद्वादशे रिपुः ११ सिद्धः सिध्यति कालेन सा-
ध्यः साध्येन वा न वा सुसिद्धस्तत्क्षणादेव अरिमूलं नि
कृंतयेत् ११ सिद्धानां बांधवाः प्रोक्ताः साध्यास्ते सेवकाः स्मृ
ताः सुसिद्धाः पोषकास्तेषां शत्रवो घातकाः स्मृताः
१३ बांधवा नववाणैकाः द्विषट्दशम सेवकाः पो
षकाः रुद्रसप्ताग्निचतुरष्टार्क घातकाः १४ सिद्धः
सिद्धो जपात्साध्यो द्विगुणी सिद्धसाधकाः सिद्धः सुसि
द्धो जपात्सिद्धो रिपुर्हंति बांधवान् १५



दो॰ श्रीपंचांगमुहूरतं भगवन करो विधान जुहि वि-
चार हूं काज सुभ विघन अखिल हैं हान १६ मिहिराचार
य विप्रवर शिव आज्ञा उरधार ज्योतिश ग्रंथ समस्त मथ
र्च्यो मुहूरतसार १७ देवगिरा कर रचित जन स्वल्पम-
ती हित जान श्रीमतसाधूरामनहि भाषाछंद विधान १८
तिथीन चंद्र नक्षत्र दिगमूल योगनी वार विष्टी योगनि
करण ग्रहि व्यतीपात वीचार १९ विजे महिंद्र काज सुभ
अम्रत घड़ी विधान वक्रे गती विलंब है शून्य मरण पहिचा
न २० अथ माघ फाल्गुण चैत्र वैशाख श्रावण भाद्रपद मा
सानां फलम् रविदिनफलं महिंद्र २ अम्रत ८ वक्र १०
शून्य ८ अम्रत २ रविरात्रीफलम् शून्य २ महिंद्र २ शून्य
अम्रत ४ शून्य २ वक्र ६ शून्य ६ महिंद्र २ अम्रत ४ सोम
दिनफलं अम्रत ४ वक्र ८ अम्रत ६ वक्र ६ अम्रत ४
शून्य २ सोमरात्रीफलम् वक्र ४ महिंद्र ४ अम्रत २
वक्र ८ अम्रत ४ शून्य ४ वक्र २ शून्य २ मंगलदिन
फलं अम्रत ६ शून्य २ वक्र २ अम्रत ६ शून्य ८ अम्रत ४
शून्य २ मंगलरात्रीफलं वक्र ४ महिंद्र ४ अम्रत २ व
क्र ६ अम्रत ४ शून्य २ वक्र २ महिंद्र २ अम्रत ४ बुध
दिनफलं वक्र ४ अम्रत ४ वक्र ६ अम्रत ४ शून्य २ कक्र ४ महेंद्र
अम्रत ४ बुधरात्रीफलम् शून्य २ अम्रत ६ महिंद्र ४ वक्र
शून्य ४ अम्रत १० गुरुदिनफलम् अम्रत ६ शून्य २
वक्र ४ अम्रत ६ वक्र ८ अम्रत ४ गुरुरात्रीफलम्

वक्र ४ महिंद्र ४ अमृत २ वक्र ८ अमृत ४ शून्य ४ अ
मृत ४ शुक्रदिनफलं शून्य २ अमृत ५ वक्र ८ अमृ
त २ शून्य २ शुक्ररात्रीफलम् वक्र ४ शून्य २ अमृत ६
वक्र ६ महिंद्र ६ शून्य २ अमृत ४ शनिदिनफलं शून्य ४
वक्र ४ शून्य २ अमृत ८ शून्य २ वक्र २ शून्य ४ वक्र ४
शनिरात्रीफलं शून्य २ वक्र ६ अमृत ६ वक्र ४ शून्य २
अमृत ४ शून्य २ अमृत ४ अथ ज्येष्ठाषाढमासयोःफ
लम् रविदिनफलं अमृत ६ वक्र ८ अमृत ८ शून्य २
महिंद्र २ शून्य ४ रविरात्रीफलं शून्य २ अमृत ८ वक्र ६
अमृत ८ वक्र ६ महिंद्र २ सोमदिनफलं अमृत ४ व
क्र ४ अमृत ६ वक्र १८ सोमरात्रीफलं वक्र ६ अमृत
वक्र ८ महिंद्र २ वक्र ६ मंगलदिनफलं शून्य ४ वक्र
अमृत ४ शून्य ४ वक्र ६ शून्य २ अमृत ४ मंगलरात्रि
फलं शून्य २ अमृत ८ वक्र ८ अमृत ६ वक्र ६ महिं-
द्र २ बुधदिनफलं शून्य २ महिंद्र ४ अमृत ४ वक्र ८
शून्य २ वक्र ४ अमृत ८ शून्य २ बुधरात्रीफलं वक्र ४
अमृत ४ वक्र ८ अमृत ८ शून्य ८ गुरुदिनफलं अमृत ४
वक्र ८ अमृत ४ शून्य ४ वक्र ८ शून्य २ अमृत ४ गुरुरात्री
फलं वक्र ८ अमृत ८ वक्र ८ अमृत ८ वक्र ४ शुक्रदि
नफलं अमृत २ वक्र २ अमृत ६ वक्र ८ अमृत ८ शून्य
वक्र ४ शुक्ररात्रीफलम् वक्र ४ अमृत ४ शून्य ४ म-
हिंद्र २ वक्र ४ अमृत ४ शून्य ८ शनिदिनफलं शून्य २

५८

वक्र ४ महिंद्र २ अम्रत ४ शून्य १० अम्रत २ वक्र २ शून्य २
अम्रत २ शनिरात्रिफलं महिंद्र २ शून्य ८ अम्रत ८ वक्र १०
शून्य ४ अथ आश्विन कार्तिक मार्गशिर पोषमासानांफ
लं रविदिनफलं शून्य ४ अम्रत ८ वक्र ८ अम्रत ६ वक्र
अम्रत २ शून्य २ रविरात्रिफलं शून्य ४ अम्रत ४ वक्र ८
अम्रत ८ शून्य ४ वक्र ८ सोमदिनफलं अम्रत ८ महि
द्र ४ शून्य ८ अम्रत ८ महिंद्र ८ सोमरात्रीफलं वक्र ८
अम्रत ८ वक्र ८ अम्रत ४ शून्य २ वक्र ४ मंगलदिनफ
लं अम्रत ४ वक्र ८ अम्रत २ शून्य ४ महिंद्र ८ शून्य ८
वक्र २ मंगलरात्रिफलं वक्र ८ अम्रत ८ वक्र ८ अम्रत
शून्य २ वक्र ४ बुधदिनफलं शून्य २ महिंद्र ४ अम्र
त ८ वक्र ८ शून्य ८ वक्र २ बुधरात्रीफलं अम्रत १० शू
न्य २ वक्र ८ अम्रत ८ शून्य २ वक्र २ गुरुदिनफलं अम्र
त २ शून्य ४ वक्र ८ अम्रत ४ शून्य २ वक्र ४ अम्रत ६
महिंद्र २ गुरुरात्रिफलं शून्य ४ वक्र ४ शून्य २ अम्रत ६
वक्र ८ शून्य २ वक्र ८ शुक्रदिनफलं वक्र ८ अम्रत ४
शून्य २ अम्रत २ वक्र ४ अम्रत ८ महिंद्र ४ शुक्ररात्रि
फलं वक्र ४ शून्य २ अम्रत ८ शून्य ८ महिंद्र २ शून्य २
वक्र ८ शनिदिनफलं शून्य ४ वक्र ४ शून्य ४ अम्रत ८
शून्य २ वक्र ४ शून्य २ महिंद्र २ शनिरात्रिफलं शून्य २
वक्र ४ अम्रत ८ वक्र ४ अम्रत ८ वक्र ४ अम्रत ४ शुद्ध

नैरति ॥ दो० पुनः षोडशमंगलरवीदिन ९९ त्रयोदश ४०
बृहस्पतिवार १३ रुद्रबुद्धशशि ११ पंचदशशनीशुक्र
तिथवार १५ । २१ यात्रासमेजुमापपग गमनकरतम-
तिवान गरगाचारयवाकश्रसकरतविघ्नसमहान २२
तिमीतिमीगिलगिलंगिलरायवमच्छ विधान तिमि
योजनशतश्रवरतहि दुगणदुगणततवान २३ सो०
प्र० मारगदुविधविधानसैनसीसफलदिशाशुभ भग
वननामवखाननमसकारसिद्धिपानकर २४ दो० उ०
प्रथमं मारगजनममृत्यु श्ररचिधूम्रविज्ञान गीताषो
उपाश्रष्टमेत्रयोदशध्यायविधान २५ टीका जनमज
नमांत्रोंकीप्रापतीप्रथम । शुभकरमोंके फलद्वारा
स्वर्गलोककीप्राप्ती हुती । ब्रह्मुपासनाकरब्रह्म
लोककी प्राप्ती हुती । तत्वबोधद्वाराब्रह्मभावकीप्रा
प्ती हुरी । पुनः जिसमार्गद्वाराब्रह्मलोकको प्राप्त हो
वें हैं सो कहें हैं उपासकोंके प्राणांतसमे वाह्यप्रपंचवा
गमोलेहा वेहै वाग्मनमो मन प्राणमो प्राणतेजवि
शिष्टजीवमो जीव अंतर्यामीमो अंतर्यामीने नाड़ीर
शमीमो नाड़ीरशमीने अग्नीदेवतामैं अग्नीदेवताने
ज्योतिदेवताहै ज्योतिदेवताने दिनअभिमानीदेवता
मे दिनअभिमानीदेवताने शुक्लपक्षअभिमानीदे-
वतामै शुक्लपक्षदेवताने उत्तरायणदेवतामैं उत्त
रायणदेवताने संवतसरदेवतामै संवत्सरदेवताने

५५ देवलोक वायुलोक आदित्यलोक चंद्रलोक बिह
नलोक वरुणलोक इंद्रलोक प्रजापतिलोक द्वारा
ब्रह्मलोक को प्राप्त होवे हैं तहां दिव्य भोगां नूं भोग ने
हूए ज्ञान द्वारा विदेह कैवल्य को प्राप्त होवे हैं । दो·
पूरब विधा दत्तणं धरम यश पहिचान पश्चम चिंता
उत्तम रन सीस सैन फल जान २९ नमसकार अभिवं-
दना प्रणत वंदना जान निहश्रेणी सोपान सिड़ि आ
रोहण पहिचान २७ नागबेल तांबूल पुन अहिव
ल्ली अरपान हस्त बाहु कर यान अस नाम को शगन
जान २८ सो· प्र· सजन व्यूह विधान करम कोटियुन था
इवपु अधिकारी व्याख्यान भगवन गौरव हेतु वद
दो· ३· कृष्णा नमः शंकर गुरू व्यास पांच व्यूह जान
पांचो व्यूह सजन विधी पुन्या व्यास विधान ३· मध्य
कृष्ण व्यूह चतुर दिश चारो व्यूह विधान चतुर मास
चाउ भे यति वास एक अस्थान ३१ मध्य कृष्ण दिग पू
रब वासुदेव पहिचान संकरषण परद्युमन अनुरुध
करम कर जान ३२ मध्या नम शंकरा नमा पूरब दिशा
विधान ज्ञाना तम परमा तमा आनंदा तम जान ३३
पांकर मध्य सु स्थिरा चार चक्र रब जान पदम पुनाह
स्ताम सं मोटक क्रम कर जान ३४ मध्या नम गुरु प
म गुरु पूरब दिशा विधान परमेष्ठी गोविंद गुरु गौड़
पार पहिचान ३५ मध्य व्यास दिग पूरब मुनी पैल

पहिचान वैशंपायन जैमनी उनासमंतजान ३९ ई
शकोणमो गणपती अगनेदुरगाजान नैरतिखस
तिवाइवे भैरव करत विधान ३७ सनन्तसनंदन पूरबं
दतिणसननतसनात पश्चिम सननतकुमार दिग उत्तर
सननतसुजात ३८ नारदनरनारायणं कृपण अग्र प-
हिचान दतिणपृष्टे वामकर अजविशनं शिवजान ३९
इंद्र अगनियम नित्रिउन वरुणवायु पहिचान धनद
ईश दिगपाल दिग प्राची आदविधान ४० उतखेपण
आखेपणं संकोचन विस्तार भ्रमणपांचमें करमकवि
कोविद भनन्तउदार ४१ चमूनीरद्रुम भिरणमें पंचम
कोटमहान भूपनिजानमत्रणाहितरचे कोटमति
वान ४२ तिथी अष्टमी गुरू हन शिष्यचतुरदशिजा
न उन्यांमावस उभेहन पडवा विद्याहान ४३ स्वान
नीदमितहारउन विघे रहित बकध्यान बकनकाक
सम रैणदिन सो अधिकारी ज्ञान ४४ पदछेदन करम
ष्यमउन हनी पदारथ उकति विग्रहाकस योजनास
माधानपुनउगति ४५ विद्यावसन सरूप धन गिरा
मधुर पहिचान गौरवताके हनये पांचो भनन महा
न ४६ सो॰ ष्ट॰ प्रतीबंध विज्ञान भूमीविनकलेश
क्रतु भगवन वेद विधान अगनी पान करम फल
दो॰ ३॰ हंनाममनावासनं कलम उन्यसकाम योग्य
निबंधी ज्ञानके नजे नासमनिवान ४८ खिपनवि-

५८ क्षिपतंमूढ़ताएकागरताजान पंचमनामनिरोध
जहिभूमीचित्तविधान ४९ रागद्वेषअरअसमिता
अभिनिवेशपहिचान पंचमनाम अविद्या
अधुनाअरथविधान ५० रागवस्तअनुकूलमोद्वेष
वस्तुप्रतिकूल पुनसतमहंकारजोअसमितभय
भवमूल ५१ पापकरमअत्यागहठअभिनिवेशपहि
चान रूपअविद्याचतुरविधचतुरथअंकविधान ५२
देवपितरपूजिनअतिथिहवनभूतबलिदान पांचयज्ञ
करतव्यसदग्रेहीधरमविधान ५३ वेदप्रथमऋग
यजुरपुन सामअथरबणजान पंचमसूतमरूपस्मु-
तिगीताकपलविधान ५४ स्वरगमेघत्तितिदंपती
अगनिपांचपहिचान पारस्त्रापाशिकरहछिपुनबीर-
जअन्यविधान ५५ येपांचअहूती गुरुतलपीद्विजप्रा
णहा कंचनचोरीवान सुरापानपुनसंगितहिमहा
पातकीजान ५६ जातिआयुधनभोगपुनपंचमविद्या
जान पुनाकरमफलपांचविधअधुनाकरोंविधान ५७
जनमनासअरप्रापनीसंसकारसुविकार करमोंकाफ
लपांचविधआगामभनतउदार ५८ पांचपांचनरिवभत
वरकूरैमगैंडाजान ससासेहगहूपांचपलउपादेयपहि
चान ५९ कलीधरमविवहारपुनकरमसनेहप्रचार दं
भैयुगतखलकामनास्वारथरुचिअनुसार ६० पांचभूत
निजधरमजोभगवनकरोविधान पंरणिधरमभयमोह

जलअगनिक्रोधपहिचान ६१ पवनकामनभलोभ
विदयरमियरमबिनज्ञान मूलनियामकसरबगतनि
शाग्रपंचनिरबान ६२ भगवनकिरयापांचबद उँनपत्नी
पहिचान पालनपरलेशशशीरविकिरयाभनतमहान ६३
भगवनमुद्रापांचबदखेचर भूचरजान चाचरिमुना
अगोचरीउनमनिमुद्रागान ६४ सो॰ प्र॰ कन्याऔषधि
वारमासनक्षत्रव्यरथजग भगवनछिद्रविचार सैसे
मनवदआतमा ६५ दो॰ ३॰ कुंतीताराद्रोपदी अहिल्या
पहिचान मंदोदरियेपांचशुभ कन्याभनतमहान ६६
देवयजनजपदानतप औषधिहवनविधान पांचोऔ-
षधिरोगकीआगमभनतमहान ६७ प्रेतसोमगुरुबु
द्धभृगुवारशुभगपहिचान श्रावणआश्विनकारतक
मगसरफलगुणजान ६८ अश्विनिस्वातीरोहिणीहस्तवि
शाखाजान शिष्यमंत्रउपवीतस्नाननामकरणपहिचान ६९
वृषिसमेबिनदीपरवित्रपतअन्नयनिदान अधिका
रीबिनज्ञानजगपांचव्यरथपहिचान ७॰ मनोचित्तहंका
रधीदशमद्वारपहिचान घ्राणघ्राणमुखश्रोत्रमनचक्षु
छिद्रविधान ७१ ज्ञानमवस्तुअनातमाहद्रष्टादृश्यविचा
र पूरबउत्तरभागश्रुतिअरण्यनरयनिहार करसुपा
सनाज्ञानवामोतहेनिरधार अ सविचारकरध्यान
मालखेअसंगउदार ७२ अन्यप्राणअरमनोमैंपुनवि
ज्ञानानंद सैसेमनमसआतमामानतजेमनमंद ७३

पांचकोशबिनज्योतिमैब्रह्मनिजातमरूप सत्यंज्ञान
मनंतजहिगावतनिगमअनूप ७५ सो॰अ॰ भूतदेव
अस्थानवरणपदमपरिमाणतन मारगकलाविधान
वागजीवअस्थाननभ ७६ दो॰उ॰ तारकभूमीदंडजल
कुंडलनेजविधान चंद्रपवनपुनबिंदुनभभूतप्रण
वगतजान ७७ ब्रह्माविशनूरुद्रपुन ईशसदाशिव
जान तारकदंडककुंडलेचंद्रबिंदुअस्थान ७८ रकत
पीतसितशामपुनहरतपदमवरनान हृदेकंठपुनभ्र
कुटिशिरशिखापदमअस्थान ७९ ह्रस्वसाढेतीन
तनपुनअंगुष्ठपरिमान त्रनीआरयवमस्तरपुनअ
प्रमाणपहिचान ८० चीटिविहंगमकपीम्रगमारग
मीनविधान ऊरमिधूरमिज्योतिपुनज्वाला कलाप-
ह्यान ८१ परापसंतीमध्यमावैखरिपरातिजान विश्व
तैजसप्राज्ञपुनअन्तकनूंजनगान ८२ हृदेकंठहग
मूरधनिशिखाजीवअस्थान थूलसूक्ष्मकमहिदाकाशचि
दनिराकाशपहिचान ८३ सो॰मात्राप्रणवविधान वि
शाष्ठदीहेतुसे गुणनरूपविज्ञान शून्यअगनिआनं
दवद ८४ दो॰उ॰ प्रथमअकारउकारपुनमात्रातृती
मकार अरधचंद्रपुनबिंदुसुभमात्राप्रणवविचार ८५
पुनः ह्रस्वदीरघपुलतपुनअरथःउचारयजान श
दसपरशरूपरसगंधपंचमीगान ८६ गुरुपुस्तकअ
स्थानसुभमितामवरसहाद्र उग्रमभगतीसुद्धी

तन अरोगमन लाइ ८७ षटशरीर जल सुद्धथी विद्या
ब्रह्मविचार जीव अहिंसा भगति करमन वैराग उदार ८८
अश्वमेध गोमेध्य व्रत देवरते पहिचान मासपिंड सेन्या
म कलि पांच विवरजित जान ८९ सत्य रजो तम सुद्ध
न निरगुण पंचम जान तार अक्षर कूटस्थ पुन अत
मते अगान ९० अथहि ऊरध मध सरवगत महां अन्य प
हिचान वड़वा जठरा शोक मै काम अगनि विज्ञान ९१
विषियायोगानंद आद्वैतानंद विधान तुरी विदेहानंद
पुन ब्रह्मानंद महान ९२ गंगा आयु इस्थिति कलौ मु-
ख्य अस्थान भगवन मेरु कलपतरु धरमनाम वख्या
न ९३ पांच सहस्र बरस कलि गंगा इस्थिति जान नास
अनंतर लोप है सज्ञा नास विधान ९४ हरीद्वार गंगोत-
री गंगासागर जान श्रीकाशी केदार कलि इस्थिति मुक्त
स्थान ९५ मेरु सुमेरु हिमाद्रि पुन तुरी सरालै जान
रतन सानु अस पंच सुभ मेरू नाम विधान ९६ पारिजा
त मंदार पुन कलपतरू संतान हरिचंदन सुरतरू अस
पांच भनन मतिवान ९७ धरम सेय ह्रष सुन्य पुन सक्रत
पंचम जान धरमनाम अस वेद विनु आगम भनत महा
न ९८ भगवन पांचो शस्त्र वद धर्मैं कथा रसुणि जान
पापी पंचम कोट लाश त्रयं पांच पहिचान ९९ भगवन
पांचो निधी वद ओंनम विद्या जान पंडन उपम शिलप
नाम चतुसंग पहिचान १०० श्रीमत नसाधु राम वरउदा

८१ सीनकृतजान वाकसु़थाकरसरगइतिस्रष्टमस्तुभग
विधान १०१

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो॰
श्रीसदगुरुपदहराहरीजननीजनकउदार श्रीगुरुदशअवत
रणतिकविजनकरतजुहार चिदानंदघनज्योतिमेकामकोटिअ
भिरामश्रीरघुवरपदपदमप्रतिनमोकोटिघनशाम २ छं॰ सदसं
विदसुद्ध सनाननजोसमफैलरहीनभज्योंजगसारे सु
कशेशमहेशसुरेशजिसेगुणसारखतीस्तुतिपुंजउचा
रे धरमानवरूपधराप्रगटीघनशामवपूरविवंसउ
दारे रघुनंदनकेपदकंजनमो गुणकोटिजिसेअ-
जरूपअपारे ३ सो॰ प्र॰ पुरुषमोत्तमसुखज्ञान करम
कोशकृतभेदभ्रम भित्ताख्यातीबान भगवनदेवअभ
वद ४ दो॰ ३॰ मुकनममुत्तविषेजगबोधवडुपहि
चान पामरपांचोपुरुषनहिअधुनाअरथविधान ५
ब्रह्मानमपेकत्वहढ़ भयोबोधउरजास मूलाविद्या
हानजहि मुकनपुरुषपरकास ६ मलविखेपनेर-
हितधीसहितपकअज्ञान साधनचारोयुगतजोसो
मुमुत्तमतिवान ७ ज्ञानमवेमुखविषेरतिकरमनि
गमअनुसार अत्तयस्वर्गसुखचाहिजहि सोजनवि-
शैनिहार ८ ब्रह्मकथनमोचतुरअतिविषेरागदृढ़
जास ज्ञानमनिष्ठारहितधीबोधवडुपरकाश ९
विधिनिषेधबिनबोधस्रुतिशिशनउदरपरजान संस

कारबिनमंदथीपामरपुरुषविधान १० लोकसमीप
स्वरूपपुनतरीसयुज्यविधान मुकतीकेवलपंचमी
अविकलपपहिचान ११ टीका सलोक कहे विष्णु
लोकमोवास समीपकहे विष्णुके समीपवास स्वरू
पकहे विष्णुतुल्यसुखप्राप्ती उत्पत्यादिकोंतेरहित
सयुज्यकहे विष्णुकेशरीरमोवास वा भूषण होकर
रहिणा कैवल्य कहे ज्ञान द्वारा ब्रह्मभावकीप्राप्ती।
पुरुषघोरईशानपुन वामदेवपहिचान पंचमसद्यो
जातनपुभ शिवमुखवेदविधान १२ पुनः प्राणसम
स्तीनया पांचऋचा भी इनकी संज्ञा है। पुनः कपी
गरुडनरसिंहहयग्रीवसूकमुखजान हनूमानमुख
पांचअसआगमभनतमहान १३ तड़ततारतारेपा
पुनतपनहंससमजान ज्ञानपांचविधअवरपुभअ
पुनाकरौंविधान १४ ज्ञानअमिताप्रथमपुभपुनप्र
तिभिताजान संसेसंमृतिपंचमंज्ञानविपरयेभान १५
विषेअतसंबंधजहिज्ञानअभिताजान अपंपुरुषअ-
स्याणुवासंसेज्ञानविधान १६ विषेअतसंबंधपुन
संसकारपहिचान येप्रतिभिताज्ञानकविकोबिदक
रनविधान १७ संसकारकेवलजहांज्ञानसिंमृतीजा
न अस्याणुगतपुरुषथीज्ञानविपरयेभान १८ नित्य
निमित्तंप्राहिचितकामनिषिद्धविधान करमपांचवि
धनामअसआगमकरनविधान १९ संध्यावंदननित्य

कृतप्राइश्चादिकनैमित्त पापनिविरती हेतुजोअन्यरू
पप्रायश्चित्त २० कामकामनासहितजो पापाचरणनि
षिद्ध त्यागेकामनिषिद्धहै निगमभनततजनबुद्ध २१
अन्यप्राणअरमनोमै पुनविज्ञानानंद पांचकोशमै
गुहागतकैदजीवमतिमंद २२ अन्नमईअस्थूलत-
नप्राणप्राणमैजान करमिंद्रेमनमनोमैज्ञानिंद्रेर्थ
ज्ञान २३ सुखाकारधीवृत्तिपुनमूलाविद्याजोइ आ
षतकोशअनंदमै हानज्ञानकरसोइ २४ पांचोको
शस्वरूपश्रुतिपत्तीरूपविधान पांचपांचअवैवन
हिअपुनाकरोंवखान २५ सीससीसभुजउभेपर
उदरउदरपहिचान कटीपादलोपुछजहिकोशअ-
न्यमैजान २६ प्राणसीसपरउभेनहिपवनअपान
समान उदरउदानसुव्यानजहिपुछभनतमतिवा
न २७ सीसवेदरिगउभेपरयजुरसामपहिचान ब्रा-
ह्मणभागसुउदरजहिपुछअथरवणजान २८ श्र-
धाशिरपरउभेजहिमनोवागव्यापार उदरयोगपुन
पुछजहिधीसमष्टिनिरधार २९ प्रेयसीसपरउभेज
हिमोदप्रमोदविधान उदरसमानानंदपुछब्रह्मानं
दमहान ३० पांचोकोशअनातमातासनियंताजोइ
ब्रह्मनिजातमसरवगतस्वप्रकाशसमसोइ ३१ ज्ञान
यजनपडद्रव्यपुनयोगयज्ञपहिचान वेदाध्ययनस्वा
चमोयज्ञभनतभगवान ३२ जीवईशजडईशपुन

जीवपरमपरजान पुनजड़जड़जड़जीवगतभेदपांच
विधगान ३३ ब्रह्मानमगनभेदसदब्रह्मरुजगभान
पुनाविकारीआनमासंगीकरनामान ३४ दृष्टांत ग्रंथ
मबिंबप्रतिबिंबजिमस्वरगाभरगविचार भानरूकत
सितमगीजिमघटाकाशागुरणमार ३५ भेदभरमतेर-
हितशिवस्वुद्धशांतनिजरूप सत्यंज्ञानमनंतजहिगा
वतनिगमस्वरूप ३६ नानकालअकलिपनपुनन्त
तीअजाचकिजान उपपन्नापरणीनअसभितापांच
विधान ३७ कछुमांगीकछुवाहिउरग्रेहीधामखुला
इ मांगीलाकरअवरगहिसोनतकालकहाइ ३८
भिताब्राह्मणसपनयहि सो अकलिपनविधान भिता
समेमनाइजोसोअजाचकीजान ३९ निजआसनप
रप्राप्यजोउपपन्नापहिचान भिताप्रथममनाइजो
सोपरणीनविधान ४० आनमआनथासत्यपुन अ-
ख्यातीपहिचान अनिरवाचिवेसांतमनख्यातीपंच
मजान ४१ सरपरूपथीहैतसे रज्जुदेशमोजाइ आ
तमख्यातीरूपअसबौधीनिजमनगाइ ४२ अन्यदे-
शगतसरपजो रज्जुदेशगतभान वैशेषिकमतन्या
इगतअनथाख्यातीजान ४३ रज्जूमाहिअसत्यअहि
अन्यदेशनिमजान ख्यातीनामअसत्यमतसूनीकर
नविधान ४४ सिंमलितानअमततपुनन हिअविवेक
विधान अख्यातीमनसांतगनपरमाकरपहिचान ४५

८५ वृत्तीरज्जुउपहितचिदनहिंआश्रितअज्ञान तमोअंस
नहिंसरपबपुसतोज्ञानपहिचान ४६ अथवा सत्या
सत्यविलक्षणसरपकथननहिंभान अनिरवाच्यवे
दांतमतख्यातीपंचमजान ४७ मोहिनितापनबसी
करउनमादनपहिचान बानउचाटनपांचमोमन
मथभननमहान ४८ शाकनीगणपतिहरहरीसूर
जपंचमजान पांचोदेवउपास्यपुन पूजनीयपहिचा-
न ४९ प्रागाध्वंसाभावपुनअन्योंअन्यविधान अत्यं
तासामैकनहिंअपुनाअरथवखान ५० मृणकुला-
लसंबंधबिनप्रागाभावविधान पुनसबंधतेउपज
तघटपरध्वंसापहिचान ५१ घटअभावपटघटविषे
अन्योंअन्यविधान ससेसंगसुनबांझवतअत्यंताप-
हिचान ५२ समैनाशउतपन्नजो सोसामैकविधान
श्रीमतसापूरणमसद रूपनिज्ञातमज्ञान पंचअ-
वस्थाजीवकीभगवनकरेविधान जाँग्रतस्वपनसुषु
पतितुरिपराअवस्थाजान ५४ ब्रह्ममाहिंजगभ्रांतिक
रभानहोतश्रुतिगान समीचीनदृष्टांतनहिंभगवन
करेविधान ५५ भौंनमतीकृतनीलनभस्तुकनिरज
नगुणमार मृगतृशनाकेनीरवतनामरूपसंसार ५६
भगवनअमरनगव्यवद दधीदुगधघृतजान सहित
सरकरेपुगनयेपंचामृतपहिचान ५७ दधीदुगधघृत
गोबरगोमूत्रपांचमोजान पांचगव्यअसवेदवितआग

मथनतमहान ५८ भोजनांतकिसथ्याइजन वैड़वाम्र ८८
गनीजान कुंभकरणमागस्तमुनि भीमसेनपहिचान ५९
सो॰ प्र॰ मुद्राशाकतिविधानशाबदवाममतमुकतिथन
परिकरमासुनतान भगवनहेतूशाबदवद ६॰ दो॰ उ॰
घनमुरिवपुन म्रनुमीलनी तनीसांभवीजान मुद्राम्रा-
तमभाघ्यणीबोधप्रबोधनिमान ६१ किरयाशाकतीज्ञा
नपुनइच्छाशाकतीजान म्रादशाकतिपुनपंचमी परा
शाकतिपहिचान ६२ नंतीतालसुफ्रंजमुखफूकनगा-
राजान मतसमांसमदमंत्रमन मुद्राशकितिमान ६३
धरमयशधनबुद्धिहित कामसुजनहितजान पांचभा
गकरदरबनर वरतेभनतमहान ६४ चतुरविशतुगुरु
सपतरवि तीनगणपतीजान एकभगवतीम्ररधशि
वपरिकरमापहिचान ६५ खेपननीनेलबधपुनसुन
पालकपहिचान परतेनरसुनयतनेपुत्रपांचविधजा
न ६६ गुणसंबंधसुजातिपुन किरयासंज्ञाजान इनपां-
चोकरशाबदकीपरविरतीपहिचान ६७ गुणकपला
संबंधपुन बछरेयुगनपछान संज्ञायमनाजातिगो
किरयागमनविधान ६८ सो॰ प्र॰ मिथ्यासाचसमान
गरलनामगलहूत्तिमन भगवनस्वपचविधानबन
मालाम्रस्पानहै ६९ दो॰ उ॰ क्रीड़ाबनतानिकटपुन
व्याहप्राणभयत्रान धनप्रापनिहितमननमनुमिथ्या
साचसमान ७॰ कालकूटविसमारगरगरलहलाहलजान

ग्रीवाकंधरकंठगलनलपंचमपहिचान ७१ निद्रासं
सेसिंम्रती तुरीविपरयेजान पंचमनामप्रमाणमन
वृत्तीभनतमहान ७२ निंदाचोरीक्रोधयुत कृत्तघनी
नरजान करम स्वपचयेचतुरविध पंचमजातिविधा
न ७३ तुलसीकमलसुकलपतरु कुंदपुहुपमंदार
पांचपुहुपमैसुभगअसबनमालानिरधार ७४ जहि
भयमिलबेरीतनहिलज्जादानविधान नहिचतुराई
पंचमीत्यागनीयअस्थान ७५ सो॰प्र॰ वेदअंगअभ्यास
भगवनजीवनमुकतिफल पुनअभिमानप्रकास पां
डवपांचोपंचका ७६ दो॰उ॰ विधिनिषेधयुतनामध्ये
अरथवादपहिचान वेदमंत्रमैपांचमोआगमभनत
महान ७७ शारद्वामनउनसाहजहि हठअभ्यासब-
खान दीरघकालनिरंत्रअस अंगाभ्यासविधान ७८
दुःखरहितसुखप्रापती ज्ञानरतयाजान विसमादी
भ्रमहानतपमुकतिप्रयोजनमान ७९ दंभदरपअ-
भिमानमदपुनमतसरयनिहार पांचरूपअभिमा
नअस आगमभनतउदार ८० प्रथमयुधिष्ठिरभीम
पुनअरजुननकुलकहाइ पंचमसुनसहदेवसुभ जो
केकृष्णसहाइ ८१ प्रथमधनिष्ठाशतभिखापूरबभा
द्रपदान उत्तभाद्रपदरेवतीपांचपंचकाजान ८२ बैं
जंनीस्वकरूपजोभगवनकरोविधान मुंगामोतीसु
वरणमणिपंचमहीराजान ८३ त्यागनीयकिंभूपयंधन

आगमअननमहान सूद्रचक्रध्वजवेश्यनेदसदगुणअघ
वान ८४ सूद्र कसाई चक्री तेली ध्वज कलाल वेश्य
वेश्या पनाने दसदसगुणा पापरूप भूपयन है । दसह
जार कसाई के तुल्य है । दो॰ प्र॰ जाग्रत स्वपन सुषपति
तुरिसहिजावस्था जोइ एकएक वपुचतुरषट भगवन
कहोसोइ ८५ उ॰ जाग्रतवस्थास्थूलतन विश्वजीवपहि
चान दीरघमात्रावेदरिगभोगस्थूलविधान ८६ वाग
वैखरीसतोगुणदेशचक्षुपहिचान विश्नुदेवयुतच
तुरषटजाग्रतरूपविधान ८७ स्वपनअवस्थालिंगत
नसूक्षमभोगविधान जीवतैजसरजोगुणमात्राह्रस्व
पछान ८८ वागमध्यमादेवअजवेदयजुरपहिचान
कंठदेशयुतचतुरषटस्वप्नरूपकरजान ८९ सुषपत
अवस्थातमोगुणवागपसंतीजान जीवप्राज्ञअस्था
नहृदिमात्राप्लुतविधान ९० वेदसामआनंदभुक
देवरुद्रपहिचान तनकारणयुतचतुरषटरूपसुष
पतीजान ९१ तुरीअवस्थासुध्यगुणप्रत्यकजीवबि
धान देवईशअस्थानशिरभोगानंदसमान ९२ वे
दअथरवणवागपरमात्राअरधविधान महाकारणदे
हदशचतुरीरूपपहिचान ९३ सहिजावस्थादेवशिव
जीवनिरंजनजान तनकैवलगुणनिरगुणअनुचारयमा
त्रा न ९४ वागसुपरातिपराठनसूक्षमवेदविधानब्र
ह्मरंध्रअस्थाननहिब्रह्मानंदमहान ९५ मोहूरतपंचा-

गवद वौरनतनरजान दिशामूलदिगयोगनी शशीसु भगयपहिचान ९६ भंगवनदेहअरोगकिमरुंचेहिनुमि तअकवानु गमनचरनथानवामकरशयनजासमति वान ९७ भूपपांचविधसामवडु भगवनकरोविधान अंगनिरंइयमवहुगशशिभूपरूपपहिचान ९८ ला भअभेदसबंधगुनउपकृतिगुणगनविधान सामपांच विपरूपअसअवधारनमतिवान ९९ टी० लाभ स्वा र्थहित स्वापरअभेद तथा संबंधकासूचनकरना उप कृतिनै उपकारीहै गुणगन नैं शलाघनीयहै । भंगवन पांचसनानवदं इंद्रेदमनपश्चान जपतपदयाशनान जलपंचमवेदविधान १०० श्रीमनसाधूरामवर उदा सीनकृतजान वाकुसुधाकरसरगइति नवमसुभ गपहिचान १०१ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ दिक्कालादि प्रछेदबिन निजानंदनिरवास श्रीयदुवरपदपदमप्र तिनमोस्तानगुणरास २ सवैया अजअंतरअंतअगोच रजोसमव्योमयथाजगव्यापकसारे अजशेशमहेश सुरेश जिसेगुणसारसुनीस्तुतिपुंजउचारे घनसैंथवज्यों समखेहगजोसदसंविदरूपमुकुंदमुरारे यदुनंदनके पदकंजनमोरचभूतचराचराचरजोप्रनिपारे ३ सो०प्र०

उपबनउरजविधान क्रोधप्रचेतसचमूबट अस्वथना
मवखान ब्रूटायुधिष्टरकुसमकर ४ दो० उ० घनआराम
उद्यानपुन कृत्तमउपवनजान उरमंडनकुचपयोधरउर
जसथनपहिचान ५ क्रोधतोमआमरखपुनरोखरू
ठपहिचान जलजलचरप्रतिपाशपतिवरुणप्रचेता
जान ६ युजनीसेनाबाहनीचमूबिरूथनिजान जटी
कपरदीरकतनफलध्रुवनिग्रोधविधान ७ पीपलचल
दलबोधद्रुमअस्वथगजअशनान बिजलीदामनिचं
चलाछटातड़ितपहिचान ८ राइयुधिष्टरधरमसुतरि
पुअजातकौंतेय पुहपसुमनपरसूनपुनतरीफूलकु
समेय९ सो० प्र० लाचीकेसपरवानमाततातसुतसुता
हूद भगवनमिरचिविधानमकरितुच्छलोनामवद १०
उ० लाचीत्रिकुटानिहकुटीपुलकनचंद्रकनान केस
रकुंकमदेवपुष्पकशमीरीरुधिरान ११ अड्डीप्रस्तरउप
लपुनअतीभारपाषान मानाअंबसवित्रपुनप्रसू
जननिपहिचान १२ पितानातनबपुजनकपुनसबता
पंचमजान सूनूनानअमरखपुन ननजांतमजपखान १३
पुत्रीकन्यादोहितासुतासुतनयविधान दंतरदनद्विज
दसनरददंतनामपहिचान १४ मिरचीतिकनाकोम
लाकृशानफलाउपमान मकरीलूनामरकटीउरन
नाभिसुत्रान १५ तुच्छअलपलवनन्नूपुनसूतमभ-
ननमहान षष्टमअंगसरूपसुभअपुनाकरोंविधान १६

सो॰ ४॰ श्रवणमनननिधिध्यासत्रुद्विअवस्थाउरमि
रस निगमअंगपरकाशभगवनभित्रूथरमवद १७
दो॰ ३॰ उपक्रमुपसंहारसुभूपुनाभ्यासपहिचान तू
नीअपूरबनुरीफलअरथुपत्तीजान १८ आदअंत
परकरणकेब्रह्मनिरूपणजास लिंगउपक्रमअथ
मसुभआगमकरतप्रकास १९ कथनपुनापुनब्रह्म
जहिलिंगाऽभ्यासविधान वेदमानकरवेद्यजोआपू
रबपहिचान वाअपूर्वअरथज्ञापकत्व २० चिदज्ञ
इंद्रंथिअवदेसनधोकहानफलजान अस्तुनिबोध
कवाकजेअरथवादपहिचान २१ कथनरूअपूरबअ
रथकेयुगनेनुकूलीजोइ उपपत्तीछांदोगमैलिंग
षष्टमोसोइ २२ षष्टलिंगयुतश्रवणसुनकेरमुमुक्षु
पानउदेब्रह्मविज्ञानरविमोहतिमरकरहान २३ पांचभूत
परकिरतिमोआनमअन्वेंजान भूतप्रकिरतीपरसपर
विनरेकीपहिचान २४ येरवटअरतीमननउरधारनजेम
निवान भवबाधकथनब्रह्मकीसाधकपदनिरबान २५
षटविधरूपसमाधिशुभवाह्याभ्यंतरजोइ कथनकरों
जनश्रेयहितनिधिध्यासनगतसोइ २६ वाह्याभ्यंतरदृ-
श्यतेनिजअसंगसदरूप दृश्याऽनुविद्धसमाधिअसवाह्या
भ्यंत्रअनूप २७ वाह्याभ्यंतरशबदसेंसदअसंगनिजज्ञा
न शबदनुविद्धसमाधिअसवाह्याभ्यंत्रविधान २८ जब
मनउभेसमाधितेनिरविकलपहूजाइ वाह्याभ्यंत्रसमा

धिअसनिरविकलपश्रुतिगाइ २९ जाग्रतस्वपनसु-
षुपतिपुनमूरछमरणविधान षष्टमसुभगसमाधि
षटबुद्धिअवस्थाजान ३० छुधापिपासाजनममरनुहर
खशोकपहिचान येषटउरमीप्राणतनधरममनोमै
जान मधुरअम्लकटुलवणपुनतिकनकसैलाजान
इनषटरसयुनअवनिकविकोविदभनतमहान ३२
शिक्षाज्योतसकलपपुनपिंगलतुरीविधान वैयाक
रणनिरुकतिषटनिगमअंगपहिचान ३३ निगमघ्रा
णशिक्षाभनेचतुराननकरनार अंकनथासुरबोधन
हिप्रतिपादननिरधार ३४ निगमचक्षुज्योतशभनेक
रतागरगविधान कालज्ञाननिसमाहिसुभप्रतिपाद-
नपहिचान ३५ निगमकलपकरभननश्रुतिकात्या
यनिकरनार करमसकारकतासगनप्रतिपादननिर
धार ३६ निगमपादपिंगलभनेकरनाशेशविधान
छंदनबोधविचारतहिप्रतिपादनपहिचान ३७ निग
माननव्याकरणनहिकरतापाणनिजान शबदसुद्धि
सुभतासगनप्रतिपादनपहिचान ३८ निगमनिरुक
कतीश्रोत्रतहिकरतायासकजान अप्रसिद्धपदतास
गनप्रतिपादनपहिचान ३९ अंधअजिह्वाबधुरपुन
खंडकपंगूजान पुनामुयपषटलिंगयुतभितूभन
नमहान ४० दृष्टीबैठनगमनमोधनुषचतुरलोजाइ
अधकनपसरनजासहृगभितूअंधकहाइ ४१ सत्य

१८ मधुरहितुगिरामितनामउचारतजान षटरसरसना
रहितजहिमित्तुअजिह्वावान ४२ सुणतहितारहित
जासमनहरषशोकबिनमान सुणतअसुणतेश्रव
णजहिमित्तबधुरविधान ४३ बालवृद्धबिनयुवान
नयुवतीरूपनिहार जहिमनकामनरूपजेमित्तखंड
कधार ४४ सुभयात्राहितगमनजहियोजनएकप्रमा
न वामित्तामलमूत्रहितमित्तूपंगुविधान ४५ दुष्ट
अंगतननयुवाकुलप्रापनविशेमहान मनसुसुपनिवत
सदाजुहिमित्तसुगयविधान ४६ भोभगवनवदय-
तीहूँनभिताशौचस्नानान देवयजनजपध्यानषटय
तीकरमपहिचान ४७ सो॰प्र॰इंद्रेवृद्धअवतारयतीअना
दीरितूगुण कारकचक्रविकारभगवनदरशनरागव
द ४८ दो॰उ॰तानिंद्रेमनसहितषटइंद्रेवेदविधानसु
द्धशांतशिवरूपनिजब्रह्मअतिंद्रेजान ४९ वरणाश्रम
ननधरमकरवियाश्रानमतान इनषटवृद्धउथाननेप-
रमवृद्धपहिचान ५० कलाअंशआवेशपुनअंसाअंसी
जान पूरणपूरणतमवद्भूहरिअवतारविधान ५१ क-
लामच्छअजअंसभृगुअंसाअंसीजान परसुरामआवे
शपुनपूरणरामविधान ५२ पूरणतमश्रीकृशनवपु
आगमभनतमहान जासनामजपध्यानप्रदपुन्यअ-
खिलअघहान ५३ भैरोभीशमगरुड़अकहनूमानप-
हिचान षष्मगोरखयतीभवआगमकरनविधान ५४

अजाब्रह्मजीवेशतहिभेदपरसपरजान अजाब्रह्मसं
बंधपुनषटअनादीमान ५५ ब्रह्मअनादअनंतइक
अवरसांतपहिचान व्यापकयथाअकाशजगनिशप्र
पंचनिरबान ५६ हिमकरशिशरबसंतपुनग्रीषमपा-
वसजान पुनासरदशुभरितूषटआगमभनतमहान ५७
ताजींद्रेथीयुगनशुभषटगुणभनतमहान गुणाती
तनिरविशेचिदब्रह्मनिजातमजान ५८ करताकरम
सुकरणपुनसंप्रदानपहिचान अपादानअधिकरण
षटकारकवेदविधान ५९ टीका करता जीव करम
करनव्य करण इंद्रे संप्रदान जिसवास्ते अपादान जि
सनिमित्त अधिकरण अस्थान। मूलधारंधिष्ठानपुन
मणिपूरकपहिचान अनहदचक्रविशुद्ध आज्ञाचक्र वि
धान ९० चतरषटदशद्वादशंषोडशदोदलवान गुदा
लिंगनाभीहृदेकंठभ्रकुटिअस्थान ९१ गणपतिब्रह्मा
विशनुशिव आतमब्रह्मविधान रक्तपीतशासुकल
पुनधूम्रहरिनवरणान ९२ जनमअस्तिअरबृद्धिनप
रणामीपहिचान अपतयपुनाविनाशनन षटविका
रयुनजान ९३ योगीजंगमसेवड़ेसन्यासीपहिचान पु
नब्राह्मणदरवेशषटदरशनभनतमहान ९४ भैरोमेघ
हंडोलश्रीरागचतरथोजान मालकौंसदीपकपुनाष
षरागपहिचान ९५ सो॰प्र॰ करमलेखअघवानअत
नाईअसपरषागुण लखुनाहे तुविधानभगअशुच्य

सेअरीश्रम ६६ दो॰उ॰ जपतपहोमऽशनानपुनदेव
यजनपहिचान अतिथिपूजनषष्ठमोकरमभनन्त
मतिवान ६७ हानलाभजीवनमरणयशअपयशआज
गजोइ भनतमुनीश्वरभरतप्रतिहाथबिधानासोइ ६८
पापकरनसनकारनहिप्रेरकखादकजोइ उपकारी
उपदेष्टाअघभागी समसोइ ६९ हरतयुवतिधन
धामपरबिनआयुधपरहार विषदेअगनिलगाइषट
अततताईनिरधार ७० स्वपचरज सलाचोरशवजैन
कपालीजोइ मज्जनकरेसचैलजलषटसपरशजब
होइ ७१ धरमशीलतपदानदमविद्याषष्ठमजानये
षट्गुणशुभजीवकेअवहेतुवितान ७२ हासअकार
णसेवरवलवरघवैरखरयान युवतिवादहितबाल
खटलघुताहेतूजान ७३ धरमयशवैरागयुतज्ञान
अयपहिचान धनषष्ठमऐश्वरयभगईशसमग्गरजा
न ७४ तनअशुचकोविदविदूबीजअस्तिअस्थान स्
धरद्वारनिधनानिननआरोपतशुचिजान ७५ छत्रपलं
डुगंटजनंलस्सनभोजनजास विटवराहिपलकुरकटं
चंद्रायणव्रततास ७६ कामक्रोधमोहलोभमदमत
सरअरीविधान वरणाश्रमकुलजातिधननामगोत्र
भ्रमजान ७७ सो॰प्र॰ दरशनद्वविधविधान आगमव
रनाविशेतहि आतमगुणनवखानदाननहोद्विजअ
इसम ७८ दो॰उ॰ शैवशौरशाकतपुनाजैनगाणप

जानि षटदरशनयुतवेशनवषटआगमपहिचान ७८
सांख्यपतंजलन्याइयुनवैशेशकपहिचान मीमांसक
वेदांतषटआगमभनतमहान ७९ कपलशेशगोत
मरिषीयुनकनादमुनिजानि युनजैमनिमुनिव्यासष
टकरनातासविधान ८० पांचोवेदविरूद्धमतसमीची
नवेदांत किसीअंसकरग्रहिणनहि मुनीभनतसि-
द्धांत ८१ आतमनानावातव विशेसांख्यमतजान
जीवब्रह्मनहियोगबलहोतपतंजलिमान ८२ सांख्य
मतेएकोदेवःसर्बभूतेषुगूढ़इत्यादिश्रुतिविरोधः ८३
पातंजलिमते ब्रह्मैवसनब्रह्माप्येतीत्यादिश्रुतिवि
रोधः ८४ दो॰ एकविंशतीदुःखतयनैयाइकमत
मान हणकअसदउतपन्नहैवैशेषिकमनजानि नैयायिकमते
नासतोविद्यतेभावोनाभावोविद्यतेसतीइत्यादिविरो
धः ८६ वैशेषिकमते सदेवसौमेदमग्रआसीदि-
त्यादिश्रुतिविरोधः ८७ दो॰ नित्ययज्ञफलस्वरग
मतमीमांसकपहिचान ब्रह्मैवेदंचराचरवेदव्यासम
तजान ८८ मीमांसकमते नेहनानास्तिकिंचन इत्या
दिश्रुतिविरोधः ८९ वेदांतमते सर्बंखल्विदंब्र-
ह्मइत्यादिश्रुतिप्रमाणः ९० दो॰ विधिनिषेधकर
दुविधलखजगअनित्यसदमान सत्यंज्ञानमनंतश्रु
तिआतमवस्तुविधान ९१ सत्ताकलपनवस्तुकी
त्याधिष्ठाननमान एकनिरजनयुगणसरपजिमकन-

कटकपहिचान ९२ बाजगस्वपनसमानकृतभान
मतीम्रगनीर मनोमात्रजलबीचिइवचिदविवरतल
खधीर ९३ नित्यतृपतसरबत्तगुनबोधरूपपहिचा
न नित्यअलोभगुतेंत्रसुभषटगुणग्रातमजान ९४
एकमनोमीयंचदशितिथिषसिरविवार दातनकरनी
हेयकविकोविदभनतउदार ९५ वणजलिखारीखड्ग
गुनखेतीपाकविधान ग्रामयाचकीषसृद्विजसमसूदर
पहिचान ९६ मनुजदेवग्रहग्रातमाकालकरमवाग्रा
न बंधमोक्षसुखदुःखघटकिंकारणमैनजान ९७ वि
धीरहितगुणईशवदत्तानीध्यानीजान बालकरोगी
भगतिगुतउनमादीयहिचान ९८ जीवनकीउतपत्ति
लयगमनागमनपृछ्यान विद्यागुनाग्रविद्यावेनि
ईशगुणजान ९९ भगवनज्योतीषसुवदरैविशाथि
गुडुगणजान ग्रगनिशवदसंत्रातमाज्योतिषसुपहि
चान १०० श्रीमनसाधुरामवरउदासीनकृतजान
वाकसुधाकरसरगइतिदशमस्तुभगपहिचान १०१॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

श्रीसदगुरुपदहृरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरुद
शग्रवतारग्रजितविजनकरतजुहार १ व्यासमुनी
सरबतपरनमोग्रयकरजान कीनोवेदविभागजहि
भारतसूत्रपुरान २ सैया श्रीकरुणाकरसत्यवती
सुनब्रह्मपरायणाश्रीसुखराशी सीसजटाडुमचीर

दिगंबरशांतहृदेयमयोगप्रकाशी शमदमबहुमल
कामनपोषनबोधहृदेपदजोअविनाशी पावनश्री
बदरायणकेपदबंदतकोविदजोबनबासी ३ सो॰
प्र॰ भगवनकरोविधानषटपरमापरमाणघट पर
माकरणप्रमाण अधुनाकरोंविधाननहि ४ दो॰ उ॰
ज्ञानमरूपअनानमावस्तुद्वविधपहिचान तासबोध
हितमानषटआगमभनतमहान ५ परतदंअनुमि
तीपुन उपमितिशाबदिजान अरथापत्तिअभावषट
परमाभनतमहान ६ प्रथमप्रमानपरतछवपुन
अनुमानुपमान शाबदरुअरथापत्तिपुन अनुउपल
भधीजान ७ चारवाकिमतएकहै बोधकणादीमान
तीनन्याइमततुरीपुन सांख्यपतंजलिजान ८ परभा
करमतपांचपुन भटविदांतषटजान षटप्रमाणकर
ज्ञानमाविषियाविषेविधान ९ जबप्रमाणपरमेय
काहैसंबंधपहिचान हैप्रतत्तपरमेयनबचारवाकिम
नजान १० लक्षण इंद्रियारथसंन्नकर्षजन्यज्ञानंप्रत्य
क्षं ११ धूमचिह्नप्रगटजिम होनअगनिअनुमान ज
गतचिह्नप्रगटतिमहोनविदातमभान १२ लक्षण
अनुमितिकरणं अनुमानं १३ अगनिसाध्यगिरपक्ष
पुनधूमहेतुपहिचान जहांधूमतहिंअगनिलखयही
व्यापतीजान १४ माहानसदृष्टांतपुनपंचअवेवीजा-
न बोधकणादीमानहैनिजमतकरतविधान १५ गो॰

१० समानस्वरणगवाबनतासहोतजिमज्ञान तथाव्योम
उपमानतेहोतचिदातमभान १९ लक्षण उपमतिक
र्णंउपमानं १७ जांकीउपमादीजियेसोउपमानवि
धान जांकोउपमादीजियेसोउपमेयपह्चान १८ गुण
अवैवसमजातिजहिसोउपमानविधान तीनमानतै
याइमतपकदेशिगतजान १९ पितामरणपरदेश
जिमहोतश्रवणतेज्ञान तिमगुरुशब्दप्रमाणकर
होतचिदातमभान २० लक्षण आप्तवाक्यंशब्दः
होतब्रह्मअपरोक्षनिजदशमपुरुषवतज्ञान मानच
तुरयेसांक्षमतपांतंजलिपहिचान २२ दिनेनभोजन
करतनरदेहपुष्टहैभान भोजनबिनानपुष्टतनुनिश
भुंचितपहिचान २३ लक्षण अर्थस्यकल्पनंअर्थाप-
त्तिः २४ जैसेसुखदुखभोगसनहैअदृष्टकोज्ञान अ
र्थापत्तीमानतेतथाचिदातमभान २५ अप्रतीत
घटहोतसनक्षटअभावजिमज्ञान तिमअभावभवहो
तसनभावरूपसदभान २६ लक्षण अभावप्रमाकर
णंअनुपलभधीप्रमाणं यथा अत्रभूतलेघटंनास्ति
भहतथावेदांतमतमानषष्ठपहिचान मतविदांतप
रनतजोअधुनाकरोंविधान २८ साक्षकवृत्तिसभास
चिदविशेदेपामोजाइ चिदाभासपरकाशकरवृत्तिअ
वरणनसाइ २९ विशेषचिदपरमाणचिदहैइकत्र्यक
पांइ असप्रमाणप्रत्यक्षमतविदांतस्मृतिगांइ ३०

चेतनवृत्तिविशिष्टितहि विशेअप्रमहूँभान साखीवृत्त्या
ऽवछिन्नतहिहूँपाछेतेज्ञान ३१ लक्षणविशेचैतन्यप्र।
माणचैतन्योरभेदः परतच्च यथा अयंघटः ज्ञातोघ-
टः ३२ वस्तुअनानमबोधहित चिदाभासवृत्तिजान
ब्रह्मनिजानमबोधहितकेवलवृत्तिविधान ३३ यथा
घटादीबोधहित दीपकचक्षुजान दीपबोधहितदीप
बिनकेवलचक्षुविधान ३४ तथानिजातमब्रह्मजे।
वृत्तीव्यापकजान फलव्यापतिबिनसरबगतहृष्टावे
दविधान ३५ विशेहोतपरमाणकरसगुणब्रह्मपहि
चान अप्रमाणनिरविशेसदब्रह्मनिजानमजान ३६
पुनः तांत्रकमतपौराणगतभगवनमानविधान
संभवैमानअतहाहैपौराणकमतजान ३७ मानचे।
ष्टातांत्रकी निजमनकरन बखान श्रीमनसाधूराम
नहिअधुनाअरथविधान ३८ संभवनामयथारथं जि
मशतअरथपचास सत्यंज्ञानमनंतनिमआनमलयं
प्रकास ३९ रहितयतबटमाहिजिमबहुजनकरन
विधान ब्रह्मअनादअनंततिमहूँअनहाकरभान ४०
करनजापमुखमोनगहिअरथलखावनसैन तथानि
जानमविशेबिनगुरूलखावैऐन ४१ भोभगवनबद
परंपरदेहभूँनहंकार पुनमहितत्वप्रकिरतिपरपु।
रुषरूपनिरधार ४२ भगवनषष्टसमासबद हिंगू
ढंदपहिचान क्रमधारेनतउरुषपुनवहुब्रीअव्यय।

१८ जान ४३ पूरबञ्चव्ययजोंहिहैनासअरथपरधान अवे
भावसमासअसआगम भननमहान ४४ संख्या
वाचकजोंहिपदपूरबकीनविधान परपदार्थप्राधा
न्यजहिद्विगूसमासवखान ४५ द्वतीविभगतीअनज
हिपूरबपदवख्यान परपदार्थप्राधान्यजहिसोनत
पुरुषविधान ४६ अरथपककोउभेपदजोंहिकरन
वख्यान क्रमधारेसामासअसआगमकरतविधान ४७
भिन्नभिन्नजिसअरथकोपदसमुदाइविधान हैप्रधा
न्यपदअरथसभद्वंदसमासपछान ४८ भिन्यपदोंके
अरथमेवरतमानप्रथमांन प्रापतजोंहिअनेकपद
बहुव्रीभननमहांन ४९ भंगवनवदसदसंगफल
विमॅलबुद्धिप्रदमान मनप्रसन्नप्रदकीरतीगिरासत्य
अघहान ५० भंगवननांञकरमवदमोहिनॅनाप
नजान वणीउचासअकरषुणॅअलंभनपहिचान ५१
भंगवनकरतासूत्रवदवैखांनसकात्यान सत्याखे
उलंभगुनबोधाइनअखलानु ५२ भंगवनकूनकां
रूपवदजासदरघाअघहान् श्रीरुंधतिवासिष्टबिन
युवतिषष्टरिषिजानु ५३ भंगवनचेननषष्टवदजा
सबोधप्रवहान मोहांनीनविशुद्धजोनिजानंदनिर
बान ५४ गुनामोहिसंक्रांनचिदसारवीरूपविधान
अनशाकरणसंबंधयुतपरमानापहिचान ५५ हन्या
रूढ़प्रमाणफलविषियाकारविधान विशेषुगनप

रमेयचिद्षष्टमभननतमहान ५६ पंरमारथनिज
रूपवदबंधनसाधकजाहि नहिनिरोधउतपत्तिजहि
मुकुनमुमुक्षुनाहि ५७ भंगवनषटविधधरमवद
वंरणाश्रमगुणजान उभेसधारणधाहिस्थितषटवि
धधरमविधान ५८ टी. वरणनया आश्रमोंका गुण
जैसे क्षत्रिकोराज अभिषेकद्वाराप्रजापालनरूप उभे
जैसे विप्रयतीकोपलाशदंडधारण सधारणअहिंस
रूप नैमित्तकप्रायश्चित्तरूप। भंगवनलक्षणमिच्छव
द भोंजैनखाइखुलाइ देनालैणपूछणाकुहिणगो
पसणाइ ५९ अंगमअनअधिकारिवद रंसंकक्रुम
तीपछान रोगीआलसिसुखीनरअतिसेवतपहिचा
न ६०. भंगवनसुकक्रितनाशकिम कंथनभोगसनहा
न तरणगंडकीअटकपर क्रमनाशाकरज्ञान ६१ दो.
प्र. मंगलमुकनासुधाकविसखाधनुषहृगशेश संध्य
दानवजनमअघमानवनामनरेश ६२ दो.उ. मंगलअ
जत्तुहिनांगणनमहिसुतभौमअंगार जलजमोतिश
शगोनिस्वनसीपगलकमुकनार ६३ अमरनसुधापीयू
षअमिसोमभोगसुरजान दैत्याचारयभारगवसुक्रका
व्यउशनान ६४ प्रीनमसखासहिरदहिनबल्लभमित्र
प्रकाश करमकचापककंडधनरिपुनापूंइखास ६५
लोचनईक्षनचक्षुहगअंबकनेत्रअनंत महअहिशे
श सहस्रफनअहिपतिधरणिधरंत ६६ सायंसंध्या

पितृपसुनिशासुँसांझप्रदोष दानवदनुजासंतनसुर
रिपुअसुरद्वैतोष ६७ उदगमउदभवजननभवज।
नमुनपत्नीजान पापअहितअपराधअघअवगन
अगनविधान ६८ मानवमनुजमनुष्यनरमानुषपु-
नापुमान राजास्वामीभूपप्रभुपतिअथपतिजान ६९
सो॰अ॰ अान्तातीरविधानधूरयुगलनारंगपिक भग
वनकरोविधानयमनाअंजननामसुभ ७० दो॰उ॰
आज्ञादेशनिदेशपुनआइससंसनियोग निकटतीर
तटपुलनपुनकूलकनाराहोग ७१ धूरधूसरीखेहरज
पांसुसरकराजान जुगलद्वंदद्वैउभेबिमिथुनभ।
नतमतिवान ७२ भंगतरंगकलोलपुनउरमिवीचिल
हिरान कोकलपरभृतरक्तहगपिककलयुनिरसवा।
न ७३ यमनाशामलरवीजाअपअनुजायमिजान गज
पाटलमखिदीपसुतकजलनगअंजनान ७४ षुनारितू
काप्रतिपादन। रितुशिशिरसुभकरमकरशारदाचर-
णामुरार रितुबसंतब्रतधारकरआनमब्रह्मबिचार ७५
ग्रीषमगुरुगुविंदभजनानासरबअघार पावसपरमा
नंदपरघरणारूपनिहार ७६ रितुसरदशिवसुद्धलष
पीतरूपश्रुतिसार हिमकरहंतात्यागउरहरहरिनाम
उचार ७७ सो॰अ॰ रूपपदारथवारतापविभगतीदोश
पुरि भगवनअगनिविचारचिरंजीवश्रीपानिपर ७८
दो॰उ॰ पुकलशामअरकपलउनकुनपीनपहिचा-

५०

न हरतचित्रसुभअवनिगतरूपसपतविधजान ७९
द्रव्यकरमसामान्यगुणपुनविशेषपहिचान पुनस
मवायअभावयुतसपतपदारथजान ८० ऐतसोम
मंगलपुनागुरुबृहस्पतिजान भृगूवारशनिसपत
गनउदेजगतहूहैहान ८१ पुनः ऐतआतमाअमल
लखअहैरूपअपार सोमसरणसनगुरुगहुसंतसं
गश्रुतिसार ८२ मंगलममतामानतजमायाभजोसु-
रार बुद्धब्रह्मनिजरूपलखव्यापकजगतअथार ८३
वीरविचारनिजातमाव्यकतीरहितविकार भृगूभेद
भ्रमदूरकरभूमारूपनिहार ८४ शनीसुद्धशिवशांत
उरलखोनिजातमरूप श्रीमतसाधूरामजहिगावत
निगमअनूप ८५ अध्यातमअधिदैवपुनअधिभूतक
हतमान विघनपाठगतगरबउरपाठविसिमरनजान ८६
तुर्षपिपासारोगगतनअध्यातम्ज्वरजान शीतउशनग्र-
हिवायुलेअधिदैवकज्वरमान ८७ सिंघसरपचौरादि
भयअधिभूतकपहिचान मानभंगहूसभागतविघन
पाठमोजान ८८ सभाविजयकरगरबउरपाठविसिमर
णजान तापसपतउरपंडतांतीनजगतगतमान ८९
प्रथमाद्वितीयात्रतीपुनचतुरथिपंचमिजान षष्टीस
पतमिशबदगतसपतविभगतीमान ९० हैतूंकरके
तोइनेकोपुनविशेविधान सपतविभगतीअरथअस
यथाकरमपहिचान ९१ कूठअविद्याकपटउरलोभमू

कृताजान जलदीमनमालीनननयुवतीदेशविधान
पुरीअयुध्याद्वारकाकाशीकांचीजान मायामथुराऽवं
तकाजासदरशअघहान ९३ बड़वाजठररसोइकी
रविचंद्रपहिचान बिजलीचक्षुसपतविषअगनीभ
ननमहान ९४ पुनः स्वरगमेघत्तिनियुवतिनरसा-
मारतकृतजान सपतमअगनीश्रोत्रकृतआगमभन
नमहान ९५ अश्वथामाव्यासबलिपरसरामहनु।
मान किरपाचारयसपतमोवाभीखणपहिचान ९६
षटगुरुस्वामीपांचश्री तीनमित्ररिपुचार उभेभृत्यस
नयुवतिप्रतिएकएकनिरधार ९७ भंगवनयुवतीथ
रमवदश्रीमैंधांध्रतिजान वागसंभ्रतीकीरतीक्षमा
युवतियमगान ९८ भंगवनपात्रअभतवद सिंला
हलपटजान तोमरपिप्पलअरकबटभक्षणमनेव
स्वान ९९ भंगवनश्राद्धविधानैं नंदीमुखरिषिदेवपु
न दिव्यमनुजपहिचानपितृमातृभूतातमा १००
नंदीमुखकेअवांत्रमानृपितृश्राद्धकाही विधानहै
विलक्षणनहि। रिषि ब्रह्मरिषि देवरिषि क्षत्रेरिषि
देव ब्रह्मा विष्णु शिव दिव्य वसु रुद्र आदित्य मनु
ज सनक सनंदन सनातन पितृ पिता पितामह प्र
पितामह मातृ माता प्रमाता वृद्धप्रमाता भूत पांचो
महाभूत इंद्रे स्वाणी आत्मा आत्मा परमात्मा सर्वा
त्मा। श्रीमनसापूरामवरउदासीनकृतजान वाक

सुधाकरसारगइतिहुइशुभगपहिचान ९१ ॥
ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः
दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
गुरुदशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ श्रीजप
तपयमनियमयतयोगयुगतवितान सरबसंतपद
पदमप्रतिनमोहेतुनिरबान २ खैया समसंजमशी
लउदारक्षमाग्रुनधैरयध्यानशुचीसुखदाई करुणा
मुदतामदुशांतदयादमदानरतीजिनहैतनराई नि
रवेदविचारविवेकरिवाग्रुनश्रीभगतीगुरुईपावडाई
असुसंतजनापदकंजनमोजिनसाधनसाधसमाधल
गाई ३ सो० प्र० ज्ञानभूमिअज्ञानजीवअवस्थावादस
२ भगवनव्यसनविधानअन्नअवरणसमुइरिषि ४
दो० उ० शुभइच्छासुविचारवुनतनूमानसाजान सत्वा
पतग्रुनपंचमीअसंशक्तपहिचान ५ भावअभावनि
षष्मीतुरीयसपतमजान भूमीसपतअभासगत
अग्रुनाअरथविधान ६ शुभइच्छाभगवतरतीकर-
मनिगमअनुसार आतमनित्यअनित्यजगसारासा
रविचार ७ मनसतमनतनुमानसामनकोप्रत्याहार
सत्वापतसदप्रापतीशोकरहितनिरधार ८ खैपर
जांहिउथानथीअसंसकतपहिचान केवलपरउप्या।
नथीभावअभावनिजान ९ खैपरजांहिउथाननहिसप
तमतुरीविधान ब्रह्मनिजानमज्योतिमैभूमीरहितम।

हान ९ पुनः बीजजाग्रतंजाग्रतंमहाजाग्रतंजान जा
ग्रतस्वपनंस्वपनसैस्वपनेजाग्रतमान ११ केवलस्वपती
स्वपतमीभूमिजानअज्ञान ज्ञानभूमिकरहानतहिअ
धुनाअरथविथान १२ अहंबीजजाग्रतवपूजाग्रतन-
नअभिमान वरणाश्रमअध्यासदृढ़जाग्रतमहांविधा
न १३ विशिअनमाहिअशकतमनजाग्रतस्वपनविथा
न अलपकालबहुभानहैकेवलस्वपनाजान १४ भ्रम
करअनथाभानजोस्वपनेजाग्रतजान बोधरहितउन
मत्तवतभूमिसुस्वपनिविधान १५ ज्ञानभूमिअज्ञा-
नतेरहितनिजानमजान नेतिनेतिश्रुतिवदतजहि
आगमसूत्रपुरान १६ पुनः मूलाज्ञानअवरणउनउर
विक्षेपपहिचान पुनपरोक्षअपरोक्षउरशोकहान
सुखभान १७ नहिजानतमैआपकोयेमूलाअज्ञा
न ब्रह्मअस्तिनहिभातिपुनदुविधअवर्णविधान १८
रागांभानापायपुनदुविधविक्षेपवखान पुनपरो
क्षअपरोक्षउरब्रह्मअस्तिपुनभान १९ शोकनिविर
तीप्रापतीपरमानंदमहान सप्तअवस्थाभासग
न निजस्वरूपनिरवान २० प्रथमवादसुभहि
तूबल निग्रहजलपाजान षष्टमजातिअसत्यपुन
वादवितंडामांन २१ गुरुशिष्यसंवादसुभमित्रकथ
न हितुजान परकारांतरकथनछल त्यागनीयमति
वान २२ प्रतिवंदीदेरोकना निग्रेवादविधान सेमन

सिद्धनिषेधपरखादविजल्पाजान २३ पुनखंडनपरम्र
शानजहि जातिअसत्यविधान खेमनतमंडणनोहि
जहिवादवितंडाजान २४ स्वरबरिषभगंधारपुनमध्य।
मपंचमजान धैवतपुनानिखाद सपतरागगतगान २५
हिंसाचोरीमांसमदयूतयुवतिपरजान बारबधूयुतस
पतअघव्यसनभनततमनिवान २६ अन्नंयवादीनरों
हितडुगधादीपशुपान पूरणमासीसुरनहितदरसपि
तरहितजान २७ मनबाणीपुनप्राणत्रेजीवातमहित
जान अन्नसपतविथईशाकृतजीवनभोगविधान २८
महितत्वंहंकारनभपवनअगनिजलजान एयबीसए
नअवरणयेमायाकारयमान २९ एकएकतेन्यूनये
दसदसगुणाविधान कलपतस्वाधिष्ठानमोकारय
कारणजान ३० अत्रीपुलहिपुलस्तक्रतुभृगूअंगरेजा
न सपतमनामवशिष्टमुनिजांहिदंरषाअघहान ३१
पुनः सनकादिकबटुपांचशिषसपतमकपलविधा-
न आदब्रह्मरिषिसपतपुनअंतदेवरिषिजान ३२ सो०
पु० अंतजईनविधान जिह्वाधातुपधातपुन भगवन
हीपवरवानजीवसपतग्रहिराशिवद ३३ उ० चरमका
रकलवारपुनकैवरतकघटकार भीलमेध्ययुननाप
तेअंत्यजसपतनिहार ३४ अनावृष्टिअतिवृष्टिपुक
मूसाशलभविधान भूपचक्रस्वापरउभेसपतईनपरि
चान ३५ प्रथमकरालीनंदनीरोद्रीउरमुखिजान म-

१०० हिंसीवैसन सोमसुखिजिह्वाअगनिविधान ३६ अस्थिमां
सत्वकरूपरपुन मज्जामित्रु विधान वीरजसपनमथान
तननरनारीपहिचान ३७ पुनः स्वेदरदनपैकेशरजब
सोमाकूपहिचान येउपयानूसपननन वैदकग्रंथविधा
न ३८ पुनः कंचनचांदीजिस्तपुन तांबाकलीवखान
लोहासिक्काधातुउपअधुनाकरौंविधान ३९ पारदसुर
मामैनसत्त रूप्यामकवीजान अभरकपुनहरतालयुत
सुद्दनामकवीमान ४० जंबुद्वीपअधिपतीनहि अगनीध
रकरजान ब्राह्मणतत्रैवैशयुत शूद्रवरणपहिचान ४१
द्वतीयद्वीपपलक्षपति इदमजिह्वपहिचान हंसपतंगु
रधायणंवरणसतंगविधान ४२ द्वीपशाल्मलिपती
नहि हिरण्यबाहुपहिचान श्रुतवीरयधरवसुंधरवरण
इरंधरजान ४३ तरीद्वीपकुशपतीनहि घृतपृष्टपहि-
चान कुशालकुविद अभियुगतपुनकोलैं वरणविधान
द्वीपक्रौंचअथपतीनहि मेधातिथीविधान पुरुषरि-
षभपुनद्रवणवसुदेवकवरणपछान ४५ द्वीपशाक
अधिपतीनहि सवननामपहिचानै रितव्रतसुतव्रतदान
व्रतअनुव्रतवरणविधान ४६ पुशकरद्वीपपधपतीनहि
वीतहोत्रपहिचान वरणएकगिरिएकतहिमानसोत्त्र
करजान ४७ अथद्वीपांत्रविभागजोअधुनाकरौंविधा
न जंबूयोजनलक्षनहि दुगुणद्वगुणपहिचान ४८
जंबूद्वीपकेनवखंडसोनवमअंकमोकहेंगे अब भारत

खंडकेमुख्यपरबतकहेहैं। मलयाचल सन्नयाचल, बिं-
ध्याचल, महिंद्राचल, पारजातरिषिमूकसहिजाचल। अथ
पलक्षद्वीपगतखंड शिवयवैश, सुभद्र, शांत, क्षेम, अमृत,
अभै। जोजो खंडोंके नाम सोई सोई वर्षपतीयों के नामजा-
नणे। गिरीमणीकूट, बज्रकूट, इंद्रसेन, ज्योतिष्मान, सुप
रण, हिरण्यष्ठी, मेघमाल। सरता अरुणा, निरमणा, अं
गिरसी, साविती, सुप्रभाता, रितंभरा, सत्यंभरा। अथशा-
लमलीद्वीपगतखंड। सुरोचन, सुमनस्य, रमणक, देव
वर्ष, परिभद्र, आप्यायन, अविग्यात। गिरी। स्वरस, शत।
श्रृंग, वामदेव, कुंद, मुकुंद, पुष्पवर्ष, सहस्रश्रुति। सरता
अनुमति, सिनिवाली, सरस्वती, कुहू, रजनी, नंदा, राका।
अथकुशाद्वीपगतखण्ड वसु, वसुदान, दृढ़रुचि, नाभि
गुप्त, स्तुतिब्रत, विव्यक्त, वामदेव। गिरी। चक्र, चतुश्रृंग
कपल, चित्रकूट, देवानीक, ऊरधरोम, द्रवण। सरिता
रसकुल्या, मधुकुल्या, मित्रविंदा, देवगर्भा, घृतच्युता, मंत्र
माला, श्रुतविंदा। अथक्रौंचद्वीपगतखण्ड आम, मध
रोहि, घृतप्रिष्ट, सुधर्मा, अभ्राजिष्ट, लोहितरण, वनस्प
ती। गिरी। शुक्ल, वर्धमान, भोजन, उपब्रहिण, नंद, नं
दन, सर्बतोभद्र। सरिता, अभया, अम्रतोघा, आर्यावती,
तीर्थवती, वृतिरूपवती, पवित्रवती, शुकला। अथशा
कद्वीपगतखंड परोजव, मनोजव, पवमान, धूम्रानीक,
चित्ररेफ, बहुरूप, विश्वधार। गिरी। ईशान, उरुश्रृंग,

१०४ बलभद्र शतकेसर सहस्रश्रोत देवपाल महानस स-
रिता। अनघा, आयुरदा, उभेसपृष्टी, अपराजिता, पंचपदी,
सहस्रास्तुति, निजपृति। पुष्करद्वीपगतखंड रमणा-
क, धातुकी, गिरीएकमानसोत्र सरिताकोईनही जंबू
द्वीपबिना औरद्वीपोंमै आयुरसदसहजारबरसकी है
दिव्यभोगहैं। दो॰ जीवसपनविषब्रह्मने फुरेजासवि
षजान लीनहोतउनजासविष अयुनाकरोंविधान ४९
जाग्रतजाग्रतत्तीणमै जाग्रतस्वपनविधान मनोराज
जाग्रतविषे स्वपनजाग्रतंजान ५० चिरजाग्रतपुनस-
पनमे दृढजाग्रतगतजान भेदउपायकतासमोअयु
नाअरणविधान ५१ केवलजाग्रतजीवजेफुरेबोधयुत
जान बिनअयासभयब्रह्मजिमजलतरंगपहिचान ५२
तृतीयजाग्रतत्तीणतहिस्वल्पकालभ्रमहान मनो
नासतयवासनाजीवनमुकतविधान ५३ त्रतीजीवजे
तासुजनजाग्रतस्वपनविधान श्रीगुरुश्रुतिउपदेशतें
भयप्रबोधमतिवान ५४ मनोराजजाग्रतविषे तरीजीव
भ्रमभान रच्योनिजानमसहितजगदेशकालपहिचान
स्वपनेजाग्रतपंचमं फुरेयोजगतनतहिआन भूल्योअनुश
रीरंनिजस्वपनजगनसदभान ५६ चिरजाग्रतगतषष्ट-
मेफुरेब्रह्मनेजान पापपुन्यवसभ्रमतनिज स्वरगनरक
अस्थान ५७ दृढजाग्रतगतसपनमे फुरेब्रह्मनेजान
पापनकेवसमूढथीभयस्वपचद्रुमस्थान ५८ बरसअ

ईशानीगुरुओदशमासविधान ७८ महीनाभूमसुत
रवीमासइकजान ७९ एकमहीनाभ्रगुसुत तथाबुद्धप-
हिचान सवादोदिनाचंद्रग्रह राशंभुगतविधान ८० तु
लाराशगतउचशनिकरकब्रहस्पतिजान मकरभूम-
सुतमेखरविमीनशुक्रपहिचान ८१ कंन्याराशीबुद्द
वृषशशीउचपहिचान ब्रह्मनिजानममसरबगतह्वावे
दविधान ८२ कारणमालापरंपरभगवनकरोविधान
सुंखदुखकारणदेहतनधरमाऽधरमपछान ८३ विधि
निषेधकृतहेतनहिरागद्वेषपहिचान प्रतीकूलअनु-
कूलजोज्ञानहेतनहिजान ८४ द्वैतद्रष्टिनहिहेतुइन
तासहेतअज्ञान कल्पनसोअज्ञानचिदशुकतिरजत
वतजान ८५ भगवनसुद्धांनषटकिमधैंर्यबुद्धिविवेक
तेजगमनबलबचनहतप्रीतमबिछुरतएक ८६ भग-
वनआतमलाभहित साधनसुभगविधान स्वारथहेत
ममुक्षुजननजहिंसेवतभवहान ८७ वेदैस्वरणमैनगर
नहिमध्यदुरगवेदांत जीवब्रह्मएकत्वनहिलसतवेद
सिद्धांत ८८ नहिप्रवेशहितअनकमनप्रतीबंधपहिचा
न तासविजेकरसुधीजनलहितनिजानमज्ञान ८९ पूर-
बमीमांसाजहांपरखारूपविधान गोपुरवैयाकरणज-
हिन्याइककूकरजान ९० पहिरूयोगअदालतीसांखा
गमपहिचान इत्यादिकमनअवरबहुशनिबंधीसुति
गान ९१ संपनलोकपातालवदअंनेलविनलसुत-

लान तुरीनलातलमहांतलसुनारसोतलजान ७२
सपतमनामपतालसुभ अधुनालोकविधान भूरभुव
रस्वरमहरजनजनतपसत्यवखान ७३ कलपतस्वा
यिष्टानमोभवनचतुरदशजान नेतिनेतिस्रुतिवदत
जहि निजस्वरूपनिरवान ७४ सो०प्र० वृहस्पतिनाम
विधान आननसेवकसारसुति भगवनचीरवखान आ-
ससपनसिद्धांनवउ ७५ दो० उ० वृहस्पतिअंगरसपीष
णासुरगुरुजीवविधान वाचसपतिसुनसपनमो अमर
अचारयजान ७६ आननआसैबदनमुख तुंडवकत्रल-
पनात बियकरकिंकरदासभ्रत अनुचरअनुगपदात
बानीबाकसरस्वती इरा शारदाजान गिराबचनहरि-
नामजप हेत श्रेयपहिचान ७८ चैलनिचोलडकूल
पटअंबरबस्त्ररचीर साध्वसउपजअनेकभय भीतत्रा-
सडरथीर ७९ त्रैमात्रा त्रैब्रह्म त्रै अक्तरप्रणवपछान कर
नुपासनामोतहिन हिरणयगर्भमनजान ८० मात्रा स्र-
रय अगनी वायु। ब्रह्म रिग, यजुर, साम,। अक्तर
अकार, उकार, मकार। दो० प्रज्ञतीनअस्थानपदन्हने
प्रणवपहिचान करहुपासनामोतहिन ब्रह्मनिष्ठमन
जान ८१ प्रज्ञ। वाह्यप्रज्ञ, अंतप्रज्ञ, घनप्रज्ञ। अस्थान
हृदे, कंठ, तालु। पद। जाग्रत, स्वपन, सुसुपती। दो०
आनमन्हनेस्वभाव त्रैअरूप्रणवपहिचान करहुपास-
नामोतहिन पांचरात्रिमनजान ८२ आनम ननशाक-

तीमनशकतीइन्द्रेशकती। स्वभाव। ज्ञान,ऐश्वर्य्य,श- 1.0
कती। व्युहा।संकर्षण,प्रद्युमन,अनिरुद्ध। दो॰ त्तनेअ-
वस्थाभोगत्रैत्तनेभोगताजान करतउपासनामोतहित
पशुपतिमनपहिचान ८३ अवस्था।जाग्रत स्वप्न सुसु-
पती। भोग। अन्न,जल,शशी। भोगता। अग्नी,सूर्य्य,प्राण
दो॰ त्तनेकालत्रैलिंगत्रैसंज्ञाप्रणवपछान करतउपास
नामोतहितसनकादकमनजान ८४ काल। भूत,भ-
विष्यत,वर्तमान। लिंग। इस्त्री,पुरुष,नपुंसक। संज्ञा।
विश्व,तेजस,प्राज्ञ। दो॰ त्तनेभुतत्रैवेदत्रैयजनप्रणव
पहिचान करतउपासनामोतहितमनअपंचतमजान ८५
मुख्य। दक्षिणाअग्नी, गार्हपतअग्नी, आवाहनीअग्नी।
देव ब्रह्मा, विष्णु, शिव। यजन। धर्म्म, अर्थ, काम। दो॰
त्तनेज्ञानगुणगतीत्रैप्रणवरूपपहिचान करतउपास
नामोतहितकपलदेवमनजान ८६ ज्ञान। व्यक्त,अ
व्यक्त,गेय, व्यक्त। भूतभौतक,प्रपंच। अव्यक्त तनमात्रा,
प्रकृति,महितत्व। गेय। असंग,पुरुष, चैतन्य। गुण स
त्व,रज,तम। गती। उत्तम, मध्यम, मंदलोकोंकी प्राप्ती।
इनसप्तसिद्धांतोंकरप्रणवकी तेहठमात्राप्रतिपादन
करी अर चौहठवीं मात्रा निरगुण ब्रह्महैतिसकाउपा
सक याज्ञवल्कजीहैं। सो॰ प्र॰ खेमचरणजलया
न बिद्यासरोवरप्रतिबन दरबतमिस्सरज्ञानगरल
निगमरिषिमंजमग ८७ उ॰ खेमअनामैभइभव

१०५ शिव शंभव कल्यान चरन चलन गति वंतपद अंघ्रि
पाद पहिचान ८८ पोत उडप नौका पलव तरणि नाव
जलयान बाधा विथरा विथा रुज आरत पीड गिलान
पुष्कर ताल तड़ाग सर ह्रद सरोवर कासार प्रीत प्रेम
अनुराग डुकुराग सहू हितकार ८९ कानन बिपन अ
रन्य बन अटवि अहिन कंतार इन्न इभ्य धन वित्त बल
वसु अरथ निरधार ९१ अंधतिमर अनकेत तम याव
त कुहूर निहार गरल हलाहल जहिर विष कालकूट
रिसमार ९२ धरममूल द्रुम ब्रह्म श्रुति वेद निगम आम
नाइ रिषि तापसि मुनि योगि यति भिक्षु बली कहाइ ९३
मंजुल ललन मनोरम सुरुचिर मनोहर मंज मारग वर
तम सरण पथ पद विहार मग रंज ९४ सो० प्र० मात्रा
खड़ग विधान पंडित मूरख नाम मृग सिंघ नाम पहि
चान भगवन गोराजं गवर ९५ दो० उ० ब्रह्मि वराही वै
ष्णवि माहेश्वरि पहिचान कौमारी नरसिंघि वपु चामु
डा मात्रा न ९६ रिष्टी खड़ग कृपाण असि मंडलाग्र कि-
रपान सपत मखग अस नाम शुभ अमरकोश गनगा-
न ९७ पंडित कोविद कुशल कृति नागर निपुन प्रबीन
मुग्ध मूक जड़ मंद शठ बद मूरख नरचीन ९८ सारंग ह
रण कुरंग हरि पनप्रय द मृग जान सिंघ शेर मृगरा-
ज हरि किहर पांच मुखि गान ९९ गोरखी कखं करण
गुण इंडे अन्न विधान भूय मंत्रि पुर देश चमु कोश दुग्ग

पहिचान १० श्रीमतसाधूरामवर उदासीनकृतजान
वाकसुधाकरसरगइति द्वादशशुभगपछान ११ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ श्रीशारदा
श्रुतिशांतिप्रदभगतिभावधनधाम गणमादकनव
निधीप्रदनमोपरमनिष्काम २ सैया ननसुंदरता-
नमनीमुदताप्रदज्ञानगनीगुणशीलसमाई नमता-
पन्हतेन्हपुटीन्हशनाहनभेदप्रछेदमनीदुखदाई नर
नाकपतीपदआनमभूप्रदमोतमनीकविकोविदना
ई कुलसुंदरधैरधध्यानहरीप्रदनामनमोबुषबोध
सहाई ३ सो० प्र० हेतुवसतउभानलोकपालपुरपा
रखद भगवननापवियानदगपअंकफलदेवगण ४
दो० उ० दूरनिकटहगहानजहिमनचंचलबिवधानन
सकारसुसजातिमिलसूक्षमअपनभान ५ दूरगग
नखगनिकटहगशामनसुरमाभांन अंथरूपमनुच-
पलजहिभूपयुवतिबिवधान ६ दिनेनतत्तरनीरमिल
बूंदसजातीजान अनिसूक्ष्मपरमाणुयेहोवनअप्रम
भान ७ यथाअनानेवस्त्रमैहेनूअष्टवियानयानम
तत्वप्रभाको नधापकअज्ञान ८ इंद्रअगनियमनिरति
पुनवरणवायुपुहिचान धनदईशादिगपालदिगपा-
वीआदवियान सालिंइपुरकामनाकरमिंइपुरगण

१०८

अंतशकरणअविद्याभूतकरमउरजान १० नंदसुनं
दशचंद्रबलि कुमदचंद्रपहिचान कुमुदेत्तणउनम
हाबलि विशनुपारखदजान ११ वातपित्तकफपित्तक-
फवातपित्तकफवात आगंतक त्रैदोषकरतापअष्ट
विख्यात १२ दगधवरणयेअष्टहैं हजयरघनखभजा-
न ग्रंथआदनहिधूतकविपिंगलभननमहान १३ हा
नहकारझकाररणकूफनथीरयकार रोगरकारघका
रवैनारनकारहिहार १४ तीणखकारभकारभयद
गधात्तरफलजान मगणादीगणरूपफलसहितदेव
वखान १५ मगणयगणगणरगणपुन सगणनग
णपहिचान नगणभगणगणन गण नहिअयुनाअरथविधा-
न १६ मगणसरबगुरूयगणगण लघूआदपहिचान
रगणमध्यलघुसगणगणगुरूअंततहिजान १७
नगणअंतलघुजगणगणगुरूमध्यतहिजान भग-
णआदगुरुनगणगण लघूसरबपहिचान १८ मगण
ऽऽऽ यगण ।ऽऽ रगण ऽ।ऽ सगण ।।ऽ नगण ऽऽ। जग
ण ।ऽ। भगण ऽ।। नगण ।।। दो॰ मगणयगणपुन
भगणगणनगणसुभगपहिचान रगणसगणपु-
नतगणगणजगणअसुभगविधान १९ संपदबुद्धी
कीरतीआयुसुभगफलजान महीनीरशशिशेशग-
णदेवसुभगपहिचान २० मनूभ्रमणधनहानिफल
रोगमंदगणजान अगनिपवननभरवीगण देवअसु-

भगविधान २१ मगणनगणगणमित्रहैमगणय-
गणगणदास रगणसगणगणशत्रुहैनगणजगण
समवास २२ मित्रमित्रमिलकाजशुभ मित्रदासजैवा-
न मिलेमित्रसमदुःखप्रद मित्रशत्रुसुतहान २३ दास
दासकेमिलनहनदासमित्रसनमान मिलनदासस-
महानधनदासशत्रुकुनहान २४ मिलनमित्रसमतु-
च्छफलअपदाफलसमदास निशफलनामिलउभे
समसमशत्रूसुखनास २५ शत्रुमित्रमिलअफलकुन
दासशत्रुहननार मिलनशत्रुसमहानकुलउभेशत्रु
पतिहार २६ सो॰ प्र॰ फासीजगतविधानयोगअंगमुद
सिद्धिवपु भगवनवसूविधानदिशामूलदिगयोगनी
दो॰ ३॰ लज्जाभयकुलशीलब्रनशंकजगुपसाजान घिर-
णालोयेअष्टजगफासीरूपविधान २८ भूतिंडेअस्थूल
ननअंतशकरणविधान प्राणअवस्थाकरमगुणजग-
नरूपपहिचान २९ योगअंगयमनियमपुनआसनप्रा
णायाम प्रत्याहारसुधारणा ध्यानसमाधीनाम ३० स
त्यअहिंसास्तेयपन अपरिग्रहपहिचान वेदपाठप्रणि
धाननपशुचसंतोषविधान ३१ सिद्धपदमहैयोगके
आसनभननमहान पूरककुंभकरेचकंप्राणायामवि-
धान ३२ योगअंगशुभतुरीलो अरपग्रंथवखान अंग
चतुरशुनयोगकेअधुनाअरघविधान ३३ इंद्रेचित्तनिरो
धवपु प्रत्याहारविधान मन इ स्थापनब्रह्ममोरूपधार

णजान ३४ लनिम्रखंडाकारथी ध्यानसरूपविधान
शाबदसविऊ टीभानजहिसबिकलपपहिचान ३५
लतण तत्रप्रत्यैकतानननाध्यानं। शा बदनत्रिपुटीभा
नजहि निरविकलपपहिचान अंगीरूपसमाधिपहि
अवरअंगनहिजान ३६ राजरूपधनअजाकुलविद्या
यौवनजान युवतीसुंदरअष्टमद हेतुनरकविधान ३७
पुनः आनमरविशशिक्षितीजलअगनिपवननभजा-
न आनमआदीअष्टमदअपुनाअरघविधान ३८ आ
नममदहंकारउररवीकोपमदजान करमचाहिमद
क्षितिशशिवस्त्राभरणविधान ३९ जगतवृद्धिजलअग
निमद भोगचाहिपहिचान गमनचाहिमदपवनन-
भ हैगजादिचहजान ४० त्रिविधितापनेरहितसुत
श्रवण मनन निधिध्यास सतगुरुप्रापतिज्ञाननिजसि
द्धीअष्टप्रकास ४१ धरकअनिलपुनप्राणपुवदोषद्रो
णवसुजान पुनाविभावसुअष्टयेवसुभननमतिवा-
न ४२ शनीचंद्रदिगपश्चिमदक्षणवीरविधान रवीभृगु
कदिगपश्चमं बुद्धभौमउत्तान ४३ दिगपूरबआनंदपुन
पावाईपहिचान एकमआदीकरमकरदिशायोगनी
जान ४४ एसेमंगलयोगनी बावेंकारयरास दहिणे
कारयविघनकर सनमुखकरनविनास ४५ मैनकार
णभवसुबतिमन भगवनसतनाविधान पुत्रपौत्रसात
बावदजासबोधभवहान ४६ चिदानंदघनज्योतिमे

अनिरवाच्यनहिंशकत नासबंधनेभयोमनजासफु-
रणनेजगत ४७ परविरतीनिरविरतिमनदुविधभार
याजान पुत्रपौत्रसानुषानहि कंन्यादुविधविधान ४८
मोह अधरममदलोभपुन दंभगरबपहिचान कामक्रो
धस्रुनअष्टमन परविरतीनेजान ४९ मोहभूपकीभार-
यामिथ्यादृष्टीजान नानअबोधसनुषानहि विषमदृ-
ष्टिपहिचान ५० पुनअधरमकीभारयानामअशरयाजा
स नानकूटसानुषानहि विशेषाकतिपरकास ५१ युव
तीमदकीईरषानानपखंडविधान स्रानमभ्रांतिसनु-
षानहि हेतुजनमपहिचान ५२ युवतीतृशनालोभकी
नानपापपहिचान चिंतानामसनुषानहि जारतचि-
खासमान ५३ आसायुवतीदंभकी अपयसनानवि-
धान अपकीरतिसानुषानहि जीवतमरणसमान ५४
युवतीनिंदागरबकी नानविरोधविधान पुनासूयर-
यानामजहि नहिसानुषावखान ५५ रतीभारयाकाम
की लालचनानविधान लोलपविषेसनुषानहि कामी
हृदेसथान ५६ युवतीहिंसाक्रोधकी नाननासअवि-
चार मूलसरूपसनुषानहि हेतूजनमअपार ५७ विश्व
दुअभगनीसुनाम न परविरतीनेजान विशनुचरणअ
प्रेमसुन नासभारयाजान ५८ राइ विवेक विचारपुन
शीलसत्यसंतोष धीरधरमवैरागसुन मन निविरति
प्रदमोष ५९ राणीराइविवेककी मतिउपनिषदवखा-

न ज्ञान प्रबोध सनुषान हि समता दृष्टि विधान ६० यु
वती वस्तु विचार की ध्यान मगनी विधान निरभय ज्ञान
सनुषान हि अप्रकाशक तिपहिचान ६१ युवती लज्जा शी
ल की ज्ञान सुयस विधान कीरति सुभग सनुषान हि अ
वधारन मतिवान ६२ युवती साध्वी सत्य की सुत निशाक
पर विधान पुना अचपल सनुषान हि शोभनीय मति
वान ६३ युवती शुभ संतोष की ध्यान मग्न पनी जान सुन
अहिलाद सनुषान हि स्वप्रमाण तानागान ६४ युवती धैर
यत्तमा उर कोमल ज्ञान विधान सरवभूत निरवैरता ला
ससनुषा वखान ६५ युवती शरद्धा परम की सुत प्रकाश
पहिचान उर अभ्रांति सनुषान हि हेतु मोक्ष निरवान ६६
युवती पुन वैराग की उदासीनता नाम ज्ञान योग सानु
षान हि नाम अहिंसा धाम ६७ विशानूं भगती सुत नामन
निरविरती ने जान हरी अनुग्रे प्रेम सुन ता सयुवति पहि
चान ६८ कृतीपुन संकलप जे मन सुकामना विधान सो
अनंत न हि गिणति कवि को कर सके वखान ६९ तो ने
क बहु संखेप कर मन संतान विधान पर विरती हियउपा
दे निरविरती मतिवान ७० सो० प्र० प्रतिमा ध्या हि विधा
न पर किरती सा परश विथ भगवन वरग वखान भव उ-
पास्य अनवार विन ७१ दो० उ० हेम रतन मणि दार मे सि
ला लिखन पहिचान चित्रभीत परम नो मे प्रतिमा अष्ट
विधान ७२ ब्रह्मदेव आरखन तरी प्रजापत्य पहिचान

असुर पिशाची रात्तसी गंधरवी ब्या जान ७३ अलंकार
युत वेदविधि ब्याहि ब्राह्म पहिचान यज्ञदक्षणा महि
रिजो ब्याहि देव मै जान ७४ उभै बैल गो एक दे आरष ब्या
हि विधान सरब धरम कर विहित जो प्रजापत्य पहिचा-
न ७५ धन देकर काजा हरी सो वन हरन पिशाच सनबं
धी हनरात्तसी जहि रण चलन निराच ७६ कंन्या प्रहष
सनेहि जहि मानन तान बिन जान अगनि साखि कर ब्या-
हि जो गंधरवी पहिचान ७७ छिती नीर किरसानयुत
वायु ब्योम पहिचान मनो बुद्धि हंकार युत अष्ट प्रकि-
रती जान ७८ मकरी चीटी युवति जल मूसा बिल्ली जा
न छिती हुताशन अष्ट इन विधि सपरश पहिचान ७९
वरग परसपर बैर जग बिल्ले मूषक जान कूकर मेढे सिं
घ म्रग गरुड़ सरप पहिचान ८० करवगघंड. बिल्ला
पफबभम मूसा टठडढण कूकर शषसह मेढा च
छजझञ सिंघ यरलव म्रग अइउए गरुड़ तथद
धन सरप। गणपति सूरय हर हरी अगनी भैरव प्राण
अष्टम ब्योम उपास्य जग आगम भनत महान ८१ शत्रू
संगी सरप नरवि नदी अगनि नृपनार येह अष्ट अनबा
र बिन इनते बचे विचार ८२ भंगवन अष्टम्बरणावर्द
छिती नीर किरसान वायु ब्योम हंकार महि तत्व प्रकिर-
तीजान ८३ एक एक ने अध कये दस दस गुण विधान
कलपन स्वाधिष्ठान मो शुकतिरजन बनजान ८४ भंगव

न अंगप्रणाम अब्द चरण जानू उर जानें हसन सीस मन
गिरा हग अंगप्रणाम विधान ८५ भगवन अष्ट आनंद व
द विषियानंद वषान निजानंद पुन वासना द्वैतानंद वि
धान ८६ योगानंद निजातमा आख्यानंद पछान अष्टम
ब्रह्मानंद श्रुति आगम भनत महान ८७ हरीपात्र
नैवेद्य वद स्वैरण रजत मरण जान कासी ताम्रपलास दल
पदम कदली पहिचान ८८ महादेव वपु अष्ट विध भगवन
हिय विधान रवी चंद्र भू तात मा महादेव वपु जान ८९
स्कन शाक ह्य दिने रति कासी पात्र अहार भूद्वैद्य विभुवा
रागीगन का अन्न गवार ९० भगवन सिद्धी अष्ट वद अंण
मा महिमा काम गरमा लघमा प्रापती वसी ईशता नाम ९१
भगवन धूरत नाम वद धूंरत पाजी जान कुटल कपटि
छलि कुहक कपुन जिह्म कदंब पछान ९२ भगवन अ
लक हि नाम वद अंलक सिरोरहि जान कुंडल कुंतल के
स कच चिकुर सुढर विधान ९३ भगवन दीरघ नाम वद
दीरघ उच विधान प्रथन प्रास एथ आइत तुन पुन बि-
साल पहिचान ९४ दोंघरहि न पुनरुक्त निवद हर्ष क-
रषजहि वाद भय अस्तुति आमर षगत दीन बचन निंदा
द ९५ पंडत मैथुन अष्ट विध भगवन करो विधान अं
समन तणायुत जास थी पंडत भनत महान ९६ गरब क्रो
ध रवाक बिन निंदा सहि नकठोर गोप्य देश पर प्रगट
गुण दोश न कविना होर ९७ शारवण सिमरण कीरतन न

पेषणगुह्यवखान अथवसाइचिंतनपुनासंगअष्टमो-
जान ९८ जंबूद्वीपअवंत्रजोभगवनद्वीपविधान लं-
कारमणाकसिंगलामंदरहहरणपख्यान ९९ स्वरणअस्थ
आवरनपुनचंद्रसुकलपहिचान पांचजन्यपुनद्वीप
उपसगरननैंकृनजान १०० श्रीमतसायूरामवरउदा
सीनकृतजान वाकसुधाकरसरगइतित्रयोदशसुभ
गविधान १०१ ॥ १३ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरनजुहार १ सत्यंज्ञानम
नंतसमस्वप्रकाशस्वरूप नमोनिजातमब्रह्मजेहि
गावननिगमअनूप २ सवैया अजअंतरअंतअगोचर
जोसमस्वहुकब्रह्मवपुअविनासी जगकिंचितनाहिन
भिन्नजिसेरसरूपअनाहतजोसुखरासी परपावनरूप
परावरजोपरप्रेरकबोधवपूनिरवासी शिवशुद्धसना
तनशांनवपूकविवंदनवेदजिसेबनवासी ३ सो० प्र०
भगवनपुरीविधानदिशाअष्टगजगजनिदिग पुनरा-
गनसंतानवरणअष्टअस्थाननतन ४ दो० उ० अमरावति
तेजोवती संयमनीपहिचान कामवतीवरुणावतीगंधर-
वावतिजान ५ महोवतीपुनजसोवतिपुरीअष्टदिगजा-
न प्ररवआदीकरमकरमेरूशिखरविधान ६ प्ररवअगने
दतरांनैरनपश्चमजान वायूउत्तरअष्टमीसुभगकोण

ईशान ऐरावनपुंडरीकपुन बावनकुंभविधान अंज-
नपुष्पदंतपुन सरवभौमपहिचान ८ अभ्रमुकप
लापिंगलापुन अनउपमाजान नामरपरणी अंगना सु-
भ्रदंतिअंजनान ९ पंचमहरष दिसारवमधुललनबि-
लावलजान बंगालममाधवपुना भैरवपुत्रविधान १०
कौशकभौरानंदपुन प्रबलचंद्र शोभार अंगमरवौषद्
माहमल्लमालकौंससुतसार ११ सुरमानंदरंभासकर
पुनाबसंतकमोद चंद्रबिंबहिंडोलसुतमंगलसरस
बिनोद १२ चंपककुतलगौरपुन कमलकुसमकल्या
न कामकलंकाकानड़ादीपकपुत्रविधान १३ सालू
सारउ सागरागौड़कुंभहंमीर पुनागुड़गंभीरसुभषि
रीरागसुतधीर १४ बैरायरनटजबलिधरगजधरशं
करशाम जलधरनामकिदारसुत मेघरागअभिरा-
म १५ दंतनासकामूरधनि जिह्वाओष्टजान कंठता
लउरसभगनन अष्टवरणाअस्थान १६। इचुयशानां
तालु उपूपध्मानीयानामोष्ठौ ऋटुरषाणांमूर्द्धा लृ
तुलसानांदंता: एऐतो:कंठतालु: ओऔतो:कंठो
ष्ठं वकारस्यदंतोष्ठं जिह्वामूलीयस्यजिह्वामूलं नासि
काऽनुस्वारस्य। पुन:सो·प्र·भगतीभगतमहान नि-
धीनंदगुणगोप्ययह भगवनखंडविधान दुरगातु-
षीइष्यारस १७ दो·उ· श्रवणसिमरणकीरतनपाद
सेवपहिचान अरचनबंदन दास्यसखकात्मनिवेद नजा-

न १८ पुना यथालाभसंतुष्ट साधसंग हरिकथाश्री
ति हरिजनहरिगुणगाइन गुरूपसेव छलरहित शी
लकरगुणगन समद्रष्टी। श्रीरवनगुनप्रहलादमुनिना
रदलक्ष्मीजान प्रथूभूपअक्रूरहनुमानअरजुनबलीविधा
न १९ कच्छपमकरमुकुंदगुनसंखखरबपहिचान
नीलकुंदअरुपदमगुन महापदमनिधिजान २० नंद
सुनंदउपनंदध्रुवअभयनंदपहिचान धरमाकरमानं
दअभिधरानंदनवजान २१ सुखदुखधरमाधरमथी
रागदोशपहिचान संसकारपरयतनगुणनैयाइक
मनजान २२ औषधिमंत्ररसायणंधातुवित्तअपमा-
न दानमानग्रहिछिद्रनवगोपनीयमतिजान २३ रवि
शशिमंगलबुधगुरुसुक्करशनीनिहार राहुकेतुग्र-
हिसुभासुभपूजनीयसंसार २४ इलावृतभद्राश्वगुन
मालकेतुपहिचान हरीवरषकिंपुरषगुनभारथखंड
विधान २५ रमणकगुनाहिरण्यमैकुरूखंडपहिचा
न मेरूउत्तरदत्तणंपूरबपश्चमजान २६ प्रथमशैल
पुत्रीद्वतीब्रह्मचारणीजान चंद्रघंटकात्रतीयगनकूष
मांडकागान २७ पुनसकंदमाताछठीकात्यायनि
पहिचान कालरात्रिगौरीवसुसिद्धिदाइनीजान २८
शबदसपरशरूपरसगंधपंचभागपहिचान पुनविवेक
संन्यासकरन्तत्त्विकालकरजान २९ देशकालमनआ-
तमाव्योमवायुपहिचान अगनिनीरछितिद्रव्यनव।

मनतारकगनजान ३० करुणाअद्भुतहासपुन
बीरशांतिशृंगार पुनभ्यानकरसरौद्रवपुनवमवि-
भतसनिहार ३१ टीका आरतमो करुणा, आश्चर्य
मो अद्भुत अनंदमो हास पुरुषार्थमो बीर एकांतमो
शांति शोभामोशृंगार भयमो भ्यानक युद्धमो रौद्र
निंद्रामो विभतस । दो० जगतसधारण हेतुजो भगव
नकरोविधान देशकालअदृष्टपुन ईश्वरइच्छाजा-
न ३२ प्रागाभावप्रयतनप्रतिबंधाभावविधान पुन
ईश्वरपुनजगतनव हेतुसधारणजान ३३ सो० प्र० से-
वनतुथ्यविधान गिरीदेवअहिअंक हित भगवनस
मभगवान रतनदेववदेवगण ३४ दो० उ० विद्या
उद्गमप्रीतउरकलहाखुरकअहार भोगनीदपुनयू-
ननवसेवनतुथ्यविचार ३५ मेरुगंधमादन निषिद
मालवानपहिचान हेमकूट हिमवानगिरि नीलसे-
तशृंगवान ३६ महादेवआनंतशिवनरहरिपवन
कुमार नारायणपुनमच्छवपुकूरमसूकवनार ३७
करकोटकअसकमलपुन शंकुपदमअनंत काली
ततकवासकीइलापत्रविख्यंत ३८ प्रथमएकदो
तीनपुन तुरीपांचपहिचान षष्टसपतपुनअष्टनव
अंकभनतमतिवान ३९ स्वामीयुवतीवैद्यकवि मर-
मीभूपनिहार सूपकारबंदनीपपुनश स्त्रपाणिहि-
यार ४० युवा स्त्रिनैंद्रेमानबिनजपतनपयुगतनअदी-

न विद्यागुगनउदारमदु भगवनसमनरचीन ५१
माणकमोतीगुलीवगुपुनपन्नापुखराज हीरानील
मलसनीगुलमेदकसिरताज ५२ रविशशिमंगल
बुद्धगुरुशुक्करशनीविधान राहुकेतुनवकरमकरर
तनदेवपहिचान ५३ विश्वतुखनामरुत वसुभासुर
रुद्रविधान माहरंगाजश्रदित्यपुन साथेदेवगणजा-
न ५४ हरिनादयोगेशनव भगवनकरोउचार हुंगेश्रा
ननश्रुतघ्राणपुन पायुपस्तनवद्वार ५५ नादनिनद
रुतस्वरधुनिनिस्वन सुरवरपहिचान वचनशबदश्र
सनामनवअमरकोशगनगान ५६ द्रुमलवमसीपिप
लादहरिश्रंतरित्तपहिचान श्रवरहोत्रपरिबुध्यकवि
करभाजननवजान ५७ भारतखंडश्रवांतजो भगव-
नखंडविधान वैनश्रसस्रघसदमकेनवनवनामव
खान ५८ इंद्रभाम्रगाभस्तमन बारणतुरीविधान
सौमनामगंधरवकासेरकुमारवखान ५९ टीका
भारतखंडकेमध्यकुमारखंड है जिसको हिंदुस्तान
कहेहैं वरण तथा आश्रमो का विभाग इसी मो है भ-
गवत अवतारों का होणा तथा वेदमरयादा वेदउक-
त कर्म तथा धरम मर्यादा इसी मो है होर खंडो मै भो-
गभूमी है कर्मभूमी इही है जहां के कीये होए पाप
तथा पुन्यरूपी करमो कर नरक तथा स्वर्ग को जीव प्रा-
पत होवै हैं तप श्रर दान तथा यज्ञों का करणा

१२०

इसी खंडमो विशेषहै। बैन बिठुलरचित अब सुख शी तल मंजुलजान मंजपुनाबानीरनव नाम बैत पहि- चान ५० बाजीबाहुलरंगहै सैंधव अरकि कियान न रलनुरंगम अश्वखन नव नाम मनतमतिवान ५१ याप पनपुनवृजनअघकलमखदुरत विधान हिंसादुष्पा कृतकलुत्तनवनामकोसगतगान ५२ सदमसदन संकेतगृहहि आलयनिलयनिकेत भवनधाम अस ना मनव आगमकीनसकेत ५३ भगवन नव अभ्यास वद सुनोनासमनलाइ जोउद्दालकमुनीसुतनखेतकेतु प्रतिगाइ ५४ श्रीउद्दालकमुनीसुतन खेतकेतु जहि नाम विद्यागुरुपहिपठनकर पुन आयो निजधाम ५५ करीनधिनपरिणामसें जान अधिक विद्वान आसन अधिकसवारकर बैठायुगन अभिमान ५६ श्रीउद्दाल- कमहानमतिश्रुतिधीरयविद्वान लखोनिजानमबोध बिन तातयुगतअभिमान ५७ तातगोदगहिआइपु- नबोलेगिराउदार सुनपुत्रतमयनासप्रतिजेोआग मश्रुतिसार ५८ जासवसनतइकसानने सरज्ञानहूजाइ सोविद्यातैंपढी सुतश्रीगुरुसेंहिनलाइ ५९ अस विद्या नहिपढीनिजभगवननवसरणाइ तातनासउपदेश वरजासश्रवणभ्रमजाइ ६० घटअनेकमटमांहिजि- मएकमिरणानहिआन जड़चेतननतनमांहिनिमसोम विद्वानमजान ६१ समसेंधवविदएकरसजामेकल-

पनमाइ तासबंधसनचराचर भयोजगतसमुदाइ ६२
पुनशरीररचसुपनइव कीनोंनहिंपरवेश भूलनिजा
तमब्रह्मनेपाएजनमकलेश ६३ नामरूपनजजीव-
सम सुपनअवस्थामांहि मिलेनिजातमब्रह्मगनइती
भावजहिनांहि ६४ आदमध्यमवअंतसद निशप्रपं-
चनिरमाइ खेतकेतुनवरूपअसतत्वमसीश्रुतिगा-
इ ६५ सुपतिअवस्था माहिजनकोंनहिंकरतेबखान
मिलेसत्यमोआइहमतजजाग्रतअभिमान ६६ पुनस
सुपनितेजागसद सिमरणकरतनकोइ भगवनतां
नेब्रह्मसदनाहिनिजातमसोइ ६७ यथाउशापर-
समधूमिलएकरूपहैजाइ तथासुपतीमाहिज-
नमिलैसत्यमोथाइ ६८ नहिजाननतनहिमोहवस
ब्रह्मनिजातमरूप जिमजनबिचरननिधीपरनहि
नहिज्ञानअनूप ६९ सत्यंज्ञानमनंतसम स्वप्रकाश
निरमाइ सोमनमारोरूपअसतत्वमसीश्रुतिगाइ
भंगवनजीवससुपतिमो निद्रामोहिअधीन नहि-
जाननतनिजरूपसदजासबोधभवछीन ७१ पुन स
सुपतितजसरबुजनजैसेकरनबखान ग्रहितेबा
हरजाइहमकरहैंकरममहान ७२ सदसरूपतेजा
गनिमकोंनहिकरनविधान सदसरूप कोत्यागहम
जाग्रतभईमहान ७३ जिमसागरजलमेघगहि दु-
रदेशावरसाइ भूलनिजानमउरधिवडसरवरनदी

कहाइ ७४ तिमतनतहनेउपाधिते धारेअनकसरू-
प मूलउदधिसद्रूपजहि गावतनिगमअनूप ७५
जिमसागरतेबुदबुदेउदेहोनतहिलीन तिमचेतन
सद्रूपतेउदेजीवलैचीन ७६ सुद्ध शांतशिवबोधमै
निजानंदनिरमाइ सोमतुमारोरूपअसतत्वमसी
स्रुतिगाइ ७७ जीवसत्यतेउपजकरहोंहिनासमोली
न भगवनजीवविनाशहैंजलतरंगवतचीन ७८
यथाजीवद्रुमशाखतजअवरशाखमोजाइ नयात
जीवस्थूलतनत्यागअवरतनपाइ ७९ जीवरहितद्रु-
म सुष्कहैसहितहरतदिखराइ इसकारणतेजीवअ-
जअविनाशीस्रुतिगाइ ८० अजअनंतस्रुतिवदत-
जहि चिदसूक्षमनिरमाइ सोमतुमारोरूपअस तत्व
मसीस्रुतिगाइ ८१ सूक्षमतेअसथूलकिम भगवन
जगतविधान जिमसूक्षमबटबीजतेहोतवृक्षबट
जान ८२ तिमसूक्षमचिदब्रह्मकाजगविवरतपहि-
चान कलपनसाधिष्ठानमैसुकतिरजतवतजान ८३
नेतिनेतिस्रुतिवदतजहि चिदव्यापकनिरमाइ सोम
तुमारोरूपअसतत्वमसीस्रुतिगाइ ८४ भगवनव्या
पकसरबचिदभानहोतकिमनाहि यथाउदकमोल-
वनखनतहिभासतदृगमाहि ८५ अंतसकरणउपा
धिमिलयथानआतमभान उडीयासमतिंदूयंयथा
लवनरसनान ८६ अंतरयामीसरबगतसबनेसिद्ध-

निरमाइ ८७ मुकतनिजातमबंधकिम भगवनक-
रोविधान बंधहैंतैं अज्ञानअदस्तुकतिनिजातमज्ञान
जिमचोरनग्रहिधनीसन भूषणलीनउतार बांधता-
सकरपादहगडारयोमहांउजार ८९ तिमनवबांधवि
सुद्धहगडारयोविषेउजार रागादकनसकरोंवसपाए
जनमअपार ९० कारणजगताधारजो स्वप्रकाशनि-
रमाइ सोमनवमारोरूपअस तत्वमसीस्रुतिगाइ ९१
असततत्तजनम्हनूसम अज्ञजनमकोपाइ भगवनत-
त असंगकिम जनमरहितस्रुतिगाइ ९२ नैत्तप्राण
तनमाहिलय लिंगभंगहैजाइ असवासनालिंगतन
युगतअवरतनपाइ ९३ दिक्कालादिप्रछेदबिननि-
शप्रपंचनिरमाइ सोमनवमारोरूपअस तत्वमसीस्रु-
तिगाइ ९४ असततत्तजनउभेजगकरमकरतसम
भान भगवनतत्तअसंगकिम अज्ञलिपाएमान ९५
जिंमजनचौरअचौरतिम अज्ञतत्तजगमाहि असडु-
रावनध्यानमानतत्तडुरावतनाहि ९६ देहअनातमरूप
निजब्रह्मनिजातमनाहि यहीडुरावनध्यानमा अस
भनतमुखमाहि ९७ ब्रह्मनिजातमरूप सददेहअना
तमनाहि कलपनस्वाधिष्ठानमो नत्तभनतमुखमा
हि ९८ निरविभागनिरविशेषचिद निशकलंकनिर-
माइ खेतकेनतनवरूपअस तत्वमसीस्रुतिगाइ ९९
भगवन नवउपदेशतेलख्योनिजातमरूप हृत्तिव्या

पफलबिनाजहिगावतनिगमअनूप ९० श्रीमत
साधूरामबर उदासीनकुनजान वाकसुधाकरसर-
गइतिचौदशसुभगविधान ९१ ॥

ओंश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
गुरुदशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ अनि-
र्वाच्यचिदशक्तिनिजअ जात्रिविधवपुजास सारस्व
तीश्रीउमापदनमोसुखदसुखरास २ स्वैया चिदश्रा-
श्रितहैक्रिनभानमनीसमहेशकनीभवकोविसतारें
नभमारुतपावकनीरक्तितीरचभूतचराचरकोप्रति
पारैं नवनूपअनादअगाधगनीशिवशेशजिसेस्तुति
उंजउचारैं त्रिगुणातनमरूपनमोकरुणानिधिगोप्य
गुणाकरसैगुणधारै ३ सो॰ प्र॰ भगवनकवीविधान
तासकथनमेमानसुभ अवधारनमतिवानजास
अवणजनस्रेयकर ४ दो॰ ३॰ धन्वंतरबैतालकवि
शंकुखिपणकजान अमरसिंघभटघटखपुनरबरपर
नामविधान ५ कालीदासबराहिकविभूपतिसभा
मझार तासकथननवरत्नजेग्रंथुनाकरोंउचार ६ नि
रक्षलताकरमित्रवशिअरीनीनसेनान लोभीधनक-
रईशवशभगतिभावकरजान ७ द्विजआदरकरभार
यावशीघ्रेमकरगान समतानाकरसंबंधिवशिमूरख
बानतजान ८ गुरुअरुवतिकरहोनवशि वियाकर

विद्वान रसकररसकैसरबजन वृशीशीलकरजान ६ १८०
पुनः अरथीजाचितहोतलघु ऊचपतननीचान का-
मीहोनकलंकजग लोभीअयपसवान ९ बिनसं-
तोनदुरवीरहै निरधनढग्गीखान व्याकुलहै उनमा-
दिजनपरद्रोहीदुष्टान ११ संसेप्रापतशोकयुतपेटार-
थीजनजान होतनिरादरनासजग आगमभनतमहा-
न १२ पुनः शोभतभूपतिनीतिकर निम्रतयुतगुण
वान युवतीलज्जादंपती धैरयकरपहिचान १३ शो-
भनीयअहिपुत्रकर कवताईथीजान शोभनीयद्विज
शांतिकर गिरामृदमखुतमान १४ खिमायुगनसमर-
थ्यजन ग्रहीदरबकरजान सभाखल जनरूपकरमनु
संम्रतियुतज्ञान १५ पुनः भूपचरमचिंतनकरेसैतनर
स्यावान पुनरणमैंननशीतिनज परजाकृत्यपछान १६
रागद्वेषसैगोप्यपुन समापाइप्रगटाइ निजमंडलमो
गमनपुन मंत्रीगतीलखाइ १७ इत्यादिककरनब्यसर
भूपनीतियुतगान अनथाहोतविनाशनहि आगम
भनतमहान १८ पुनः यशहानकंदरयकर सत्यदं-
भकरहान मरयादाहनतृथाकर दरबव्यसनकरजान १९
नाशहोतगुणक्रोधकर धैरयअपराहान नाशहोतकु-
लकुगलिकर द्विजप्रमादकरजान २० चिंताहानविचार
करनिम्रतनामदहान आदरनष्टदरिद्रकरममतानेजप-
छान २१ पुनः ढग्गीमूरखशांतियुत भूपनपत्नीजान

१२५ ग्रेही मानी आलसी मनसर युगन विधान २२ खोटी
युवती वा ननर परमशील कहिलाइ दग्गी निरधनि श्री-
नय भ्रभूपहु कमबिन भाइ २३ परकर भोजन खानशुचि
दग्गी भनत महान वृद्ध दरिद्री रोगयुत युवा युवति प-
ति जान २४ पुनः अरपी बल अनुसार ना युवती योवन
जान पुनः भूपपरता पबल विद्यानिम्न विधान २५ सु-
ष्ट्जना बल गिरा सद संग्रे खलपधनान कूठे बल
बहुबोलन ग्गा शांति निजान मभान २६ पूजा मे गुरा मौन
बल महि ती जना अचार शील पकना कुलं बल है नृ श्री-
युतिहा १२७ पुनः मानी परवस हासियुत धनी कृपण
पहिचान भूपति दुष्ट अमानयुत दारिद्री ग्रहि वान २८ प-
रपती विद्वान कृत मलन वेद वित जान वृद्ध अनीर घ
युवति जित हासी योग विधान २९ है कुलीन जन मूढ
जगपरवस सुखी वखान इत्यादिक जन बहुत जग हा-
सीयोग विधान ३० पुनः सिंचन करणे सुशाक द्रुम
मिलन जुदा कर जान खान पुरावन खिड़े द्रुम पुशप फु-
णन पहिचान ३१ ऊ षड़न जो द्रुम गाडणे लघू वधावण
हार ऊंचे नीचे करत पुन निमन ऊंच निरधार ३२ कंटक
वान निकासने इत्यादिक व्यापार माली वत भूपाल भ-
व भोगन भोग विचार ३३ प्र· निधी वाकन वनाथ श्री
भगवन नाम विधान शकुनि नन्व स्तिनि द्रीनकी सुक-
लकृष्णा वरणान ३४ उ· खान पान पहिरान यहि धानु

मनुजनुमजान चौपदरतननसमयग्रसनवनिधिमन १८८
नमहान ३५ उतपतीइस्थितिलयनतवंसोधकजान
फलनियामनपरवेशगुन किरयावाकविधान ३६ गो
रखनाथमछंइगुनचंबकनाथपछान प्राणनाथ
श्रुतिनाथगुनमंगलनाथवखान ३७ गोपीगुघुना-
थगुनचरपटनाथपछान श्रीमतनाथगामश्रीग्रगु-
नानामविधान ३८ श्रीपदमापदमालयालिगुनामाजा-
न कमलाचपलाइंदरा विशनुवलभागान ३९ खग
विहंगद्विजशकुनिगुगाअंडज विहगविधान पत्तीप-
त्रिपतंगनवनामभनतमतिवान ४० शबदसपरश
रूपरसगंधपांचवीजान मनोचित्तहंकारधीनव
भनतमतिवान ४१ रसाअनंताधरणिभूगोत्राकुंभ
निजान पुनालमावतितिलीगोनामभनतमतिवान ४२
मद्रापथ्याहरीतकीचेतककाइस्थान शिवाअंम्र-
तासेयसीनवमहूतनाजान ४३ सकलशुभ्रसित
श्वेतशुचिगोरधवलपहिचान अरजुनपांडुरनाम
नवअमरकोशगनगान ४४ क्रशणनीलघनसामशा
शामलमेचकजान स्यामअसितगुननीलनवनाम
कोशगनगान ४५ सो॰प्र॰ द्विजलतगपोरानधर
मलिंगसुरजातिगुरु आगाधरमइस्थानभगवनश्र-
घउपनिषदवद ४६ दो॰उ॰ यत्तदाननपधरमसम
सीलसत्यदमवान धैरयगुनमननसरयबिन द्विज-

।२० लतणपहिचान ४७ पुनः गौड़स्तुउतकलसारस्व-
तकांनकुबजपहिचान मैथुलद्राबड़माहाष्टरपुन
करनाटकजान ४८ तैलंगीगुजरातिशुभ द्विजजा-
तीषट्चार जनमजातिनरजराबिनब्रह्मरूपश्रुति
सार ४९ पुनः देवविप्ररिषिविप्रद्विजतत्रयवैश्य
बिड़ाल श्रूदरपशुमलेछपुनदशमविप्रचेंडाल ५०
जोजोलतणजासमो सोसोरूपविधान भिन्नाउत्तम
विप्रग्रहिनजेमेंदहतिवान ५१ टीका विद्यापढ़ैपढ़ा
इगुनहैंइंद्रियजितनिरोध सत्यशीलसंतोषगुन देवबि-
प्रअक्रोध ५२ षट्करमीनिरहंसतपि सत्यबचनरि-
षिजान शीतउष्णसमहिंसबिन फलअहारद्विज
जान ५३ क्षमातेजगुनशूररण धीरनीतिगुनदान
निरभयगोद्विजभगतिगुनतत्रय विप्रविधान ५४
कृषीवणजगोसेवद्विजचतुरनरपहिचान साश्ररं-
भशुभकरमरति वैश विप्रमतिवान ५५ दधीदुग-
धघृततैलतिलमधूलवणरसधान इत्यादिकब्या-
पारजहिविप्रश्रूद्रपहिचान ५६ परद्रोहीपरछिद्रर-
तिनिरदैविप्रविड़ाल निंदकलोभीचोरगुनक्रूरखुग
लचंडाल ५७ गमनागमनननज्ञानजहिभतामत
समान काजअकारजज्ञानबिनक्रूरविप्रपशुजान ५८
वापीकूपतड़ागलोपरनहतकवार संध्यादककश-
नानबिनविप्रमलेछकहार ५९ सागविसरगस्था-

नपुनपोत्तणऊत्तिनिरोध आश्रेकथनमनंत्वगुनमु-
कतीईशअबोध ६० टी० सूक्षमभूतस्थूलकीउतपत्ती
वख्यान सरगविसरग हिनामअसथागमभनतमहा
न ६१ भवपालणफलवासनापोत्तणऊत्तीजामका-
मीजनवैरागहिन ईस्वरमनुअखान ६२ परलैकथन
निरोधभवआश्रेब्रह्मविधान मुकतीकथनसभकनि
वगुभवइसस्थितीस्थान शीलशौचतपदानसदुसत्य
सांतिनिरधार दयाअहिंसानृधुणासभधरमलिंगषट
चार ६४ विद्याधरगंधरबगुन किन्नरभूतपिशाच रा-
क्षसयक्षसअपसरा सिद्दगुह्यसरवाच ६५ श्रीनानक
अंगदगुरूअमरदासअलकाम रामदासअरजुनगु-
रू हरगुविंदअभिराम ६६ हरीराइहरिकृष्णगुरू तेग
बहादरजोइ गुबिंदसिंघगुरुसरबशतिनमोकरोंकरदो-
इ ६७ प्राणापानसमानगुन वायुव्यानउदान कूरम
किरकिलदेवदननागधनंजैजान ६८ तृधापिपासाप्रा
णगनहृदेकमलगनवास गुदाचक्रअपानग्रहिमैल
त्यागकृतजास नाभीकमलसमानग्रहिपाचनकरतअ-
हार कंठचक्रउदानअसवासाभृत्तपसार ७० सभना-
ड़ीगनअन्नरसव्यानपुचावनजान व्यापकसरबशरीर
गनयथाव्योमपहिचान ७१ कूरमपलककूहलाइगुन
किरकिलछीकविधान देवदत्तजंभाइउदगारनागकि-
तजान ७२ प्राणअंगनसथूलननधरमधनंजैजान क-

१०. त्पनस्वाधिष्ठानगतषट्पासरपगुणभान ७३ हेम
वौरगुरुतलपगामूतमांसमदपान गोब्राह्मणगु-
रुबलिहागनकागामीजान ७४ बृहिदारन्यकथेतरे
ईशोकेनविधान प्रशनोंमुंडकतैतरे कठवल्लीपहि
चान ७५ पुनमडूकछांदोगसुभउपनिषदांषटचा
र श्रीसदगुरुमुखश्रवणकरहेतमोतनिरधार ७६
सो॰ प्र॰ हेयतानिलिगाम नामदोशातनदेवदिग मु-
कतीधरमअजान भगवनरजनीपाबदवद ७७ दो-
उ॰ पंचदशीरितरवैारतज षष्टीतेसलनरवार सपतमि
नौमीपंचदशियात्रीफलंनहार ७८ क्रोधलोभभ-
यशोकबिनहिनूजितिइंद्रवान क्षमादानवैरागयुत
दयाबोधपहिचान ७९ निंदाशंतन्नशारयत्रतिना-
ममहातमगान अवधरमसमनामअघनामाश्रित
पहिचान ८० निगमागमगुरुगिरागतशारधाबिन
विश्वास भेदहरीहरनामफलअरथवादपरकास ८१
त्यागकरमशुभनामगतदोशाभनतषटवार फली
भूतहैनामदशदोशरहितनिरधार ८२ चिंताःसुच्य
विनाशपुनश्रामिरवअद्भुवजान जलनशिथलइस्थू
लननरोगदुर्गंधीवान ८३ इंद्रउदीचीऊरधअजअ-
गनीअगनेजान रतणयमदिगनिरतिनैपश्चमव-
रुणविधान ८४ वायुवाइवेअधहिहरिउत्रधनदप-
हिचान ईशाकोणईशानदशदिशादेववरव्यान ८५

मुकतीकैवल्लपुनरभवश्रेयमोक्षनिरबान अंमृतपुन
अपवरगवपुस्वरगसिद्धवरजान ८६ कामक्रोधभय
लोभपुनलुधाश्रमतपहिचान मत्तउमत्तप्रमत्तपुन
रसमसाहिसीजान ८७ इनलक्षणयुतजासथीपरम
निजानतसोइ छतीवंधदशापरमगतभनतवेदवित
जोइ ८८ रजनीक्षपानमखनी निशात्रियामीजान क्ष-
णदाशरवरियामनीरात्रिविभावरिगान ८९ भ्रमरसं-
खमरदंगयुनि घंटानालसमान भेरीवीणादुंदुभीमे-
घसिंधुशबदान ९० भगवनवियामहादशआनम
नामविधान मांतंगी भुवनेश्वरीबगुलाभैरविजान ९१
छिन्नशिराधूमावती रमासुंदरीजान नाराध्यामानाम
दशमहाश्रविद्यागान ९२ चेतनअजरअनंतपरअज
विकाशसरूप दशलक्षणयुतअनमासमसुखरूप
अनूप ९३ भगवनपात्रनामपुन शुक्तीकांसविधान
वेणुअलांबूदारुमृणनीरमंत्रकरजान ९४ हेमपवन
कररजतजलतांम्रघटाईजान पित्तलमृणलोहुगोत्र
करकांसिभसमकरगान ९५ गरुड़असुरमाशुरपुन भ-
गवनस्वरणविधान गरुड़खगे स्वरविशनुरथवैनतेय
पहिचान ९६ नागानकपनगारिपुन पन्नगअशनवि-
धान नाररवनामसुपरणपुन कश्यपनानवखान ९७
दवजदितीसुतदंडरिपुअसुरदैतदैतेय दानवसुरद्वि-
तसुक्रशिष्पूरवदेवभनेय ९८ मोरमयूरशिखंडि

शिखिकेकीवेहैंजैनीलकंठ अहि भुखनपुन शिवसुतवा-
हनमान कलापी ८९ हाटकअरजुनचामिकरमहारं-
जनरमणीय पुरटकार नस्वरहेमसुन स्वरणनामनयनी
य ९० श्रीमनसापूरामवरउदासीन कृतजान वाकस
याकरसरगहनिजमगपंचदशवान ९१ ॥ १५

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ श्रीनिरगुण
वपुसगुणजहिॐकारसद्रूप सरवानमप्रतिनमोजहि
गावननिगमअनूप २ सवैया अजअनमएकअनाहु-
नजोकलपांडुपआनमहरणसारे शिवसुहसनाननशं
नवहुवनसैंपवजोसमहसउदारे सदवेननरूपसना-
ननसदिकशेषाजिसेश्रुतिपुंजउचारे मनगोगुणज्ञा-
नमगोचरजोभवहैतनमोरचपालणहारे ३ सो० प्र०
भगवनत्यागविधानसंसकारअवतारदश इंद्रेरूपव
खानभेदत्रिविधगुणयहिगाहे ४ दो० ३० मोसमसर
मपुअवरपरमेयुनकोसिअहार चनेकोदराशाकनज
रशमिश्रन्नहनिवार ५ देशकालजपमंत्रजलजनमक
रमपुनध्यान पितरयंपयुनगरभदससंसकारपहिचा
न ६ मनसमूकनरसिंहवउकूरम बावनराम परसुराम
श्रीकृष्णपुन बुद्धकल्कितिरणधाम ७ त्वचाघ्राणदृग
श्रोत्रकरपादलिंगगुदजान पुनरसनासुनवागदसइंद्रे

भननमहान ८ आगमजलजनदेशपुन कालकरम
निरधार जनमध्यान अरमंत्रपुन संसकारघटचार ९
निरविरतीपरविरतिपुन तृतीयखंडपछान नदीगंध-
पुनवारुणी आगमजलपहिचान १० निरविरतीपरवि-
रतिजनदुराचारपुनजान निरजननगरनिवासपुन तृ-
तीयूनदस्थान ११ प्रातासंध्याअरध निशातेकालपहि-
चान करमअकामसकामपुन हिंसायुगनपछान १२
विशनूंशाकनभैरवीदीक्षाजनमविधान विशनूंपुवनी
अरीत्रैध्यानभननविद्धान १३ मंत्रअकामसकामपुन
भूतादिकपहिचान आनमअशुद्धिशरीरग्रहिसंसकारव-
खान १४ आरसात्वकीमध्यरजअंतनामसीजान सात्व-
कसेवनयोगगुणत्यागरजोनमगान १५ सो० प्र० ईडेकरण
विधानत्यागतड़नघननामकपि रुद्रानंदमहानभगवन
मरुदुमनामवद १६ दो० उ० ताविंद्रेमनसहितरवटकरमिं-
द्रपहिचान अतदूकादशनामअस आगमभननमहान
बालवगर किलघनिबद नैनलबगाजपछान कौलवल-
प्यबवातपुन नागशाकुनिपहिचान १८ दीननकीडाक्रोध
हेवेरीजुगलीसैन हिंसावाददूकादशी कूरअवचरनैन १९
नड़नदामिनीचंचलाविद्दुनचपलइरान बिजलीगरजि-
ततणप्रभा छटाशननगीगान २० मेघअभ्रघनवारिवा
धूमयूनिजीमूत वारिदजलधर अंबुधकमुदरबलाहक
तन २१ कपिशाखामृगवलीमुखकीसप्लवललंगूर वा-

नरकरवरनारिरिवुमरकटनामकरूर २२ किंपुरुष
निरतीभरगोपराजपरहिनकपरदीजान सेनानीशिव
पिंगुलंमहांतेजपहिचान २३ कापालीअहिबुधनशुभ
रुद्रइरकादशजान पूजननामविधानप्रदपुन्यश्रखि।
लअघहान २४ साधुरूपगुणयुवामहि विनगुगतवि
द्वान नातखपुननपुरुजनहिमनुजानंदविधान २५ म
नुजमनुजगंधरववपुपुनादेवगंधरब पितृदेवअजान
पुनकरमदेवजेसरब २६ मुख्यदेवसुरपतीवपुसुरगु-
रुव्रटविधान सुन्नातमयेयारवानंदनिगमस्रुतिगान
एकएकनेप्रथकसवशतशतगुणाविधान सोसुख
ब्रह्मानंदकीलेशमात्रकरजान २८ प्रापतब्रह्मानंद
कोज्ञानवानपहिचान श्रीमनसाधूरामतहिकोकवि
करेविधान २९ मरुतसरबगतिश्वसनमरुअनिलप-
वनपवमान वायुप्रभंजनगंधवतिगगनसूनुपहिचा-
न पादपफलिदलिवृत्तद्रुमतरूमहीरुहजान पक्षी
शाखीकुंजतुनविटपनामपहिचान ३१ सो॰अ॰ज्योती
लिंगस्थाननाईनदीश्रयतवपु भगवमत्यागविधा-
न अजाविशेषणज्ञानमा ३२ दो॰ ३॰ सोमनाथमलका
र्ज्जनमहांकालउंकार बैजनाथनागेश्वरंघुमेश्वरके
दार ३३ रामेश्वरविश्वेशरंत्रैनेतरपहिचान भीमशंकर
युतद्वादशंज्योतीलिंगविधान ३४ सोमनाथसौराष्ट्र
मों मलकारजुन श्रीशैलमों महांकालउजैनमो।

ऊँकारममलेस्वरमो बैजनाथ चिताभूमिमो' नागेस्व-
र द्वारावतीमो' घुमरेस्वर शिवालैमो' केदार हिमा-
चलमो' रामेस्वर सेतुबंदमो' विस्वेस्वर श्रीकाशीमो
त्रैनेत्र गोतमीतटमो' भीमशंकर साकनमो। दो॰
द्वादशनाड़ि शरीरगत नदीरूप पहिचान जहि दर-
शन दशनान प्रद पुन्य अखिल अघहान ३५ बावेंद-
हिणीनासिका इड़ा पिंगला जान बावेंदहिणोंकरण
गंधार हस्तनीगान ३६ बावेंदहिणोंनेत्रमो लंकुहा-
लंबकजान गुदालिंगअस्थानमो सुखासंखणीगा
न ३७ सरबअंगनन सरबगतप्याशनि सुखमन जा
न मूत्रस्थाने वारुणी रसन सरस्वति गान ३८ इड़ा-
जाह्नवी पिंगला यमुना नदी वखान गंधारी कावेरि
नदि हस्त निसिंय बिधान ३९ लंकुहा माड़ी नरबदा
लंबकगोतमि जान सुखासुता मरपरणि नदि से-
ष नितापनि गान ४० पुनासपरणी प्याशनी सुख
मन गंडकि जान नाड़ि वारुणी गोमती सारस्वती रे
वान ४१ पुनः कोटि बहत्तर लाल पुन अयुत उभे
इक जान नाड़ी सरब शरीरगत आगम भनत महा-
न ४२ देवयत्न स्वाध्याय तप आतम संजम ज्ञान सं
जम प्राणायाम पुन विधेद्र्व्य पहिचान ४३ प्राणनि-
रोध सयोग पुन ज्ञान द्वादशो जान श्रीमत सपूराम
नहि मधुनाश्चरण विधान ४४ टीका देवयत्ने देव-

१३७ यजनं स्वाध्याइयज्ञं वेदाध्ययनं तपयज्ञं स्वधरमानु-
ष्ठानं आतमसंजमयज्ञं प्राणिंद्रि आत्मनि निरोधकर-
णं ज्ञानयज्ञं ज्ञायते आत्मतत्वं येन संजमयज्ञं इंद्रिनि
रोधकरणं प्राणायामयज्ञं प्राणापानगती निरोध
करणं विधियज्ञं वेदविहित विधेग्रहणं द्रव्ययज्ञं ती-
र्थेषु दानकरणं प्राणनिरोधयज्ञं सर्वप्राणप्राणेषु
निरोधकरणं योगयज्ञं चित्तवृत्ति निरोधकरणं ज्ञान
यज्ञं शास्त्राध्ययनज्ञानं । दो॰ मत्सरमोसमदमधूपु-
ननेलकुलिलक्षयान परग्रहमैथुनको त्यागत वासि
वारहतिखान ४५ मायाविद्याव्यकनगुन शाकतिखेत्र
अज्ञान अव्याकृत नप्रकिरति तम अत्तर अजाप्रधान ४६
मायाहादशनामनी चेतनआश्रितजान भवपालण
लयहेतजगउपादानपहिचान ४७ टी॰ दुर्घटवस्तु
संपादनकरनेतेमायाकहे विद्याकरनिवर्तहोणेते अविद्या
कहे आकारसेरहितहोनेतेअव्यक्तकहे असत्यंत्रहोनेतेशक्ती
कहे पापपुन्यकाहेतुहोनेतेक्षेत्रकहे नैयाइकादिक ज्ञानाभा-
वकोही अज्ञानकहेहैं अरसिद्धांतमैं आवर्णविक्षेप
शक्तीवाला अनादी व्यवहारक भावरूप अज्ञान पदा
र्थहै प्रलेअवस्थामैं सर्वजीवोंके संसकारोंकाबीज
रूपहोणेते अव्याकृतकहे प्रपंचकाउपादानहो-
णेते प्रकृतिकहे आतमतत्वका आच्छादकहोणे
ते तमकहे तत्वबोधबिनाननिवर्तहोणेतेअंतर

कहे जन्मसे रहित होनेते अजा कहे गुणोंकीसा-
म्यावस्था होनेते प्रधानकहे। दो॰ अक्रियनित्यअसं-
गउन हेतु अनन्त एक अरु है व्यापक शुद्ध तेजवंत स्वह-
क आश्रेक ४८ असलक्षणपरद्वादशें विज्ञाननमजा
न हैंतादीननमोहु नज विवरनजगविहान ४९ अथ
श्रुतिप्रमाण। आत्मा अक्रिया निष्कलं निष्क्रियं शांत
मितिश्रुते। आत्मानित्यः अविनाशी वारेयमात्मेतिश्रु-
तेः। आत्मा असंगीः असंगोह्ययंपुरुष इतिश्रुतेः।
आत्माहेतुः स ईमानलोकानसृजेतिश्रुतेः। आत्मा
अनंतः पूर्णस्यपूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यत इति
श्रुतेः। आत्माएकः एकमेवाद्वितीयमितिश्रुतेः। आ-
त्मा अव्ययः अक्षरेपरमेव्योमन्नितिश्रु तेः। आत्माव्या-
पकः सत्यंज्ञानमनंतमितिश्रुतेः। आत्माशुद्धः निरव
द्यंनिरंजनमितिश्रुतेः। आत्मा तेजवंतः विज्ञातारमरे-
केन विजानीयादितिश्रुतेः। आत्मा स्वदृक् आत्माज्योतिः
संम्राडितिहोवाचेतिश्रुतेः। आत्मा आश्रयः यस्मिन्न-
द्यौः पृथिवीचांतरिक्ष इतिश्रुतेः॥ दो॰ भैगवनत्यागन
योगवद वोंमेंहस्तजलपान त्यागरजस्वलारथीनिश अन्न
पतिग्रेवान ५० रकनशाकत्यज दिनेरनकांसीपात्रअहा-
र शूद्रवैश्यविभचारणीगनका अन्नगवार ५१ भैगवन
द्वादशकरणवद कैंरेंमिंडेमूनजान ज्ञानिंद्रैधीसहितषट
द्वादशकरणविधान ५२ भगवनगणपतिनामवदगें-

णाध्यत्तपहिचान एकदंतगजकराणपुनव्यकटवि-
नाइकजान ५३ भालचंद्रपुनसोमसुखकपलगजान
नजान पुनलंबोदरविघनहाधूम्रकेतुपहिचान ५४
विद्यारंभविवाहमोगमनकालपरवेश श्रातिसंकटसं-
ग्राममोगणपतिहरनकलेश ५५ भंगवनसरजुन
नामवदविजेहैतेपहिचान अरजुनकीटीकपीध्वज
कृष्णफालगुणजान ५६ जिष्णुविभतसूधनंजैखेत
हैपुनजान गुडाकेशपुनविजैपुनसब्यसाचिपहिचा
न ५७ भंगवनरासंभासरविहंभककिभत्तुविधान शा-
शीराशिगनमंदरपुनतिलकसमंत्रबखान ५८ मेखहरख
धरमिथुनपुनकरकसिंघकन्यान तुलवृश्चकधनमकर
पुनकुंभमीनपहिचान ५९ भानुमासविसाखमोइंद्र
ज्येष्ठमोजान रविअषाढश्रावणविषेगाभस्तीपहिचा-
न ६० भाद्रपदेयमअश्वनेकृशानरेत्यपहिचान कारत
मासेदिवाकरमगसिरमित्रविधान ६१ पौषविशनुपु-
नमाघमोअरुणनामपहिचान सूरयफलगुणचैत्रमो
नामविदंगविधान ६२ उरुषोनमभमलमासमोरवीश्ये
दशोमान श्रीमनसाधूरामजनहिदरशअवलअथहान
बाललडावनरेखकरगारुड़मंत्रुपदेश ऊचीसुरअसतो
नमलकथाप्रसंगविशेष ६४ लेखकरागविदंगिपुनमि
श्रलिवान पंडननाईदंपतीपरबोधनपहिचान ६५ मे-
खसिंघधनब्राह्मिदिगशाचीमननमलिवान वृषसुकंन्या

मकरराशिदक्षणदिशाविधान ६६ तुलामिथुनधनकुं-
भराशिपश्चमदिशाविधान करकवृश्चकमीनराशिउ-
त्तरदिशापछान ६७ धनप्रापतसनमुखशशीएहेम-
रणविधान दहिनेंकरसुखसंपदाबांवेंधनसुखहान ६८
मेखप्रथमवृषपंचमानावांमिथुनविधान करकहूस-
रासिंघधुनघातीघष्टमजान ६९ दस्कें निश्चातलात्त-
निवृश्चकसपतमजान चंद्रघातिधनतरिथुनमकर
वष्टमोगान ७० कुंभयारवांबारवांघातीमीनविधान
चौथाअष्टमबारवांशशीमंदपहिचान ७१ केशवाइ
कहिमलकंनारायणउदरान माधवाइकहिहृदीगोविं
दकंठपहिचान ७२ विशनूंकहिकुखदहिणिभुजमधु
सूदनसुखवाम त्रैविक्रमषु नदतणेवामनकहिकु
खवाम ७३ श्रीधरकहिभुजवामगतपदमनाभएस्थान
दामोदरकहिककुधिशिरवासुदेवपहिचान ७४ सूरय
गंध्रवअपसराराक्षसरिषीमहान् नागयक्षरविमास
नभभगवनभ्रमनविधान ७५ सूरैयधानाअपसरा
कृतस्थलीविधान नागवासुकीयक्षथनरथकृतना-
मपछान ७६ राक्षसहेमीनूंबरूगाइककरनविधान
सपतमरिषीपुलस्तनुभभ्रमनचैत्रमोजान ७७ रवी
अरयमाअपसरापुंजस्थलीविधान यक्षअथौजापुल-
हिरिषिगाइकनारदजान ७८ राक्षसनामप्रहेतिअहि
कनुनीरपहिचान भ्रमनमासवैशाखनभआगमभन-

नमहान ७९ रवीमित्र रिषिअत्रिजहि रात्तसपौरुषजा
न यत्तरथश्चननागजहि नत्तकनामविधान ८० हाहा
गाइकअपसरानाममेनकागान भमनसपतयेजेष्ट
नभकिनपूरबकरजान ८१ सूरयअहणहुअपसरा
रंभानामविधान रिषिवसिष्टगंधरबजहिहूहूनामव
खान ८२ नागशुक्रसहिजनचजहियत्तनामपहिचान रा
त्तसजहिविद्रुश्चनभ भमनाषाढ़विधान ८३ सूरयइं-
दरअपसरापूलोचापहिचान रिषीअंगरानागनहिइ-
लापत्रकरजान ८४ रात्तसवरचोयत्ततहिश्रोनानाम
विधान गाइकविश्वावसुनभश्रावणभमनवखान ८५
सूरयवैवश्चानअहिशंखपालपहिचान गाइकउग्गर
सेनजहियत्तअसारगजान ८६ रात्तसव्याघरअपस-
राअनलोमापहिचान भगूनामऋषिसपतयेभमन
भाद्रपदजान ८७ सूरयनवधाअपसरानामतिलोतमजा
न रात्तसब्रह्मापेत्यपुनयत्तशत्रुजितगान ८८ कं-
बलअहिएत्वाष्टरगाइकनामविधान यमदगनीरि
षिसपतभआसनभमनपछान ८९ सूरयविष्णु अ
पसरारंभानामविधान नागअश्वतरगाइकासूरयव-
रचीजान ९० रात्तसजहिमखपेत्यपुनयत्तशत्रुजितगा
न विश्वामित्रं रिषीनभकारतभमनविधान ९१ सूरय
अंसूअपसराउरवशिनामविधान जित्यसेनगंधरबअ
हिमहांशंखपहिचान ९२ रात्तसविद्युतशत्रुजहिनारख

यज्ञविधान रिषीकश्यपंसपतयेमगसिरअमतय-
ष्ठान ९३ सूरयभगअगुररिषीऊरगायज्ञविधान
पूरबचितीसअपसराकरकोटकअहिजान ९४ गा-
इकनेमिअरिष्टजहिघमकरनविधान राक्षसनाम
सङ्करजननअअमतपोषपहिचान सूरयपूरबाअपस-
राघृताचीपहिचान सरचीयज्ञसुखेणजहिगाइक
नामपष्ठान ९५ नागधनंजयरिषीजहिगोतमनाम
विधान राक्षसवातोसपतनअअमतमाघमोजान ९६
रविपरजन्यसुअपसरासेनाजितीविधान ऐरावत
अहिगाइकाविश्वेनामवखान ९७ राक्षसवरचीय-
ज्ञजहि क्रतूनामपहिचान भारद्वाजरिषिसपतनभ
फल्गुणअमनविधान ९८ द्वादशविधमहांवाकजे
भगवनकरोविधान जीवईशवपुएकताजासप्रगट
हैभान ९९ प्रज्ञानमानंदब्रह्मयेहरिगवेदकामहां
वाक्यहैं। प्रज्ञानशब्दजीवकाप्रतिपादकहै आनंद
शब्दईस्वरकाप्रतिपादिकहै अरब्रह्मशब्ददोनोंकी
एकताकाप्रतिपादकहै। पुनः अहंब्रह्मास्मि येह यजु
रवेदकामहांवाक्यहै अहंशब्दजीवकाप्रतिपादकहै
ब्रह्मशब्दईस्वरकाप्रतिपादकहै अर अस्मीशब्ददोनों
कीएकताकाप्रतिपादकहै पुनः तत्वमसि येहसाम
वेदकामहांवाक्यहै ईहांप्रथमतत्वशब्दईस्वरकाप्रति
पादकहै त्वंशब्दजीवकाप्रतिपादकहै अरअसीशब्द

दोनोंकीएकताकाप्रतिपादकहै। पुनः अयमा
त्माब्रह्मयेहअथरवणवेदकामहावाक्यहै। अयं
शब्दजीवकाप्रतिपादकहै आत्माशब्दईश्वरकाप्र-
तिपादकहै अरब्रह्मशब्ददोनोंकीएकताकाप्रति-
पादकहै ॥ दो॰ श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकृत
ज्ञान वाकसुधाकरसरगइतिषोडशसुभगविधान
१०१ ॥ १८

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसद्गुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगु-
रुदशअवतारप्रतिकविजनकरनजुहार १ श्रीनिर
गुणवपुसगुणसेंभगवदनामविशेश भुगतिमुक्-
तिप्रदनामप्रतिकविजनकरतअदेश २ सैया नाम
प्रतापरचेजगकोअजनामप्रतापहरीप्रतिपारे नामप्र-
तापतपेसुदिवाकरशेशसदाधरणीसिरधारे नामप्रता-
पहरेभवकोभवजौनशशीकरपावकजारे नामप्रताप
लहेफलवांछितहंदमुनीअसवेदउचारे ३ पुना द्वा-
दशमासोंकाप्रतिपादन चैतरहैंनादूरकरचिदअसं-
गनिरधार पुनवैसाखविराजकर वल्लवेदविचार ४ जे-
शटजानीरहितज्वरज्योतीरूपनिहार पुनअषाढअज
रूपनिजअतरलखोअपार ५ श्रावणशुद्धस्वरूपलख
शोकरहितश्रुतिसार भाद्रोंभूमारूपनिजलखोभेद
भ्रमहार ६ अश्वनअद्वैअमललख प्रतिनिजानन्दरूप

कारनकामविहाइभजकरुणाकृष्णअनूप ७ मगसि
रममनामाननजमायाभजोसुरार पौषसुराननपर-
मपद सरणसुरूषनिहार ८ माघमासभजसुकति
प्रद मधुसूदनभगवान् फलगुणफिकरनिवारकर
निष्ठापदनिरबान् ९ संतश्रोदशविधरूपजोभग-
वनकरोविधान औरँसन्तनसेयुवतिनिजसुनादहो-
तरजान १० तेव्रजसुतनसेयुवतितेअन्यपुरुषसन
जान कारीनानकनीनअसतुरीभननविहान ११ कं-
न्याव्याहीगरभसुतनहिसहोइसुतनजान गूढजयहि
उनपत्रसुतनपितामानविनगान १२ पौनरभवपति
हनीसेंन्यातामपविधगान दत्तमातपितदीये स-
नक्रीतखरीदनजान १३ कृत्तमुसेकरकीयाजोहैसु
पगनपहिचान पुनस्वइंहिजसगसनपारसपुत्रवि
धान १४ भंगदनसब्रसरूपवदपरलापकपहिचान
रकनत्वविशीनांगपुनजिहूकनुरीपक्षान १५ भं-
धकसंधकविनअमिरुगदाहिकर्मअभिन्यास कंदकु-
बजहगभगनपुनतेइककरणप्रकास १६ भंगवन
शाबदिव्यंजनाऽनेकार्थश्रयविधान जोंहिबोधकारसु-
गहैजगतपदारथज्ञान १७ देशीकालपर करणुवि-
निश्चरथविनसंयोग शाकतीअकतीसंनिधीसहिव
रवैरवियोग १८ देश निकुंजदेशानेराधांहरिपदका
श्रर्थराधांकृष्ण जानणविशनतोपंङ्गदिनलव

नहीं। काल प्रभातकालते चित्रभानू को अर्थ सूर्य्य
जानणा अग्नी नहीं। प्रकरण भारत को प्रसंग होवे
ना विषभीमसैन को दीनी जानणी जे कर समुद्रमथ
ने का प्रकरण होवे तो विषमहादेव को दीनी जानणी
उचित भजलै को अर्थ हरी को ध्याइलै उचित है भाज
जाना उचित नहीं। अर्थ भवभयभंजन प्रयोजन
ते भव को अर्थ विष्णु जानणा संसार नहीं। चिह्न क-
लंक रैवि चिन्यते हरि को अर्थ चंद्रमा जानणा कृष्णास-
र्पादिक नहीं। संयोग शंखचक्र संयोगते हरी को
अर्थ विष्णु जानणा चंद्रकामादिक नहीं। समरस्य
मधू को अर्थ चैत्रमास जानणा जो कोकला को उनमा
दन करे मदरा नहीं। व्यकती रुचर चंद सो राजती है
यह बाला राजती पद स्त्री लिंगते नाइका जानणी बा-
लक नहीं। संनिधी बरखत की संनिधी करघन को
अर्थ मेघ जानणा लोहा पत्थरादिक नहीं। सहिचर
अरजुन साथ हरी को अर्थ कृष्ण जानणा सूर्य्यादिक
नहीं अर हरी के साथ अर्जुन को अर्थ पार्थ जानणा
हुतमेनादिक नहीं। विरोध सिंघ के साथ विरोध क-
रनाग को अर्थ हस्ती जानणा सर्प कज्जलादिक नहीं।
वियोग मुरली वियोगते घनश्याम को अर्थ कृष्ण जा-
नणा उचित है मेघ आदिक नहीं॥ अर्थ सरनाम दो-
नो भैरपक्षी जिह्न खग असिग विसिख सर जान कान

निराचरसुमिलीसुखअसंसोघनदुखुजान १९ श्रीमह
वाकस्वरूपजोभगवनकरोविधान चैंतणवाकविधिगु
लमनहिबेधमोक्षमैजान २० जंघअविद्वतनिंदजग
मिथ्याजानुविधान अधिकारीउपदेशउरब्रह्मज्ञानमक-
टिजान २१ नाभिमननपुनहृदानहिजीवनमुकतिविधान
ब्रह्मऽनुभवमैहस्तअसकेंधसमाधीजान २२ ग्रीवावाक
स्वरूपनहिफलमस्तकपहिचान पुनविदेहमैवाकजे
शिखानासस्तुतिगान २३ भगवनश्रोदशवाकवदवि-
धीप्रथमपहिचान बंधमोक्षनिंदाग्यजगमिथ्यातरीवि-
धान २४ पंचमशिष्युपदेशपुनजीवएकताजान मनन
सुजीवनमुकेतिपुनब्रह्मनुभवपहिचान २५ दसमस-
माधीवाकपुनवाकअष्टपरकार फलविदेहमैवाकसु
भश्रोदशमननउद्धार २६ वांकअष्टपरकारजेभगवनक-
रोविधान नांनालिंगपुलिंगपुन स्त्रीलिंगपछान २७ पु-
नानपुंसकलिंगमैज्ञानमब्रह्मविधान सरबस्ववाकवि-
शिष्टपुन अपुनाकरोंविधान २८ । अथविधिवाक्यानि
आत्मैवेदंजगत्सर्वं आत्मैवेदंसर्वं ब्रह्मैवेदंसर्वं सर्वं
खल्विदंब्रह्म अहंब्रह्मास्मीत्यनुसंधानंकुर्यात् सर्वदा
द्वैतब्रह्मबुद्धिंकुर्यात् सच्चिदानंदात्मानमद्वितीयंब्रह्म
भावयेत् आत्मावारेद्रष्टव्यः श्रोतव्योमंतव्योनिदिध्या
सितव्यः आत्मानमेववेदाहंब्रह्मास्मीतियमैश्चनियमै
श्चैव ध्यासनैश्चससंयुतः संदिग्धःसर्वभूतानां वर्णाश्र-

१८४ मविवर्ज्जितः २९ तमेव धीरो विज्ञाय प्रज्ञां कुर्वीत ब्रा-
ह्मणः नानुध्यायेद्बहूञ्छब्दान् वाचो विग्लापनं हि त
त् ३० इत्यादि अथ बंधमोक्षवाक्यानि देहादीनात्मत्वेनाभि
मन्यते साभिमान आत्मनो बंधः तन्निवृत्तिर्मोक्षः देव
मनुष्याद्युपासना कामसंकल्पो बंधः अणिमाद्यैश्वर्या-
शासिद्धिसंकल्पो बंधः यमाद्यष्टांगयोगसंकल्पो बंधः केवल
मोक्षापेक्षासंकल्पो बंधः संकल्पमात्रसंभवो बंधः ममेति बध्यते
जंतुर्निर्ममेति विमुच्यते ममत्वेन भवेज्जीवो निर्ममत्वेन केवलः ३१
तदा बंधो यदा चित्तं शक्तं कास्वपि दृष्टिषु तदा मोक्षो
यदा चित्तमशक्तं सर्वदृष्टिषु ३२ इत्यादि। अथ विद्व-
न्निंदावाक्यानि अथ योऽन्यां देवतामुपास्ते अन्योऽस-
वन्योऽहमस्मीति न स वेद यथा पशुरेवं स देवानां अत्र
भिदामेवमन्यमानः शतधा सहस्रधा भिन्नो मृत्योः
स मृत्युमाप्नोति कर्तृत्वाद्यहंकारभावनामूढो मूढः
मृत्योः स मृत्युमाप्नुयादिति य इह नानेव पश्यति अ-
ज्ञानोपहतो बाल्ये यौवने वनिताहृतः शेषे कलत्रचिं-
तार्तः किं करोति नराधमः ३३ अतिवर्णाश्रमं रूपं सच्चि
दानंदलक्षणं यो न जानाति सोऽविद्वान् कदा मुक्तो भविष्यति ३४
इत्यादि। अथ जगन्मिथ्यावाक्यानि नान्यत्किंचन मिषत्
वाचारंभणं विकारो नामधेयं सर्वं विकारजातं मायामात्रं
नास्ति द्वैतं कुतो मर्त्यं मायामात्रमिदं द्वैतमद्वैतं परमार्थतः
द्वितीयकारणाभावादनुत्पन्नमिदं जगत् ३५ नास्ति नास्ति

जगत्सर्वं गुरुशिष्यादिकं नहि सच्चिदानंदमात्रोहम १८
नुत्पन्नमिदं जगत् ३६ [इत्यादि] अथ अधिकारी उपदेशवाक्या-
नि तत्त्वमसि श्वेतकेतो अभयं जनक प्राप्तोसि तत्त्वम-
सि त्वं तदसि त्वत्स्यात्स्वत्त्वं तरं अंतः पूर्णो बहिः पूर्णः पू-
र्णकुंभइवार्णवे अंतःशून्यो बहिःशून्यः शून्यकुंभइवां
बरे ३७ एकमाद्यंतरहितं चिन्मात्रममलं ततं खाद-
प्यतिनरां सूक्ष्मं तद्ब्रह्मास्मि न संशयः ३८ सर्वव्यापा-
रमुत्सृज्य अहंब्रह्मेति भावय अहंब्रह्मेति निश्चित्य अ-
हंभावं परित्यज ३९ चित्ताकाशं चिदाकाशमाकाशं
च तृतीयकं द्वाभ्यां शून्यतरं विद्धि चिदाकाशं महामुने ४०
चिदिहास्तीति चिन्मात्रमिदं चिन्मयमेव च चित्त्वं चिदह
मेते च लोकाश्चिदिति भावये ४१ इत्यादि। अथ जीव
ब्रह्मैक्यवाक्यानि सत्यमात्मा ब्रह्मैव अहं ब्रह्मास्मि
त्वं ब्रह्मासि आवयोरंतरं न विद्यते त्वमेवाहमहमेव त्वं
परिपूर्णः परात्मास्मि क्षीरं क्षीरे यथा क्षिप्तं तैलं तैले
जलं जले संयुक्तमेकतां याति तथात्मन्यात्मवित्मुनिः ४२
घटे नष्टे यथा व्योम व्योमैव भवति स्वयं तथैवोपाधि
विलये ब्रह्मैव ब्रह्मवित्स्वयं ४३ इत्यादि। अथ मनन
वाक्यानि अहमन्नमहमन्नमहमन्नं अहमन्नादोहम
न्नादः अहंमनुरभवं सूर्यश्च अहमेवेदं सर्वमसानि।
यथा फेन तरंगादि समुद्रादुत्थितं पुनः समुद्रे लीयते
तद्वज्जगन्मय्यनुलीयते ४४ न मे बंधो न मे मुक्तिर्न-

मेरुसंख्ये न मे गुरुः मायामात्रविकारत्वान्मायातीतो
ह्यमद्वयः ४५ ब्राह्मणत्वं कुलगोत्रादीन्नामसौन्दर्यजा-
तयः स्थूलदेहगता एते स्थूलभिन्नस्य मे न हि ४६ क्षु
त्पिपासान्ध्यबाधिर्यकामक्रोधादयोऽखिलाः लिंगदेह
गता एते ह्यलिंगस्य न संति मे ४७ जडत्वप्रियमोदत्व
धर्म्माः कारणदेहगाः न संति मम नित्यस्य निर्विकार-
स्वरूपिणः ४८ किं करोमि क्व गच्छामि किं गृह्णामि
त्यजामि किं यन्मया पूरितं विश्वं महाकल्पांबुना यथा
इत्यादि । अथ जीवन्मुक्तिवाक्यानि अशिरस्काऽयज्ञो-
पवीता अंधा बधिरा मुग्धाः क्लीबा मूका उन्मत्ता एव प-
रिवर्त्तमानाः शांता दांता उपरतास्तितिक्षवाः समाहिता
आत्मरतय आत्मक्रीडा आत्ममिथुना आत्मानंदाः
कैवल्यः असहाय एकाकी समाधिस्थ आप्तकाम आत्म
कामो निष्कामो जीर्णकामः हस्तिनि सिंहे दंशे मश
के नकुले सर्प राक्षस गंधर्वे मृत्यो रूपाणि विदित्वा
न बिभेति कुतश्चनेति यस्य देहादिकं नास्ति यस्य ब्र-
ह्मेति निश्चयः परमानंदपूर्णो यः स जीवन्मुक्त उच्य-
ते ५० अहं ब्रह्मास्म्यहं ब्रह्मास्म्यहं ब्रह्मेति निश्चयः चि-
दहं चिदहं चेति स जीवन्मुक्त उच्यते ५१ इत्यादि । अथ
स्वानुभूतिवाक्यानि नवीनमचलमद्वयानंदचिद्घन एवास्मि
संपूर्णानंदैकबोधस्तद्ब्रह्मैवाहमस्मि अद्वा हैन ब्रह्माहं वाचाम-
गोचरं निराकारं परंब्रह्म तत्स्वरूपोऽहमेव नत्सदा ज्वलो विद्यानत्कार्यहीनः

स्वात्मबंधहरः सर्वदाद्वैतरहितआनंदरूपः। मय्येव
सकलंजातंमयिसर्वंप्रतिष्ठितं मयिसर्वंलयंयाति
तद्ब्रह्माद्वैमस्म्यहं ५२ द्वैतभाव विमुक्तोस्मिसच्चिदा
नंदलक्षणः शुद्धबोधस्वरूपोहं केवलोहंसदाशिवः ५३
सत्यज्ञानमनंतंयत्परंब्रह्माहमेवतत् केवलंचित्स-
दानंदब्रह्मैवाहंजनार्दनः ५४ अद्वैयानंदविज्ञानघ-
नोस्म्यहमविक्रियः अविद्याकार्य्यहीनोहमवाङ्मन
सगोचरः ५५ चित्तवृत्तीविहीनोहं चिदात्मैकरसोस्म्य
हं अहंब्रह्मैवसर्वस्यादहंचैतन्यमेवहि ५६ इत्यादि।
अथसमाधिवाक्यानि जीवात्मपरमात्मैक्यावस्थात्रिपुटीर-
हितापरमानंदस्वरूपाशुद्धचैतन्यात्मिकासमाधीः निर्वातस्थित
दीपवत्ध्येयैकगोचरंचित्तंसमाधीः मनःप्रचारशून्यंपरमात्मनि
लीनंभवतिसंशांतिसर्वसंकल्पाशिलावदवस्थितिःमारुतेमध्यसंचारे
मनःस्थैर्य्यंप्रजायते योमनःसुस्थिरीभावः सैवावस्था
मनोन्मनी ५७ चित्तेचैतन्यदसाहीने यास्थितिःक्षीणचे-
तसो सोच्यतेशांतकल्पनाजाग्रत्यवस्वस्वप्नः ५८ नि-
र्विकारतयावृत्त्याब्रह्माकारतयापुनः वृत्तिविस्मरणं
सम्यक्समाधिरभिधीयते ५९ अहमेवपरंब्रह्माहमि-
तिस्थितिर्निसंस्थितिः समाधिःसतुविज्ञेयःसर्ववृत्तिनि-
रोधकः ६० सलिलेसैंधवंयद्वत्साम्यंभजतियोगतः
तथात्ममनसोरैक्यंसमाधिरभिधीयते ६१ ब्रह्माकारम-
नोवृत्तिप्रवाहोहंकृतिंविना संप्रज्ञातस्समाधिस्याद्ध्या

नाभ्यासप्रकर्षजः ९२ प्रशांतवृत्तिकंचित्तंपरमानं-
ददीपकं असंप्रज्ञाननामायंसमाधिर्योगिनांप्रियः ९३
प्रभाशून्यंमनःशून्यंबुद्धिशून्यंचिदात्मकं अतद्व्यावृ-
त्तिरूपोसौसमाधिर्मुनिभावितः ९४ इत्यादि। अथअष्ट
विधस्वरूपवाक्येषु नानालिंगस्वरूपवाक्यानि श्रोत्रस्य
श्रोत्रंमनसोमनोयद्वाचोहवाचंसोप्राणस्यप्राणः यो
वैभौमात्मसुखंयोवैभूमातदमृतंनेतिनेतिननिरोधोन
चोत्पत्तिर्नबद्धोनचसाधकः नमुमुक्षुर्नवैमुक्तइत्येषाप
रमार्थता ९५ अखंडैकरसंशास्त्रमखंडैकरसात्रये अ-
खंडैकरसोदेहअखंडैकरसंमनः ९६ अखंडैकरसंसू-
त्रमखंडैकरसोविराट् अखंडैकरसाविद्याअखंडैक
रसोप्ययः ९७ दृगदृश्यंयदिचिन्मात्रमस्तिचेच्चिन्मयंस
दा सर्वाश्चर्यंचचिन्मात्रंदेहश्चिन्मात्रएवहि ९८ अहंत्व
चैवचिन्मात्रंमूर्तामूर्तादिचिन्मयं पुण्यपापंचचिन्मात्रं
जीवश्चिन्मात्रविग्रहः ९९ इत्यादि। अथतुलिंगस्वरूप
वाक्यानि सएषोकलोमृतः सध्यानाभ्यासविज्ञेया प्रपंचो
पशमः शिवोद्वैतः यत्रनान्यत्पश्यतिनान्यच्छृणोति ना-
न्यद्विजानातिसभूमः अद्वैतपरमानंदोविभुर्नित्योनिष्क-
लंकोनिर्विकल्पोनिरंजनोनिराख्यातः शुद्धोदेवएको
नारायणोनद्वितीयोस्तिकश्चित। अपूर्वोनंतरोवाह्योनप-
रःप्रणवोव्ययः अमात्रोनंतमात्रश्चद्वैतस्योपशमःशि-
वः ७० नित्यादिनोनिराभासोदृष्टसाक्षीचिदात्मकः

सएवविदितादन्यत्तथैवाविदितादपि ७१ महावाक्य
र्थनोदूरोब्रह्मास्मीत्यतिदूरतः अखंडैकरसोवाहमानं-
दोस्मीतिवर्जितः ७२ सर्वसंकल्परहितःसर्वनादमयः
शिवः सर्ववर्जितचिन्मात्रःसर्वानंदमयःपरः ७३ स-
र्वेषअनुभवनिर्मुक्तःसर्वध्यानविवर्जितः आत्मानात्म
विवेकादिभेदाभेदविवर्जितः ७४ इत्यादि अथस्त्रीलिं
गस्वरूपवाक्यानि अलौकिकपरमानंदलक्षणाखंडा
मितितेजोराशिः भावाभावकलाविनिर्मुक्ताचिदविद्या
द्वितीयब्रह्मसंवित्तिः। सच्चिदानंदलहरीमहात्रिपुरसुं
दरी वहिरंतरनुप्रविश्यस्वयमेकैवविभाति ७५ सर्वसं-
कल्परहितासर्वसंज्ञाविवर्जिता सैषाचिदविनाशात्मा
स्वात्मेत्यादिकृताभिधा ७६ सकृद्विभाताविमलानि-
त्योदयवतीसमा साब्रह्मपरमात्मेतिनामभिःपरिगी
यते ७७ इत्यादि। अथनपुंसकलिंगस्वरूपवाक्या
नि सदेवसोम्येदमग्रआसीत् एकमेवाद्वितीयं यदत्त-
रंनत्तिरनेकथं चित् नतेजोनतमस्ततं। निष्कलंनिर्मलं
शांतंसर्वातीतंनिरामयं नशून्यंनापिचाकारिन् दृश्यं-
नापिदर्शकम् ७८ चिन्मात्रंचैत्यरहितमनंतमजरंशि-
वं चैत्यानवपानरहितंसामान्यनवसरवग ७९ अनाभ-
यमनाभासमनामकमकारणं मनोवचोभिरग्राह्यंपूर्णा
त्पूर्णंसुखात्सुखं ८० दृष्टदर्शनदृश्यादिवर्जितंतदिदं
पदं शुद्धंसूक्ष्मंनिराकारं निर्विकारंनिरंजनं ८१ अप्र-

माणमनिर्देश्यमप्रमेयमतीन्द्रियं निर्लेपकं निराभासं
कूटस्थमचलंध्रुवं ८२ सद्घनं चिद्घनं नित्यमानंदघनम-
द्वयं प्रत्यगेकरसंपूर्णमनंतो विश्वतोमुखं ८३ अहेय
मनुपादेयमनामयमनाश्रियं शुद्धंबुद्धंसदामुक्तमनाम
कमरूपकं ८४ इत्यादि। अथआत्मस्वरूपवाक्यानि
एकोदेवः सर्वभूतेषु गूढः सर्वव्यापी सर्वभूतांत्मा
सर्वाध्यक्षा सर्वभूताधिवासः साक्षीचेताःकेवलोनिर्गु-
णश्च। निशब्दंपरमंब्रह्मपरमात्मासमीयते सकले
निष्कलेभाव सर्वज्ञात्माव्यवस्थितः ८५ नित्यःसर्वग-
तोह्यात्मा कूटस्थोदोषवर्जितः नश्वरःपरमात्माच
श्रीरामोदोषवर्जितः ८६ प्रज्ञानवाक्यहीनात्मा अहं
ब्रह्मास्मिवर्जितः तत्वमस्यादिहीनात्मा अयमात्मेत्य-
वभावकः ८७ ओंकारवाच्यहीनात्मा सर्ववाच्यविवर्जि-
तः सर्वत्रपूर्णरूपात्मा सर्वज्ञात्माविशेषतः ८८ शुद्ध
चैतन्यरूपात्मा सर्वसिद्धिविवर्जितः आनंदात्माप्रियो
ह्यात्मामोक्षात्माबंधवर्जितः ८९ मुक्तामुक्तस्वरूपात्मा
मुक्तामुक्तविवर्जितः द्वैताद्वैतस्वरूपात्माद्वैताद्वैतवि-
वर्जितः ९० निष्कलात्मानिर्मलात्माशुद्धात्मापुरुषा
त्मकः आत्मेतिशब्दहीनोयमात्मशब्दार्थवर्जितः ९१
सर्वकारणकार्यात्मा कार्यकारणवर्जितः सर्वातीत
स्वभावात्मानादांतज्योतिरेवसः ९२ इत्यादि। अथस-
र्वरूपवाक्यानि ओंकारएवेदंसर्वं एतद्ब्रह्मैवतत्सर्वं

अहमेवेदंसर्वं आत्मैवेदंसर्वं नारायणएवेदंसर्वं स- १०५
च्चिदानंदरूपमिदंसर्वं सत्तामात्रंहिसर्वं सएवसर्वं ।
स्वयंब्रह्मास्वयंविष्णुःस्वयमिन्द्रःस्वयंशिवः स्वयंविश्व
मिदंसर्वंस्वस्मादन्यंनकिंचन ९३ मरुभूमौजलंसर्वंमरु
भूमात्रमेवतत् जगत्त्रयमिदंसर्वंचिन्मात्रंस्वविचारतः ९४
ब्रह्ममात्रंव्रतंसर्वंब्रह्ममात्रंरसंतथा ब्रह्ममात्रंश्रुती
सर्वंस्वयंब्रह्मैवकेवलं ९५ अखंडैकरसंसर्वंयद्यच्चिन्मा
त्रमेवहि भूतंभव्यंभविष्यंचसर्वंचिन्मात्रमेवहि ९६
इत्यादि । अथब्रह्मस्वरूपवाक्यानि सत्यंज्ञानमनंतं
ब्रह्म विज्ञानमानंदंब्रह्म अयमात्माब्रह्म प्रज्ञानंब्रह्म
एकमेवाद्वितीयंब्रह्म अभयंहवैब्रह्म प्रत्यगभिन्नंब्र-
ह्म अखंडार्थंपरंब्रह्म आदिमध्यांतशून्यंब्रह्म ब्रह्मैवे
दं विश्वमिदंवरिष्ठं तुरीयंनिराकारमेकंब्रह्म अद्वैतम
निर्वाच्यंब्रह्म अपरिच्छिन्नंब्रह्म शिवंप्रशांतममृतंप
रंब्रह्म अखंडैकरसंब्रह्म । परंब्रह्मपरंतत्त्वसच्चिदानं
दलक्षणं अक्षरंपरमंब्रह्मनिर्विशेषंनिरंजनं ९७ एक
मेवाद्वयंब्रह्मनेहनानास्तिकिंचन ब्रह्मैवविद्यतेसाक्षा
द्वस्तुतोऽवस्तुतोपिच ९८ सर्वाधिष्ठानमद्वंदंपरंब्रह्म
सनातनं प्रज्ञानमेवतद्ब्रह्मसत्यप्रज्ञानलक्षणं ९९
चिद्रूपमात्रंब्रह्मैवसच्चिदानंदमद्वयं ज्ञानंसत्यंपरंब्र-
ह्मसर्वंसंसारभेषजं १०० श्रीमतसाधूरामवरउदासी
नकृतज्ञान वाक्यसुधाकरसागरइतिसत्रवसंभगविधान १०१॥

105

ॐ श्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

सो॰ श्रीसद्गुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
गुरुदशाअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ श्रवण
जासमननादिकरलखतनिजातमसार निगमअखि
लअमनाइप्रतिकविजनकरतजुहार २ सैया जास
विचारलखेंश्रुतिसारनिजातमरूपविभूअविनाशी
जासविचारउदारअपारतरैंभवपाररहैंनिरवाशी जा
सविचारविचारमतीथरधीरलखेंपदओखराशी बे-
दनश्रीनिगमागमकोकविजासविचारकरैभ्रमपा-
शी १ अथवशिष्टस्वरूपवाक्यानि पूर्णमदः पूर्णमि
दं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवा
वशिष्यते जीवभावजगद्भावबाधेप्रत्यगभिन्नंब्रह्मै
वावशिष्यते सर्वविशेषनेतिनेतिति । गेयवस्तुपरित्या
गे विलयंयातिमानसं मानसंविलयंयातेकैवल्यम
वशिष्यते ४ यतोवाचोनिवर्तंते विकल्पकलनान्वितः
विकल्पसंज्ञासंतोः परंतत्त्ववशिष्यते ५ अभ्यासेनप-
रिस्पंदेप्राणानांक्षयमागते मनःप्रशममायातिनिर्वा
णमवशिष्यते ६ कार्योपाधिरयंजीवःकारणोपाधि
रीश्वरः कार्यकारणतांहित्वापूर्णबोधोवशिष्यते ७
सर्ववेदांतसिद्धांतसारंवच्मियथार्थतः स्वयंमृत्वास्वयं
भूत्वास्वयमेवावशिष्यते ८ इत्यादि । अथफलस्वरू
पवाक्यानि ब्रह्मविद्ब्रह्मैव भवति ब्रह्मविदाप्नोतिपरं

ब्रह्मसंस्थोऽमृतत्वमेति नरति शोकमात्मवित् य एवं वेदाहं ब्र-
ह्मास्मीति स इदं सर्वं भवति न ब्रह्मैवाहमस्मीति स कृतकृत्यो भ-
वति । भिद्यते हृदयग्रंथिश्छिद्यंते सर्वसंशयाः क्षीयंते चास्य कर्म्मा-
णि तस्मिन् दृष्टे परावरे सर्वसाक्षिणमात्मानं वर्णाश्रमविवर्जितं
ब्रह्मरूपतया पश्यन् ब्रह्मैव भवति स्वयं १० घटाकाशमि-
वात्मानं विलयं वेत्ति तत्त्वतः स गच्छति निरालंबं ज्ञानलो-
के समं ततः ११ यद् ब्रह्मानंदमद्वंद्वं निर्गुणं सत्यचिद्घनं वि-
दित्वा स्वात्मनो रूपं न बिभेति कुतश्चन १२ इत्यादि । अथ
विदेहमुक्तिस्वरूपवाक्यानि विमुक्तश्च विमुच्यते ब्रह्मांड
नदंतर्लोकान् कार्य्यरूपांस्वकारणत्वं प्रापयित्वा गुहाग्रं-
थिभ्यो विमुक्तोऽमृतो भवति यथाकामयमानो योऽकामो
निष्काम आत्मकाम आप्तकामो न तस्य प्राणा उत्क्रामंत
त्रैव समवलीयंते ब्रह्मैव सन् ब्रह्माप्येति । जीवात्मा पर
मात्मेति चिंता सर्वस्ववर्जितः सर्वसंकल्पहीनात्मा वैदे-
हीमुक्त एव सः १३ ब्रह्मभूतः प्रशांतात्मा ब्रह्मानंदमयः
सुखी स्वच्छरूपो महामौनी वैदेही मुक्त एव सः १४ इदं चै-
तन्यमेवेति अहं चैतन्यमित्यपि इति निश्चयशून्यो यो वैदे
ही मुक्त एव सः १५ कालभेदं वस्तुभेदं देशभेदं स्वभेदकं
किंचिद्भेदं न तस्यास्ति किंचिद्वापि न विद्यते १६ क्षपगतक
लनाकलंकशुद्धे स्वैममलात्मनि पावने पदेऽसौ सलिल
कणइवांभोधौ महात्मा विगलितवासनमेकतां जगाम ॥
इत्यादि । सो० प्र० जीवन्मरणसमानरतन त्रिविधव०

१०५ जीवगुरा विद्याइंद्रविधान भगवनव्याधीहेत्वमत्र १८
दो० ३० कामीक्रोधीकृपणाधीरोगीभ्रपयसवान निंदक
मूढदरिद्रयुतहरिवैमुखपहिचान १९ ततपोषकभ्र-
तिद्रव्यस्तुतिसंतविरोधीजान नरकौलवमतिचतुरद-
शजीवनमृत्युसमान २० श्रीगजरंभावैद्यविषधनुष
कामधुकजान शशीशंखमणिसुधाहैकल्पतरूमद
गान २१ तिनकाविभाग गजनरुरंभाइंद्रप्रतिमदरदान
वपहिचान मणिशंखश्रीधनुषहरिमहादेवविखजान २२
शशीवैद्यजगरवीहयधेनुरिषनप्रतिजान देवनसुधा
विभागकरबांटतभयभगवान २३ पुनः श्रीभगतीम-
णिशंखतिउरकलतानपहिचान कामधेनुसदमनीपुन
सयाबचनसदजान २४ विषंसुध्यहैकारदर खनीभ्र-
नाहदजान वैद्ययोगसंतोषशशिसुराकामपहिचान २५
ग्रभ्रसुभ्रमनधीरगजरंभाग्रुगनिविधान धनुषशबद
गुरचतुरदशरतनव्यापितनजान २६ पुनः मालांबरम
णिरघूडुमयुवतीपाशविमान निधीछत्रगजबाजिरथ
पाकतीरतनविधान २७ शक्तिविंदुभूपालग्रहिमहारत
नपहिचान युवतिग्रयुतएकेकनेलखलखप्रजविधा-
न २८ मारकंडपौराणगनकीनोनासविधान सेनरहैथि
रभूपभ्रसमयएकालवसजान २९ तांनेश्रीसुरसरीनट
नीरमधुरकस्तरवाइ नानयुवतिधनधामतजध्यानविश-
ग्रुणागार ३० धरमाधरमप्रपंचकृपनसुखदुखपरिमान

 104

संसकारसंयोगगुनसंख्याइच्छाज्ञान ३१ द्वेषविभाग
प्रयतनगुणजीवचतुरदशजान ब्रह्मनिजानमसरव
गतद्दष्टावेदविधान ३२ ज्ञानरसायणगीतगुनज्योतिश
वेदविधान तरणचिकितसाधनुरगुनवैयाकरणव-
खान ३३ निरतबजंतरकोकहृयसामुद्रीकविधान वेदु-
पवेदविदांगगुन विद्याभनतमहान ३४ यतरोचनासत्य
जितत्रैसिखविभूविधान मेत्रडुमायोरीइगुनबलीअद-
भुतजान ३५ शंभूवैध्रतिधामरितम्रुचीदिव्यसतिजा
न इंद्रचतुरदशदिवसअजउदेहोतनिशहान ३६ छींक
जभाईबवनअसुमैलमूत्रउदगार नींदप्रसीनानीरहृग
खांसीत्रिखाअहार ३७ कामबेगदसचतुरदनशेकनव-
येविकार श्रीमनसाधूरामअसवेदकभनतउदार ३८
स्वायंभूस्वैरोचितंरत्तसवरणीजान रुद्रसवरणीचात्त
सूब्रह्मसवरणीगान ३९ देवसवरणीउत्तमंइंद्रसवरणी
जान सावरणीवैवस्वतंधरमसवरणीगान ४० रैवत
नामसदिवसअजमनूंचतुरदशजान श्राद्धइपत्रदघत्र
तहिचौंकड़िकबुअयकान ४१ सो॰प्र॰ सरतानामवि-
धानसंद खारुणिनामतन भगवननीतिवखानअस
देवगुनविशेतहि ४२ दो॰उ॰ सरताधुनीतरंगनीनदीही-
पतास्वाल स्रोतास्ववतीनिगमनास्रोतस्ववनिजलमा-
ल ४३ तटनिचिकेनाआपगानामचतुरदशजान जास
पानइशनानप्रदगुन्यअखिलअघहान ४४ संदरसहू

१०८

सुभगकलरुचिरकमनकमनीय पेसलदरशनिसुषमसउ
सकांतिरम्यरमनीय ४५ सिंधप्रसूतांवारुणीआसव
मदराजान सुरामादवीमधूमदमिराकदंबरिगान ४६
सिंधप्रसूतीवारमयहालामयपहिचान तासपानसन
पुन्यहतमतीलाजगुणजान ४७ काइकलेवरकुणप
वपुदेहस्थानमाग्रंस विग्रहिउपघनयामतनसंग्रनश्री
रइतंस ४८ भूपतिनछकुमंत्रसनराजनीतिविनहान
हरिस्मरपनबिनकरमसदव्यारथदरबबिनदान ४९ य-
तीसंगगुणगरबकरलाजपानसनहान विद्याबिनैविचा
रहतन्यागममनतमहान ५० रिपूरोगग्रघग्रगनिग्र-
हि भूपतिलघूपब्वान करततोहिविष्वासजोसोमूरखहत
जान ५१ नेत्रिंद्रेरविदेवतहि विशेरूपपहिचान रसनिं-
द्रेरसविशेतहिवरुणदेवताजान ५२ घ्राणिंद्रेदेवास्वनी
विशेगंधपहिचान त्वकइंद्रे देवनलितहि विशेसपरश
पछान ५३ श्रोत्रिंद्रेदिगदेवतहि विशेश्रवणपहिचान
वागिंद्रेदेवागनितहि विशेशबदनहिजान ५४ हस्तिंद्रे
देविंद्रतहि विशेयहिणकरजान पादिंद्रेहरिदेवतहि
विशेगमनपहिचान ५५ गुदइंद्रेयमदेवतहि विशेमे-
लहियजान शिश्निंद्रेदक्षदेवतहि विशेमूत्रभोगान ५८
चितमनोहंकारधीअंतशकरणविधान वासदेवशशि
रुद्रअजदेवकरमकरजान ५७ चेतनव्यमननव्यहंतव्य
करमकरजान पुनबोधव्यसुविशेतहिआगममनतम-

हान ५८ धंरमादीयमचतुरदश भगवनकरोवि-
धान धंरमराजमन्तुकालयमवैवस्वतदमनान ५९
सरबभूतलयअंतकः परमेष्ठीविज्ञान नीलउदुंबरदृ-
कोदरचित्रगुपतनपहिचान ९० सोरवीधरमाधरमवद्
कोलधरमदिगज्ञान संध्याअहिनिशदेवपुनूरविशशि
भूतविधान ९१ भगवनचौदहभुवनवद अतंलवितल
सुतलान तरीतलानतलमहांतलपुनारसातलजान ९२
सपनमनामपनालसभदिव्यभोगपुनजान अपुनअ
पुनतहिपरसपरअथहिउरथविवधान ९३ भूरभुवर
स्वरमहरजननयसतलोकविधान कलपतस्वाधिष्ठा-
नमोभवनचतुरदशजान ९४ भूतप्रेतपेशाचपुनराक्ष
सयक्षविधान विद्याधरचारणपुनासिद्धराक्षरविज्ञान ९५
तितीऊरध्वइतनपरसपरअयुतअयुतअस्थान शतयोज-
नभूऊरध्वघनपंखीगनीविधान ९६ पुनः एकलक्षभू
ऊरध्वरविचंद्रलक्षदोजान पांचनक्षत्रसपतऋगुबुद्ध
लक्षनवगान ९७ मंगलयारां बृहस्पतीद्योदशलक्षवि-
धान शनीपांचदशसपतरिखिबतिसलक्षउचान ९८
योजनउमतालीसलक्षतितीऊरध्वधुवजान विष्णु
भगतभगवंतप्रियअजरअमरपहिचान ९९ षोडश
कोटीयोजनंधुवतेउरधविधान विशदधामवैकुंठसु-
भभगतिमुकतिसुखखान १०० जहांजाइजनमुकतिल-
हिजनममृत्युभयहान मुनिअपारस्तुतिवदननहिआगम

१५० निगमपुरान ७१ भगवनलोकनिवासिवद भूरिम-
नुजपहिचान लोकभुवरस्वरमहरगनब्रह्मचरययु
तजान ७२ ग्रेहिवासजनलोकतपवानप्रस्थपहिचा-
न सत्यलोकसन्यस्यप्रसन्यागगमभनतमहान ७३ अ-
तलकपलअवतारयुतवरुणविरोचनवास वितल
मत्स्यअवतारयुतकूरमसुतलप्रकास ७४ तुरीतला-
तलगरुड़हैग्रीवभगतप्रहिलाद शेशसैनहरिमहां
तलगऊसुभद्राश्चाद ७५ कृष्णरसातलबलीदरग-
ग्रायुगनअवतार सपतमनामपतालजहिंशेशवास
निरधार ७६ अतलशाममहिवितलसितसुतलरक-
तपहिचान पीततलातलमहांतलमणीनीलमैजा-
न ७७ तितीरसातलरतननमै हाटकमहीपताल दिव्य
भोगयुतरम्यजहिंजगमगातमणिमाल ७८ पुनः प्र-
कारांतरसे ब्रह्मांडका निरूपण। पंचासकोटियोज-
न पृथ्वीसें ऊर्द्ध तथा नीचेसें है एकयोजन ऊपरसें
तथा नीचेसें घटाकार है तहां दंडपाणी भैरवरुद्रग-
णों करयुगन निवास करे हैं ध्रुवहो हैं ऊर्द्धतथा नीचे
चंद्रमा पृथिवीसे ऊंचा पचासहजारसात सै पचवंजा योजन है
तिसते बुद्ध एक लत्त चौदा हजार चारसै बीस योजनऊं-
चा है तिसते शुक्र दोलत्त सतानवें हजार नौसै त्रवंजा
योजन ऊंचा है तिसते सूर्य्य दोलत्त पैंठ हजार एकसै
त्रियासी योजन ऊंचा है तिसते मंगल षट्लत्त सपत

हजार पांच योजन ऊंचा है, तिसते बृहस्पति अढाइ
लक्ष सात हजार एकसौ अष्ट योजन ऊंचा है, तिसते शनी
एक कोटी इकीस लक्ष सैंतीस हजार छिसे छिहत्तर योज-
न ऊंचा है, तिसते सप्तऋषि यारां लक्ष योजन ऊंचे हैं,
तिनांते ध्रुव तेरां लक्ष योजन ऊंचा है, ध्रुवते महर्लोक
एक कोटी योजन ऊंचा है मार्कंडे आदि ऋषीश्वरों कर
युगत है, तिसते जनलोक अष्ट कोटी योजन ऊंचा
है कपलादि मुनियों कर युगत है, तिसते तपलोक अष्टा-
दश कोटी योजन ऊंचा है सनकादिक आदि मुनीश्वरों
कर युगत है, तिसते सत्यलोक षोडश कोटी योजन ऊं-
चा है भृगु आदि ऋषीश्वरों कर युगत ब्रह्माजी बास करे
हैं स्वर्णमय शिखर पर, तिसते शिवलोक दो कोटी यो-
जनन ऊंचा है नंदीश्वर आदि गणों कर युगत शिवजी
निवास करे हैं रजतमय शिखर पर, तिसते विष्णुलोक
सपत कोटी योजन ऊंचा है नंद सुनंदादि पार्षदों कर यु-
गत श्री विष्णुजी निवास करे हैं रत्नमय शिखर पर ॥

सो॰ प्र॰ तिथी सरन तप निरूप त्याग वस्तु धन दोष पुन म-
नमथ नाम अनूप भगवन मधुकर नाम गज ७८ सो॰ उ॰
एकम द्वतीय तीज पुन चौरी पंचमी जान षष्टी सपतमि अ-
ष्टमी नौमी दशमी गान ७९ पुन एकादशी द्वादशी त्रयो-
दशी चौदस जान पूनां पुनि अमा पांच दशि तिथी भनन मति
मान ८० पुनः एकम एक अराधउर दुतीया है न निवार

तृतीयात्रिगुणातीनलखचतुरथिचेनमुरार ८१ पंच-
मिपरमानंदलखषष्टीरैवोफनिवार सप्तमिसनगुरु
चरणभजअष्टमिअखिलअधार ८२ नौमीनामअराध
उरदृशमीदयाउदार ईईदमनइकादशी द्वादशिदान
पिधार ८३ त्र्योदशितृष्णानात्यागकरचौदसवस्तुविचा-
र पूर्णमासीपुरुषपरलखोनिजानममसार ८४ सरत
सरोवरसललपतिरतनाकरवृआर सिंधुअरणवअंबु
निधिउदधीअंभअपार ८५ पुनासमुद्रमेहोदधीवरु-
णालयपहिचान इरावानशुभपांचदससागरनामवि-
धान ८६ एकपैदाहेयपुनदूजबृहतिफलजान तीज
नेलकालिंजफलचतुरथित्यागविधान ८७ पंचमिमू-
लीत्यागनिलषष्टिविल्लफलजान पुनातेलकालिंज
फलसप्तमित्यागवखान ८८ अष्टमिआमलनौमिये
नालकेरपहिचान दशमीघीयागोलपाटोलइकादशि
जान ८९ द्वादशिचावलबेरत्यजमसुरत्र्योदशिजान
विङगचौदसपंचदशिमधुमैथुनपहिचान ९० चोरीहिं
साफूटमुखअप्रनीतिपहिचान कामक्रोधमयलोभउ
रवैरविसिंमृतिजान ९१ गरबद्वेशउरचिंतपुनदंभसप-
रथाजान धनइकत्रमोदोषदशपांचमननमतिवान ९२
मनमथमदनमनोजपुनसमरपांचसरमार मीनकेतु
कंदरपपुनमनसिजब्रेहिबिदार ९३ बिननमनोभवद-
रपपुनपुशपचापपहिचान कामनामदशपांचअस

आगमभनतमहान ९४ मधुकरभ्रमरदुरेफअलिचं
चरीकमधुपान सारंगमधुव्रतभृंगमधुमवरइंदरि
जान ९५ मधूरसकरूकुलंबगुनलीलालपपहिचा-
न भ्रमरनामअसर्पचदशअमरकोषागनगान ९६
हसतिनागगजदंतिहरिभंभीइंद्रसुडाल कुंजरबारन
फीलद्रुपदुरदगजिंदरबाल ९७ मेगावनबुद्धीनामव
दंबुद्धिमनीषाजान संविनमेधामतीधीउपलभधीप
हिचान ९८ प्रतासेमुखिधीत्तरणज्ञपतीचितपछान
प्रेतमुपालखिधारणावतीनामधीजान ९९ श्रीम-
तसाधूरामवरउदासीनकृतजान वाकसुधाकरसर-
गइतिअष्टादशममहान ९९ ॥ १८

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः
दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
गुरुदशअवताररुतिकविजनकरतजुहार १ जोहि
दरशयजनादिप्रदधन्यअखिलअघहार ब्रूंब्रादीसुर
अखिलप्रनिकविजनकरतजुहार २ सैया गणमाह
नरुद्रअदित्यवसूदरतादर्शनाअधअोघमिटावें गण
भास्वरसाध्यमनूतुषतावरदानजिनाफलवांछितपावें
गणपावकसिद्धसुरिंदगुरूयजनादजिनानिजरूपस-
मावें असदेवनकेपदकंजनमोनिगमागमजांमुनि
मानवध्यावें ३ दो॰ निंयमसुयमदारिद्विजनभावन
करोवखान शौचंतनिलाकृतनपरहवनदानधगाथा-

न ४ जपइकांतसंतोषयुतछुन अप्रमादउपवासछुन
स्वाध्याइसुनियमदसपांचनामपरकास ५ टीका
जलमज्जननतनशौचछुनमननिरोधतपजान लोभ
रहितसंतोषहरिगुरु बंदनप्रणिधान ६ वेदपाठस्वा
ध्याइहरिगुरुपूजनकुनजान अगनिअहूतीहवन
धनदानब्रह्मविज्ञान ७ रूपनिताइंद्रसमवरती
एकाहार यतीनिरगनीअमलबिनरूपअप्रमाद विचा
र ८ युगनाहारुपवासछुन प्रणवमंत्रजपजान निर
ननदेसइकांतदशपांचनियमपहिचान ९ सत्यअहिं
सालेयछुनब्रह्मचरयपहिचान मोननिरोधअपरी-
ग्रहिदयाअनाग्रेजान १० सिम्रतिदाखिणाआरयवत
माआरंभपछान भावसुद्धियमपंचदशअयुनाआरथ
विधान ११ चोरीरहितस्तेयवछुब्रह्मचरजितकाम संग्रे
रहितअपरीग्रहिमोनजितानमनाम १२ इंद्रेदमननि-
रोधछुदयाइवनमनजान मनकोमलछुआरयव
दात्तणचनरपछान १३ रूपअनाग्रहित्यागहठ समा
क्रोधबिनजान जपतपगोप्यअरंभछुआगमभन-
नमहान १४ जनमजरादिकदुःखको चिंतनसिम्रतिजा
न भावसुद्धिमनविमलयमरूपपांचदशजान १५ से
नअसनबहुचिंतमनमलनवसनननधाम तितीरख
नणदसनमनस्तनदेरसोकाम १६ गिरासीनपदपादपर
बहुनजैभाईवान फटेचीरसुभमनीबिनदारिद्रीजनजा-

न १७ सो॰ प्र॰ कलाज्ञानजीवेशसृतमननस्तुरमा-
न्तगगण ध्रुजननसनविशेषभगवनमाला नाम
वद १८ दा॰ उ॰ धारथामेथामेघमन शांतिमनीषाश
न सारासारविचारतपध्यानमदरशनजान १९ श्रुत्र
सिम्रती विनबलरवीत्तानपहिचान कलाज्ञानकी
वेदविनआगमभननमहान २० शबदसपरशरूप
रसगंधगमनआदान बचनविसरगानंदधीतेजप्र
णपहिचान २१ पुरुषानमहतकारपुन कलाजीवप-
हिचान परकारांतरकलावपुश्रधुनाकरों विधान २२
धारथाइंद्रेप्राणमनकरमलोकतपजान नाममंत्र
महभूतपुनश्रुत्रसुबीरयगान २३ पुनः तमादान
पुनयोगहठ धीरधरमतपध्यान विभोसत्यवैरा-
गजपुभोगसुसंयमज्ञान २४ लानींद्रेश्वरप्राणपुन
श्वंतशाकरणपछान करमिंद्रेपुनलिंगतनषोडश
तत्वविधान २५ रविशशिब्रह्माविशनुशिव मित्र
अष्टदिगपाल पुनउपेंद्रतेत्रतपुनमुख्यदेवमैमा
ल २६ श्रीसावित्रीगोरिश्रीतुष्टिपुष्टि ह्रीजान मेधा
रिद्धीस्वाहस्तवि विजयाजयापछान २७ देवसेनिकु
लदेवनासधामान्तगणजान श्रीमनसापूरामअ-
हिदासअखिलअघहान २८ देवधवाहिनआसनं
अरघपाद्यआचमान मज्जनवसनउपवीतपुनगंधा-
भरणमहान २९ पुशपधूपघृतआरतीनईवेद्य

मुखवास परिकरमाहरिआरथनदेवारचनपरकास ३०
पुनः अखंडेसच्चिदानंदे निर्विकल्पैकरूपिणे स्थिते
द्वितीयाभावेवैकथंपूजाविधीयते ३१ दो॰ पूरणकु-
त्रावाहनंआसननसरवआधार अरघस्वच्छकिमआच-
मनिसुद्धरूपस्रुतिसार ३२ निरमलकुतस्नानपट
विस्वउदरगतजास निरालंबउपवीतकिमभूषणर-
म्यप्रकास ३३ गंधकुतनिरलेपसनपुष्पकुतनिर
वास धूपकुतअसपरशसन दीपकज्योतिप्रकास ३४
नित्यतृपतनैवेद्यमुखवासकुतनिरवास किमअनं-
तपरिदक्षिणाअद्वैतनुतीप्रकास ३५ सुनाअस्वरणमहि
महिखिपटधामअन्नजलदान धेनुअश्वगजरतन
रथसेजलोहनरयान ३६ षोडशविधमहदानअस
व्याहकालपहिचान वरणचतुरगनअखिलजनग्र-
हिणकरनमतिवान ३७ मणीमुकतरुद्राक्षकरस्वर
णावलसिवजान कमलवजंतीबिल्वफलकूरणगु-
लीविधान ३८ जीयापोतबिलौरधुनपांचरतनपहि
चान पुष्पमालगुनषष्टदशमालाभननमहान ३९
सो॰ पु॰ श्रृंगशोभश्रृंगारप्रणवमुहूरतनामनग आस
नगगनविकारभगवनमारुतनामवद ४० दो॰ उ॰ क-
मलवदनमुखशशीसमगजगामनिम्रगनैनि कदलि
जंघकटिकिहरसमवेणीशेशपिकबैनि ४१ चरणहं-
सकरकमलसमभवांभ्रेगशुकघ्राण अधरबिंबफल

कलसकुचकंठकपोतसमान ४२ जहिंमुखरदनअ-
नारसमसुंदरानूपउदार असलत्तणगुनपदमणीउ
न्यशीलअहिनार ४३ पुनः कमलअलसितिलचंप
हैकरीकिहिरमृगकीर दाड़िमबिल्लसुबिंबपिक हं-
सकपोतीमोर ४४ टीका कमलसामुख अलसिपुष्प
सा चिबुकचिह्न तिलसीघ्राण चंपकसावरणहयसे ने-
त्र करीकरसीभुजा किहिरसा कटी मृगखुरसी पुरज
कैरफलसीअङ्गुली दाड़िमसेरदन बिल्वसेकुच बिंबफ-
लसेअधर पिकसेबचन हंससीगती कपोतसाकंठ
मोरसेकेस । दो॰ वटनादातनपानमुख मज्जनकेसगु-
दाइ भूषनवसनसुगंधितनसुखीअधरलगाइ ४५
सुरमा बिंदूमांगसिरफूलमहावरपार भालसनारेसु-
रविकर यह षोड़शशृंगार ४६ तजेसुमुत्तयुवतितन
मनसावागशरीर ज्ञानअगनिविषअहीसमनाशहेतु
लखधीर ४७ पुनः वटणावस्तुविचारस्मुतिदातनद
मनसुदान पानप्रेमपरध्यानमृदुमुदतामज्जनज्ञान ४८
करुणाकेसगुंदाइभय भूषनभगतीभाव वसनविवेक
विरागवरगंधस्नानसरभाव ४९ शरधाशांतीसुरखि
सुचसुरमासीलसवार बिंदुब्रह्माकारथीमांगमैनरीध
र ५० प्रशापप्रणवजपमनीसुखमोनमहावरधार अ-
वणसनारेमहिंदिकरमननमोतमिनहार ५१ जत्ता-
सुधीपीयहिवसमनाशेजवछाइ श्रीमनसाधूरामरस

१५० मुंचनब्रह्मसमाद्र ५२ ओंकारतारकवपूपरंब्रह्मभग-
वान प्रणवानंतमहेश्वरंएकरुद्रईशान ५३ महादे-
वविद्दनवपुप्रत्यगातमाजान सरबव्यापिसूत्तमवपु
शुकलरूपपहिचान ५४ रुद्रखेनग्रमैत्रपुनग्रभि-
जितहरीविधान वैरोचनग्ररजैदपुनचारवाटपहिचा-
न ५५ रावणवाभीतलपुनाबालवतरूपछान सो-
मग्रनंदनपुनायंमसावित्रीभगजान ५६ ८० रुद्ररौद्र
कृतखेनमोहलकरमपहिचान मैत्रमित्रताग्रभीजि
तविजेदुरगहूजान ५७ वैरोचनग्रभिषेकमोजैदस
रवकृतजान चारवाटमोग्रौषधीरावणवैरविधान ५८
वाभीतलशुभकाजमोबालवयुद्धपछान तत्रदेवमो
गमनकृतसोमसोमकृतजान ५९ नंदनचालनकर-
मयमशत्रुमरणविधान सावित्रीकृतवेध्यभगयुवती
गमनवखान ६० परबतभूधरग्रचलशिरिग्रद्रीशैल
पहार ग्रगनगशृंगीशिखरिहरिभूकृतकोहुनिहार २१
गोवरद्धनभरतनामग्रसशुभगकोग्रगतगान त्यागयु-
वतियनयामृजहिवासकरनमतिवान ६२ धनुषमतस
मायूरशवबीरगोमखीजान पश्चमतानउतानपुनप-
दमभद्रपहिचान ६३ कूरमकुक्कुटसिंघपुनखल्लकपा-
लीजान इत्यादीशुभषटदशग्रासनमननमहान ६४
गगनग्रभ्रखंव्योमनभश्वनवियदघनवास ग्रंतरिक्ष
द्यौ ग्रंबरदिविव्योमग्रनंतग्रकाश ६५ सरवरनमग्रस

नामनभसुनीमननमतिवान श्रीमनसाधूरामनि-
जब्रह्मस्वरूपनिरबान ६६ पंचभूतमनसहितषट्गु-
नईंद्रेषटचार कलपनस्वाधिष्ठानमो षोडशनाम
विकार ६७ वायुगंधवहिमरवगति मारुतपवन
समीर अनिलसमीरणवातप्रुनप्रवदप्रभंजनधी
र ६८ आशुगमातरिश्वाप्राणजगगगनसूनुपहिचान
पुनानामपवमानअससआगमभननमहान ६९ रघु-
नंदनप्रशनावलीभगवनकरोविधान काजसुभा-
सुभजासकरभानहोनपहिचान ७० मनमोकारय
चिन्तवकरइनअंकनकरधार ताननसुभासुभहोननि-
जआगमभननउदार ७१ प्रश्नचक्रम्

राम	सीता	लक्ष्मण	विभीषण
कुंभकरण	रावण	अंगद	सुग्रीव
केकेई	भरथ	अर्ज्जुन	सुलक्षण
हनूमान	जामवान	नारद	गुह

स्यामलाभेचरामेण सीतायेतनुयनंभवे न लक्ष्मणेकार्य सिद्धिस्सर्वलाभो
विभीषणे ७२ मरणंकुम्भकरणेचरावणेनधनक्ष-
यः अंगदेनध्रुवंराज्यं सुग्रीवेबंधुदर्शनं ७३ केकेयां
कार्य्यनाशस्सभरतेन्वभिषेचनं अर्ज्जुनेनचकल्याणंका-
र्य्यनाशंसुलक्षणे ७४ हनुमनेकार्य्यसिद्धिस्सदीर्घमा-
युस्सजाम्बवान् नारदेकलहश्चैवगुहेचप्रियदर्शनं ७५
भगवननामकुवेरवद अंबकेसखायनेश इलविलश्री
दहियक्षपतिराजराजगुह्येश ७६ धनदयक्षपोलस्त्य

१८ पुनयत्त राट किंन्नेश नरवाहिन इकपिंगनुरु यरमा
पुन्यजनेश ७७ भँगवन हलधरनामवद संकरषण
सिखियान शीरपाणिपरलंबहन नीलांबरमतिवा-
न ७८ बलभद्दरबलदेवबलअच्युनायजारामु रोहि
णेयतालांकहलिरैवतिरमणअकाम ७९ भँगवन
लिंगशरीरवद ज्ञानींद्रेयीजान करमिंद्रेमनप्राणयु-
नलिंगशरीरविधान ८० सो॰ प्र॰ सिम्रतिपरबविधा
न नरकस्वरगपौरानस्तुन भगवनकुष्ठवरवानअस्तु-
रनामपौरानउप ८१ उ॰ अत्रेयीकात्यायणीवैशन-
वीउशनान आपस्तनपीहरीतनकीमनूगोतमीजान ८२
यामीवृहस्पतिप्राशरीयाग्यवल्लकिपहिचान ह्लत्य
मुनीवासिष्टकीसामारनकीजान ८३ पुनापादमी
शांकली अंग्रससंम्रतिजान श्रीमनसाधूरामजहि
अवगणअखिलअघहान ८४ आदसभावनव्रातपुन
परबुद्योगविधान भीशमद्रोणस्तकरणशालगदास्तु
पनपहिचान ८५ रीत्ति शांतिअश्वमेधपुन आश्रमवा
सविधान मूसलमहप्रस्थानपुन स्वरगारोहिनजान ८६
मलनवसनमतिपुवतिपुन मलनपड़ोसीजास उष्ट
संगस्तनस्तुपनअहि सांऊखलपगनवास ८७ बंधुश्री
नअपन्याइविनसभामूढ़अमचीन मलनदेशनन
रोगयुनदुश्युवतिछलिमीन ८८ पतीक्रोधयुतमूढ़
भरततिमीनरकपहिचान श्रीमनसाधूरामतितिअ-

121

धुनासुरगविधान ८९ ऊलऊजनमथनरूपयुतविद्या
कीरनिज्ञान सुभगाश्रुवतिसुतमित्रग्रहिसाधसंगस
नमान ९० ग्रभुतासेवकयानसुभविरतसुतंतरवान
तनसुरोगमनकामनासिद्धस्वरगत्तिनिजान ९१ ब्रास्य
ब्रह्मवैवरतशिवमनैससगरूडपहिचान वैशानुपदमब्र-
ह्मांडपुन श्रव्यभोवनजान ९२ लिंगसकंधवराहपुन
भौविष्यनपहिचान कूरम नौरद भागवत मारकंडयोरा
न ९३ कंडुउडुंबरचरमदलमंडलपामविधान काक
नीकमनिचरमदलरुकजिहूकपहिचान ९४ बिचरच-
कुविसफोटपुनपादपदद्रीजान हलसुशककीटमपु-
नपुंडरीकपहिचान ९५ पुनकैलाशकपालवपुसिद्ध
वनामपछान कुष्ठसुष्टदशनामसुसमहापापफलजा-
न ९६ रात्तसकौनयसुरसुरअघिविषकासुनदुरवाद
यातनिशाचरपुन्यजनयातुधानकब्यात ९७ नैरते-
यश्राश्चयकरसुरद्रोहीविरव्यात धरमद्रोहिकरबूरपु
नश्रसपकवचनिवान ९८ धरमशैववासिष्ठमनुहंस
वरुणाभ्रगुजान नंदीनारदिकपलमुनि कालीगामनग
न ९९ तत्वसाररैरुकमुनीवायुमरीचीजान दुरवाशाम
हि श्रष्टदशाउपपुरानपहिचान १०० श्रीमतसाधुराम्भव-
रउदासीनकृतजान वाकसुधाकरसरगइतिऊनविंश
नपहिचान १०१ ॥ १९

रामबि० ४....

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्रीगुरु
दशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ उदासीनम-
नशांतजहिआपनकामउदार कविकोविदमुनिसरब
प्रतिकविजनकरतजुहार २ सैया विनवेदविदांतसि
द्धांतजिनांअपरोक्षनिजानमजोसुखरवानी निरवेदवि-
चारविवेकजिनांयतयोगयमादकश्रीनिरमानी अल
कामतपोधनध्यानपरायणधीरउदारमतीवरदानी अ-
सश्रीमुनिमानमुनिंद्रनकेपदकंजनमोजिनकीसदवा-
नी ३ भगवनपुषकरनामवद नैलिनजलजअंभोज
परमकंजमकरंदपुनपंकजअरवजसरोज ४ मिंदीवर
कौशेयपुनपुंडरीकपहिचान कवलकमलपुनतामर
सअोजसरसकरगान ५ भगवनगिणतीअवधिवद
भंजप्रारधलोजान एकेबिंदीअष्टदशगिणतीअवधि
विधान ६ एकं, दशं, शतं, सहस्त्रं, दहसहस्त्रं, लक्षं, दहल
क्षं, कोटी, दहकोटी, अरबं, दहअरबं, खरबं, दहखरबं,
नीलं, दहनीलं, पदमं, दहपदमं, संखं, दहशंखं। श्री
विद्याप्रस्थानवद वेदुपवेदपुरान धरमन्यायवेदांगपु
न वैयाकरणविधान ७ भगवननामसकंधवद कौं
रतकेयगुहजान सेनानीतारकविजय महासेनपहिचा
न ८ पारवतीसुतनशाकतिधरक्रौंचदहणकोमार षन
मातरबहुलेयपुनशिखिवाहननिरधार ९ शिवनं-

रनवैश्याखपुत्रनसरजनमापहिचान सामकारनकस्यागनिम
वनामअष्टदशजानेंवैरणअष्टदशरूपजोभगवनकरो
विधान जासअवणकरसुधीजनअवधारतमतिवा-
न ११ ब्राह्मणतत्रैवैश्यपुत्रतरीशूद्रपहिचान सैसे
जातीनानजोवरणसुद्दसुतिगान १२ सूरथशकत
अमष्टपुत्रनपारसमाहिखजान पुनउग्रावपरहलष
टयेअनुलोमविधान १३ क्षत्ताकरवनासूतपुनवैदे
स्यामघरजान सुपचसहितयेवरणषटप्रतीलोम
पहिचान १४ पतीहीनसनकुंडसुतमोइयांगोलक
जान वरणअष्टदशनामअसआगमभनतमहान १५
त्राणीद्विजसंगसनसूरथशकनविधान वैश्यानी
द्विजसंगसनसुतअम्बष्टउपजान १६ शूद्राणीद्विजसं-
गसनपारसतातुपजान वैश्याणीपुनतत्रिसनसुत
माहिषउपजान १७ शूद्राणीपुनतत्रिसनसुनउग्राव
उपजान शूद्राणीपुनवैश्यसनसुतप्रहलपहिचान १८
अनलोमइति। वैश्याणीसुतनशूद्रसनक्षत्तासुतउपजा
न तत्राणीसुतनशूद्रसनकरवनानामविधान १९ वि-
प्राणीसुतनशूद्रसनसुपचनामउपजान तत्राणीसुतनवै-
श्यसनवैदेहिकपहिचान २० विप्राणीसुतनवैश्यसन
मागधनामविधान विप्राणीपुनतत्रिसनतानसूतउ-
पजान २१ प्रतिलोमइति। तरीसुध्यअनलोमषटकेपि
नसुध्यविधान पुनाषटप्रतिलोमजेवरणवाह्यपहिचा-

१८८ न २२ वरुणवासनरपषष्टपुनवारुणिखिवूटजान पुश
करमइस्मपाकपुनसैरंदरपहिचान २३ भगवनलिंग
शरीरवदश्रोत्रिंद्रियीजान मनोचित्तहंकारयुतलिंग
शरीरविधान २४ भगवनमुख्यउनीसवद्रोत्रिंद्रिय-
हिचान मनोचित्तहंकारधीमुखउनीसमुलिगान २५
भगवनशशिकरनामवदैवेंद्रचंद्रमाजान औषधिनि
शानतत्रपतिइंदुमृगांकविधान २६ कविबांधवबिधु
कलानिधिसुभ्रहिमांशूबान सोमसुभांशुसुधाकरस्र-
वजनिशाकरजान २७ द्विजराज। सो० प्र० यदुवरनाम
अनूपचतुराननश्रीविशतुशिव संमतकरोनिरूपभगवन
रावणनामवद २८ दो० ३० कृशानविशनुवैकुंठपतिवि-
श्वंभरविश्वेश विष्वकसेनजनार्दनअच्युतसौरिसुरेश २९
दामोदरदैत्यारिविष्णुनारायणनरवेश स्वभूश्रीपतिगदा
धरपुरुषोत्तमहृषिकेश ३० प्रभूविभवअरणुकनि पुन
तुरीप्रमोदविधान परजापतिपुनअंगरसश्रीमुखभाव
पबान ३१ युवानामधातापुनाईशनामबहुधान परमा
थीपुनविक्रमीवृषभनामपहिचान ३२ चित्रभानुअर
भानुपुननारखनामपबान पारधअव्यैनामअजसंमत
सरपहिचान ३३ सर्वमसराबधरसरबजित विकृतविरो-
धिविधान खरखरनंदनविजयजयमनमधदुरमुख
जान ३४ हेमलंबसुविलंबसुभदुनाविकारीजान शर
वरिपलवसुभगकृत शोभनक्रोधीमान ३५ विश्वाव-

सुगुनयरामवसंमतविशातुविधान श्रीमनसाधूराम
ग्रबसंमतरुद्रवखान ३९ पलवंगमगुनकीलकंसोम
सधारणजान पंचमनामविरोधक्रनपरधावी पहि-
चान ३७ परनापीआनंदगुनराखिसनलनविधान
पिंगलकालसुसिद्धक्रनरौद्रदुरमतीजान ३८ गुनदुं-
दुभिरुदरोधगरगुनरकतानविधान क्रोधीनयक्रन
ग्रंतजहिसंमतरुद्रपखान ३९। श्लो॰ रावणः कैकसी
पुत्रो दशवक्त्रो महाबलः शत्रुहारा तसोरौद्रो राजा विश्र
तिवाहुमान् ४० खेचरः खड्ग भ्रचूरसुरारियमनापदः
सर्वी सर्वरिद्धिमान् विद्वान् विशोकः कामगः कविः ४१
एवं विंशति नामानि नित्यं पठति यः पुमान् सजयेद-
खिलं विश्वं यथा दशमुखोबली ४२ अमरनाम अध्याय
मोतजुभगवनकरोविधान सुरनिरज्जरआदितीसु-
नबिबुधदेवताजान ४३ देवदिवौकसवर्हिरमुखवहु-
दारंगिरिवान ४४ अम्रतकतुभुजलेखगुनरिभव
समनसपखान आदितेयआदित्यगुनअम्रतांधसं
जान ४५ त्रिदिश षशटिंद्रेषटविशेनहिषशटिंद्रे
जनग्यान सुकवदुःखननध्वंसअस सुकतित्यागम-
नजान ४६ वैरागचिह्नहरिध्याननफलभगवनकरोवि
धान ग्रंथआदरधर्मकजोत्यागनीयमतिवान ४७
अंकुशधंवरवज्रयवकलसकमलपहिचान चंद्रबिं-
दुध्वजयेतुगुनधनषजांबुफलजान ४८ ऊरधरेख

षटकोणत्रैकोणअष्टमणिजान पुरुषमीनउनस-
याहृदशंखचक्रपहिचान ४९ टी॰ अंकुशनेमनव-
षीहै अंबरफलहरिध्यान कुलसध्यानअघहानयव
विनारहितविधान ५॰ कलशअत्रिशनाकमलफलवि-
शउभगतिप्रदजान चंद्रविमलमनविंदुफलब्रह्मबो-
धपहिचान ५१ ध्वजाध्यानफलकीरतीधेनुध्यानभव
हान धनुषभ्रांतिहरनजांबुफलपरमह्मध्यपहिचान ५२
ऊरधरेखसुखकोणषटईंडेवशीपछान हानत्रिगुण
त्रैकोणफलआगमअनंतमहान ५३ अष्टकोणअण
मादिफलमणीमेरुहनमहान पुरुषयोगफलमीनम-
नचंचलताहरनजान ५४ सुधाध्यानमनशांतिफल
शंखशत्रुहैहान निरभयतनाफलचक्रहरिचरणचिह्न
फलजान ५५ हृनधरघनखभट्टीऊ॰ऊसछकणलट
बपकदाम रूपदीपकविदासअअसद्गपवरणकहि
नाम ५६ भगवनपन्नगनामवद उरंगभोगिहरिव्या
ल विषधरनागभुजंगफणिदरबीचक्रीकाल मणी
ककोदरगरदरिपुलेलहिगुडपाजान बिसियरकेव-
लवत्तुअवअहीसरपपहिचान ५८ भगवनअंबुना-
मवदअंम्रतनपयवनवार प्रशाकरपानीसललजल
उदकतोयपापार ५९ जीवनआप्रकवंधकेघनरस
अरननिहार रसकपीटउनसरबसुखनीरनामनिर
धार ६० अणिमामहिमाप्रापतीलघिमागरिमाजान

 १८८

वसनाईशप्रकाशकरकामअवलावान ६१ सुरक्रीड़ा
हगदूरश्रुतपरनिरषतपहिचान अनउरमीपरवेशपर
अपनहृनपहिचान अपराजयनिरद्वंदननगुनाअभि
ताजान सदसंकलपसबंदस्वतनुतैकालगयपछान ६२
टी· अणिमास्थूलतमश्रणुसममहिमादेहमहान प्राप-
ति·प्रापन अरथ,सभलयमानुलसमान ६४ गरमाभा-
रीमेरुसमवलाहरणकाम मनईद्रनकोप्रेरणसिद्धी
ईशविधान ६५ पुनप्रकाशनननेजुमयअनकनूपहु
काम सवश्रापनिहै विशेविनसिद्धिअवलानाम ६६
सुरकौनकहैंथानफलसुरक्रीड़ापहिचान देववणशार-
वणदूरसेंदूरहकुश्रु तजान ६७ परनिरषतफलगतीप-
रश्रसनंमनपहिचान अनउरमीषटउरमिबिनसिद्धिये
चरणजान ६८ परकायश्रापरवेशफलपरप्रवेशपहि
चान अपनहृनगतिरोकबिनअपराजयजयवान ६९
शीतनुषणादीद्वंदबिनसोनिरद्वंदविधान पुनबूझनसं-
कलपपररूपश्रभिताजान ७० मनोकामनासिध्यजहि
सदसंकलपविधान पुनसबंदस्वाधीनस्वतनुतानकाल
वैभान ७१ तानपंचगनविघनलरवनजेसुसुरतनास स-
रासारविचारकरश्राननततवप्रकाश ७२ पुनः भगवन
सुरपतिनामवदमंघवाइंद्रपछान जिसनुपुरिंदरसची
पतिवज्रिश्रखंडलमान ७३ शक्रबड़ोजानाकपतिशा-
नमन्यूस्वनान बलारातनपुरहूतनपुनबज्रपाणिपहिचा-

न ७४ वासवपुनामसुराटवपुपाकशासनंजान घन
वाहिनसहस्नाक्षपुनसुनासीरपहिचान ७५ दिव्यस-
ति। सो० प्र० दत्तगुरुअवतारलिंगशरीरइकादशी
भगवतबंधउचारगायत्रीपदनामअज ७६ श्लो० उ०
पृथ्वीवायुराकाशमापोग्नीचंद्रमारविः कपोतोऽज-
गरासिंधुःपतंगोमधुकृद्गजाः ७७ मधुहाहरिणोमीनः
पिंगुलाकुररोर्भकाः कुमारीशरकृत्सर्पऊर्णनाभीसु
पेशकृत् ७८ टी० दो० सहिनसीलनिरलेपगुणक्षिती
पवनतेलीन समव्यापकअसपरशगुणउभेगगनते
चीन ७९ मधुरविमलमलनपतहरतेजगुणनविनसा
द नीरअगनितेसुभगगुणमयलीनेनिरवाद ८० हा-
नवृध्यहैकलाकेशशीएकरसजान नथानिजातमए-
करसजराजनमविनहान ८१ यथायहिणजलत्याग
सनरवीएकरसजान तथाग्रहणनत्यागसनआत-
मएकसमान ८२ जिमकपोतसुतहेतहनतिममान-
वनिरधार हंतामममतारहितनिजविचरोंजगतमझार ८३
यथालाभसंतुष्टमम जिमअजगरसुखस्थान समसागर
गंभीरमम क्षोभरहितअभिमान ८४ नाशहेतुलखरू-
पधनउदासीनममजान जिमपतंगहतमधुकरतथा
मनुजपहिचान ८५ गजसपरशकरहोतहतभ्रमरगं-
धकरचीन निजसपरशविनगंधजगविचरोंभूपप्रवी
न ८६ स्वीपिंगुलाकुररखगविशेमासनजहेन विशे

त्यागयननथानिजविचरौंसखीनिकेत ८७ वडुकं-
कमनजसुताजिमएकएककरधार एकाकीबिनसं
गनिजबिचिरौंरहितविकार ८८ सखीमानअपमान
बिनममबालकवतजान सरकरवतनिजध्यानगुन
गुपनसरपवतमान ८९ ईश्वरऊरगानाभिवतभव
कारणपहिचान भृंगीवतसदसंगजगहेतुनिजातम
ज्ञान ९० कियेअष्टदशाषष्टगुरुजीवनसुकनीहेत
बोधयुगतवैरागनिजविचिरौंजगतसुचेत ९१ दत्त
दिगंबरयदूप्रतिकीनोअसउपदेश निरसंसेहैसुदत
मनकीनोगमननरेश ९२ कूरमकलकीकपलहरि
दत्तधनंनरजान यज्ञरिषभहयग्रीवध्रुववरदायक
पहिचान ९३ व्यासमोहिनीबुद्धबटुसनकादकमुनि
जान हंसमीनसूकरपृथूपरसरामपहिचान ९४ राम
कृष्णनरसिंहवडुनरनारायणजान चतुरवीसअव-
तारप्रतिनमोहेतुप्रियमान ९५ ज्ञानिंद्रेशवदादिगु
नकरमिंद्रगुनप्रान मनोचित्तहंकारधीलिंगसरीर
विधान ९६ उतपन्नाउनमोक्षदासफलपुत्रदाजान
षटतिलजयाइकादशीविजियाऽमरदकिगान ९७
कामनिकुमुदविबूथिनीउनामोहिनीजान अपराजय
निरजलाउनयोगिनिशयनिविधान ९८ पुनाकाम-
दाउत्रदाअजासुविनयाजान इंद्राउनपापंकुशार-
माबोधनीगान ९९ कृष्णापदमामासमलमगसर

आदिविधान श्रीमनसाधूरामबरउन्यअखिलअघ
हान ९० रागद्वेषमदईरखादंभदरपहंकार हिंसाल-
लचकपटछलमानसरयअविचार ९१ कामक्रोधमो-
हलोभअउनचोरीचुगलीमान आपानदूषनादोशपरखे
गुणप्रगटविधान ९२ सूकरबाघरसिंहबनभैंसावा-
नरजान रिछगजिंदरसपनयेबनचारीपहिचान ९३
अजाभेडखरअश्वसुतयेनअस्वपहिचान सुनमानव
सुनसपनयेनगरवासिजीजान ९४ पिप्पलकुशागिलो-
इसुनबेगलतापछान इस्थावरत्रिगजातिसुनहनेभू-
नपहिचान ९५ सिंहमनुजअश्वमयेहनेसुख्यपहि-
चान चतुरविंशतीरूपयेगायत्रीपदजान ९६ ब्रह्मरु-
द्रगोपालरविरामलखनहनुमान नारायणनरसिंह
नमरुतअगनिजलजान ९७ तितीहंसगुरुगरुड़
शशिपरसुरामकीजान देवीगोरीलछमीकृशनप्र-
णवपहिचान ९८ ब्रह्मावेधाप्रजापतिचतुराननअ-
जजान आतमभूसरजेष्टविधिहिरन्यगरभपहिचा-
न ९९ द्रुहिणविधाताविश्वसृजकमलासनलोकेश
सृष्टाशतधृतिस्वयंभू धाताब्जेचिसुरेष्ठ १०० पितामह
परमेष्ठी हंसासन अजयोनि:। श्रीमनसाधूरामवर
उदासीनकृतजान वाकसुधाकरसरगइति विंशति
समगविधान १०१ ॥ २० ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसद्गुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
गुरुदशअवतारप्रतिकविजनकरतजुहार १ त्रिगु-
टित्रिगुणत्रैतापबिनतुरियतीनश्रुतिसार अस निज
ब्रह्मस्वरूपप्रतिकविजनकरतजुहार २ सैया जुगजी
वनईशविभागजहांदिनरैणसमीरनसूरससी विधि
वाकनिशेयनहूंदजहांभ्रमभेदप्रछेदनभेदकसी गु-
रुशिष्युपदेशनवेधजहांजगजेत्रनमेंत्रनतेत्रवसी मन
गोगुणज्ञानअगोचरजोनिजरूपपनेअसतत्वमसी ३
दो॰ भूतप्रकिरतीव्यष्टितनभगवनकरोविधान अ
स्थि मांस नाडीत्वचारोमपंचविधहिवान रेतरकत
स्वरपित्तपुनस्वेदलारजलजान ४ तृषाछिधासाअ
भाभुरवआलसनिद्राजात धावनपसरनउछलना
वेसलसकवनवात ५ सीसकंठकटिउदरनभहूदे
पांचविधजान कामक्रोधमोहलोभवामनसरगग-
नविधान ६ पांचभूतकेहूधाकरपांचप्रथकेबीस
पांचअरधपुनबीसमिलहैपरमएपचीस ७ भूतिंद्र
महिनत्वमनपरकिरतीहंकार ननमात्रापुनपुरुषपुन
ननसूत्रमनिरधार ८ भगवनअगनीनामबरदवहि
धनंजयजान वैश्वानरतनुपानभुचिज्वालाउदलनवि
धान ९ शुकविभावसुदहनपुनकृशानवरनमाजा-
न हववाहनसपनाग्रचित्रुनकृतनअकवहिरविधान १०
पावकअशुशमादमनपुनमातवेदशिखिजान चित्रभानु

पुनअनलवपुवीनहोइपहिचान ११ वायूसखा भ-
गवनईशसमथिनसूक्षमदेहविधान सरनानाड़ी
रोमद्रुममासमत्यकाजान १२ त्वचाअउरसरकत
तनजलवीरजपहिचान तेजपित्तमुकुशीतिपुनलो-
भकालकरजान १३ निद्रापरलयउछलनामहिमा
गासविधान बहुताहोवनकामजहिमानमनससंजा-
न १४ वरखालालांवेगजहियावनमननमहान सं-
कोचनउरभित्तजहितुथामत्युपहिचान १५ पुनप-
सरनविस्तारभूकंपचपलताजान रोगालसतनअस्ति
गिरशेषणत्रिखापछान १६ कोपजासपरतापतन
खिरधुंदपहिचान पुनप्रकाशननकांतिसुभपरकंती
वपुजान १७ भूतिईमहिनत्वमनपरकिरतीहंकार
ननमाचापुनपुरुषपुनपरमानममनिरधार १८ सो०
प्र० भगवनयोगविधानबंदनततनरनरकवपु लिंग
शरीरवखानरागलिपुनसीहरफवपु १९ विष्कुम्भ,
प्रीति, आयुष्मान्, सौभाग्य, शोभन, अतिगंड, सुकर्म-
धृति, शूल, गंड, वृद्ध, ध्रुव, व्याघात, हर्षण, वज्र, सिद्ध
व्यतीपात, वरीयान, परघ, शिव, सिद्ध, साध्य, शुभ, शुक्ल,
ब्रह्म, ऐंद्र, वैधृति १ दो० उत्ताजगनीसंक्रांतीअस्तक-
ताइनिजान मध्याविकृषविक्रांतीहरनीअतिधृति
वान २ पंकतिउपानककमाक्रमीगयचीक्रतिजान
अदिष्यनुअपनप्रकृतीअन्तशीपहिचान २१ अभिकृति

उनकृतिशकुरिपुन अनीशकुरिपहिचान सुअतिसु
अतिजगतिसुभछंदअतिसुजान २२ अस्विनिभरणी
कृत्तिकारोहिणिमृगशिरजान आद्रांअरपुनपुनरव
सुपुष्यअशलेषांगान २३ मघांपूरबांफालगुणिउत्तरफा
लगुणिजान हस्तचित्तरोस्वातिपुनवैशाखांपहिचान
अनुराधांपुनजेष्टांपुनमूलांपहिचान पूरबषाडांउत्त
रोषाड़ांअभिजितजान २५ श्रवणधनिष्टांशतभिषां
पूरबभाद्रपदान उत्तरभाद्रपदरेवतीसुभगनक्षत्रजा
न २६ अंधतामिस्ररसूकरमुखअंधकूपअयपान अली
पत्रनामिसुपुनकालसूत्रपहिचान २७ प्राणनिरोध
नसारमेलालभक्तविरवपान बज्रकंटसंदसनपुन कृ
मिभक्षणपहिचान २८ वैतरणीकूपोदपुन कुंभीपाक
विधान रौरवपरियावरतपुन महारौरवपहिचान २९
रात्तसभोजनगरनगनसूलप्रोतपहिचान सूचीमु-
खआवीचिपुननपनसूरतिननलान ३० तारकरदं
पननगिरि अष्टबीसनरकान् श्रीमतमाधूरामननहि
परनपननररजान ३१ भूमिंद्रेशबदादिधीप्राणपांच
पहिचान मनोचित्तहंकारपुनलिंगशरीरविधान ३२
दुंम्याभैरविबंगलीअसलेवीपहिचान पंचमउबति
बिलावलीभैरवरागविधान ३३ देवगंधारीसीहुनीगौ
उपनासरिजान उत्तलिगंधारीपंचमीमालकोसपहि
चान ३४ प्रथममनिलंगीदेवकरिपुनाअहीरीजान

१८५ वैसंतीसंपूरिसुभयुवतिहिंडोलविधान ३५ कामो-
दीपटमंजरीटोडीगुजरीजान युवतिकछेलीपंचमी
दीपकरागविधान ३६ बैराड़ीआसावरीगोरीसिंधवि
जान करनाटीसुभभारयाशिरीरागपहिचान ३७ सो
रठगोडधनासरीआसासूहीजान येपंचोसुभभारया
मेघरागपहिचान ३८ अलपअंतमाअमलअजअद्वै
रूपअपार वेयव्यापकंबुद्धिपरबोधरूपनिरधार ३९
नेयनरकवैनापविनत्रिगुणातीतउदार सेयसरब-
गतरूपसदसांखीसरबआधार ४० जीमज्योतिमयज
गतगुरुजगतनाथजगदीश हेयहेतुभवहंसवपु
हरहरिरूपहरीश ४१ खेयखोफखरखाबविनखलक
खिलारीरूप चेयचापधरचतुरभुजचेतनरूपअनूप ४२
दातदमनकरदयामनदानदोशपरहार जातजनक
जगजननबिनजातीरहितविकार ४३ रेयरागरसरू-
पबिन राधारमणारमेश जेयजनकजगजननिबिन
जगताहारजगेश ४४ सीनसरणसनगुरुगहुपार-
धाचरणअुरार शीनशांतशिवशेशलखशुद्धरूपशु
तिसार ४५ सावसीलमनशुद्धकरसारासारविचार
जादजोगकरमगनिलखनिजस्वरूपकरतार ४६ नो
यतत्वनिजरूपलखतरियतीननमहीन जोरजगत
विनमेरातरजायारहितसरीन ४७ येनमादबिनवं
ननिजरूपरहितअज्ञान मेनज्ञानमयरूपनिजतपति

मात्रनिरधार ४८ फेयफिकरनजफासिलखहैविभि
करजगमाहि काफकामनारहितकलकामकरम
जहिनाहि ४९ गाफगोप्यगुणगमनविनलानारूप
गुपाल लामलोकत्रैव्याप्यलखकलनारहितअका
ल ५० मीममत्तुमदमानविनमुकनरूपपहिचान
नूननित्यनिरविशेनिज निजानंदनिरबान ५१ वाउ
वेद्यवेदांनकर विश्वंभरनिरमार हेयहूकमीहररूप
निजलखोहिनूहिनलार ५२ अलफअद्वैतरूपनिजअ
जरअमरअकलेश येइयमादिकधारनिजग्यानमल-
खोअबेद्य ५३ भूतिंद्रियप्रकृतीगुणतनमात्राहंकार
परमातममहितनत्रयुतनूअंतसकारणनिहार ५४ भग
वनसूरयनामवरदेवैखनपहिचान सूरअरयमाभा
सकरउशनरश्मिरविजान ५५ भानुविरोचनअहिर
पतिअरकविभाकरजान मित्रविभावसुप्रभाकरभा-
स्करअरुणविधान ५६ सविनादिनमणिदिवाकरकर
मनसाक्षियहेश मारतंडआदितीतनविशनूनतपनदि-
नेश ५७ चित्रभानुसहस्रांसुयमहंसचक्षुजगजान
रवीनामइकतीसप्रदउन्यअखिलअघहान ५८ सो०अ
हरिअपराधविधानभगवनलक्षणसंनजन सुरशरीर
गिरिगानसरनानीरथसुभगगुन ५९ दो०उ० असका-
रीगुनपादुकागमन हरीगुरुधाम मुखउचिष्टनलसो
चविनएकहलपरिणाम ६० एजनहरिउनसवविशेविन

प्रणामहदनान पादपसारणसैनहरि यामवचन
कटुगान ६१ निजग्रस्तुतिपरमानगुरु हरिअरपन
बिनखाइ निमाल्यग्रहिनिकटहरिशुनवहिभोगलगा
इ ६२ नमसकारपरयंकपरखल्पसेवयनवान मि-
थ्याभाषणभक्तांऊचेशावदवखान ६३ ग्रयोवायुह-
रिपीठकरबैदनवादवखान हरनिंदाउपहासगुरु
परिकरमाइकजान ६४ परनिंदाग्रस्तुतिफससमेसु-
मरपणनाहि पउदाकंमलसमेबिनहरीजगावनजा
हि ६५ हरिसदगुरुअपराधहै विंशभननअमनाइ
हरिपूजनहैसफलइन दोशरहितसुनिगाइ ६६ शील
सत्यसंतोषशुचिशरधाशांतिउदार पुनसंयमअसते
यथमनियमवलवीचार ६७ धैरयधरमविवेकयुत
क्षमायोगविज्ञान जपतपकरुणाप्रेमहरिभगतिधा
रणाध्यान ६८ दयादमनवैराग्यमृदुमैत्रीमृदतावान
श्रीमनसाधूरामशुभलक्षणसंनविधान ६९ सूरयहा
दशअष्टवसु रुद्रइकादशजान उभेअश्वनीतातयुत
सुवदेवपहिचान ७० भूनिंदेशावदादिअसुपरकिर
तीहंकार परमानममहितत्वपीगुणनसहितनिरधा
र ७१ मलयइंद्रमैनाकश्रीशैलऋषभश्रीमान इंद्रनी-
लऋषिमूकमाहिंद्रनीलहिमवान ७२ कोलकवंक
टरामगिरिविंधयुवरयनजान कौनानायसवेलगि-
रिकामदकगोमुखगान ७३ रेवनसयोजानपनक्रुक-

भमद्रस्तुतिमान हेमहिमाचलकूटपुनपारजातप-
हिचान ७४ सुकतीमानमरालगिरिवारधारपहि-
चान तुंगप्रस्थगिरिसुरव्यसुभभारतखंडविधान ७५
गंगायमुनासरस्वतीसिंधविदस्ताजान ऐरावतीप-
योशनीव्यासासरजुविधान ७६ वैतरणीगोदावरी
सोमशतद्रूजान तामरपरणीतापनीनमसारेवागा-
न ७७ चंद्रभागागंडकीसरस्वावेणुविधान भोगव
तीमंदाकणीसाकनिगोनविजान ७८ कृतमालाभ
द्रावतीसीताचंद्रवसान कावेरीपुष्पावतीनदीगो
मतीजान ७९ पुनासुपरणीकौशकीनदीनरमदा
जान श्रीमनसाधूरामपदपुन्यअखिलअघहान ८०
कुरुक्षेत्रगोदावरीपुशकरगयाप्रयाग वस्तुविचार
विवेकसुविसमनाउरवैराग ८१ काशीकांचिअवंतका
मायामथुराजान शरद्वाशांतिउपेखियामुदतामैत्रि
पछान ८२ द्वारावतीअपुद्रियाकरुणाकीरतिजान
बद्रीनाथकिदारउरशीलसेतबंधपहिचान ८३ गंगासे-
गमहरीहरनैमिषारहरिद्वार इंद्रदमननिरोधमन
भगनीतमानिहार ८४ मनीकरणगंगोतरीजगन
नाथरामेश श्रवणमनननिधिध्यासनिजध्यानमन-
प्रवेश ८५ अमरनाथनैपालपुनज्वालामनीमहेश
सत्यअहिंसारयापुनधैरयहदेहमेश ८६ बैजनाथ
नागेश्वरंमहांकालओंकार धरमधारणाध्यानहरि

ब्रह्माभ्यासनिहार सोमनाथमल्लकारजुनचित्रकूट
गुरुधाम ब्रह्मविद्यानियमयमप्रनामशुभगगहरि
नाम ८८ सतसंगतनशुभसुधासरयोगब्रह्मविज्ञान
जहिधारणहिस्नानानप्रदछिन्यसुखिलसुघहान ८९ भं
गवननीरथसरवछनवकनानासविधान साँछेतीन
करोड़जगतीरथपवनवखान ९० भगवनशकुनसु-
शकुनवद येतेंसुमगजभूप दधीदुगधघटनसुनव
फलकंन्यावलुसुनूप ९१ सुगनिधूमबिनरुदनशव
युवतिबालयुतगीत सरमादरपनमीनयुनयोबीव
लछनीन ९२ ध्वजागुरोचनमांसमद दहिलेकाग
मलार चात्रकनकुलमयूरपिकवाकनिगमध्वनि
गार ९३ कुंभनीरयुतईखदिजपुलकसहितसुहाइ
गनकारतनसुमालमगधरिकरमायुनजाइ ९४ इति
वंध्याविधवाहीजड़अस्त्रीनगनशरीर लवणतेल
उनमत्तगुड़भगवागिलाचीर ९५ रुधरचरमयु-
तकुष्टित्रिणसुशाकदारयुतजान अंगभंगयुतवम
नयतिअरिलछीकपहिचान ९६ चिकुड़कुबजाछा
छयुतविष्टावधरपछान नीचवरणशिरनगनखर
नरधूरतपहिचान ९७ गिड़वसननरसुधायुतदा
रिद्रीकापास युद्धबिलाईगरभवतिशकुनसुशुभ
गप्रकास ९८ भगवनलिंगशरीरवद जासगमन
संसार लिंगशरीरस्वरूपस्तुतिगावनविविधप्रकार ९९

 129

भूर्तिइंद्रेशावदादिश्रस्त्र परकिरतीहंकार परमानम
महिनत्वगुणअनशकरणविचार २०॥ श्रीमनसा-
धूरामवर उदासीनकृतजान वाकस्थाकरसरग
इतिएकविंशतीजान २१ ॥ २२ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्री
गणपतिश्रस्लोत्रनिजकथनकरौंस्तुतिसार १ परम
अरथजनकामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मवि
ज्ञानप्रदश्रन्यअखिलअघहार २ श्रीगणपतिगिर-
जातनयचारुचतुरभुजजास गौरीप्रियगुणज्ञानप्र-
दनमोज्ञानगुणरास ३ जयमोदकप्रियसदनमन
मंगलरूपमहान नमोब्रह्मविनबोधमयधूम्रकेतु
त्वविवान ४ जयशिवनंदनविघनहावरदायकवि-
ज्ञान एकरदनगजबदनपद नमोपूज्यईसान ५ जय
गजकरणसुगणपतिवक्रतुंडमहकार नमोभूतभ
वभगतिप्रियगिरजागोदसुहार ६ जयभुवनेश्वर
परसुधरपीतवसनस्तुतिसार कपलविनायकविक-
टपदनमोहेत्वभवहार ७ जयपदमासनयोगयुत
भवपालकसुखधाम नमोअहारसुरस्नेहकरसेवनी
यअलकाम ८ जयअगणमादकरिद्धियुतलंबोदर
सुखदार नमोलक्ष्लाभजहि निगमागमगुण
गार ९ जयभवसेतृश शीधर सुखसागरसरजाण

नमोग्रादभवग्रंतसदशांततूपसुखखाण १० जय
करुणानिधिरकतनवपु विश्वजासजनग्राण पूज्यभु-
वनदशचतुरकरनमोनिगमभवत्राण ११ जयग्रण
मादकरिद्धिप्रदयुगनयोगिसुजान नमोग्रमरपदहे-
तुजनयज्ञरसयोगविधान १२ जयसुकटांगदसुक-
नियुतरतनसिंघासनवीर नमोनियमयमयोगग्रद
रिद्धिरमणारणधीर १३ जयमूखकयुतरहितज्वरग्र-
घमपूज्यभवसार वंदतजहिसुरग्रसुरनरनमोनात
त्रिपुरार १४ विद्यारंभविवाहमोगमनकालपरवेश
ग्रतिसंकटसंग्राममोगणपतिहरनकलेश १५ श्री
सतगुरुनेश्रवणकरकरतश्रोत्रपुटपान उदेब्रह्मवि-
ज्ञानरविमोहतिमिरकरहान १६ श्रीमतसाधूराम
वरउदासीनकुनजान श्रीगणपतिग्रसनोत्रइति
हितमोतनिरबान १७ ॥

ऊंश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्रीवैराग
विवेकयुतकथूंकरोंस्तुतिसार १ परमग्रस्थजनका-
मप्रदमोतपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदपुन्य
ग्रखिलग्रघहार २ सैया गजदिग्गजसेदरहूंदजि
नारथहैरविसेसरयानसवारी कविकोविदहैंदरबू-
रजिनाभटभूरमहीपचलेंग्रनुसारी सुनसेवकसेस
रवृंदजिनाधनधामध्वजाध्वजनीहितकारी मन

नाहिरहे थिरसे जगमे निजभूमपनाल जितेनभचारी
शुभकीरति फैलरही जिनकी दसचारपुरी ससिज्यों उ-
जियारी घनउन्नतपीनपयोधर जां गजगामनि वृंदर-
नीसमनारी गुणरूपउदारविचारमती उरधीरजिना
दरहूंसभिरवारी मननाहिरहे थिरसे जगमे विनवेदगु-
रू द्विजगो हितकारी ४ गणपावकपाक करें जिनके
दरमारुतके गणबारबुहारें सिरछत्रकरे उरहूत जिना
सिरचौर शशी द्विजवेद विचारें नभमारुतपावकनीर
खिनीरचभूत चराचरजो अनिपारें मननाहिरहे थिरसे
जगमै घनवृंद जिनार रपै बिनकारें ५ यखकिन्नरभू-
तभुजंगसुरासुर जो दरमैं करजोर खुहारें दिनरैणरवे
खर सूर शशी जिन सागरशैल सधान्नुवधारें जगजो
उपज्यो बिनसे सगरो अससहृदमुनी श्रुति ऊंजउचारें म-
ननाहिरहे थिरसे जगमैं उरबोधजिना मिलभेदनिवारें
म्रगनीर मनोकृत भानमनी सुतबांझ यथा घनज्योंउ-
मड़ां द्रुमतीरनदीजलनाव यथा नरस्विंड समसेसुपने
धनिमां ग्रहिबारु यथा पद दीपशिखा घनदाम निज्यों
गुणमारमहां नभनीरजनीरतरंग यथा खिणभंगुर ज्यों
जगकीरचनां ७ दो॰ ज्ञानमभूअसलंभलो भवनचतु
रदशजोइ नामरूपपरपंचसम कालव्यालमुखसोइ ९
सैया पुनः कालअहीमुखज्ञानमभू भवभेषजभूत
पनीम्रगुजोई कालअहीमुखधूरजटी ध्रुवधामपती

अक्षअगोचरसोई ९ कालअहीसुखरुद्ररवीगणरा-
क्षसहंदरिषीश्वरजोई कालअहीसुखवेदवसूगण
व्यासमुनीसनकादकहोई कालअहीसुखहंसहरी
श्वर हय मुखसेनरहेथिरकोई ब्रह्मनिजानमकाल
अहीबिनअक्षरअक्षअगोचरसोई १० कालअहीसुख
सुरसुराहरशुंभनिशुंभशचीपनजोई कालअहीसुख
श्रीदहिदिग्गजदानवदत्तदिशापतिहोई कालअहीसु-
खकारजकारणकंसकवीनरहेथिरकोई ब्रह्मनिजान-
मकालअहीबिनअक्षरअक्षअगोचरसोई ११ कालअ-
हीसुखनेदसुनंदप्रचंडबलीनरनारदजोई कालअही
सुखनागनिधीपतिनंदुपनंदनिशाचरहोई कालअ-
हीसुखगैगणगंध्रवगोरखसेनरहेथिरकोई ब्रह्मनि-
जानमकालअहीबिनअक्षरअक्षअगोचरसोई १२
कालअहीसुखमीनमनूमृगमारुनसेगणगालभजो-
ई कालअहीसुखश्रीअजनंदनपारथसेप्रथुभूसुर
होई कालअहीसुखमैये मघवाजितरावणसेनरहे
थिरकोई ब्रह्मनिजानमकालअहीबिनअक्षरअक्ष-
गोचरसोई १३ दो० ब्रह्मलोकलौविषेसुखशबदादिक
भवमूल मुकतिपंथगतविघनलखनजेजानप्रतिकू-
ल १४ पुनः सैया जगस्वारथहेतसनेहकरेंजनमा-
नपितासुवनीसुतसारे नवनाहिसहाइकरेंअपदाग
नसेवकसेगणमीतपिआरे निजभानसुतानजजाहि

सभीजबअंतसमैयमआगानिकारे धनधामविषेत-
नरागसखेहितजानभजेपदकंजमुरारे १५ जिम
सिंघभुलाइनिजातमकोत्रिणखाइअजामिलकैदस
हारे तिमभूलनिजातमतत्वसखेनवरूपअनंतचरा-
चरधारे निजआतममाहिनिजातमकोलखव्योमय-
थाचिदव्यापकसारे नवतेनवरूपनभिन्नसखेकटहा-
टकज्योंस्रुतिपुंजउचारे १६ सदसंविदसुद्धसनातनजो
वपुबोधजिसेस्रुतिपारनपाए जगकिंचिननाहिनभिन्न
जिसेसदचेतनरूपविभूस्रुतिगाए भवभेदअछेदनबं-
धजहांकलपांडुयथासमहंसमुहाए अजअव्ययअगो-
चररूपसखेनवतत्वमसीस्रुतिपुंजअलाए १७ नज
मातपिताधनधामसुतावहिमशैलशिलापरमासनधारे
निसकिंचिनहारविहारगिरामितआतमतत्वअसंगनि
हारे निरवेदविचारविवेकधरोउरधीरजशांतखिमावि
सतारे दृगमीलनध्यानपरायणहैसमसोनरआतम
तत्वविचारे १८ जहिपावनशीतलस्वच्छमधूजलपा-
नकरेभवसागरतारे जहिशीतलमंदसमीरचलेफल
मूलअहारमधूरसवारे अघओघमिटेंजिसकेदरसेपर
सेजिसकेफलपुन्यअपारे असदेवनदीतटवासकरोभ-
नशेषजिसेस्रुतिपुंजउचारे १९ दो॰ असविवेकनिस
दिनकरोद्वैतरहितनिजरूप देहअपंचअनित्यचिरसा-
खीपरमअनूप २० त्यागसंगजननिसेरमउदासीनति-

१९५

रमान सारासारविचारयुतरहितवासनाजान २१
गंगतीरहिमशिलापरपदमासनयुतजोइ ब्रह्मध्या-
नयुतजासथीबड़भागीजनसोइ २२ योगयज्ञशान
कोटिगजकामधेनुधनधान अष्टसिद्धिनवनिद्धिफल
अवनिअखिलगोदान २३ श्रीसतगुरुनेअवणकर
करतश्रोत्रपुटपान श्रीवैरागस्तोत्रप्रदब्रह्मबोधप्रम-
वहान २४ श्रीमनसाधूरामवरउदासीनकुलजान
श्रीवैरागसतोत्रइतिहेतुमोक्षनिरबान २५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो.

श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार ब्रह्मपदे-
शस्तोत्रशुभकथनकरौंश्रुतिसार १ धरमअरथजन
कामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदपु-
न्यअखिलअघहार २ भोभगवतपदपदमतवगही
सरणप्रियहेत मोहतिमरभवजलधिमोजाणहंस
समसेत ३ ब्रह्मलोकलौविषेसबसुखशब्दादिकभवमू-
ल मगमुकतीप्रतिबंधलखतअज्ञानप्रतिकूल ४
भगवनअसउपदेशवदजासश्रवणभ्रमजाइ प्रापत
ब्रह्मानंदजहिनेतिनेतिश्रुतिगाइ ५ तोटकछंद नव
ब्रह्मवपूनिजखहृकजोअपरोक्षविषेविनभासनसो
श्रुतिवेद्यअनाद्यनरूपअसीअसरूपभनेतवनत्वमसी ६
समसंविरव्यापकव्योमयथाघनसैंधवज्योंकलपांत
तथा सदचेतनरूपअनंतअसीअसरूपभनेतवनत्व

 190

मसी ७ नहिंएकनदन्यद्वितीनजहाँ असवेदप्रमारथ
तत्वमहैं। हृतिव्याप्यबिनाफलरूपअसी असरूपभने
नवतत्वमसी ८ जगजीवनईशविभागजहाँ गुरुशि-
ष्युपदेशनबंधनहाँ निरभै निरमाइकरूपअसीअस
रूपभनेनवनत्वमसी ९ मदकामनक्रोधनलोभज-
हाँ फललालचदंभनदोशनहैं। अकलेयअछेयअदा-
ह्यअसीअसरूपभनेनवनत्वमसी १० यतयोगनभो-
गनशोगजहाँ उनपन्ननलैसुखदुःखनहाँ अनुभैसुख
रूपअनन्यअसी असरूपभनेनवनत्वमसी ११ दिनरैन
नसूरसमीरससीजहिंभेदअभेदनभेदकसी जगदी
शनिरंजनरूपअसीअसरूपभनेनवनत्वमसी १२ वि
धिवाकनिशेधनद्वंदजहाँ नतनापत्रनेत्त्रपुटीननहाँ
परप्रेरकजोअलकामअसी असरूपभनेनवनत्वमसी १३
गुणभेदअछेदनज्ञानगतीजहित्यागविधीशरयान-
मती अखलेशअशेशअशोघअसी असरूपभनेनव
नत्वमसी १४ युगवेदुपवेदनवागजहाँ वितवेदवख
नविरागनहाँ वपुबोधसनेसियरूपअसी असरूपभ-
नेनवनत्वमसी १५ वरणाश्रमरावनरंकजहाँ रसरूप
नरेखनरंगनहाँ परतापररूपअखंडअसीअसरूपभ
नेनवनत्वमसी १६ कविकोविदकावनकालजहाँ
कलिकालकलंकनकोशनहाँ परिपूरणरूपनिरंसअ
सी असरूपभनेनवनत्वमसी १७ शिवशेशमहेश

195 गणेशजहाँ नसुरेशमुनीमुकशोकनहीं भवभूतवि-
षेसमनूपअसी असनूपभनेनवतत्वमसी १८ द्विज
देवनदानवदैतनजहाँ दिगपाल दिगंबरदत्तनहीं म्रत्यु
भैजिसकेखरसूरशशी असनूपभनेनवतत्वमसी १९
ध्रुवभूरजदीयरणीनजहाँ अतिवानयनंतरथीरनहीं
अजभैजिसकेभवभूतवसी असनूपभनेनवतत्वमसी २०
निधिनंदुपनंदननागजहीं नरनाकपतीनभनादन-
हीं ध्रुवरूपजिसेअकलंकअसी असनूपभनेनवतत्व
मसी २१ पुरहूतविभूतनभूतजहाँ भवनाधिपतीभवभे
षनहीं सरबानमनूपअलत्तअसी असनूपभनेनवतत्व
मसी २२ गणगंध्रबगोपनगीनजहाँ अहिनानगतीगु-
णगंथनहीं निरबाणवपूनिरलंबअसी असनूपभने
नवतत्वमसी २३ दो॰ श्रीगुरुमुखतेश्रवणकर करनअं
तहुदपान पांचभूततनत्यागसन आपतपदनिरबान २४
श्रीमनसाधूरामवर उदासीनकृतजान ब्रह्मुपदेशस्तोत्र
इति हेतुमोक्षनिरबान २५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्री
अनुभूतीगीतनिजकथनकरौंश्रुतिसार १ धरमअरथ
जनकामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रद
पुन्यअखिलअघहार २ जोनिष्ठाहरनिगमहरि निज
अनुभूतीजान सरवसुमतमोरवहितअधुनाकरौंविधा-

न ३ सत्यंज्ञानमनंतश्रुतिवदतसनातनजास निश-
कलंकनिरञ्जरवपूसोहंस्वयंप्रकाश ४ ब्रह्मैवाहंपराव
र चिदानंदघनजोइ शुद्धशांतशिवरूपसमेस्वप्रकाश
वपुसोइ ५ मनगोगिराअतीतअजनिजानंदनिरवास
निरविकारनिरमलवपुसोहंस्वयंप्रकास ६ ब्रह्मैवाहं
परावरपरमपुरुषवपुजोइ पूरणपरमानंदपरपारणि
पादबिनसोइ ७ नान्यंकिंचिनभिन्नयेनामरूपजगजा
स निरविकलपनिरगुणवपूसोहंस्वयंप्रकाश ८ ब्र-
ह्मैवाहंपरावरचिदाकाशवपुजोइ जोनजाइनेमूयने
अजअविनाशीसोइ ९ ज्ञानमज्योतीरूपनिजसुखस्व-
रूपसुखरास निराकारनिरविशेजोसोहंस्वयंप्रकास १०
ब्रह्मैवाहंपरावरअंतरज्योतीजोइ अधिशब्दानअधा-
रजगजोतिरूपजगसोइ ११ नेतिनेतिकरनिगम
जहिवदनभनीवरजास वरीरूपसरवातमासोहंस्व-
यंप्रकाश १२ ब्रह्मैवाहंपरावरपंचभूतबिनजोइ प्र
णवरूपपरमातमापंचकोशबिनसोइ १३ जोअसंग
वपुएकरसउदेअसतबिननास त्रिविधभेदपरछेद
बिनसोहंस्वयंप्रकाश १४ ब्रह्मैवाहंपरावरआदअंत
बिनजोइ अंतरयामीज्ञानमासवनेसिद्धवपुसोइ १५
अतरपरमेव्योमनीपरमधामध्रुवजास एकमेवअ
द्वैतसरसोहंस्वयंप्रकास १६ ब्रह्मैवाहंपरावरनाम
रूपबिनजोइ करताकिरियाकरमबिनभ्रमाभावतसो-

इ १७ जहिभयमारुतअगनियमउदेहंसभयजास
इंद्रादीभयभीतजहिसोहंस्वयंप्रकास १८ ब्रह्मैवाहं
परावरवृत्तिव्याप्यकरजोइ जोअवेद्यअपरोक्तवपुफ-
लव्यापतिबिनसोइ १९ तातमाननहिजानजहिवर
णाश्रमनिरवास महांवाक्यवेद्यजोसोहंस्वयंप्रकास
ब्रह्मैवाहंबोधमयतापत्रगुणबिनजोइ श्रीमतसाधू
रामवपुनिरविभागचिदसोइ २१ जलतरंगकटकन
कजिमसुकतिरजतगुणमार स्वपनदृवीजिमहोततिम
ब्रह्मजगतनिरधार २२ श्रीगुरुमुखनेश्रवणकरकर-
नमोक्षपुटपान उदेब्रह्मविज्ञानरविमोहतिमरकरहा-
न २३ श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकृतजान श्रीश्र
नभवप्रक्लोशइनिहैवमोक्षनिरबान २४ ॥
दो॰ भंगवनविद्यादुविधवदभुगतिमुकतिप्रदमान
सेयहेतजहिसुधीजनअवधारतमतिवान २५ वेदुप
वेदविदांगषटतंत्रशब्दपौरान पुनसिमृतिदशअष्ट
पुनविद्याचौदविधान २६ पुनः यंत्रमंत्रवसितंत्रब-
लस्वविरूपश्रृंगार श्रूतवाद्यनृतनीतिनटशस्त्रअस्त्र
परिहार २७ आकरषणगजवाजिरथअस्तंभनशकु-
नान योगसजीवनकोककवकोशउचाटनप्रा न २८
शिलपनक्षेद्यसलेतपुनमोहितमारणजान तरणार-
सायणगोप्यहूंअनवनदृपरतनज्ञान २९ भाषादेशवि-
देशखगनापनआकरज्ञान इंद्रजालसमुद्रीकपुनउन-

मादनजलयान ३० भैरविवलातिब्रलापुनपरप्रवेश 199
गणनान ब्रूफनपरसंकलपपुनयत्नगगनगतिवान ३१
भूनधाररणारि ह्विरस रंगउशयरचनान ब्रह्मबोधयुन
वेदविन विद्याचौदविधान ३२ श्रीगुरुमुखतेश्रवण
कर करनश्रोत्रपुटपान प्रापनब्रह्मानंदनिजश्रखिल
द्वैनकरहान ३३ श्रीमनसाधूरामवरउदासीनकृतज
न वाकसुधाकरसरगइतिद्वाविंशतियहिचान ३४ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्री
रघुनंदनगीननिजकथनकरोंश्रुतिसार १ धरमग्ररथ
जनकामप्रदमोत्तपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रद
पुन्यश्रखिलश्रघहार २ सो० ब्रह्मसगुणवपुधारप्र-
गटभयधरमनुजमन श्रीरघुवरश्रवतारश्रजनंदन
प्रहिश्रवधपुरि ३ करकलगननिरधारचैत्रमाससित
नौमितिथि हंसवंसश्रुतिसारभौमवारशुभधरणिध-
र ४ दो० चिदानंदघनज्योतिमयकामकोटिश्रभिरा-
म श्रीरघुवरपदपदमप्रतिनमोकोटिघनश्याम ५
सैया खलरावणश्रादनिशाचरजो भवकोटनको-
टिभयश्रभिमानी चिरखप्रणनृपपरावरजो तिन
भारभरी धरणीश्रकुलानी धामानवनूपधराप्रगटे
घनश्यामवपूरविवंसमहानी रघुनंदनकेपदकंजन
मोरसनूपरिचाजिनकीसदबानी ६ चिरखमानपिन

८००

करुणानिधिकोसुतमोदभरेअसबैनअलाए कृत
पुन्यफलेहमरेसगरेअजरूपजिसेहमरेगृहिजाए
अजशेशमहेशसुरेशजिसेगुणसारसुनीनिगमा-
गमगाए रघुनंदनकेपदकंजनमोसमरूपजिसेश्रु-
तिपारनपाए ७ सो॰ हेमरतनधनधाम अश्वको-
टिगोदानगज अन्नवसनअभिराम देतद्विजनसन
मानकर ८ सैया सुरवंदतनंदनहुंदजिसेनभफूल
नकीबरषाबरषावें दरतोरणफूलनहुंदध्वजाशुभ
नौबतवेदध्वनीद्विजगावें घनउन्नतपीनपयोधरजो
गजगामिनिमंगलगीतअलावें रघुनंदनकेपदकं-
जनमोगजफूलनजांदरहुंदसुहावें ९ ननकंजप्र-
भाकरकंजजिसेमुखकंजप्रभाहगकंजलुहावें शशि
कामरतीशतकोटिजिसेपदकंजप्रभापिखजानल-
जावें अजनंदनधामविषेविचरेंमुनिहुंदजिसेहिनध्या-
नलगावें रघुनंदनकेपदकंजनमोजिसमाततपितानि
जगोदखिलावें १० सो॰ वेदउकतपहिचान नामकर-
णउपवीनकृत करतभएविधानकुलप्रोहिनवाशिष्ट
मुनि ११ सै॰ मिलभानअथैनकरेंनिगमागमनीति
नयायधुरादकमारी युगभानसखाविचरेंनिरभैचढ
स्यंदनहैगजहेमहमारी अकलेअअछेद्यअदाहवपू
जुअशेष्यअशो व्यअखेअविकारी रघुनंदनकेपदकंज
नमोपदभूषणभूषितजोबननारी १२ नखचंद्रप्रभा

पगनूपरजांकटिकेहरभूरभुजौंहनवाली कटिपीत
पितांबरनूणअसीसरचापजिसेकरगोरउदाली नक
बेंसरहारमणीमुकटांगदशणमवष्टगुणश्रीबलशाली
मकराकृतकुंडलशोभमुखांबुजवारजनैननमोबनमा
ली १३ सो॰ रघुवररूपनिहारमुदतमाततपितभ्रातज-
न पैरजशीलउदारतमाआदिगुणकोदिजहि १४ सै-
रिषिसंगचलेपितआइसपालरघुभानसमेतमुनीअनु-
सारी मगमाहिनिशाचरीकोहनकेऋषिआश्रमजाइरिषि
र्ख्योबनवारी ऋषियज्ञउधारहनेरजनीचरगोतमना
रशिलाजिननारी रघुनंदनकेपदकंजनमोनरदेवन-
दीगमनेअसुरारी १५ पुनजाइपुरीमिथलेशपिखीम
णिहाटककीजहिहृंदअटारी गजफूलनहृंदनहृंदज-
हांदरनैबनहृंदध्वजौंचित्रकारी उपबागनमोजनका
तमजापिखमोदभरेयगभूमनिहारी रघुनंदनकेपद
कंजनमोजिनधंकननामनरेगिरवारी १६ सो॰ कौश
कमुनीनिहारश्रीरघुनंदनलखनसहि सुणकरराज
कमारभएमुदतमनजनककराति १७ सैया शिवचाप
उदारसकेंनमहाभटभू रमहीपचलेबलहारी ऋषि
आइसपाइउठेरघुनंदनचापउठाइविजैगिरधारी जन
कानमजानबमालविजैगहिश्रीरघुनंदनकेगलडारी
रघुनंदनकेपदकंजनमोवउवीयजिसेद्विजगोहितका
री १८ जनकाममजायुतमालविजैसखमोदभरीमिय

लानरनारी नवबाजितशंखमृदंगध्वनीकलबारवधू करहैंन्त्रनकारी ऋषिभूपलिखीअजनंदनपेरघुनंदन कीकनमंगलचारी रघुनंदनकेपदकंजनमोजिनशेणा कसत्यहरयोबलभारी १९ सो॰ गुरुवसिष्टपैजाइअज नंदनकहिवानसम भगवनब्रानबनाइचलोजनकपु रव्याहिंति २० सैया नरयानविषेगुरुभूपचढेभटभू रचमूंचतुरंगनसारी पदभूषणभूषितभूपनतेंचढ़ स्पंदनहैगजहेमहमारी सबसेवकव्यंजनकेकरता गणबारबधूकरहैंन्त्रनकारी रघुनंदनकेपदकंजनमो बगुहंसजिसेसनकादिकचारी २१ अजनंदनजाइउजे मिथलापुरपेखमुनीशनसोंहरषाए मनमोदभरेरघु नंदनजूगुरुपाउपरेपितकंदलगाए मिलभ्रातसखा निजसेवककोमिलभूपननेंमनमोदबढाए रघुनंद नकेपदकंजनमो अजरूपजिसेजननीविनजाए २२ सो॰ अजनंदनमिथलेशमिलेपरसपरमुदनमन की नोअवधप्रवेशवेदउकतसबनव्याहिकर २३ सैया जन कातमजाजुतसानुजकेबनवासचलेपितआइसपाए नजराजसमाजमणीमुकटांगदसीसजटाद्रुमचीर बहाए अजनंदनप्राणतजेजिनकेहितभ्रातसखा जननीबिललाए रघुनंदनकेपदकंजनमोजिसनात नमानसखाश्रुतिगाए २४ नजमातपितापनधामस खागजबाजिरथादिकहेमहमारी द्रुमबीरचलेपगसों

मगमोंफलफूलअहारअबैंगिरिवारी तजसेजअही
निथिरवीरसिनीनलसैनजिसेयुनराजदुलारी रघुनं-
दनकेपदकंजनमोनमसानटमोंजिनरैणगुजारी २५
सो॰ सचिवसहितरथफेरचलेरामजनसपनतज पहुं-
चिसुरसृंगवेरभीलपतीगुहसखाजहि २६ सै॰ जन
कानमजायुनसानुजकेतरदेवनदीअजनंदनजाए
करमज्जनतीरथराजविषेभरद्वाजमुनीशुभआस्रम
आए पुनहेंससुनानरथोरमहांबनमाहियसेमनमें
हरषाए रघुनंदनकेपदकंजनमोबलमीकमिलेचि-
त्रकूटसुहाए २७ घनतालतमालबिसालजहांकद-
लीद्रुममालफलीफुलवारी मृगमालमरालमराल
जहांसरतासरसारसहैंजलचारी ससस्तूकरसिंघस्ति-
खीचकवेपिकसैल सिलासुवहैंपनगारी रघुनंदनके
पदकंजनमोंहिनवास जिसेअसभूमिविहारी २८ सो
सन्योभरतरघुनाथमुनीवेशकरगमनवन जनका
नमजासाथचित्रकूटमोलखनसह २९ सैया तज
मातुलदेशऽजेक्रमसोंपिखशोकमईपितकीरज-
धानी परलोकगएअजनंदनकोसुणशोकभयोगु
रुनीनवखानी अजनंदनकीकृतकोकरकेअमराज
समाजचलेसुखखानी रघुनंदनकेपदकंजनमोमि-
लभानजिसेजननीबिगसानी ३० अजनंदकोजल
देरघुनंदनभानघनीशुभनीतअलाए सभराजसमा-

२०५

जफिराइ चले मग आनन भूलत आश्रम आए बन दंडक
माहि बिराध हन्यो सरभंग सुतीखण को मिल भाए रघु
नंदन के पद कंजन मो मिल कुंभज नूण असी जिन पाए ११
सो॰ अतिपावन जहि नीर नदी गुदावरि भगतट क-
स्यो वास रघुबीर जन कानन जालखन सह १२ सैया तृण
पल्लव सेन कुटीर चमानुज सीय समेन बसें सुखखानी
बिन आण करी भगनी दसकंधर पंचवटी जिनकी रजधा
नी दस चार हजार हने रजनीचर दूखर आदि बड़े अभिमा
नी रघुनंदन के पद कंजन मों मृग मायक मूच हन्यो बल
जानी १३ जन कानन जातन आइ हरी दसकंध गहू नप
सीतन धारी चढ़ स्यंदन मों हि चल्यो नभ मो परतूप निशा
चर को बिभचारी अतिआरत राम पुकारत को खगराज
पिखी रथ राजकुमारी रघुनंदन के पद कंजन मों सत चे-
तन तूप जिसे अविकारी १४ सो॰ रावण कीन विचार
राम भगत खगभूरिबल निजमाया बिसतार फिरे भूरि
खगरज निचर १५ सैया खग भूरि भिरो रथ को कर चू-
रण खोस लई नव राजकुमारी पर काट उभे जन कानन
जाग हि बेग चल्यो नभ लंक बिहारी इत राम फिरे मृग
कंचन छेडि न नाहि पिखीन हि राजदुलारी रघुनंदन
के पद कंजन मो हुतिध्याय कर तूप जिसे बनवारी १६
जन कानन जात थहे नचले दिग दक्षण को अजनंदन
जाए कर मोक्ष जटायु कबंध हन्यो सुभ भक्ष्यी शबरीफल

खारअपाए सरपंपविषेखनमारुनकोमिलमूकगि
रीकपिराजमिलाए रघुनंदनकेपदकंजनमोकपिरा
जसखाकरजोहरषाए ३७ सो॰ भूशनवसननिहार
रामलखनमैभरतमन बालीहननविचारकरतराम
सुग्रीवमिल ३८ सैया सिरदुंदभिखेपननालीभिदे
जिनबालकपीहननीनवखानी पुननारहि नखुपदे-
शभन्यो जिनमींदईकपिकीरजधानी जनकानमजासु-
पहेनपदेकपिसंगरआदिबड़ेबलवानी रघुनंदनके
पदकंजनमोअजअतरूपजिसेबिनहानी ३९ लघु
भानप्रती निजनत्वभन्यों जिनसैलदरीरिनुपावसआए
नगकिंचिननाहिनभिन्नजिसेसदचेननरूपषिभूस्तुति
गाए अजअतअगोचररूपसखेनवननत्वमसीश्रुतिपुं-
जअलाए रघुनंदनकेपदकंजनमोवपुबोधजिसेस-
महेससुहाए ४० सो॰ स्वप्रकाशश्रुतिसारनेतिनेतिश्रुति
वरनजहि अधिष्ठानआधारभानलखोअसरूपनिज ४१
सैया नवखेहकरूपअनाबनजोअकलेयअछेद्यअ-
दाह्यअसी मनगोगुणज्ञानअगोचरजौंदिनरैणन
सूरसमीरससी भवभूतनलैउनपन्नजहाँभ्रमभेदअ-
छेदनभेदकसी शिवशुद्धसनातनशांतनवप्रनवभात
मनेश्रुतिनत्वमसी ४२ जिमसिंघभुलाइनिजातमके
तृणखारअजामिलकैरसहारे तिमभूलनिजातमत
त्वसखेनवरूपअनंतचराचरधारे निजआतममाहिवि-

ज्ञानमकोलख व्योमयथाचिदव्यापकसारे नवनेत-
वरूपनभिन्नसवेकटहाटकज्योंश्रुतिपुंजउचारे ४३
सो॰ समसंविरसद्रूपविषेरहितअपरोतअज ब्रह्म
निज्ञानमरूपध्यानलखोअसरूपनिज ॰४४ सैया सुन
मारुतलंकपसेजिनकेबलरावसहूंदअहौंरखवारे
हनलंकनिशाचरीपेखविभीतनणासीयपिरवीउपबाग
उखारे गढलंकजराइहनेरजनीचरश्रीरघुनंदनपाद
निहारे रघुनंदनकेपदकंजनमोमधुकैटभहाजिन
देवउबारे ४५ कपिहंदनहृंदचलेघनज्योंश्रुतसानुज
रामबिजेदिनपाए नभमोंतरंगेगरजेंघनज्योंकपिश्रृंग-
दलोदिकदत्तणघाए उगडोलउठीधरणीदिग्दिग्गजधूर
उठीरविमंडलछाए रघुनंदनकेपदकंजनमोदृगसीस
अनंतजिसेश्रुतिगाए ४६ सो॰ लखनसहितरघुवीर
हनुमदादसुग्रीवमिल लिंगमहोदधितीरयथाउ-
कतअसथाप्यकर ४७ सैया तजलंकविभीषण
ओटगही तिनलंकदईश्रुतमोतखरारी रचसेतुमहो-
दधिपारभए चढसेलगिरी जिनलंकनिहारी पगअं-
गदरोपपर्योजिनकेबलरावसकेननिशाचरभारी
रघुनंदनकेपदकंजनमोजिनलंकविजेहितनीति
विचारी ४८ रघुनंदनरावणआइसपाभटकोटन
कोटिचलेहरषाए नलनीलहनूयुवराजकपीश्वर
सैलसिलाद्रुमलेरणधाए घटकाननकुंभनिकुंभ

महोदर सायुध है घननाद सहाए रघुनंदनके पदकं-
जनमो जिनरूप सनातन आगम गाए ४९ सो॰ निगम
जासगुण गाइ दिक्कालादि अछेद बिन निसप्रपंच
निरमाइ धारमनुजतन भिरतरण ५० सै॰ घननाद
हनूं युवराज महोदर नील निकुंभ जुटे हरषाए कपि
राज भिरे घटकाननस्यों नलकुंभ जुटे रणरोस बढ़ाए
कपिराखस वृंदन वृंद जुटे निसबासर युद्ध भयो न पला-
ए रघुनंदनके पदकंजनमो जिस वेद प्रमाण विषे स्तुति
गाए ५१ रणश्रोणनकी सरिता सुचली भट भूर बहे रथ है
गजभारी जहिं जंबक गीऊ नयो गनके गण श्रोणत
पान करैं पलहारी रण कोटनकोटि कबंध उठे जहि बी-
रनको बरहैं सुरभारी रघुनंदनके पदकंजनमो कर
सारक चाप असी जिन धारी ५२ सो॰ रथरावणर-
घुबीर खड़े लखन सहि धरणि नल पेखंद्र रणधीर
पदे मातली सहितरथ ५३ सै॰ घटकानन कुंभनिकुं-
भ हते रणरावण शोक भयो सुणभारी चढ़स्यंदनमो
अतिक्रुद्धनहूं भट भूरणस्यों रणभूमि निहारी इनपेख
विभीषण धार गदाकर कोप भरे सिर रावण मारी र-
घुनंदनके पदकंजनमो चढ़स्यंदनमो जिन सैन बिदा
री ५४ रघुनंदन रावण युद्ध भयो रणको उपमा सब
नेक बिगाए जिम सागर द्वै उछलैं परलै घनबीर भिरें
निमरोस बढ़ाए सरओघ चलें जिनके करते रणको र-

नकोटिनिशाचरघाए रघुनंदनकेपदकंजनमोजिन
सीसध्वजाकटभूमिगिराए ५५ सो॰ श्रीलखमनघन
नादभिरेपरसपरभूरभट श्रीरघुबरपरसाद फिरेलखन
घननादहन ५६ छै॰ शतबारकटेसिरनूतनभै रघु-
बीरनबीसररुइचलाए तिनसोकसथाहृदसीसकटे
दसभेदबिभीषणतेजबपाए घनघोटखड़ेसुरवृंदपि
खेंनभजैरघुबीरगिरासुखगाए रघुनंदनकेपदकंज
नमोजिनभ्रातहतेकपिफेरजिवाए ५७ जनकातम
जामनमोदभरीरघुनंदनकेपदकंजनिहारे गढलंक
बिभीतरमध्यपविजैसुनमोद भरेअसबाकउचारे तु-
मरीकिरपाकरजीनभईरणभ्रातहनूंकपिराजपिआ
रे रघुनंदनकेपदकंजनमोसुरसेवकके गणजो हि
उधारे ५८ सो॰ रघुबरबिजेनिहारभ्रातमभूसुरपती
भव करअसततिसुतिसार गएभवननिजगमनक
र ५९ छै॰ सुतसानुजसीयसमेनसरवामिलयान
चढेनभमारगआए जनकातमजायुनसानुजकेपि
खमोदभरीजननीगललाए पुनहैअवनीपनपाल
खिनीमिलसानुजसीयमहाहरषाए रघुनंदनकेपद
कंजनमोवपुब्रह्मजिसेनिगमागमगाए ६० नख
कोटिशशीसमउज्जलताघनकोटिजिसेननकीछब
छाई रविकोटिप्रभाननतेजजिसेमुखकोटिअनंग
गिरासुनिगाई बलमारुतकोटिखिमाधरणीसम

ब्यो मनिसेननव्यापकनाई रघुनंदनकेपदकंजन
मोगुणकोटिजिसेवरनेकविराई ९१ सो॰ रघुवरचरन
अपारकोकविकरेविचारनहि निगमनपावतपारथ
कनसारदाशेशजहि ९२ दो॰ योगयज्ञध्यानकोटिगज
कामधेनुधनथान अष्टसिद्धिनवनिद्धिफलअवनिअ
खिलगोदान ९३ श्रीगुरुमुखनेश्रवणकर करनश्रोत्र
पुटध्यान बालचरनरघुबीरफलहेतुमोक्तनिरबान ९४
श्रीमनसाधूरामवरउदासीनकृतजान श्रीरघुनंदन
गीतइतिजासश्रवणभवहान ९५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार नाम
महानमहरीहरकथनकरोंश्रुतिसार १ धरमअरथ
जनकामप्रदमोक्तपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञान
प्रदगुन्यअखिलअघहार २ ध्यानमधूप्रहिलादध्रुव
शुकसनकादकजोइ शेशशारदावरुणयममनूम-
रुनहुनसोइ ३ श्रीनानकस्वरअग्रवरगुरुव्यासगण-
पतीजान नारदभीशमजनकमुनियाज्ञवल्कहरि
जान ४ कविकोविदयतिमरुतगणपरमहंसमनल-
इ निगमागमनिजहरीहरनाममहानमगाइ ५
नाममहानमगगनसमनिजमतिमसकसमान पार
नपावेगरुड़जहि निगमसारदाजान ६ तथापिनिज
संखेपकरिकहोंयथामतिजोइ श्रीसदगुरुपदहरहरी

r1. नमोजोरकरहोइ ७ नाममहानमशेशलखजप-
तनामजगदीश जिमगजिंद्रसिरहमनतिमधरी
धरणिनिजसीस ८ श्रानमभूश्रीशेशयमश्रगनीश्र
निलजलेश भएपूज्यहरिनामजपगणपतिश्रमर
महेश ९ इंद्रचंद्ररविमरुतगणश्रीगुरुभगतधने-
श भएपूज्यहरश्रसुरगुरुसनकादकश्रखलेश १०
ग्राहिग्रस्तगजराजउरहरीनामनहिलीन हरीनाम
सुणगरुड़नजधाइत्रागगजकीन ११ दुष्टदुशासन
सभागतहरतचीरसमुदाइ जप्योद्रोपदीनामहरि
भएचीरश्रधिकाइ १२ श्रानमभूभवहेतश्रीविष्णु
नामउरधार भवनचतुरदशसृजतनिजनामरूपसं
सार १३ विष्णुनामषटमासधुवजप्योजानश्रियहे-
त श्रीविशनूवारहेननिजप्रगटभएधवसेत १४
रामनामनिजश्रजामिलपुत्रहेतजहिलीन श्राइधाइ
गहिहनेयमहरीपारषदबीन १५ हरीभगतप्रहि-
लादप्रतिपिताञासजबदीन धारविशनुनरसिंघवपु
नासञासकरलीन १६ रामनामपरतापभवकारन
जगतलयजान कालकूटसममखधाकेकरीनासपुन
पान १७ रामनामश्रंकतसिलाभईसेतमैजोइ राम
श्रनुजसहिकपीदलसिंधुपारभैसोइ १८ बालतन-
यतनपवनसुतरामनामउरधार सभानिसाचरशेष
पगकरीलंकनहिञार १९ विश्वामित्रबसिष्ठसनह-

ननकरेशतचीन रामनामपरतापकर अघसपरशा
नहिकीन २० सत्यनाममहमंत्रगुरुनिगमजातपर
संस जगनकारणाज्ञाननतमनहिध्वंसकसमहंस २१
सत्यनामगुरुमंत्रनिजश्रगरकीनप्रियहेतु मोहनि-
मरभवजलधिमोहंसतरणिसमसेतु २२ सत्यनाम
गुरुमंत्रवरपरमहंसभवपार गोपदसमभवसिंधुल
खबिनश्रयासमयकार २३ सत्यनामनिजमंत्रजनम
वधारतमतिवान बुधनिविरतीमोक्षप्रदकीनोवेदविधा
न २४ सत्यनामखिणएकै करतजापप्रियजान ब्रह्मलोक
शतकल्पफलभुगतिभोगनिरबानु २५ टी० ब्रह्मके
सत्यनाममहामंत्रकेउपासकोकेताई दिनदिनविषे
ब्रह्मलोककीप्राप्तीहोवेहै तिसमोंछांदोगश्रुतिप्रमा-
ण तस्यसत्यमितिनामसतीयमितिश्चहरहस्लेब्रह्म
लोकंगछंतियएवमुपासते दो० भगतविभीषण
भीलनीकाकभसुंडकपीस बालमीकगुहमरुतसुत
नरेनामनगरीश २६ शेशसहस्रकीनमुखहरीना
महितलाइ एकएकमुखनयनिजनामसहस्ररगाइ २७
गुरुश्राब्रह्मणगोबालहामाननतानिजप्राण मद्यमांस
खलयूनप्रियबारबधूहतमान २८ हेमचोरगुरुतल
पगाविषैश्रगनिलगाइ कूडगिरालोश्रखिलअघ
नामहरीमिटजाइ २९ योगयज्ञसनकोटिगजका-
मधेनुधनधान अष्टसिद्धिनवनिद्धिफलश्रवनिश्र-

खिलगोदान ३० पारसचिंतामणिव्रतप्राणदान ३-
शनान विद्यादीहरिनामकीकलासोलवीजान ३१
श्रीसतगुरुतेश्रवणकरकरनश्रोत्रपुटपान श्रद्धाभ-
गतीप्रेमयुतहरीनामप्रियजान ३२ दसोदोशतेरहित
हैजपतनामजनजोइ वसीभूतकरपादमनतासउ-
कतफलहोइ ३३ श्लो० हरेर्नामेति नाम्ने तिदुष्ट
चित्तैरपिस्मृत: जलंभित्वायथापद्मेनकोदुद्धा
रयेत्तथा प्रमाण श्रिवेतिमंगलंनामयस्यवाचाप्रव-
र्तते भस्मीभवंतितस्याशुमहापातककोटय: ३५
श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकृतजान वाकसुधाकर
सरगइतितैविंशतिपहिचान ३६ ॥ २३

ॐश्रीगणेशायनम: श्रीगुरुभ्योनम:

दो० श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकउदार श्री
यदुनंदनगीतनिजकथनकरौंश्रुतिसार १ परमप्र-
यजनकामप्रदमोतपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञान
प्रदगुनत्रयखिलत्रयहार २ सो० ब्रह्मसगुणवपुधा-
रप्रगटभएपरमनुजतन श्रीयदुवरअवतारश्रीमथु
पुरिवसुदेवग्रहि ३ उदेचंद्रबुधवारकृष्णअष्टमीअ-
रधनिस परमज्ञानश्रुतिसाररोहिणिनक्षत्रभादपद ४
दो० निशकलंकश्रुतिवदनजहिकामकोटिअभिराम
श्रीयदुवरपदपदमप्रतिनमोकोटिघनशाम ५ खे०
परबाहुजनृपनिशाचरजोभवकोटमकोटिमएअभि-

मानी पिखअतरअलखअगोचरजोतिनभारभरीधर-
णीअकुलानी धरमानवरूपअनाहतजोब्रजभूमि
विषेप्रगटेसुखखानी यदुनंदनकेपदकंजनमोदरच
क्रसरोजगदाजिनपानी ६ पिखमानपिनाकरुणा-
निधिकोसुनमोदभरेअसवैनअलाए क्रनपुन्यफले
हमरेसगरेअजरूपजिसेहमऐग्रहिजाए अजशेशम-
हेशसुरेशजिसेगुणसारसुनीनिगमागमगाए यदुनं
दनकेपदकंजनमोइकरूपजिसेश्रुतिपारनपाए ७ सो
करीअयुतनगोदानमनकरश्रीवसुदेवनव अन्नवसन
जलयानहेमरतनधनधामबहु ८ सै॰ सुरवंदतवृंद
नवृंदजिसेनभफूलनकी बरषाबरषावें घनशामघ
टाउमगीनभमोंगरजेंघनमोबिजलीचमकावें निसशा
मविषेबिजनाचमकेंघनवृंदनिशाबरषाबरषावें यदु
नंदनकेपदकंजनमोघनशामवपूजिसआगमगावें ९
सुनपेखसुलेदरबंधकटेपगदौरपनीदरहीहगआए
नबलैकरुणानिधिकोकरमोवसुदेवचलेयमुनातट
आए नरहंससुतापुरगोकुलमोअहिनंदविषेघनसम-
मपुजाए यदुनंदनकेपदकंजनमोपुरगोकुलश्रीयुत
जोप्रगटाए १० सो॰ जबमथुरापुरआइनंदसुतावसुदे
वगहि भिरेद्वारसमुदाइसुतारुदनसुणजेगंजन ११
सैया गहिकंससुतापटकीजबहीकुटदेवगिरानभमो
प्रगटाई सुणकंसडुरानमश्रीपनसेनवकालभए

जगजोसुखदाई सुगणकंसनिसाचरवृंदघटेसुत
जोजनम्यो सुहनोंजगजाई यदुनंदनकेपदकंजन
मोनिरद्वंदजिसेवपुद्वैतनराई १२ घनश्यामवपूसुत
पेखमनोहरनंदनयाजसुथाविगसाई गणगोपव
धूसुगणगोपसुतामनमोदभरीजसुथाग्रहिआई पि
खरूपमनोहरभूलगईसुधचित्रलिखीजिमदेनदि-
खाई यदुनंदनकेपदकंजनमोसमव्योमजिसेवपु
व्यापकताई १३ सो० धेनुअयुतधनधामनंदमहि-
रकरदाननव अन्नवसनअभिरामदेतद्विजनसन
मानकर १४ सै० विषपानपयोधरप्राणनिसाचरि
मोखकरीसकटाउलटाया हनदैनतृणाव्रतसेजन
नीअतिविश्वव्रमुखमोदिखराया दधिभाजनफो-
रभगेजननीगहिऊखरबांधदमोदरपाया यदुनंदन
केपदकंजनमोनलकूबरमोक्षवकासुरघाया १५
पिखमानपिताभिलगोपवधूगणमोदभरेजिनगोर
खिलावें सुतगोपसुतामिलखेलनकोगहिगोपव-
धूजहिनाचनचावें नवनीतदधीग्रहिगोपनकेयस
लाइखलाइसखाहरषावें यदुनंदनकेपदकंजनमो
वपुब्रह्मजिसेश्रुतिपारनपावें १६ सो० नामकरणकु
लरीतकरतभए द्विजगरगतहि जहिवपुत्रिगुणअती
त नेतिनेतिश्रुतिवरनतजहि १७ सै० अजशेषमहेश
भमें जिनकोंमनअत्तअगोचरध्याननआवें मुनिवेद

नहूंद जिसे मिलबे हित साधन साध समाध लगावें हृ
ग गोचर है विचरैं ब्रज मों मिल गोपसखा पुर गोकुल
पावें यदुनंदन के पदकंजन मो श्रुति सारसुती जिस गु-
नन पावें १८ पगनूपर ने वर कंज प्रभा घनशाम वपू
अलकौं अति कारी कटि पीत पितांबर नीलमणी तन
भूर भुजौ मुरली कर धारी गज मोतन हार मणी मुकटं
गर श्रोणन बेसर श्री छबवारी मकराकृत कुंडल सो-
भ मुखांबुज वारज नैनन मो असुरारी १९ सो. यदुवर
रूप निहार काम कोटि शत शशी सम गोकुल पुर नर
नारि भए मुदत मन गोपगण २० सै. वन सासुरजौं
हि प्रलंब हन्यो बन पान करी अगनी मथ काली हनदैत
अघासुर धार गिरी बृषु लाइ बली यग की बल शाली
मघ को पसुरिंद करी बरषा गज तूंड यथा अति मारुत
वाली यदुनंदन के पदकंजन मो जिन धार गिरी कर-
मो ब्रजपाली २१ निसचंद्र उदे यमुना तट मो मुरली ज-
बही घनश्याम बजाई मुरली धुन को सुण गोपवधू ग-
ण मोद भरी यमुना तट आई मनमोहिन मोहिली अ-
बला मन भूल गई कुललाज लकाई यदुनंदन के प-
दकंजन मो जिन काम कला ब्रज मो प्रगटाई २२ सो.
भूमी सुभग निहार श्री वृंदाबन यदूवर रचीरास निरधा
र छंद छंद जहि धुव तिहरि २३ सै. पगनूपर ने वर गी-
त धुनी मदु बेण बजे नव बजे सुर बदाई सुरमाल मनोहर

बीनधुनीसुभनौबनधारबजीसरनाई सुभशेखन
कीधुनिघंटनकीमरदंगधुनीहरहीनभछाई यदुनं-
दनकेपदकंजनमोधरशेशवधूजिनगोइउढाई २४
सरकिन्नरयत्तभुजंगवधूगणमोदभरीब्रजमेंउलखा-
ई धरमानविरूपललनाडुमज्यौंयदुनंदनकेननमेंल-
पुटाई मिलदंपतिमोदभरेनिरभैनिसकेलकरैंजुबधू
सुखसाई यदुनंदनकेपदकंजनमोनिरलेपजिसेनन
शोकनराई २५ सो॰ पेखिरूपघनशाम भूलगईसेखख-
वरपर नैनैंनानथनथाम त्यागमगनभैसुवतिगण २६
से॰ यतकिन्नरभूनभुजंगसुरासुरसेंदनसेंदरहे नभ
छाए नजदेववधूधरगोपवधूननकेचिनबीचमिले
तिनआए यसयोगवधूनसरूपभएपिरवकामजिसे
शानकोसिलजाए यदुनंदनकेपदकंजनमो निरवद्य
वधूजिसआगमगाए २७ घनपीनपयोधरवामउरूगज
गामनिकोटनकोटमहाई खगचारसुपाइनअंगजि-
नाधुशपंफलचारवधूछबछाई वखभानसुताब्रजनं-
दनकीछबपेखभलीब्रजकीचतराई यदुनंदनकेपद
कंजनमोवपुबोधजिसेभगनोसुखदाई २८ सो॰ गो-
सुनगोपसुरारआनमभूलैशकनिकर लीनेसुरनब-
नाइ निजमायाकरकृष्णनब २९ से॰ मगगोपवधू
मटकीपरकी नवनीतदधीजुसखामिलखाए ब्रजकं-
जनमोविचरैंनिरभैजिसरूपअनावृतवेदभलाए मिल

गोपननैंइगडोलनजोबनश्रीयमुनातटबेणुबजा-
ए यदुनंदनकेपदकंजनमोजिनगोपसुनामनचोर
कराए १० जिननागफणोंपरनृत्यकरीततथैततथै
ततथैततथैया धरनूपबहूसुरहेतछल्योबलिगोप
सखामिलधेनुचरैया धरगोपवधूविधिरेब्रजमोपर
तापरजोजिसभैणनभैया यदुनंदनकेपदकंजनमो
अजनूपअजैजिसनातनमैया ११ सो० कंसदुरातम
दीन नंदमहिरसुतकालनिज मल्लअखाड़ाकीमरा-
मकुशनहतनहैनखल १२ सै० रथलैपुरगोकलको
गमनेजबकंसपठेअकरूरउदारे नरहंससुतापुरगो-
कलमोयदुनंदनकेपदकंजनिहारे मनमोदभरेश्व-
सवाकभनेयगभूमिपिरेविघनशममुरारे यदुनंदन
केपदकंजनमोमधुकैटभहाजिनवेदउधारे १३ पित
याइसपाइचढ़ेरथमोबलरूपअपारजिन्हूखलमारे
तजगोकलशामचलेमथुराहतकंसदुरातमहेतउदा-
रे सुणगोपवधूगणघेरखड़ीरथपूरशशीनभज्योंप
रवारे यदुनंदनकेपदकंजनमोजिनरूपअपारगिरा
श्रुतिधारे १४ सो० ज्योंमणिफणीगवाइ शोकयुगत
तिमगोपिगण रहीचरणलपटाइ अश्वासनकरचले
पर १५ सै० हगदूरगएघनशामजबीनवभूमिगिरी
द्रुमज्योंनभनारे सुपनाहिरहीनमकीध्रुवतीगणधार
लज्योंनभकंजठकारे यमुनातटकेबनगोपवधूगणमनीर

चलेहगज्योंपरनारे यदुनंदनकेपदकंजनमोंजिसना-
महरीगजपापविदारे ३६ नरसैंतड़फेंघनश्यामविना
जलचातकज्योंमछलीदुखिधारी अबमोहिमईमदगयु
वनीगणगोकलहोइरहीमनवारी पुरगोकलकीछ-
बिनाहिरहीघनश्यामविनाजलज्योंफुलवारी यदुनं
दनकेपदकंजनमोमथुरापुरकीजिनभूमनिहारी ३७
सो॰ जिमसरनाबिननीरक्षीरप्राणबिनशशीजिसयु-
वतिपीयबिनचीरतिमगोकलघनस्यामबिन ३८ सै॰
यमुनाजलमोंहितमज्जनकेदुबकीजबहीअकरूरल-
गाई घनशामपिखेजलमोंथलमोंमनचक्रतहोइ
गहीसरणाई चडस्पंदनजाइपुजेमथुरापुराणकोदि
जिनावलरूपभलाई यदुनंदनकेपदकंजनमोंरसचा
खुरीजिनकीरतछाई ३९ मिलबीरउभेपुरमाहिय
सेबलदेवनथाघनशाममुरारी पटसोंकटखेंचक
सेनटज्योंमगराजयथाभगतोंअनुसारी भटभूर
जहांगजहैरथहैंदरतोरणछंदध्वजोंफुलवारी यदु
नंदनकेपदकंजनमोंसमव्यापकरूपजिमेअविका-
री ४० सो॰ निशकलरूपअपाररामकृष्णवसुदेवसु
त अदभुतरूपनिहारमुदितभएमथुरीजन ४१
सै॰ अतिपावनरूपपुरीयमुनानटपेसबजिसेअयपहूं
समहानी असदियपुरीयुतश्रीमथुरागतकंसदुरा-
नमकीरजधानी परवाहुजरूपनिशाचरजोतहिको-

तिनकोदिवसेंअघघानी यदुनंदनकेपदकंजनमों
घगभूपिघसेजिनकोसदबानी ४२ पिखमातपिता
सनगोपसखायुवतीगणजोवपुकोमनिहारें सुर
ईशनिशाचरकालपिखेंजनगोपननैंमुनिब्रह्मवि-
चारें जननतत्त्वनिजातमरूपपिखेंलखइष्टउपासक
कोउरधारें यदुनंदनकेपदकंजनमोंजिसरूपचराच-
रवेदप्रकारें ४३ सो· उजोमेवसवारचढ़ेकंसनहि
खड़गगहि देखेकृशानमुरारकालरूपनिजआरमहा ४४
सवैया भटभूरभिरेंरजनीचरजोदरवृंदनवृंदखरेरख-
वारे कुवलेहतमुष्टचंडूरहनेंजिनकेसनतेगहिकंस
पछारे बिनआयुधवीरभिरेंरणमेंमृगराजयथा
रजनीचरमारे यदुनंदनकेपदकंजनमोंजगअंतर
जोसमप्रेरकसारे ४५ हनमातुलकेसदुरातमकोमि
लभ्रातउभेयसुनानटआए करमज्जनहंससुनाजल-
मोंमिलमातपिताजिनकोहरषाए घनओरखड़ेसु
रवृंदपिखेंनभजेजगदीशगिरासुखगाए यदुनंदन
केपदकंजनमोंध्रुवरूपजिसेजननीबिनजाए ४६
सो· निशकलंकनिरवासनेनिनेनिश्रुतिवदनजहि
स्वप्रकाशसुखरासवासदेववसुदेवसुत ४७ सवैया
सदसंविदशुद्धसनाननजोसमफैलरहीनभज्योंजग
सारे नभमारुतपावकनीररवितीरचभूतचराचरजोप्र-
तिपारे जगकिंचिननाहिनभिन्नजिसेहगसूरशशीश्रुति

४४० पुंजउचारे यदुनंदनकेपदकंजनमोहृगसीसअनंत
जिसेमुखधारे ४८ मथुरापुरमेंविचरेंकरुणानिधि
माइकथारवहूअविनासी जिसरूपनरेखनरंगकछू
तिसरूपधरेंब्रजभूमिनिवासी अतिपावनबालच-
रित्रमन्योंप्रदर्शननिजानमजोसुखरासी यदुनंदन
केपदकंजनमोसरहूंदमजेंजिनकोबनबासी ४९
श्रीगुरुमुखनेश्रवणकर करनयोत्रपुटपान पांचभू
ततनत्यागहूंब्रह्मरूपनिरबान ५० श्रीमनसाधूराम
वरउदासीनकुलजान श्रीयदुनंदनगीनइतिहेतुमोक्ष
भवहान ५१

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो० श्रीसत
गुरुपदहृरहृदीजननीजनकउहार श्रीगंगाअस्तोत्र
शुभकथनकरोंश्रुतिसार १ धरमअरथजनकामअ
रमोक्षपदारथचार भगतिज्ञानविज्ञानप्रदपुन्यअखि
लअघहार २ शिष्यनउदरपरमेंदथीबोधरहितजन
जान नासमोक्षहितनाहूदीसाधनअगमविधान ३
भूपसगरसुतनभसमजिमनासअधेयकरजान श्रीगंगा
आगमनफलअधुनाकरोंविधान ४ भूपसगरअश्व
मेध्यहैहरयोइंद्रपहिचान श्रीकपलाश्रमबांधहैसुर
प्रगयोमहान ५ भूपसगरसुतनअयहिमभ्रमतद
सोदिशजान कपलाश्रमहै हेरकरकीनोपावदम-
हान ८ साठसहस्रसगरसुतनधीरभूरबलवान क

 ४४१

पलकोधकिरसाणकरभयेभसमपहिचान ७ तास
श्रेयहितगंगलखभागीरथनकीन श्रीस्नानमभमु-
दनहैश्रीगंगावरदीन ८ श्रीगंगाश्रागैनगणब्रह्म
लोकनेजान भवनचतुरदशमदनभै हेतुमोतपहि-
चान ९ पूज्यभवनदसचतुरकर चेंद्रचूडसिरवासमु
नीवृंदसुरवृंदकरशोभनीयनटजास १० गिरीमेरु
गिरशिखरपरभईचतुरविचजान मेरुचतुरदिशिख
रनिधिमिलीभूमिपरश्रान ११ भारतभूमिपुनीनक-
रमहिमाजासमहान मिलीसिंधुमोजाइजनसगर
ननैंकरत्रान १२ पापपुंजभयभीतभवगंगप्रगटभे
जान डुरेकपटछलयूनजहिबारबधूसयान १३
कामक्रोधमदलोभयुनमद्यमांसप्रियजास वेदविरो
धीमूढधीनिरदैहृदेनिवास १४ श्रुतनाईकृनघनज-
न हिंसकरहितअचार चोरचुगलउरगारबजहिमिथ्या
गिरागबार १५ स्नानमवेमुखदेंभजुनमनसरदुरमनि
जास धरमरहितमोहुभरमजहिमनमतिहृदेनिवास १६
विशनुनामसमनामजहि विशनुध्यानसमध्यान विशनु
दरशसमदरशजहिसुधापानसमपान १७ निगमधुनी
समधुनीजहि विशनुरूपसमरूप शेशसारदानिगमज
हि महिमाभननअनूप १८ श्रीगंगेनवनामनेकोटि
गुणाफलध्यान ध्यानकोटिनवदरसफल दरसकोटि
फलपान १९ पानकोटिइशनानफलभोगमोतनिर-

२२२

बान श्रीगंगातटवासफलकोकबिकरे विधान २०
करतअखिलसुरवासजहिंनीरयअखिलसरूप शेश
सारदानिगमजहिंमहिमाभनतअनूप २१ शीतलम-
धुरसुगंधियुतअतिपावनजहिनीर परमहंसमुनिग-
णंकरशोभनीयजहिंतीर २२ बंधनिविरतीमोक्ष
फलहरतजनमयमत्रास श्रीगंगातनत्यागहै विश-
नुरूपनिरवास २३ निरभयविचरतनारिनरमरणमु
कतिपहिचान श्रीमतसाधूकरश्रीगंगाइशनान २४
नमोत्रिपथगेगमनतवतीनलोकप्रियहेतु ब्रह्मस-
चिदानंदनिजद्रवीभूतभवसेतु २५ जयगंगेभागीर
थीभोगवतीअभिराम विशनुपदीमंदाकिनीनमो
हेसुखधाम २६ जयसुरसरितसुरनिम्नगासीतासु-
धात्स्वरूप दिव्यधुनीश्रीजाह्नवीनमोत्राणभवकूप २७
जयभीशमप्रियपावनीजहिंभवसीसनिवास देवन-
दीगंगोत्तरीनमोविमलपदजास २८ अमतिभसम
ननजासनरपरतगंगजलमोंहि कलपकोटिशनवि-
ष्णुपुररमैंदिव्यसुखतांहि २९ सवैया भवभानप्रभु
सुरवृंदभजैंजिसमौलशशीसिरमोंअवधारे यमयत्न
यतीवरवृंदभजैंजिससिध्यशशीसनकादककारे नर
किन्नरभूपभुजंगभजैंध्रुवधूरजटीकविकोविदसारे
जिसशेशमहेशसुरेशभजैंमनवासकरोअससंगंगाकना-
रे ३० जहिपावनशीतलस्वच्छमधूजलपानकरेभव

सागरनारे जहिसीतलमंदसमीरचलेफलमूलअहा
रमधूरसवारे अघओघमिटेंजिसकेदरसेपरसेजिस-
केफलउन्यअपारे असदेवनदीतटवासकरोमनशे
शजिसेस्रुतिपुंजउचारे ३१ तजराजसमाजविभूत
महीपनवासकरैंजिसगंगकनारें करमज्जनदेवन-
दीजलमोंहिमसैलसिलापदमासनधारें हगमीलन
ध्यानपरायणजोसमसांतरआनमनतनिहारें कर
पादमनोवसशांतहृदेनिशकामसदाजनसंमनिवा-
रें ३२ तजमातपितायनधामसखासुतवासकरें
जिसगंगकनारें निशकिंचनहारविहारगिरामित
आनमतनअसंगनिहारें निरवेदविचारविवेकथरें
उरधीरजदीनगिरानउचारें असदेवनदीतटवास
करोमनत्यागजहांतनफेरनधारें ३३ हरहैअघबृंद
नबृंदजहांजलजानकवीकदलीबरहैं बरहैंसरता
सरबृंदजहांसुचसैलसिलाकरनेकरहैं करहैंफल
पारपबृंदजहांसुनिवेदधुनीनपकोकरहैं करहैंख-
गबृंदनबृंदजहांकलगीतधुनीमनकोहरहैं ३४ दो-
असगंगातटसधीजनकरेंसरबदावास जासनीरत-
नत्यागसनपरेनयमकीफास ३५ प्रमाण गंगेगंगे
तियोब्रूयाद्योजनानांशतैरपि मुच्यतेसर्वपापेभ्यो
विष्णुलोकंसगच्छति ३६ श्रीसतगुरुनेअवणाका-
रकरनश्रोत्रपुटपान पांचभूततनत्यागहूविष्णुरूप

२२८ भवहान ३७ श्रीमनसाधूरामवर उदासीनहृनज्ञा-
न श्रीगंगाश्रस्तोत्रइतिहैत्वमोक्षनिरबान ३८ ॥
अथचौरासीसिद्धोंकाप्रतिपादन भंगर ऊंगर खिं-
चड़ा संघरस्तरविधान ईशरपरबत भरथरी सैन हनी-
फाजान ३९ हाजीरतनसुजालकाश्रोघड़ ऊरमजान
राऊ लरीपा भूतवेकेसकरणप्रतिपान ४० धूरमज्यो-
तीमगनगुन केवलकरमीजान विमलजोतसमरस्थ
गुननिरतिकनिंगरमान ४१ शीतलगिरवरबिमल
गुन शंभकनीफाजान चतुरवैनगिरबोधगुनसूरसैन
पहिचान ४२ सकनीसरगिरपलकनिधिकेवलकर
णपछान कलाबिलासीसरस्वती तुलसादरसनजा-
न ४३ गोवरधनकालिंदगुन चरणजोतपहिचान प-
लकरामकौमारगुनमीरहूसैनीजान ४४ मगनधार
गंधारगुनसंभालकपहिचान कनकाकृशनकुमार
गुनक्रमनाशीकल्यान ४५ योगपविर्त्रसिलसिलागोन
गुफालाजान मरमीसिद्धनसंकगुन इकरंगीपहिचान ४६
तुरततरंगीअखरनिधि ब्रह्मभुगतपहिचान योगअनू-
पीबिशनपरि अथरूपीकलकान ४७ ब्रह्मबिहंगमब्र-
ह्मरति ब्रह्मयुगतिपहिचान सालकयोगबचित्रगुनमी-
रजजीलीजान ४८ मूलमंत्रिसंपूरणगुनब्रतधारीके-
दार मगलयोगगुनयोगभूगगुफावासिनिरधार ४९
सिद्धचुरासीनामइति। दो॰ श्रीमनसापूरामवरउदा

सीनकृतजान वाकसुधाकरसरग इति चतुरविंशती-
गान ९ ॥ ९०१ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसतगुरुपदहृदहरी जननीजनकउहार श्रीना-
नकगुरुगीतशुभकथनकरोंश्रुतिसार १ परमअरथ
जनकामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रद
अन्यअखिलअघहार २ श्रीनानकअंगदगुरू अमरदा-
सअमलकाम रामदासअरजनगुरु हरिगुविंदगुणधा-
म ३ हरीराइहरिकृशनगुरु तेगबहादरमान गुविं-
दसिंघगुरुसरबअति नमोहेतुप्रियजान ४ नेतिनेति
श्रुतिवदनजहि ब्रह्मसगुणवपुधार प्रगटभयपरम-
नजतनश्रीनानकअवतार ५ श्रीनारदसंवादअज
गाथापरमअनूप भाविष्यतपोरानगनकीनीव्यास-
निरूप ६ श्रीनारदअजपितापतिपूछ्योनअसभाइ
कलीकालजनश्रेयहित भगवनकवनउपाय ७ श्री
ब्रह्मोवाच भोनारदजनश्रेयहितजैसेपूछ्योतोहि श्री
विशनूपतिजोरकरतैसेपूछ्योमोहि ८ जोतहिउत्तर
दीनमुहि श्रीमुखश्रीभगवान सोईसुनावोंतातनहि
जगतश्रेयहितजान ९ श्रीभगवानउवाच श्रीनान-
कनिजरूपशुभप्रगटकरेंश्रुतिसार परमज्ञानजन
श्रेयहितकलीआदनिरधार १० भारतभूपंजाबगत
तलवंडीपरनाम अनकशकतियुतनमतजनबकरों

प्रगटगुणधाम ११ श्रीतृपताकल्याणराजननीजन-
कसकेत हंसवंसकुलवेदिगतप्रगटेजनप्रियहेत १२
एकमुहूरतसरद्धनिशापरयोगगुरुवार कारतपुन्यासु-
भगदिनसिंघलगननिरधार १३ पंद्रासैछबीसशुभ
संवतसरनिरधार गुरुनानकअसनामधरविचरैं
भूमिमझार १४ भगतिब्रह्मविज्ञाननिजनामकरमनि-
शकाम इसविधजनउपदेशकर देउमुकतिनिजधा-
म १५ कविरुवाच सो॰ हेमरतनधनधाम दीयेद्विजन
सनमानकर अन्नवसनअभिरामधेनुधरणिबहुदान
कर १६ पणवगोमुखीजानभेरीशंखमृदंगमृदु मंगल
ध्वनीमहानभयोनगरउतसाहअति १७ मंगलगीत
उचारसालंकृतमिलयुवतिगण सुंदररूपउदारपू-
रणश्रीगुणगुणोंकर १८ जैजैगिराउचारसुमनवृष्टि
नभकरनसुर नमोहरणभवभारवेदिवंसअवतार
जहि १९ स्वप्रकाशनिरमाइदिक्कालादिप्रछेदबिन
जननीगोदसुहाइनिरविकारनिरविशेचिद २० दो॰
यौलधामपुररम्यजहिंश्रीनानकप्रगटाइ भूरभवन
बनबागफलमधुरसुभगघनछाइ २१ अतिपावन
सगमालजहिंसरनासुभगसुहाइ कविकोविदमुनि
वेदजहिंनिगमधनीद्विजगाइ २२ नामकरणउपवीतक-
नवेदउकतपहिचान करतभएहरिया लद्विजकुल
भीहितविद्वान २३ वेदउपवेदविदांगवर परमनिआइपो-

रान पठनकरेब्याकरणयुत स्वलपकालप्रस्थान २४
भुगतिमुकतिकरनलजिसेकरामलकवतग्यान श्री
नानकपदपदमप्रतिनमोब्रह्ममयजान २५ विशनुद-
रशभैचाहिजहिकीनोनदीप्रवेश गपतीरनिधिवरुण
युत दरशनकीनसुरेश २६ नमसकारअष्टांगयुत
भेटबिबिधपरकार श्रीभगवदपदपदमप्रति श्रीगु-
रुकीनजुहार २७ दिककालादिप्रछेदबिन निशप्रपंचनि-
रमाइ जयतिजयतिजगदीशनव स्वप्रकाशसुखदाइ २८
छै· ज्यजगदीशयतीजगदातमज्यजगर्थनरयतप्रि-
आसी ज्यजगकारणयतपतीयुगज्यजगभासकयत
निवासी ज्यजगरंजनयतवपुयुगज्यजगप्रेरकयत
प्रकासी ज्यजगआदयुगिंद्रवपूनव्यजगपालयतीब-
नवासी २९ चौ· अजरअमर अतरअविनासी अ-
चलअमल अच्युत सुखरासी अनुभवरूपअनाहत
स्वामी नमोविशनुगुरुअंतरजामी ३० निरविकलप
निरगुणनिरवासी निशकलंकनिजरूपप्रकासी म-
नगोगिराअगोचरस्वामी नमोविशनुगुरुअंतरजा-
मी ३१ निरविशेशनिरज्वरनिरमाइक निजानंदनि-
रभयसुखदाइक सरबातमसरबांतरस्वामी नमोवि-
शनुगुरुअंतरजामी ३२ नेतिनेतिकरजहिंस्रुतिगावे
अमारकजहिपारनपावें शुद्धशांतशिवअद्वैस्वामी
नमोविशनुगुरुअंतरजामी ३३ भेदत्रिविधपरिछेद
नजामें अजानसहितनजगकल्पनजामें सारवरूपनग

प्रेरकस्वामी नमोविशनुगुरुअंतरजामी ३४ नाम
रूपतनजांहिअपारे सीसअनंतजासमुखधारे सत्यं
ज्ञानमनंतस्वामी नमोविशनुगुरुअंतरजामी ३५ दो.
असतुकरीअनेकविधनमसकारहितलाइ भएसुदि
तश्रीविशनु नवलीनोकंठलगाइ ३६ मिलेपरसपर
विशनुगुरुद्वितीआभावमिटाइ भईएकतानीरजिम
खीरखीरमिलजाइ ३७ सत्यनाममहामंत्रवरकीनो
नवउपदेश जगतउधारणहेतनिजआज्ञादईसुरेश ३८
अलपकालतहिंवासकरउदासीनपरवेश बिचरत
भएनिकेततज कलिजनहरनकलेश ३९ पांचमहीनें
सपतदिनसत्तरबरसबिताइ श्रीनानकभूलोकतजज्यो
तीजोतसमाइ ४० अस्वनकृशनायततनटपैरावतीम-
हान तिथीदशमिकरतारपुर भूमिविमलपहिचान ४१
सत्यंज्ञानमनंतवपु निगमजासपरसंस श्रीनानकप-
दपदमप्रति नमोवेदिअवतंस ४२ कवित्त चेतनआ
नंदघनत्रिगुणअतीतसमसवप्रकाशरूपमुनिध्यान
जोंधरतहैं व्यापकसरूपनिगमागमपुराणजोंहिसार-
दासुरेशगुणकोविदरतहैं करतजुहारमनमघवा
महेशसुरमाहनमहीपजोंहियमसेडरतहैं असब्रह्म
रूपगुरु नानकपदारविंदमनवचकाइकविंदना
करतहैं ४३ जासभासभासकरकरतप्रकाशभवभू-
तननिवासजासनिगमररतहैं पूरणपुराणपरप्रेरक

पुनीतपरब्रह्मस्वरूपपरध्यानजौधरतनहैं निरगु
णरूपहस्वसगुणस्वरूपपरजासुपादपोतभव
वारथनरतनहैं असब्रह्मरूपगुरुनानकपदारबिंद
मनवचकाइकबिंदनाकरतनहैं ४४ छीरनिधि
शेशसेजसंततनिवासजासुहकरस्वरूपधरधरणि
धरतनहैं निरज्वररूपनिरवासनास्वरूपधररूरमल
रूपनिधिछीरमोचरतनहैं निशकलरूपनिशकामना
अरूपहरसुधिजनजांहिनामनिगमररतनहैं अस
ब्रह्मरूपगुरुनानकपदारबिंदमनवचकाइकबि-
बंदनाकरतनहैं ४५ अजरअमरअजनिरवदरूप
जांहिहंसअवतारधारभ्रमकोहरतनहैं भेदनअभे
दजांहि रूपरंगरेखनाहिस्वासभूतवेदजांहिसा-
मगाररतनहैं ब्रह्मबोधरूपहतिव्यापकस्वरूपमन
वागतेअतीतरामचंद्रह्वैचरतनहैं असब्रह्मरूपगु-
रुनानकपदारबिंदमनवचकाइकबिंदनाकर
नहैं ४६ अन्नभवगुरुनिगमागमप्रमाणजांहिअ
उगनरूपनरसिंहकोधरतनहैं सीसहैंसहस्रकरण
दहैंसहस्रजांहिकृशनाअवतारमुख्यरूपह्वैचरतनहैं
अचलअनन्यजगउदतप्रकाशजांहिहरीहररूपस्तुति
छंदजांररतनहैं असब्रह्मरूपगुरुनानकपदारबिंद
मनवचकाइकबिंदनाकरतनहैं ४७ से. अजअमर

अलखअगोचरजोपरमानंदरूपपराप्रगटाए पिख
मातपिताकरुणानिधिकोसुतमोदभरेअसबैनअ-
लाए कृतपुन्यफलेहमरेसगरेसदरूपजिसेहमरेअ
हिआए गुरुनानककेपदकंजनमोशिवशेशजिसेस्तु
तिपारनपाए ४८ दो· अक्षरअजरअजन्यअजअद्वै
तरूपअपार श्रीअंगदपदपदमप्रतिनमोहेतुअनिसा
र ४९ सै· हरकोटिजिसेशशिसूरसचीपतसिद्धअरा
धरहैंरखवारे हरकोटिजिसेयमयक्षयनीवरशेशम
हेशगणेशउदार हरकोटिहुतासनमारुतकेगणगो
रखसेमहेंदजुहारे गुरुनानककेपदकंजनमोमथ
खीरनिधीजिनवेदउबारे ५० दो· निरभयरूपनिरव-
धिशिवशुद्धशांतअलकाम अमरदासपदपदमप्रति
नमोहरतदरखधाम ५१ सै· नभसीसजिसेहगसूर
ससीघनबीरजरोमजिसेद्रुमवारी अगनीमुखमारुत
स्वासजिसेकुखिसागरजाँहिनदीनननारी भुजजाँहि
हरीहरवेदगिरादिकश्रोत्रजिसेअसतीगिरधारी गुरु
नानककेपदकंजनमोजिसपाँउपतालहदामुख
चारी ५२ दो· निरविकलपनिरगुणवपूनिरविशेश
निरमाइ रामदासपदनमोजहिनेतिनेतिस्तुतिगाइ ५३
सै· ब्रह्मवहैजिनव्याप्यबिनाफलवेदप्रमाणविषेसु-
खरासी नाहिनकिंचितभिन्नजिसेजगअंतरअंतबि-
नाशअविनाशी भेदनहीनेपरिछेदबिनावपुबोधजिसे

परस्वरूपप्रकासी बंदनश्रीगुरुनानककेपदजोबिच-
रेयरमेरवउदासी ५४ दो॰ चिदानंदघनज्योतिमय
भवपालकलयहेतु श्रीअरजुनपदपदमप्रतिनमो
हेतुभवसेतु ५५ छै॰ नूतननित्यनिरंजनजोनिर
वयनिजानमस्वरूपसुहाया रूपनरेखनरंगजिसेरवि
भासकजोजननीबिनजाया शेशमहेशसुरेशपती
निरपेखिजिसेप्रनमोहुनमाया बंदनश्रीगुरुनानक
केपदरूपअसीजिनकीजगछाया ५६ दो॰ मनगो
गिराअतीतश्रुति वदतसनातनजास हरिगुबिंदप-
दपदमप्रतिनमोहेतुसुखरास ५७ छै॰ मैजिसके
शशिसूरउदेभवभानमभूप्रनमारुनथावे मैजिस
केयमयज्ञयतीवरधूरजटीअगनीनपतावे मैजि-
सकेसनकादसचीपतसारसुतीनिगमागमगावे बं-
दनश्रीगुरुनानककेपदधारहृदेनिरभैपदपावें ५८
दो॰ निशकलंकनिरज्वरवपूनिराकारनिरवास हरी
रायपदनमोसमस्वप्रकाशवपुजास ५९ छै॰ मैजि-
सकेदिगदिग्गजदानवश्रीदहिरदतदिगंबरभारेभै
जिसकेमवहंदमुनीश्वरशेशसदापरणीसिरधारे भै
जिसकेरिषिरुद्रसुरासुरकालकलीकविकोविदसा
रे बंदनश्रीगुरुनानककेपदहेसुखहूजिनवेरउधा-
रे ६० दो॰ निरविकारनिरमलवपुनिजानंदनिजधा
म हरीकृशनपदनमोवपुकामकोटिअभिराम ६१

सै॰ मदमानन मत्सर मोह जिसे सम सील सुनी
शर धा उर धारे मनकाम न क्रोध न लोभ जिसे यतने
योग यमादिक जो बिसतारे छल लाल च दंभ बिना
अघ जो करुणा मृदता सुतथा न उदारे गुरुनानक के
पदकंजन मो गुणता नगनी श्रुत वेद बिचारे ९२ दो॰
परमज्ञाण धुव धरति धर धरम सेतु बलकाम श्री
गुरुतेगबहादुर पदनमो धीर धी धाम ९३ सै॰ सदसं
बिदरूप सनातन जो सम फैल रही नभ ज्यों जगसारे
नभ मारुत पावक नीर छिती रच भूत चराचर जो श्रुति
धारे कर पाद त्वचा रसना दृग श्रौ मुख सीस अनंतन वपु
जिन धारे गुरुनानक के पदकंजन मों गुण कोटि जि
से श्रुति पुंज उचारे ९४ दो॰ पूरण परमानंद पर पावन
रूप अपार गुबिंदसिंघ पदन मो गुण अखिल जो हि
श्रुतिसार ९५ सै॰ धरभेख तपो बिचरे भव मो भवका
रण भूत चराचर तारे निशकिंचन हार बिहार जिसे श्रि
त वेद बिचार बिदे बिसतारे गुण रूप अपार बिवेक जि
से उर धीर खिमा धरणी सम धारे गुरुनानक के पद
कंजन मो जिस रूप अनंतन भनें श्रुति चारे ९६ दो॰ भुग
ति मुकति करतल जिसे करामलक वत जान श्रीना
नक पद परम श्रुति नमो ब्रह्म मै जान ९७ सै॰ पदपं-
कज कोटि अनंग जिसे तन कोटि शशी मुख की छबि बा
ई रवि कोटि प्रभा नन ने ज जिसे बल मारुत कोटि गि-

राम्रुतिगाई कविकोटिगिराकविनाजिनकीनभको
टिजिसेवगुव्यापकताई गुरुनानककेपदकंजनमो
गुणकोटिजिसेबरनेकविराई ९८ कवि॰ केशघनशा
मघुहौंभ्रंगनकिमालहूगमृगनमृनिंदप्राणमकसी
धरनहैं सुखशशिकरकंजजोभुजौंभुजंगराजकटिम
सकंधमृगराजसेधरतहैं कदलिसजंघजोहिपावन
पदारबिंदनखउडमालनगहीरनजरतहैं असश्रीगुरु
गोबिंदसिंघकेपदारबिंदमनबचकाइकविंदना
करतहैं ९९ कलगीसनारजरिहीरनजरनजिगाम-
कराअकारसुनकुंडलधरतहैं केउकडुकूलकबूय-
गिउपबीतनजौहिपादुकापवित्रपदपावनचरतहैं ही
रनजरनगजमोननकेहारकंठकनककिपूरभुजमणि
नजरतहैं असश्रीगुरुगुबिंदसिंघकेपदारविंदम-
नवचकाइकविंदनाकरतहै ७० चादनीचंदोपहेम
हीरनजरतछत्रबिंजनेविचित्रसिरचवरफिरतहैं सुख
दसुकेनगजरंननपलंघपैफेनकेसमानफूलफरस
परतहैं बाजनबजंत्रदरफूलतनिशानगजबंदिजनजे
हिगुणमाघधररनहैं असश्रीगुरुगुबिंदसिंघकेपदा
रबिंदमनवचकाइकविंदनाकरतहैं ७१ सचवउ-
दारकविकोविदअपारद्विजसेननसमाजसंगसेवकच
रनहैं रतनभंडारमणिजरनकिवारजौहिहीरनजरत
दंडदौरपधरनहैं भेटनलिवाइसिखसंगतअपाररर

करनअहारजाँहिसरनपरतहैं असश्रीगुरुगुविंदसिं
घकेपदारविंदमनवचकाइकविवंदनाकरतहैं ७२
कवनाविचारवलबीरजअपारजाँहिसामदामभेददंड
नीतिकोधरतहैं विविधप्रकाररसविजनअपारजाँहि
धरमअरथकाममोक्षमोचरतहैं सुंदरसरूपसतनचतु
रउदारजाँहिवाहिगुरुमंत्रलिखिसेवकररतहैं असश्री
गुरुगुविंदसिंघकेपदारविंदमनवचकाइकविवंदना
करतहैं ७३ पुनः अतिशमशोरकटिकरुणाकटार
जाँहिसमतासंजोइसिप्रसत्यकोधरतहैं धीरजधनुष
सुरसीलकेधरनतूणिगुणअतीनपदपावनचरत
हैं वरछीविवेकवानब्रह्मकोविचारजाहिचक्रचिदध्या
नसरवसाधनपरतहैं असश्रीगुरुगुविंदसिंघकेपदा
रविंदमनवचकाइकविवंदनाकरतहैं ७४ आतम
विचारअस्थलतणालगामजाँहिसुगतीजंजीरजीन
जमकाधरतहैं हरीहरनामकंठहीरनहमेलतंगन-
वमसिवाकमोक्षमारगचरतहैं ब्रह्मरसरतिउररतन
कावरूरतआपनीशिकारमनुमृगनहरतहैं असश्री
गुरुगुविंदसिंघकेपदारविंदमनवचकाइकविवंद-
नाकरतहैं ७५ वाजतवजंत्रमारुविविधप्रकाररणवी
रहुलासमनकाइरडरतहैं करनप्रकारयमयवनग-
निइजाँहिवाणनप्रहाररणभूमिमोपरतहैं रूपधग्र-
पारभटआवतहकारजाँहिवाणनप्रहाररणधीरन

धरनहैं अससी गुरुगुबिंदसिंघके पदारबिंदमन वचकाइकबिबंदनाकरतहैं ७६ यवनगरिंद्रयम दूतनअपारचमूखीर निधिमथअमियसकोधरतहैं चलतनिराचमानुभुजगसपक्षरगबीरनसरीरबुभि बिलमोबरतहैं उडतकबंधबिनसीसनेलरतजौंहि अपसरगणरगबीरनबरतहैं अससी गुरुगुबिंदसिंघकेपदारबिंदमनवचकाइकबिबंदनाकरनहैं ७७ तुरगअपारगजकरनचिंघारजौंहिबाणनप्रहाररण भूमिमोपरनहैं योगनीपिशाचभूतजंबुकबिनालय ल शोणनअघाइरणभूमिमोचरनहैं यवनगरिंद्रयमदूतनबिदारकरपावनसुरादपदसुनिजारनहैं अससी गुरुगुबिंदसिंघकेपदारबिंदमनवचकाइकबिबंदनाकरनहैं ७८ दो: श्रीगुरुमुखतेश्रवणकर करनश्रोत्रपुटपान पंचभूततनत्यागहैब्रह्मरूपभवहान ७९ श्रीमनसापूरामवरउदासीनकृतजान श्रीनानकश्लोत्रइतिहेतुमोक्षनिरबान ८०

ॐ श्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

श्रीसद्गुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार सिरीचंदगुरुगीतशुभकथनकरोंश्रुतिसार १ धरमअरथजनकामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मबिज्ञानप्रदपुन्यअखिलअघहार २ कवित्त उदासीनभेखभगवंनगुणजौंहिउरब्रह्मबोधयुतसदमारगचरनहैं

२३५ आसन असंगमनमुरनामृगानजौ हिजनकाजंजीर
त्रानगोदड़ीधरतहैं परनिरबाणपदपादुकापवित्र
जौ हिसत्यनाममहामंत्ररसनाररतहैं असमसदगुरु
शिरीचंद्रकेपदारबिंदमनबचकाइकबिबंदनाकरत
हैं ३ तत्वमसिमहांवाककरनउपदेशश्रुतिकुन्तनि-
शकामकरमंडलधरतहैं भगतीविभूतधूणिध्यान
कीधरनजोहि रिवमाकीखफनिमोत्तमारगचरनहैं
शरधाशनानसडसंधिआसमाधिजोहिसंतनसमा-
जनेमनामकोररतहैं असमसदगुरुशिरीचंद्रकेपदार
बिंदमनवचकाइकबिबंदनाकरतहैं ४ अनुभवआ
डूबंदकरुणाकुपीनकविभागनत्यागलत्तएणंलंगोट
कोधरतहैं चेतनस्वरूपनिजचिंतनगुणानजोहिसील
सनकादसदसंगमोचरतहैं गुरुउपदेशश्रुतश्रवण
करनश्रुतमननवसिकारस्रवमननधरतहैं असमसद
गुरुशिरीचंदकेपदारबिंदमनवचकाइकबिबंदना
करतहैं ५ भगतिभंडारभावभोजनकरनरुनिआ—
नमअनंदरसरसनाधरतहैं युगतिजड़ावयोगयु-
गिउपवीनजोहिमडमणिमालजपयगमोचरतहैं
ज्ञानमनदयादंडदमनधरनकरगुपतीगुबिंदगुण
रसनाररतहैं असमसदगुरुशिरीचंद्रकेपदारबिंदम-
नवचकाइकबिबंदनाकरतहैं ६ वसनविचारविम
दलकरमोड़नामसिखासदबाकतयतिलकधरतहैं

सुखदसुकेतम्भगुणननिवासजोहिसेजमनशां
तपदधारगर्णधरतहैं सेलीसदब्रतसुतसुदराअहा-
रमितसुतब्रह्मनिष्टयमसुगतचरनहैं असससद-
गुरुशिरीचंद्रकेपदारबिंदमनवचकाइकबिंदना
करतहैं ७ दो॰ श्रीगुरुमुखतेश्रवणकरकरतश्रो-
त्रपुटपान पांचभूतनतनत्यागहैब्रह्मरूपभवहान ८
श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकुलजान शिरीचंद्रअस
तोत्रइतिहेतमोक्षनिरबान ९ वेदरूपगुरुगिराश्रु-
तिआगमभनतमहान तोतेश्रीगुरुग्रंथप्रतिनमोहि
तुश्रियजान १० श्रीगुरुनानकमंत्रवरसत्यनामश्रुति
सार श्रीमतसाधूरामतहिअधुनाकरतउचार ११

१ओंसत्यनामकरतापुरुषनिरभउनिरवैर
अकालमूरतिअजूनीसैभंगुरुप्रसादजपु १२

दो॰ प्रथमएकअद्वैतवपुनिरगुणवेदविधान निरगु
णसगुणस्वरूपश्रीओंकारपहिचान १३ सतपदअर
थअबाध्यपुननामप्रगटपहिचान करताकारणज
गतका पुरणपुरुषविधान १४ निरभउभैभवरहित
निरवैरवैरबिनजान पुनअकालबिनकाललखमूरति
वपुपहिचान १५ पुनाअजूनीजनमबिनसैसहलवधा
भान भंप्रकाशमैजगतगुरुगुरुअरथपहिचान १६
पुनप्रसादगुरुकृपाकरजपुअराध्यश्रियजान श्रीम-
तसाधूरामगुरुमूलमं वखान १७ पुनः आदजगत

जुग आदसद हैभिहोसिसदजान अनकहृश्यअघ
दुःखबिन नानकअरथविधान ९८ पुनः सहित श्रुति
प्रमाणोंकर तिसका प्रतिपादन एकशब्द ब्रह्मकी
एकता का प्रतिपादक है तिसमो श्रुतिप्रमाण एक-
मेवाऽद्वितीयंब्रह्म अर ओं शब्द शक्ती वृत्तीसें सगुण
ब्रह्मका अर लक्षण वृत्तीसें निर्गुण ब्रह्म का प्रतिपा
दक है तिसमें श्रुतिप्रमाण तस्मैसहोवाचैतद्वैसत्यका
मपरंचापरंचब्रह्मयदोंकार । अर सत्य शब्द ब्रह्मकी
त्रैकालाबाध्यज्ञानानंतस्वरूपता का प्रतिपादक है
तिसमो श्रुतिप्रमाण सत्यंज्ञानमनंतंब्रह्मसदेवसौमे
दमग्रआसीत् । अर नाम शब्द ब्रह्मके स्वरूपकी प्रसि-
द्धीका प्रतिपादक है अर ब्रह्म के सत्यनाममहामंत्र
के उपासकों के तांई दिन दिन विषे ब्रह्मलोक कीप्रा
प्ती होवे है तिसमो छांदोग श्रुतिप्रमाण तस्यसत्य
मितिनामसत्तीयमिति अहरहस्ले ब्रह्मलोकं गच्छंति
यएवमुपासते: सो प्रसिद्ध ब्रह्म माया विशिष्ट हूआ हूआ
करता शब्द करके जगत का अभिन्न निमित्त उपादान
कारण प्रतिपादन कीया है तिसमो श्रुतिप्रमाण य-
तोवा इमानिभूतानिजायंते येन जातानि जीवंति यत्
प्रयंति अभिसंविशंति तद्ब्रह्म तद्विजिज्ञासस्व पुनः
सइमान्लोकानसृजेति । अर पुरुष शब्द तिस ब्रह्म
की व्यापकता अर अंतरयामिता का प्रतिपादक है, तिस

मो श्रुतिप्रमाण पूर्णस्यपूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्य
ते पुनः सएतस्माज्जीवघनात्परात् पुरिशयंपुरुषमी
क्षते। अर निरभव शब्द ब्रह्म को मूर्त्तामूर्त्त प्रपंच सें रहि
त प्रतिपादन करता है तिसमोश्रुति प्रमाण एतदक्ष
रं गार्गी ब्राह्मणा अभिवदंति स्थूलमनणु अर ह्रस्वम
दीर्घमलोहितमसनेहमच्छायमतमोवायुनाकाशमसं
गमरसमगंधमचक्षुष्कमश्रोत्रमवागमनो मतेजस्कम
प्राणममुखममात्रमनंतरमबाह्यंनतदश्नाति किं
चिन नतदश्नाति कश्चिन निरभै पाठे तिसमो श्रुतिप्र
माणद्वितीयाद्वैभयंभवति अर निरवैर शब्द ब्रह्म के द्वे-
षाभाव को प्रतिपादन करता है तिसमो श्रुतिप्रमाण
एकमेवाद्वितीयंब्रह्म अर अकालशब्द मूर्त्ती कहिये
स्वरूप ब्रह्म के कालाभाव को प्रतिपादन करता है ति-
समो श्रुति प्रमाण जिसकारणते ब्रह्मकाल का भी काल
है तथाः कालकालोगुणीसर्व विद्य अर अयूनी शब्द ब्रह्म
के स्वरूप का कारणाभाव को प्रतिपादन करता है तिसमो
श्रुतिप्रमाण तदेतद्ब्रह्मापूर्वमनपरमनंतरमबाह्यंन
तस्य कार्य्यं करणंच विद्यते अर से शब्द मायासंबंधसें ब्र-
ह्म की अनेक रूपता का प्रतिपादक है तिसमो श्रुतिप्रमा
ण सहस्रशीर्षापुरुषाः सहस्राक्षः सहस्रपात् सभू-
मिं सर्वतस्पृत्वात्यतिष्ठद्दशांगुलम् अर भं शब्द
ब्रह्म की स्वप्रकाशता का प्रतिपादक है तिसमोश्रुति

२८० प्रमाण नतत्र सूर्योभाति नचंद्रतारकं नेमाविद्युतो भाति कुतोयमग्नीः तमेवभानमनुभाति सर्बंतस्य भासासर्बमिदं विभातिः श्रर गुरुशब्द आचार्य्यमूर्त्ति ईश्वरका प्रतिपादक है तिसमोश्रुति तथा स्मृति प्रमाण सदीत्तयाचार्य्यमूर्त्तिस्याः पुनः पितस्यलोकस्य चराचरस्य त्वमस्यपूज्यश्चगुरुर्गरीयान् तथा गुरुशब्द का लक्षण गुशब्दस्त्वंधकारस्याद्रुशब्दस्तंनिरोधकः अंधकारनिरुद्धत्वाद्गुरुरित्यभिधीयते पुनः गुकारंगुण हीनंच रुकारं रूपवर्ज्जितं गुणहीनमरूपात्वंद्गुरुरित्य तरद्वयं श्रर प्रसादशब्द आचार्य्यमूर्त्ति ईश्वरकी प्रसन्नता का प्रतिपादक है भगवद्भक्ती द्वारा तिसमोश्रुति प्रमाण यस्यदेवेपराभक्तिर्यथादेवेतथागुरौ तस्यैते कथिताह्यर्थाः प्रकाशंतेमहात्मनाः १९ दो० श्री गुरुमुखते श्रवण कर करन श्रोत्रपुटपान पंचभूत तन त्यागहू ब्रह्मरूपभवहान २० श्रीगुरुमंत्रवख्यानइति श्रीमनसाधूरामवर उदासीनकृतजान वाकस्थाकरसरगइति पचीसवपहिचान २१ ॥ २०१ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो० श्रीसद्गुरुपदहरहरी जननीजनकज्हार श्री भगवदनामावली कथन करो श्रुतिसार १ परम अरथजनकामप्रद मोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रद पुन्यअखिलअघहार २ सेया ज्यानिरभैनिर

वंपनिरंनरज्यनिरपेत्तनिरंसनिरासी ज्यनिरमाइक
निन्यनिजानमज्यनिरलेपनिह्रीनिरवासी ज्यअजअ-
तरअलअगोचरज्यअरवलेशअरवैअविकासी ज्यअक
लेयअछेद्यअजेअसमज्यअकलंकअसीअविनासी ३
ज्यनिरवद्यनिछिद्रनरोममज्यनगनागपतीनभचारी
ज्यनरवेशनरिंद्रनिधीपतिज्यनरनाकविजैनगधारी
ज्यअवनीअवधेशअहीपतिज्यअनुसूनअणुअवि-
कारी ज्यअवशेशअशेषअरिंदमज्यअहिपकअमीअ
हारी ४ ज्यनर्सिंघनरायणनूतनज्यनलनीलपती
निरबानी ज्यनलनीलनिधाधहितूनरज्यनकुलंनिरती
निरमानी ज्यअवधूतअभूतअभैप्रदज्यअनुरूपअ-
नूपअपानी ज्यअहिसैनअसंगअजाविनज्यअविशो
कअदाह्यअहानी ५ ज्यनरनाकनिवासनिरंजनज्य
निरधानरनारविहारी ज्यनरवीरनतत्रपतीमभज्य
नरिवनिस्थलनूपरधारी ज्यअपरोसअवेद्यअनाहृत
ज्यअनुभैजअचिंतअचारी ज्यअलकामअजन्यअनं
तअआदजुगादअनंदऽवतारी ६ ज्यरघुनंदनरामपर
मायनिरम्यरमाछिषरोगविनासी ज्यरविराववणहारज
नीधररोहितजोरविरूपप्रकासी ज्यरसरूपरजिंद्ररि-
नूकरराजरिषीरसरूपनिवासी ज्यरघुवीररितंरतना
करुद्ररिजूरसराजनिहासी ७ ज्यरघुरीद्ररपांगर

मायुनरासरमारमणीहितकारी ज्यरकनात्तरथीरु
चरांगदिरिद्धिरसायणदारसधारी ज्यमनिवंतमहंत
मुनीवरमंगलरूपमुकुंदमुरारी ज्यमुदनामनिमान
महीप्रदमोतमहिंद्रमुनीअनुसारी ८ ज्यमनुमानव
रूपमनोहरमोहिमरतूमनजैमिनहारी, ज्यमधुसूदन
मोहमरनूकर मारुनसूनुमुनीहितकारी ज्यमरदुमीन
महीपमहीधरमाधवमित्रमहीमखधारी, ज्यमुरली
धरमोहमरनहरमोहिनीरूपमहीमखचारी ९ ज्यगु
णवानगुविंद गुणाकरज्ञानवपूगुरुगोहितकारीज्य
गजगामनज्ञानरतीप्रदगोरघगोपहितूगिरधारी
ज्यगिरजापतिज्ञानगुणानिधिग्रामणिगीनगिरागु-
रुप्यारी, ज्यगुरुगुह्यगुपालगदाधरज्ञानगतीगरमा
गुनभारी १० ज्यविशनूविभवागपतीवरज्यविदना-
नमवेदनुसारी ज्यवसुव्यासवपूवरदायक ज्यविन-
वेदशिराविखधारी ज्यवनसीविकटाविसनीरराज्य
वरुणीवसुधाविखधारी ज्यवरधोधुनवेत्रविजैवर
वीरवरीचरवेदविचारी ११ ज्यपुरुषोत्तमप्राणपती-
परपावनप्राप्यपरावरप्यारे ज्यप्रणपालप्रभूपरमेश्व
रप्रभुप्रथमंगणपूरणसारे ज्यपुररूनप्रभूपरनापर
प्रेरकप्रीतमप्राणअधारे ज्यपरमापितुप्रातप्रसिंदर
पोषकजोपुरपालणहारे १२ ज्यधरणीधरभूरजटी
ध्रुवधीरधुराधनधामप्रकासी ज्यधरमातनमधेयधनं-

तरधामपतीधनधामनिवासी ज्य परमलयनीधन
हाधनसाइकजोधनधामनिरासी ज्य धरणीपतिधन
धनेस्वरधामवपूधनधामजिहासी १३ ज्यसमसूरस-
खेसरणागत ज्यसुरसूरयसोमप्रकासी ज्यसदसोम्य
सखीसुखसागर ज्यसरवेशवपूसुखरासी ज्यसरवत्त
सुधासरपालक ज्यसविनासरनासुरवासी ज्यसरवरूप
सनाननसंदरसूतमरूपसनेसिद्धगासी १४ ज्यशिव
शंकरसुद्रसुचीवपुशाहिनशाशमशाननिवासी ज्य
शिसुमारशिसूसुतिपालकशेश शिवापतिशोकनिवासी
ज्य सुतिस्रीपरस्रीशसुतीश्वदशांतवपूसुभशामप्रका
सी ज्यसुतिसारसुभांगशिरोमणिशास्वतस्रीकरस्री
सुनिरासी १५ ज्यभरमोभ्रगुभूतपतीभव ज्यभवभू-
षणभैभ्रमहारी ज्यभरमाभवभूतविषेसम ज्यभगतो
भवभूतनचारी ज्यभवभेषजभूतविजैभवमैभवधौ
भवमैभवभूधरधारी ज्यभवहाभवभूतनियामक
ज्यभगतीप्रियभीमभिखारी १६ ज्यभगतोभवभू-
तहितूभगजैभवभूतलभूतप्रकासी ज्यभवरंजनभू-
मपतीभ्रतभूपनभैभवभूतनिवासी ज्यभगवान्
विभीषणभूसुरभूपपतीभवभूतनिरासी ज्यभवभी-
नरभूपवपूभवभीशमभीलपतीभगनासी १७ ज्य
दखदेवसदेवदयानिधिदानवहाद्विजदीनुपकारी
ज्यदुपदात्मतुदेवदमोदरदूनदिगंबरदेवनुमारी ज्य

२४८

दिगपाल दिनेश दिवाकर झोलपती दुखदोषप्रहारी
ज्य हकरीननबंधु दिशापति रामरथी दिछजे दुमचा
री १८ ज्य जगदीश यती जगदातम ज्य जगधंत रय
त्त प्रियासी ज्य जग कारण यत्त वपुयुग ज्य जग भास
क यत्त निवासी ज्य यमुनाजनकानमजा यति जामव
ती यमयोग प्रकासी ज्य जगपावन यत्त वपु तव ज्य
जगपाल पती बनवासी १९ ज्य जग व्यापक योगप-
तीयम ज्य जगबंधु यती अनुसारी ज्य जिष्णुर्नूतुरही
नयदूवर ज्य जनत्राण वपु जनचारी ज्य यमनाजन
कानमजा यति जामवती जननी हितकारी ज्य जगरं
जन यत्त पती युग ज्य जग प्रेरक यत्त उदारी २० ज्य क-
रुणाकर कामकलाधर ज्य कुवले हत कंसखरारी
ज्य करना करुणायुत कीरति ज्य कल कीतन क्रूरमथा
री ज्य कमनीय कपी करुणानिधि ज्य कवि कौशलिप्र
हितकारी ज्य कृत कारय काल वपु तव ज्य कनकांगदि
काननचारी २१ ज्य हरि हंस वपु हरना हर रूप हरी सुर
हि भुखधारी ज्य रुक्मी हरनाखस हा हर प्रेरक रूप हरी
हितकारी ज्य नरयात्रिगुणान मकं ननना रकजो नद
सी त्रिपुरारी ज्य दशना विनतापन पोषन चेन न रूप
जिसेनम हारी २२ ज्य ब्रजनंदन ब्रस्स वपु तव व्यापक रूप
जिसे रतना ली ज्य ब्रजभूषण बारय ज्यो व्रषवांधव बे-
द वपु ब्रजपाली ज्य ब्रजरंजन बोध वपु विधवेद प्रमाण

विषेबलशाली ज्यहुशानीवपुरूष्यबकीहतबावन
रूपनमोबनमाली २३ दो॰ श्रीगुरुमुखमेश्रवणक
रकरतश्रोत्रपुटपान पांचभूततनत्यागह्वैब्रह्मरूप
भवह्लान २४ श्रीमतसापूरामवरउदासीनह्लूतजा
न भगवदनामसोत्रइतिहृतमोतनिरवान २५
श्रहोतरशतनशारवशुभ श्रपुनाकरौंविधान् रघुनंद
नहनुमानप्रति जोनिजकीनविधान २६ ईशकेनम
हमुंडकप्रशनोंमुकतविधान् नैतरियेतरिश्राऋणी
ब्रहदारन्यकजान २७ नादरहँसजवाल्याशिषकठना
रायणिजान गरभोकैवलभित्तकोश्रत्तरम्रातमप्रा
न २८ शिरोहृद्मांडूकनरसिंघतापनीमान गणप
तिदेवीकलीघनशारभशरीरकजान २९ दरशनभ
समकेभावनैत्रय्यकौशकीजान परीब्राज्यब्रह्मदेगहृदि
षिनाम्रजरपबान ३० मैत्रेईमैत्रायणीतापनिवैशि
खजान परब्रह्मरुद्राक्षमैतेजोबिंदूदान् ३१ रामताप
नीदक्षणणपरमहंसपहिचान तारकोश्वानप्रबोधनी
सरबसारनिरबान ३२ मुद्गलशांडल्लपिंगुलोश्रग
निहोत्रसंन्यास निरालंबपरिब्राटकोहंसोयोगप्रका
स ३३ शांढोनीमहवाकमैबज्रस्रूचीजान चूडामं-
डलमंत्रकोयाग्नवलकिपहिचान ३४ दत्तात्रेहयग्री
वगोपालतापनीध्यान पंचब्रह्मसौभाग्यब्रापशुपति
त्रिपुरपबान ३५ सीताश्ररकसकंधउनवासदेव

१८५ पहिचान सालरुद्रकालग निपुन अक्तमालकाजान ३६
सावित्री अथर्व कत पुन कुंडलनी पहिचान शरणविष्णु
शतपन पुन नारसारवखान ३७ विद्योत्तरी आनीत्त
पैकातुरी गरुड पक्षान अध्यातम अवधूतपुन कृष्ण
नसूर्यजान ३८ चतुरषष्टरिगवेदकी शाखा मन-
नमुनीश एकनविंशति शुकलयजु कृष्णनयजुरहैं
त्रीश ३९ षोडशशाखासामकी आथरबणइकनीस
अष्टोत्तरशत भाष्य तहि करनाकहैं मुनीस ४० गौड़
पाद है भाष्य पुन श्रीशंकर षटचार पांच शंकरानंद
पुनभाषकीननिरधार ४१ स्वयंप्रकाशानंदद्वात्रिंश
भाष्य पहिचान अष्टोत्तरशत भाष्य श्री विद्यारन्य विधा
न ४२ दो॰ श्रीसदगुरुपदहृरहरीजननीजनकजुहार
सूर्यनाम अष्टोत्तरशत कथन करौं श्रुति सार ४३ परम
अरथजनकाम प्रद मोक्षपदारथचार भगति ब्रह्म
विज्ञानप्रद पुन्य अखिल अघहार ४४ ज्य रवि सवि-
ता प्रभाकर अरक अनल अलकाम नमो गभस्ती
दिवाकर दहिन सुखद सुखधाम ४५ ज्य करता दि-
नेश भग धाता मित्र उदार नमो नमारीजपन शनि
वरुण इंद्र असुरार ज्य कश्यप आदिनीसुन हंस सीघ्र
गः ज्ञान नमो ज्ञान विज्ञानप्रद विशनु भानु भगवा-
न ४७ ज्य आदित्य यम भासकर ज्ञानवान गतमाइ
नमो सूरसरवज्ञसट निगमजासगुणगाइ ४८ ज्य

पुरुषोत्तमबुद्धिप्रदपूषासूरयप्रान नमोविदंगय-
तंगअभ्रचिमारतंडकल्याण ४९ जययुगांतरिगयज्जर
वपुसामअथरवसाजास नमोकेसिनामिसुहानेज
पुंजअहिवास ५० जयबुध्यानमयअहपती संवरतकवि
द्वान नमोअंगारकयज्ञभकयज्ञरूपयजमान ५१
जयरक्तांगनिषंगइषुधनषडगुगनपरकास नमोवे-
दहनधरमध्वजनक्षत्रगगननिवास ५२ जयभूताअ
यभूतपतिहृत्यसमसूवान नमोसौमम्रनशेषदहि
कालरूपरथयान ५३ जयछायापतिअघनी शनी
तानयमराज नमोभूतप्रदभूतमर्दसुरगुरुश्रीबनि
वाज ५४ जयसंबनसरकलाधर विख्यातमजगत्रा-
ण नमोकामनामुकतिप्रदसाहस्रांशुपुराण ५५
जयजगआदअनादप्रभुश्रेष्ठमानश्रुतिसार नमोवि
वस्वननामइतिअष्टोत्तरशतधार ५६ श्रीगुरुमुखते
श्रवणकरकरनश्लोकधुरपान श्रीसूरयअष्टोत्रफल
जनमअमिरतअभयहान ५७ श्रीमनसापूरामवर उ-
दासीनकृतजान श्रीसूरयअसतोत्रइति हेत मोक्ष
निरबान ५८ ॥ दो॰ श्रीसदगुरुपदहरहरीजननी
जनकजुहार शिवशकतीअष्टोत्रशत कथनकरोंश्रु-
तिसार ५९ धरमअरथजनकामप्रद मोक्षपदारथचा-
र भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदपुन्यअखिलअघहार ६०
शुद्धशावलशिशुमारश्रुति शेशाशाकतिशमशान शरव

शकति शमशेरप्रति नमोहेतुस्त्रियजान ६१ विशनुव्या-
सवरवागवसुवरुणशकति विज्ञान विप्रशकति वि-
ज्ञानप्रति नमोहेतुस्त्रियजान ६२ रागरतनरविहृद्दर-
सरामशकति रिगजान रूपशकति रिषिरोगप्रतिनमो
हेतुस्त्रियजान ६३ कालकरमक्रतुकरीकरकंसशक
तिकिरसान कृशानशकतिकलिकामप्रतिनमोहेतु
स्त्रियजान ६४ धरमधामधनधनदध्रुवधनषशकति
धीध्यान धराशकतिधन्वंत्रप्रतिनमोहेतुस्त्रियजान ६५
नामनिगमनभनागनगनादशकतिनिरबान नकुल
शकतिनरसिंघप्रतिनमोहेतुस्त्रियजान ६६ हिरनग-
रभहयग्रीवहरहंसशकतिहरियान हलधरशकती
हरीप्रतिनमोहेतुस्त्रियजान ६७ गंगागोमतिगदा
गुहगरलशकतिगुणवान गोपशकतिगणज्ञान
प्रतिनमोहेतुस्त्रियजान ६८ प्रणवपरम्धरपवन
प्रभुपरमशकतिपुरषान पापपुन्यपरशकतिप्रति
नमोहेतुस्त्रियजान ६९ मुनीमीनमगमणीमनमो-
हशकतिमनमान मधुसूदनमहशकतिप्रतिनमो
हेतुस्त्रियजान ७० योगयज्ञयमपतीयुगयजुरशक
तियजमान यशशकतिजगदीशप्रतिनमोहेतुस्त्रिय
जान ७१ भीमभूतभवभवनपतिभीलशकतिभृगु
ज्ञान भरतशकतिभगवानपतिनमोहेतुस्त्रियमान ७२
कारपरमाधिष्ठाननेरूपविलक्षणवान अनिरवाचिवि-

दशकनिजग उपादानपहिचान ७३ नामरूपवपुश
कनिशिवअसतिभातिप्रियरूप शिवशकतीप्रतिन-
मोजहिगावननिगमअनूप ७४ श्रीगुरुमुखतेश्रवण
कर करनश्रोत्रपुटपान पांचभूततनत्यागसनजनम
मत्युभयहान ७५ श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकृत
ज्ञान शिवशकतीअस्तोत्रइतिहेतुमोक्षनिरबान ७६

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो॰

श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकउहार श्रीकाशी
अस्तोत्रनिजकथनकरौंश्रुतिसार ७७ परमअरथज
नकामअरदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मवित्तानअद
पुन्यअखिलअघहार ७८ श्रीवरुणाअसिमध्यगत
काशीपुरीमहान ज्योतिलिंगमैमहाँवनशुभगभूमि
शमशान ७९ श्रीगंगाजहिउत्तरमुखगमनकरतगं-
भीर सीतलमधुरसुगंधियुत अतिपावनजहिनीर ८०
धौलधामपुररम्यजहि ध्वजाभूरफहिरात हयगजादि
रथभूरभट रहितजाहिहरषात ८१ शेशमहेशगणे-
शजहि निगमागमगुणगाइ भूरभवनबनबागफ
लमधुरसुभगघनछाइ ८२ कविकोविदमुनिवृंदज-
हि मननसीलमतिवान धनीधरमधनधामजहि य-
ज्ञहोमगोदान ८३ सालंकृतनरयुवतिगणगजगाम
निसमुदाइ शरणश्रीगुणगणलोकरमंगलमैगुणगा-
इ ८४ सीतलमंदसमीरजहि परमहंससमुदाइ हर

हरहरशब्दजपतजहि निगमधुनीद्विजगाइ ८५ कं-
पति विरतीमोक्तहित देवदनुजनगनाग छंदछंदअ-
ह्रिगुयनहूवासकरतयुतराग ८६ तारकमंत्रउपदेश
जहि प्राणअंतत्रिपुरार करतनारनरनागसमऊंचनी-
चनिरधार ८७ निरभयविचरतअखलजनमरणमु-
कतिपहिचान दरशआसखिलवासफलकोकविकरे
विधान ८८ नमोभवानीभैरवीढुंढिराजपरमेश बैज
नाथरामेश्वरदंडपाणिविश्वेश ८९ श्रीमनसापूरणम
वरउदासीनकृतजान श्रीकाशीअसलोत्रइति हैनुमोक्ष
निरवान ९० ॥

अथयोगिनीप्रतिपादन दो॰ उग्राउग्ररूपणी
धनीभूषणाजान सूरतमतीअमूरताअतिशकाशा-
मान ९१ विकटाघोरादुरघटायतणिकोशकिमान चं-
डीभैरविचक्रणीमुंडधारणीजान ९२ श्येनवासनीदुर-
मुखीक्रोधामोहनिजान कालात्रीभुवनेश्वरीगुनास्व
च्छीमान ९३ कालकुमारीकंनलायंत्रवाहनीजान
कौमारीविखलंघनीकंकालीपहिचान ९४ दिवज्वा-
लादिवज्वालकादिव्ययोगिपहिचान यमदूनीसुक
रालनीअनकभावयुतजान ९५ कालिवराहीचौरका
महायोगनीजान संसाराररणावतारणी [illegible] पहि-
चान ९६ सिद्धकपालीडाकनी धूम्रा[illegible]पहिचान
घोर[illegible]कामांसभोजनीजान ९७ सिद्धयोगि

गाणेश्वरी सिद्धविनाली जान ढुंकारी सन्निसावरी का
लरात्रि पहिचान ९८ सुशकांगी धूम्रालि पुन उरध-
केशि पहिचान कलहप्रेय पुन कलहप्रियफुनकारी
रकनान ९९ पुना कपाली भयंकरि विरुपाली पहि-
चान विरुपाली पुन योगनी वीरभद्रका जान १००
श्रीमनसा पूराम वर उदासीन कृत जान वाकसुधा-
कर सरग इति षष्ठ विंशतीमान १०१ ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

दो॰ श्रीसतगुरु पद हृदर हरी जननी जनक जुहार श्री
भगवति अस्तोत्र शत कथन करों श्रुतिसार १ परम
अरथ जन काम प्रद मोक्ष पदारथ चार भगति ब्रह्मवि
ज्ञान प्रद पुन्य अखिल अघ हार २ जय सावित्री सार-
दा सती सुखद सुख धाम नमो शुभ महामाया गा सची
स्वाहा जहि नाम ३ जय भगवति भुवनेश्वरी भगति
रूप भव हेतु नमो भवानी भ्रामरी भद्रकालि भवसेतु ४
जय ब्रह्माणी वैष्णवि विंधवासनी जोइ नमो बुद्धि
वागेश्वरी ब्रह्मचारणी सोइ ५ जय पद्मा परमेश्वरी
परकिरती परधान नमो परापर जेश्वरी पारबती ज-
हि नाम ६ जय अन्नपूर्णा धनी अघ भंजनी अलका-
म नमो अंबका अंजनी आदकुमारी नाम ७ जय चा-
मुंडा चंडका चतुर भुजी वरदान नमो चारुचंद्रेश्वरी
चंद्रघंटका गान ८ जय कमला कात्यायणी करुणा

२०८

कीरतिजोइ नमोकमलाकौशकीकल्लाकालकासो
इ ९ जयराधेराजेश्वरीरतीरोहिणीजोइ नमोरिद्धि
रामेश्वरीरमारुकमणीसोइ १० जयगिरजागोपेश्वरी
गतीरूपगुणग्राम नमोगोप्यगाणेश्वरीगंधमादनीना
म ११ जयज्वालाजगदीश्वरीजगदंबाजगत्रान नमो
जानकीजनकजगयोगवियोगविधान १२ जयशारदेशा-
ववाहिनीश्रुतिरूपकरजोइ नमोशकतिशाकंभरी
शाम्भसुंदरीसोइ १३ जयमैत्रीमंदालसामैत्रेईमनि-
वान नमोमोहिनीमंगलामायामृदनागान १४
जयश्रंबेश्रंबालकाश्रन्नपूरणारूप नमोश्रजाश्रालं
बकाश्रव्याकृतश्रनूप १५ जयदुरगेदुरगेश्वरीद्-
रग्रोपदीजोइ नमोरक्तदत्तायणीदुशटदमनकर
सोइ १६ जयउपनिषादउपेखयाउदासीननागा-
न नमोउपरतीउरमलाउमानामइतिवान १७ श्री
मतसाधूरामवरउदासीनकजजान स्रीभगवति
श्रस्तोत्रइतिहेतमोत्तनिरवान १८ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो· श्रीसदगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्री
विष्णुं शतनामसुभकथनकरोंस्तुतिसार १ परम
श्ररथजनकामप्रदमोत्तपदारथचार भगतिब्रह्म
विज्ञानप्रदपुन्यश्रखिलश्रघहार २ जयविस्वंभरवि
श्वउनवबेरीवेदविधान नमोवेदवितवागमी

वेदनिष्टविद्वान १ जयविजयंबिजनानमाविभूवि
ष्णकजोर नमोवारिचरवरपनों वसुरवसुमना
सोर ४ जयविश्वानमविश्वकृतवेद विषकर
ज्ञान नमोवारुणोंविश्वमेंव्यासवासकृगान ५
जयविश्वंानरवागपति वररादक विज्ञान नमोविरो
चनबीरहावामदेवव्युत्वान ६ जयविकेविसनी
रणः वभूविपातानाजोर नमोविकरनावनसरोवन
सीवनसलसोर ७ जयविशिष्टवसुदेवसतन वरव
रिष्टवरयान नमोवरुणवरविषेधरवारिवह्रिविष
पान ८ जयविवेकवैरागप्रदबंशवरपविज्ञान न
मोविनैगुनविक्रमीवीरवेदिशाजान ९ जयविरा-
टवैकुंठपतिवासुदेवविज्ञान नमोविदारणआदि
शाविदतानमविख्यात १० जयविवेकवैरागगुनवे
त्रपाणिवरवास नमोविशुद्धविरागगुन वेदविश्वपर
कास ११ जयवावसपतिविमलमतिवीरवाकुव
कार नमोवेदविधिवरणगुनवेदरूपविसतार १२ ज
यवीरासनव्यकनज्वर विश्वेश्वरवरखाण नमोवेद्यवे
दीनकृतवेनावेदप्रमाण १३ जयवैश्वानरविषेवेन
वायुव्योमपरकास नमोवह्निविनयोजयावेयाविश्व
निरास १४ श्रीमनसापूरामवर उदासीनकृतजान
श्रीविष्णुनृंशतनामइति हेवमोतनिरवान १५ ॥
ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

२०५

दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्री
धरणीधरनामशत कथनकरोंस्रुतिसार १ धरमधु-
रधजनकामशुद मोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञा
नधरगुनगणअखिलअघहार २ जयधरणीधरधरमत
वधरमधुरंधरधीर नमोधरमध्रुवधनदधनिधूसर
धूलिसरीर ३ जयधनज्ञानमयधनुरधरधूरजटीध्रुवधा
म नमोधारणाध्यानगुनधसधनंजयनाम ४ जय
धरमाकरधरमप्रियदूवरदाइकजोइ नमोधीरधनध्या
नधीधामधरमशुदसोइ ५ जयधन्वंतरधरमध्वजधे-
यरूपधनवान नमोधरणिधनधान्यधीधामधरमधु-
वज्ञान ६ जयधरणीपतिधरमगुपधरमनिधवगु
जास नमोधनदधनधान्यधीधामधरमपरकास ७
जयधाताधरमतनवधनुरवेदगुनजोइ नमोनमस-
मेधरमविनधरमविदुमसोइ ८ जयभवभरगोभी
मनवभागम्बरभगवान नमोभरनभूतातमाभव
पालकभयहान ९ जयभवभंजनभसमधरभाव
रूपभवहेत नमोभूतभरदभवनपतिभूपरूपभव
सेत १० जयभूगरभाभूतकृतभवरंजनभवनेश न
मोभूषणोंभूशयीभूतपालभूनेश ११ जयभूमास्तर
रिजेभवभूनलभवनभनीत नमोभूनभरनाअजाभू-
माभूसुरप्रीत १२ जयभूतेश्वरभेषजंभूनलभूतनिवा
स नमोभूतभौनकवपूभूनलभूनप्रकास १३ जय

भरताभूतादिभवभेदभरमभवहार नमोभगतिशि
यभगतजनभाशकारवडुपार १४ श्रीमतसायूरा-
मवर उदासीनकृतजान यरगीयरशननामइतिहेतु
मोक्तनिरबान १५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो० श्रीसत
गुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्रीरघुनंदननाम
शनकथनकरोंस्तुतिसार १ परमअरथजनकाम
प्रद मोक्तपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रद भुन्य
अखिलअघहार २ जयरघुनंदनरामनवरतनकी
दि रघुवीर नमोरमापतिरमाप्रियरमारमणरणधीर ३
जयरविरमाप्रकाशरसरतनगरभरिषिज्ञाण नमोरघु
रघुवंसमणिरकनवरणरिषिप्राण ४ जयरसरूप
रजिंदनवरननाभिरिषिरूप नमोरागरसरिचापति
रागरंगबिनरूप ५ जयरावणहनरजनिचररोहिन
रमानिवास नमोराजरिषिरोहणिमहन रमारमणियु-
नरास ६ जयरणंगरमरोइखुन रमारमणिप्रियजा
स नमोरविरुचरांगदी रिषीरजनिचरवास ७ जय
रंजनजनरमारति रिजूरतनप्रदराज नमोरघूनमरि-
छियुतराजन रिषीसमाज ८ जयराघवरघुवंसिप्रिय
रिषीकेशरणवास नमोरिदिस्थितरोगबिन रमावाम
करजास ९ जयराघेरुकमणिपनेरिनंरूपरिगजास
नमोरुइरुइातमरंडमालरविवास १० जयरबिलो-

१०४ चनरसजिनारननग्रभारसखान नमोराहुहननरमा
बिनरंगरूपरसवान ११ जयरुकमणिहरहुकमिजय
रिषीमूकगिरवास नमोरमणिरिषिरमाकरसेवनीय
पदजास १२ जयराधेरुकमणिहिन्नरंगनाथरणवीर
नमोराधकारुकमणीरनीरमणारसबीर १३ जयरघुव-
ररसरोद्रप्रियरंभारमणारमेश नमोरिद्धिरसरंगतिप्र-
ररतनमालरिषिवेश १४ श्रीमनसाथूरामवर उदासी
नरूनजान रघुनंदनरामनामइतिहेवमोत्तनिरबान १५

ॐ श्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो· श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजुहार श्रीर
घुनंदननामशतकथनकरोंश्रुतिसार १ परमस्वरूप
जनकामप्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्र
दपुन्यअखिलअघहार २ जयकरुणाकरकृशानसव
कामकोटिअभिराम नमोकपलकाःकीरतीकंसकेसि
हनकाम ३ जयकरुणालयकुंदुराःकालीमरदनहा-
र नमोकृालकापिंजलाकालिंदीभरतार ४ जयकु
मदाकुमदेत्तणाःकालीरीप्रियजास नमोकपरदीका
मनीकालिंदीसहवास ५ जयकरुणामयकलाधर
करनाकरमप्रकास नमोकुंभकृनागमाकरनाकरम
निवास ६ जयकेशवकाकुलकृनुकोंनाकाननवास
नमोकलपद्रुमकामयुककृनूकाव्यपरकास ७ जय
क्रीटीकनकांगदीकनूकावकृनकाम नमोकपीहित

कामनीकौशल्याकलधाम ८ जयकामीकूटस्थकवि
कामक्रोधविनकार नमोकपीकृतुकामनीकौशलभ-
वनसहार ९ जयकुवलेकपिकुमदहाकुंभकरणकु-
जांन नमोकपीस्वरकामदाकपीनूपकलपांत १० ज
यकलकीकूरमकृनीकौशककलीकुलीन नमोकरण
कौशीनकीकलाकलाप्रवीन ११ जयकौशलकौशक
हितूकलातीतकल्याण नमोकालकालंकविनकडु
बधामकिरसाण १२ जयकश्यपकौशलतनयकमल
नैनकरतार नमोकंजकरकंजसुखकरनाकरणप्रथा-
र १३ जयकरुणानिधिकलपहरकायाँकदमनिवास
नमोकुशलकिरनतनवकारककरमंनिवास १४ श्री
मनसापूरामवरउदासीनकृतजान यहनंदर्शनतनाम
इतिहेतनमोतनिरबान १५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः

दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजननीजनकजहार श्री
पुरुषोत्तमनामशतकथनकरोंश्रुतिसार १ धरम
अरथजनकामप्रदमोक्षपदारथधार भगतिप्रसवि-
ज्ञानप्रदपुन्यअखिलअघहार २ जयपरपरमानंद
नवपरमपुरुषपरधान नमोप्रणवपरमातमापूरण
पुरुषपुरान ३ जयपावनप्रज्ञानघनप्रागवंशप्रण
पाल नमोपुरंजनपुरंजयपुराकरातपुरकाल ४
जयपरतरदनपरावरपरमेश्वरपरत्राण नमोपूज्य

परपसुपतेपारबतीप्रियप्राण ५ जयपुरुषोत्तम
प्राणप्रदपुशपयानपुनप्रान नमोपुरारीयोनभव
पारबती प्रियवान ६ जयपंचाननप्रथमभवप्रान्त
रूपपुरत्राण नमोप्राणघ्नप्राणमय परमहंसपरमा
ण ७ जयपदमाकरपदमधरपदमासनपरधाम न
मोपुरुषपुन्यातमाप्रेरकपूरणकाम ८ जयपरजाप
तिपुनरवसुपरमात्रूपप्रकास नमोपरमप्रियपरम
गुरु परमनाभपुरवास ९ जयपरमपूपरपरमपदपर
पुरामपयपान नमोपरतरोप्राणहाप्रीनमपरमनि
धान १० जयपुरहूनपुरिंदप्रपुपूनानमप्रस्थान न-
मोपिनापरपिनामयपरमीपुरुषसुजान ११ जयपार
यप्रहिलादप्रियप्रत्यकपुरुषमहान नमोपरासरप
रमनिधिप्रापनपरमऽस्नान १२ जयपरजापैराणकृ
नपावकपरमअनूप नमोप्रांसुपरनापनाप्रभूपरम
सरवरूप १३ जयपरलयप्रस्थानकृनपरंब्रह्मपरशां
न नमोपिनाकीपिंगलपराचीनप्रियकांन १४ जय
परजापरकिरनिपरप्रभूप्रेमप्रस्थान पुरुषोत्तमश
तनामप्रतिनमोहेतुप्रियजान १५ श्रीसतगुरुने
श्रवणकरकरनमोत्रपुरपान पांचभूतननत्याग
हैब्रह्मरूपभयहान १६ श्रीमनसाधूरामवरउदासी
नकृतनाम पुरुषोत्तमशतनामइति हेढमोत्त
निरबान १७ ॥ अथशिवनामप्रतिपादनं जय

शिवशंकरस्वयंभू चंद्रचूड़भूतेश रुद्रउमापतिभीमभ
वशूलपाणिभुवनेश १ जयगंगाधरउग्रहरनीलकं
ठईशान वामदेवकपिसांबमृड़ महादेवमतिवान २
त्र्यभरगोत्रिपुरांतकर धूरजटीशूलकाम रुंडमालरु-
द्राक्षधरभसमधीरगुणधाम ३ जयमृत्युंजयईश
शुचिश्रुतिपालकभवहार रिनेसमरहावृषभध्वज
त्रैलोचनश्रुतिसार ४ जयसरबस्तउदारधीशांतसु-
द्रुगनमाइ नमोकपर्दीपशुपतेसरबरूपसरब
दाइ ५ श्रीमनसाधूरामवरउदासीनकृतजान
वाकसुधाकरसरगइतिसपनविंशतीगान ६ ॥१०९

ॐस्वस्तिश्रीगणेशायनमःश्रीगुरुभ्योनमः
अथमूरखपानकप्रतिपादनं दो॰ परारबधतेअ-
धिकचहिमूरखसंगुपकार निगमाऽगमगुरुगिरा
गनशरधारहितअचार १ परनिंदानिजअस्तुतीव्य-
रथगमनकरखाइ धनीदानद्विजदयाबिनतिरपनी
तिबिनन्याइ २ धूनधनाशाकृपणसोंगुवतीनात
अधीन नृपरहितगुणमानचहिंबिनेबिहीन गन-
कादंभीनिरपरिपुबचनमाहिबिस्वास बालबटाऊ
बारबधुडरजनदीननिरास ४ सांझसवेरेशयनज-
हिगुरुगुणदोषबिधान सेवनजनकुलधरबतेरो-
गिपत्तबिनजान ५ कंन्याहृथ्याकुरूपअतिगुरुवृद्ध
अपमान निरबुद्धीसुभगुणनचहिबिनकहिउत्त

विधान ६ चलेकुमारगविनदेषिलूउशनअहार हिन
नखुगनगुणगरबकरभगतीरहितविचार ७ गुरू
हदुसनञावरीबोलणबहुअहार मूरषअस्तुतिव्यर-
थकहिगुरूहदुसनहार ८ असनहसकरबचनक-
हिबानकरनहुछजाइ छीनकपटसोंमित्रछलरागमंद
खरगाइ ९ चहितस्वरगअपवरगबिनदानब्रह्मविता
न वृद्धअनीरथविबेरनिडहयुवतिहितस्तान १० क-
विनापिंगलबुद्धिबिन पढेग्रंथवखान अलपलाभहि
तखरचबहुहेषभूपमतिवान ११ युवतिखेदनेतज
विहानामरहितइशनान हिंसकभजसोंनरननदयु
दुदरसिपहिचान १२ अलपअसननिजकीरतिहित
हितउपदेसगवार रसइकोनचहिबणकहिजसाधू
मलनअहार १३ उषनिरपतेन्याउचहिलाभसमेअ-
लसान मोनकरतपरसंगमोअप्रसंगवकनान १४
औषधिमंत्ररसायणंआयुवित्तअपमान दानमान
ग्रहिछिद्रकहिमूरखशानकविधान १५ श्रीमुनसाधू
रामवर उदासीनकृतजान मूरखजननशानलिंगइति
त्यागनीयमतिवान १६ ॥

श्रीगणेशायनमः अथ विवेकशानप्रतिपादनं युग
नाहारविहारजहिश्रवणमननिदिध्यास युगनक-
रमहिउपादेभगतिभावअभ्यास १ युगनासनयमनि
यमजहिप्राणायामविचार युगनधारणाध्यानयुत

 १४१

प्रत्याहारउदार २ युगतगमनव्रतसेवनिरवेदुपर-
तिइशनात युगतदानसनमानसमसंक्रमपठनश्रु-
तान ३ युगनदमननपदयाजहिक्षेमपानपहिरान
युगतबचनबलयोगजपभोगभजनभगवान ४ का
मक्रोधमदलोभबिनमोहरहितहंकार आसात्रिशना
दंभभ्रममतसररहितविकार ५ धैरजधरमविवेकजहि
सीलसत्यसंतोष निरभयशरधाशांतियुत उदासीननि
रदोष ६ नीतिनिपुननिशकपटम्रदुमैत्रीयुगतविद्या
न मैत्रीमुदितउपेखिक्षमायुगतविज्ञान ७ निरबा
लहंनामानमदममतारहितनिकेत शीतउशनसम
दुःखसुखवेदविदनसुखसेत ८ आपनकामअकाम
श्रुतिब्रह्मनिष्ठसुखदाइ हरनभेदभयभरमभवनिशाक
लंकनिरमाइ ९ श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकृतज्ञा
न श्रीविवेकशतलिंगइतिश्रवधारतमतिवान १०॥

श्रीगणेशायनमः दो० श्रीसतगुरुपदहरहरी
जननीजनकउहार श्रीब्रजनंदननामशतकथन
करौंश्रुतिसार १ धरमअरथजनकामप्रदमोक्षपदा
रथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदअन्यअखिलअघहार २
जयब्रजनंदनहशानितवब्रह्मविवरधनबीर नमोब्र-
ह्मबावनवपुब्रह्मचारिव्रतधीर ३ जयब्रजबंधूबिबुध
बलबनोंबिबुधनिवास नमोबकासुरबकीहाबेदबे
दिजनजास ४ जयब्रजपालकबोधमयबुद्धिव्याप्य

ब्रजवासि नमोबुद्धिपरवेदत्रैबृन्नीविबुधप्रकासि ५
जयब्रजबननाविबुधहितबुध्यंनरबलवान नमोव्यंत
ब्रह्मन्यविधुवृषब्रास्मणब्रजज्ञान ६ जयब्रजपावन
व्यंतब्रनबुद्धीवेदप्रकास नमोवृद्धविबुधेशविभ्रब्रह्म
निश्ववपुजास ७ जयब्रजभूषणावंसिथरबुद्धिनिर्य-
नाजोइ नमोब्रह्मविनबोधप्रदविबुधब्रह्मकृतसोइ ८
जयबनमालीवृषाकपिवृषबाहिनवृषकेतु नमोवि
हारीबहुशिराबेदयुगनवृषसेतु ९ जयहंकदीनाना
थनवडुरजयडुरलभजोइ नमोदेवदेवलवपूदत्तदु
रविगेसोइ १० जयदिगपालदिनेशनवदानशीलद
रवेश नमोदिगंबरदिशापतिदुराधरषदुरगेश ११
जयद्रोपदिहितदंडधरदुष्टदमनदानार नमोदूरैदिवा
करदुरगतिदोषनिवार १२ जयहंसासनहरीहरहिरन्य
गरभहरियान नमोहंसहयग्रीवहितहिरनसमहूवा
न १३ जयनारकत्र्यंबकवपूनरीत्रिगुणपरकास
नमोनपोथननापसीनमसानीरनिवास १४ जयचेन
नवपुचक्रभजउदासीनऊँकार अष्टसिद्धिनवनिद्धि
प्रदनामशतकनिरधार १५ श्रीमनसाधूरामवरउदा
सीनकृतजान ब्रजनंदनशतनामइतिहेतमोक्षनिर-
वाण १६ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरीजन
नीजनकज्जहार श्रीशिवशंकरनामशतकथनकरों

स्तुतिसार १ धरमअरथजनकामप्रदमोक्षपदारथचा
र भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदस्तुन्यअखिलअघहार २ जय
शिवशंकरशरवनवस्तुद्रशांतिप्रियवान नमोशंभुश
मशानप्रियशबलरूपश्रीमान ३ जयसुकलांबरसु
कलवपुश्रीकरश्रीधरशाम नमोशैरिप्रियशांतिक
रशेशरूपस्तुतिधाम ४ जयषाखनशत्रुघनसुविश्री-
हरिश्रीपतिजोइ नमोश्रीशश्रीशवरिप्रियस्तुतिसाग
रस्तुतिसोइ ५ जयश्रीनिधिश्रीज्ञानस्तुतिशेशशेन
स्तुतिसार नमोशलशिशुपालहाशोकरहिनशिसु
मार ६ जयसरबानमसरबगनसरबरूपसबधाम न
मोसनाननशशीकरसगुणसामगासाम ७ जयसर
बेश्वरसोमसमस्वप्रकाशसरवरूप नमोसहस्रकरवपु
समतिंजयसद्रूप ८ जयसरबानमसधाकरसत्रसं-
ससरत्राता नमोसांबसरबसुकसनेसिद्धसुरधाता ९
जयसमदरशीसम्यग्ज्ञानसीनलहृदेसुजान नमोसरब
प्रियसुधामयसुखदाइकलस्यान १० जयसुंदरसोभा
ग्यसुतसीससहस्रजास नमोशेशसुरसुधापतिसार
संतनिवास ११ जयसत्तमसमशीलगुनसोमपानस
खसेन नमोसर्वमनरसरसासुरस्वामीसुधासमेत १२ ज
यसंतानरसिनकंदछविकशशीसीमसरमान नमोसह
कसनकादिवपुनामधानकरनिजान १३ श्रीमनसा-
प्रामृवरउदासीनकृतजान श्रीशंकरशननामइति

हेतमोक्षनिरबान १४ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरी
जननीजनकजुहार श्रीमधुसूदननामशतकथन
करोंश्रुतिसार १ परमश्रेष्ठपजनकामप्रदमोक्षपदार
थचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदधन्यअखिलअघहार २
जयमंगलमयमजजनमहापुरषमुनिवेश नमो-
मूलभवमृत्युहरमरकतवरणमहेश ३ जयमधुसू-
दनमुदन मन महाविशप्रभुनिमान नमोमहोरगमा
रगोमंडलरूपमहान ४ जयमाधवमग्रुमहामति
मायाप्रेरकजोइ नमोमुनीश्वरमुनीवरमृदुमीतव-
गुसोइ ५ जयमुकतायदिमुकतिप्रुतमोरमुकटम-
णिमाल नमोमनोहरमरुतगणमुनीवृंदमहिपाल ६
जयमारुतसुतमुनीप्रियमहाशकतिमुनिवास न
मोमिनाशनमहानिधिमायामुनीप्रकास ७ जय
माइकननमहाबलिमेघवरणमतिवान नमोमहिं
द्रमुनिंद्रपतिमुधधार समधुपान ८ जयमुरली
धरमुरलिप्रियमहाभूतमखत्राण नमोमहंतमुकं
दमखमहादेवमुनिप्राण ९ जयमोहिनवपुमोहि-
नीमारतंडवपुवान नमोमहिंद्रमुमिंद्रहितुमहिमा
जासमहान १० जयमहिकस्वामहांकजमुकवर
पमितहास नमोमुरारीमुरुतिश्रदमुरलिमनोहर
जास ११ जयमृत्युंजयमहाहविमहाराजमहिसेन

नमोमहीपतिमहीभ्रतमहांभागमितबैन १२ जय
मथुरायतिमोहकरमहीमरुतगणत्रान नमोमाहु
बिनमानदोमननसीलवधुवान १३ जयमुदताम-
खमैत्रियुतमानमदनबिनमाइ नमोश्रीचिहतम-
हीधरमथुरामहीसुहाइ १४ जयमहथरमाम्रतूबिन
महांकालमहवीर नमोम्रत्युकरमित्रवरनामषात
कप्ररधीर १५ श्रीमनसापूरामवरउदासीनकृतजा
न मधुसूदनषातनामइतिहेतुमोक्षनिरबान १६॥

ॐश्रीगणेशायनमः दो॰ श्रीसतगुरुपद
हरहरीजननीजनकजुहार श्रीगोबिंदगुपालशतक
थनकरोंस्रुतिसार १ धरमअरथजनकामप्रदमोक्षप-
दारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदधुन्यअखिलअघ
हार २ जयगुरुसुखमोपालनवगोपिगोपगोप्राण
नमोगोपिगोगोपमयगोपिगोपगोत्राण ३ जयगोपी
गोगोपप्रियज्ञानवानगतमाइ नमोगोपगोगोपका
गोपीगोदसुहाइ ४ जयगोकलगोलोकपतिगोवरधन
गुणग्राम नमोगंधगोगमनगुणगिरातीतगुणधाम ५
जयगोपेश्वरगरुड़ध्वजगरुड़ासनगुणखान नमोगो
पिगोगोपपतिगोपीगोरसपान ६ जयगिरिवरगोगद
धरगरुड़यानगुणरास नमोगोपगोगोपकागुणगण
ज्ञानप्रकास ७ जयगुबिंदगुणगीतप्रियज्ञाणगीऊ
गजराज नमोगिरीशगणाधिपतिगुपनगरीबनिराज ६

जयगजगामीगमनगिरिगोपिकोपगिरिवास नमोगो
पगोपकारूपमनोहरजास ९ जयगोकुलगोलोक
प्रियगीतागीतप्रकास नमोगगनसमगमनबिन
गोकलजासनिवास १० जयगोरषगंधरवपतिगंगग
रलधरज्ञान नमोज्ञानगुणगनीप्रदगणाध्यक्षगु
णवान ११ जयगिरजापतिग्रामणीग्रेहीग्रहस्थनि
रास नमोगुरुत्तमज्ञपतिमयज्ञानागिराप्रकास १२
जयगंगावपुज्ञानमयगुणगणगिराअधार नमो
गोपिगोगोपहितनामशतकइतिसार १३ श्रीमत
साधूरामवरउदासीनकृतजान श्रीगुपालशतना
मइतिहेतुमोक्षनिरबान १४ ॥
ॐश्रीगणेशायनमः दो॰ श्रीसतगुरुपदहरहरी
जननीजनकनुहार श्रीजगदीश्वरनामशतकथन
करोंश्रुतिसार १ परमश्रेष्ठजनकामप्रदमोक्षपदा
रथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदप्रभुअखिलअघह
र २ जयजगदीश्वरज्योतिमययदुवंसजगप्राण नमो
जगतगुरुजगतमयजगतहेतुजगत्राण ३ जय
यादवयदुवंसमणियुगनयोगिज्ञान नमोयज्ञय-
मयोगयुगज्योतिसयज्ञरविधान ४ जययदुनंदनज
नकजगजिशनूंजगतप्रधान नमोजननिजनजन-
कपतिजनकजाइहितवान ५ जयजगवंधूयतीवर
यज्ञपुरुषयतवान नमोयज्ञयमयोगयुगयज्ञरक्ष

यजमान ६ जयजगअंतरयजुरवितजटाजूटजग पाल नमोयततयमयोगगुतजनकजाइजयमाल ७ जयजगपावनयत्तखकयत्तनूपजगदादि नमोयत्त भ्रनयत्तकृतयत्तनिष्ठयज्ञादि ८ जयजगसेतूयदूव रजाहूविगुगतिप्रथान नमोजनकजननजननिविन जराजनमजगजान ९ जयजगप्रेरकजगतपतिय-ज्ञंगोजितप्राण नमोजानकीयेश्वपतियोगयत्तकर त्राण १० जयजगरंजनजगतप्रियपतीजितासनजो इ नमोयततयमयजुरगुगयोगयज्ञपतिसोइ ११ ज यजगसाक्षीयदूषियोगनिष्ठजगभास नमोजग-तविनजानकीजगतनाथजगवास १२ जयजगव्या पिगुणांतकृतजननिजनकयुतराज नमोयतिंद्र गुणिंद्रयुतगुबाजगतसिरताज १३ श्रीगुरुमुखनेश्र वणकरकरनश्रोत्रपुटपान जगदीस्वशतनामश्रु ति हेनमोतनिरबान १४ श्रीमनसाधूरामवरउदासी-नकृतजान वाकसुधाकरसरगइतिप्रश्नविंशती गान १५ ॥ १०१ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः श्रीगुरुभ्योनमः दो॰ श्री सतगुरुपदहरहरीजननीजनकउहार श्रीयानम शतनामशुभकथनकरोंश्रुतिसार १ परमश्वरयज-नकामप्रदमोतपदारथचार भगतिब्रह्मवित्तानप्रद उन्यश्रखिलम्रघहार २ जयअजमजरअजन्यतव

२५०

आदअंतसदजोर नमोअजयअजअजापतिअमरअ-
मरपतिसोर ३ जयअसपरशअसंगअसिआअमिअम
लअसेस नमोअशोघअशोकवपुअहीशेनअखिलेस ४
जयअनुभवआनंदमयअच्युतअमलअरूप नमोअचे
तअचिंतअहआतमरूपअरूप ५ जयअनंतअनरुद्ध
वपुअनकरूपअवतार नमोअनाहतअवनिपतिअनु
गतअपरअपार ६ जयअकलेयअछायवपुअमायरूप
अभेद नमोअबाधिअबंधवपुअतरअखेअखेद ७ जय
आतमविनअवधिपतिअंसीअंसअपार नमोअदीनअ
दोषजिसआदिनअंतअकार ८ जयअंतरगतअनरथी
अंतरज्योतिअमाप नमोअमरअमोहगतिआतमज्यो
तिअताप ९ जयअनहदअपरोत्तनवअनकवरागअ
वधून नमोअभूतअपरमजगअजभैयाअनुसून १०
जयअखंडअनघडअनघअद्वैतरूपअवाद नमोअकाल
अकरमजगआदअनीलअनाद ११ जयअदाहअग्रा-
हवपुआतमकामअडोल नमोअनरकअनोलवपु
आपनकामअमोल १२ जयअविनाशीअवधिबिनअ
गमअगोचरवान नमोअगायअगंधवपुअमरअमर
पतिप्राण १३ श्रीमनमायूरामवरउदासीनकृतजान
श्रीआनमशतनामइतिहेतुमोत्तनिरबान १४ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः दो· श्रीसतगुरुपदहरहरी
जननीजनकजुहार श्रीनारायणनामशतकथ

नकरौंस्तुतिसार १ धरमस्वरथजनकामप्रदमोक्षप
दारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदभन्यस्वरिवलस्वध
हार २ जयनिरगुणनिरविशेतवनिशाकलंकनिष्का
म नमोनिजातमनिरामयनिजानंदनिजधाम ३ ज
यनिशकलनिरज्वरवपुनिरावैवनिजशरण नमोन
रोतमनरहरीनिरालंबनिरबाण ४ जयनूतननव
नीतप्रियनिरविकारनिरमाइ नमोनिरंजननकुल
नरनारायणनिरघाइ ५ जयनिज भगतीनामस्र·
दनूपरिनित्यनिधान नमोनादनवनिधीप्रदनीलकं
ठनिरमान ६ जयनिजमुकतीनिगमप्रद नारदरू
पनिरास नमोनिगमनवनंदपतिनामीनामप्रका
स ७ जयनानकनिरपेखिवपुनिरममनिरहंकार
नमोनिरंतरनिगमपरनिगमनिबंधस्वधार ८ जय
नभगमनतन्नपतिनंदसूनुनंदाद नमोनाक
नरनागपतिनिराधारनिरवाद ९ जयनिरबंधनिबं
धगुननीतिनिगुणनिरवास नमोनिरंसनिषादप-
ति निरमलनिगमप्रकास १० जयनरवरनटवर
वपु नरवाहिननरवेश नमोनिरग्निनिछिद्रवपुनिश
चलनिकटनरेश जयनिरगमननिरवधिवपुनिरा
कारनरवास नमोनिकुंभनप्रचीहननिरभयनिरज·
नवास १२ जयनिरभवनिरवैरवपुनिराहारनिर
हिंस नमोनीलनलनामपतिनेमीनिगमप्रसंस १३

जयनिरवद्यनिरीह्यवपु नित्यं विपतनिकेत
नमोनिरंकुशानिशक्तियं इनिशतकभवसेन १४
श्रीमनसापूरामवरउदासीनकृतजान नारायण
शतनामइतिहेतुमोक्षनिरबान १५ ॥

ॐश्रीगणेशायनमः दो॰ श्रीसतगुरुपद
हरहरीजननीजनकजुहार श्रीगुरुपुरुसरसथा
फलकथनकरोंश्रुतिसार १ धरमअरथजनकाम
प्रदमोक्षपदारथचार भगतिब्रह्मविज्ञानप्रदप्रन्य
अखिलअघहार २ श्रीगिरजासंवादशिवभाविष्य
नपौरान नीरथभयोपुनीतजिमश्रीअमरनसरजा-
न ३ एकसमयकैलासशिखिबैठेउमासमेत पारबती
करजोड़नबूझ्योकृपानिकेत ४ श्रीपार्वत्युवाच
भोभगवनवरकृपाकरतीरथपरमअनूप जहिमज्ज
नजनविमलहैतहैंनिजातमरूप ५ श्रीशिवउवाच
सो॰ श्रीअमरनसरधामपारबतीजनश्रेयकर मनुनप
कीनअकामअयुतकोटिजहिसुधातर ६ दो॰ पुन
नरपतिइक्ष्वाकुनिजगमनसैलहिनकीन मद्रदेशपं
जाबगतभूमिसुभगतहिचीन ७ अतिपावनअग
मालजहिसरतासुभगसुहाइ गाओगूपसतंबनमि
अश्वमेधहिनलाइ ८ रच्योकुंडसरसुधाजहिकदलि
छंदद्रुमछाइ मुनीवृंदविनवेदजहिबैठेध्यानलगा
इ ९ भूपअवाहिनकीननवसुरपतिसुरनसमेन
आनमभूयनहरीहरआपकृपानिकेन १० हरिमंदर

(४८)

अस्थाननजहिहरीवासनहिकीन दिशाअष्टदिगपाल नहिअस्थापनकरदीन ११ सो० बैठेनेजविसालअानम भूशिवसुरनसहि मुनीवृंदमहिपालयथायोगअस्था नजहि १२ दो० वृंदवृंदमिलदेववधुगावतगीतरसा ल पूरणश्रीगुणगुणोकरगजगामनिम्रणपाल १३ सुधासहितगंगादिजल तीरथअखिलमंगाइ अस्था पनसरसुधाजहिदरसअखिलअघजाइ १४ हरिसु- पानअस्थाननजहि हरि मज्जन नहि कीन हरिसुपा नजलपानकरउदेपुन्यअघछीन १५ साढेतीनक रोड़जग तीरथअखिलबुलाइ अस्थापनसरसुधा जहि दरसकोटिअघजाइ १६ यज्ञसपूरणभयोद्वि- जभूरिदत्तणादीन भयप्रसन्नमुनिसुरनसहिजय जयजयधुनिकीन १७ सो० भेटविविधनृपलीनय ज्ञअंतइशनानकर हरिपूजननतहिकीनमुनीवृंद सुरवृंदजहि १८ दो० है प्रसन्नहरिभूपप्रतिमन वांछनफलदीन सुरनसहितसरसुधाजहि हरी वासनहिकीन १९ पुनाविशनुभूपालप्रतिबोले गिरागंभीर राजनयाअस्थानहैतीरथपरमसुधी र २० श्रीनानकनेआदनिजरूप धरोखटचार कलीआदिनिजसुधासरप्रगटकरोंनिरधार २१ जासुदरशइशनानप्रदपुन्यअखिलअघहान प्राणा अंतनतहोतसनप्रापतपदनिरबान २२ श्रीअम्रत

२०२ सरवासफलकोकविकरैविधान थकतसारदाशेश
नहिंआगमनिगमपुरान २३ सो॰ येकृतनसतयुग
जानश्रीअरुनसरसुभगफल अधुनाकरौंविधान
फलदेनासरसुथाजहिं २४ दो॰ श्रीरघुनंदनलखन
सहबैदूंरापपुरयान कीनगमनपुरिअवधसेंदि-
गपश्चमजननजान २५ भूमीसुभगनिहारकरनभ
तेउतरविमान कीनवाससरसुथाजहिंतीरथसतजु
गजान २६ दिगपश्चमसरसुथासेंयोजनएकप्रमान
रच्योविमलनहिरामसरमहिमाजासमहान २७ क-
छुककालनहिंवासकरगमनकीननिजधाम पुरी
अयुध्यानामजहिंअतिपावनपरकाम २८ पुनरघु-
नंदननातलवलवपुररच्योसवार पेरावतिनटसुभ
गनहिंवासकीननिरधार २९ सो॰ तीरथकृतयुग
जानभूमिसुभगसरसुथाजहिं कीनोयज्ञविधान अ-
श्वमेधअजमेधतहिं ३० दो॰ पुनद्वापरयुगअंतहरि
भएकृशनअवतार श्रीमथुरापुरिप्रगटह्वैविचरे
भूमिमझार ३१ अंतरजामीसरबगततीरथकृतयु
गजान कीनवाससरसुथाजहिंअतिपावनपहिचा
न ३२ पारवतीयारीनसेंतीरथपरमविशेश बंधनि-
विरनकमोक्षप्रदकलिजनहरनकलेश ३३ श्रीअर-
नसरवासजहिंबडभागीजननजान बिनप्रयासलहि
परमपदप्राणअंतपहिचान ३४ श्रीपेरावतिसुपास

जहिंसंगमइस्नानान हरिरुपानदुखभंजनीअति
विशेषफलवान ३५ अथऐरावतीमहानमऐरा-
वतीनामनदीपवित्रातीर्थेश्वरीदेवगणोश्चवंद्या य
स्याजलंलोचनगोचरीकृतंदहत्यवश्यंखलुपापवृ-
न्दं ३६ ऐरावतीशीघ्रगमांमरतोपितदायया दृष्ट्वा
धेनुफलंतत्रस्नानएवफलश्रुते ३७ सो॰ हरिमं-
दरगुरुधामरचनातासविचित्रलख श्रीमनसाधूरा
मअधुनाकरनविधाननहि ३८ कवित्त हाटककि-
वारमणीजरनअपारजांहिहीरनदिवारचित्रबिबिध
बहाइहैं किंगुरेअपारवारिविविधप्रकारजांहिकल-
सउतंगमणिमाणकजराइहैं दीपकअपारमणिक-
रनप्रकासपयफेनकेसमानजांहिफरसबिछाइहैं अ
सगुरुदेवहरिमंदिरप्रकाशवानजांहिकेदरसअघको
टिनपलाइहैं ३९ देवगुरुग्रंथहरिमंदरमेंबिराजमान
जांहिकेदरसयमत्रासनामिटतहैं रचनाअपारगज
मोतिनकेहारनवरननजरतसिरछत्रनरफुलनहैं चांदनी
चंदोएसिरचमरदुरनजांहिहाटकविद्रुममणिकोटिन
जरनहैं हीरनजरनगजदंननपलंगजांहिरेशमीरुमा
लकीमखावचमकनहैं ४० धूपदीपमालगुलअगरनी
जरनजांहिसंननसमाजमालफूलनविछावनें मोहन
प्रसादआदविंजनअपारगुरुभोगसोंलगाएफलपाए
मनभावनें अतरअमीरजांहिउडनगुलालनवछूतडे

महलदरविविधखिलावने सौरभअपारयुतचलन
बिअरजोंहिफूलननिशानदरलागनसुहावनें ४९
बाजुनघरिअंलदरनौबतनअपारजोंहिझुवनकविजनक-
वीगौएमनभावनें भेएनलिवाएनवेखंडननरेशआ
एकरनजुहारगुरुदरकेपिरावनें धाइधाइआएनर
युवतीअपारजोंहि मज्जनकरनमिल हरि गुनगावनें
सीतलसुगंधमंदचलनबिआरजोंहिपरनकुहारघन
लागनसुहावनें ५२ सिम्रतीसंगीतइतहासनको
घोषकहूं धरमविचारउपकारकोकरनहैं संतनस-
माजकहूं ब्रह्मकोविचारयगयोगकोप्रचारमुनिध्या-
नकोधरनहैं कहूं गुरुग्रंथनिगमागमपुरानधुनिका
व्यकोविचारकविकोविस्तरनहैं असलसनगुरुदर
रचनाविचित्रजोंहिसारदासुरेशशेशपारनपरनहैं ५३
सो. सुधास्वाहवषटकारसदाहोतउतसाहजहि श्री
गुरुपुरदरबारजपतनाममिलयुवतिनर ५४ छ.
गजहेरथबृंदनबृंदजहांघनधामनमहाअटगोसुख
शाला कविकोविदबृंदनबृंदजहां हिमबाहुजवेसमु-
नीकिरपाला परभूषणभूषतभूपनहैंजहिंबृंदनवृं
दचमूचटसाला असश्रीगुरुकेपुरकीरचनाजलजंत्र
अपारजहांमगबाला ५५ घननालतमालविसाल
जहां करलीद्रुममालफुलीफुलवारी मृगमालमरा-
लरसालजहांसरनासरसारसहैंजलचारी समसंजम

सीलउदारजहांविनबेदगुरूद्विजगोहितकारी असश्री
गुरुकेपुरकीरचनामणिहाटककीजहिंवृंदअटारी ४६
घनपीनपयोधरवामउरूगजगामनिजहिंगुणगीनर
साला दरनोरनफूलनवृंदधुजाजँहिंमोतनहारमणी
बनमाला बहूदेवनकेअसथानजहांसुरगाइककभूर
गुणीधमशाला असश्रीगुरुकेपुरकीरचनाजहिसुंदर
वृंदरतीसमबाला ४७ जहिसंखनकीधुनिघंटनकी
मदुबीनमृदंगबजैंसुखदाई सुरतालमनोहरगीतधु
नीहरिमंदिरमाहिंपुरीबबछाई दिगपालपुरीसुरआ
नमभूपुरपेखजिसेछबजानलजाई असश्रीगुरुकेपुर
कीरचनापिखभूलगईअजकीचतुराई ४८ मणिहाट
कहारभंडारभरेजहिवृंदनवृंदमुनीनपनावें रसशांति
विषेकरुणारसमैंकहूंसायनसाथसमाधिलगावें र
सबीररतेभटभूरजहांचढ़संदनमैंगजबाजिचलावें
असश्रीगुरुकेपुरकीरचनानजप्राणजहांनिरभयपद
पावें ४९ दो० सुधासरोवरुरुचिरजहिमणिसफटिक
सोपान बरणचतुरमिलश्रियुहितकरनजोहिदरशना
न ५० उदासीनमुनिवृंदजहिंनिगमधुनीद्विजगाइ
भगवतभगतीगुणभजनरंगनितनामधिआइ ५१ तीर
थदानसमस्तव्रतदेवरचनफलध्यान योगयसशान
कोटिसरसुधाकरनइसनान ५२ निगमतुल्यगुरुग्रं
थजहिंररसमखिलअयहान प्राणअंतअजलोक.

सबभुगतभोगनिरबान ५३ श्रीगुरुमुखतेश्रवणक
रकरतश्रोत्रपुटपान ग्रहसिद्धिनवनिद्धिफलजनममृ
त्युभयहान ५४ श्रीमतसाधूरामवरउदासीनकूँज्ञान
श्रीगुरुपुरश्लोकइतिहेतुमोक्षनिरबान ५५ अथ
वरणबंजारूप क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ म य र ल व
श ष स ह अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ
ओ औ अं अः । कबित्त जासपदकंजसुरबंदनसु-
रिंदसचिसारदाफनिंदसामसामगाररतहैं जासपद
कंजध्रुवबंदनधनेश्वधनिधरमधनिंदधीरध्यानजांधर-
नहैं जासपदकंजभृगुबंदतभृतिंदभगभरतभृमिंद
भवभूतनभरतहैं असब्रह्मरूपसदचेतनस्वरूपप्रतिम
नवचकाइकबिबंदनाकरतहैं ५६ जासपदकंजशुक
बंदनशकंदशनिशैवशिशुमारशिशिशुनिजारतहैं
जासपदकंजदिगबंदतदिगिंदिदितिदानवादिनिंदस
शेषनररतहैं जासपदकंजमनुबंदनमुनिंदमहिमा
रूतमहिंदसुनिध्यानजांधरनहैं असब्रह्मजासपदकंज
नरबंदनतरिंदनिमिनारदनगिंदनलनिणमररतहैं
जासपदकंजगणबंदनगणिंदग्रहिगोरखगजिंदगो
पगोपकाधरतहैं जासपदकंजप्रभुबंदनप्रभिंदपरण
रणउरानप्रह्लादसेचरनहैं असब्रह्मजासपदकंज
यमबंदनयमिंदयुगयोगनीगुणिंदयतियनमोचर

नहैं जासपदकंजसुधिवंदतसावित्रिसनिस्वरगुरु १८८
शशिसनकादकररनहैं जासपदकंजद्विजवंदनद्वि
जिंददहिद्रोपदीदिगंबरदनुदिग्गजधरनहैं असब्रस ५८
जासपदकंजमरनवंदिनमद्विंद्रमधुमुकतमुमुत्त
मनिवानजाररनहैं जासपदकंजरतिवंदनरजिंद
रिनुरविरसरुद्ररिषिध्यानजाधरनहैं जासपदकंज
कपिवंदनकपिंदकविकोविदकविंदकलिकालसें
डरनहैं ९ सवैया गुरुगोद्विजबालक मात
पितानमानकटूमुखकूठअलावें विषदेअगनी
धनधामहरैंपरदाररमेगुरुहेमचुरावें मदपानवि-
षेरनिबारबधूछलधूतरनीसुनिवेमुखधावें पल
खाइनिजानमवेमुखलोअधवाकसुधाकरनेमिट
जावें २१ गजगोरथहैधनधाममहीव्रतदानदया
फलतीरथन्हावें पटभूषनअन्नतुलाजलमेंऊंन
दानगुरूस्वरपूजनजावें जपवेदविचारविवेकमहा
तपध्यानहरीपदसेवकमावें समसंयमयोगयमा
दिलहूंफलवाकसुधाकरजेजनगावें २२ दो॰ श्री
गुरुमेलारामश्रीरामदयालगुणधाम श्रीगुरुका-
शीरामश्रीसदानंदअलकाम २३ श्रीगुरुहीराला
लजीसिरीनरायणदास श्रीगुरुसंगनसावश्रीह-
रीराइसुखरास २४ श्रीगुरुदित्तानामगुरुशिरी
चंदसुखसेन श्रीनानकनिरबाणपदनमोविशत

४२८

श्रियहेत ९५ देसकौरवरनामजहि मंगलसैनउदा
र श्रीमनसाधूरामननजननीजनकविचार ९६
सबसंतनप्रतिप्रार्थनकविजनकरतउहार भूल
चूकजोग्रंथमोलीजेसोधविचार ९७ मायापुरीम्ब
रेभइतिश्रीअमृतसरजान सरबसुसत्तमोत्तहि-
तकीनोग्रंथविधान ९८ अश्विनसुकलापंचमीरि
तुशरदशशिवार नेदअश्विनीनानग्रहशशिसं
बतनिरधार ९९ संवत १९२९ श्रीगुरुमुखतेश्र-
वणकरकरतश्रोत्रपुटपान उदेब्रह्मविज्ञानरवि
मोहतिमरकरहान ८० श्रीमनसाधूरामवरउदा
सीनकृतजान ताकसुधाकरग्रंथइति हेतमोत्त
निरबान ८१ ॥ ॐतत्सद्ब्रह्मणेनमः १०१ ॥
ॐशांतिः शांतिः शांतिः ॥ शुभमस्तु ॥

लिपिः संवत १९३२ ॥

स॰ई॰१८७५

ॐनमः अथश्रीवाक्सुधाकरग्रंथ की शुद्धाशुद्धी प्रतिप-त्र

सफा	पङ्क्ति	अशुद्ध	शुद्ध	सफा	पङ्क्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१	९	सि	धाँ	२२	१९	र	रुँ
२	९	अं	जां	२२	१७	भ	भुँ
२	१५	सें	सिं	२३	३	घ	घुँ
२	१७	सें	सिं	२३	७	वै	वि
३	१३	ना	न	२३	१२	भ	भँ
३	२२	स	न	२३	२०	श	शं
५	२	रु	गु	२४	७	द	थ
५	१२	दि	टी	२४	४	पत्त	करम
६	११	मैं	सें	२४	५	का	सा
९	२	न	०	२५	३	ही	हा
९	३	क	का	२५	१	हं	दु
९	१४	लु	लू	२५	११	शो	सो
१०	५	हे	है	२८	११	थि	धी
१०	११	चि	चिं	३३	२२	दे	दो
११	९	नु	नू	३६	११	वि	द्वि
११	१०	था	थया	३६	१४	नि	न
१३	१८	ब	प	३७	१९	जां	जु
१३	२३	दे	दि	३७	२२	भा	भो
१४	२२	नरकपाल	अतीमल	४०	१४	रण	णि
		घरनांहि	नतनजांहि	४३	१०	र	द
१५	११	ण	न	४३	१४	नि	न
१८	२०	ति	त	४३	१९	ति	नि
२०	२२	ण	न	४३	२१	छि	स्ट
२२	१८	उ	उं	४५	१२	ये	अप

पृष्ठ	पं	अशु०	शुद्ध	पृ०	पं	अशु०	शु०
५०	३	ल	लै	९४	२	है	दे
५१	४	ह	हू	९४	५	ग	गु
५२	११	न	नि	९४	१४	न	ना
५६	२०	दि	नि	९४	१३	०	क्रिषुणा
६६	१०	टि	ट	९६	४	वि	वी
६६	१६	रा	न	१००	४	सो	सा
६६	२०	जा	मा	१००	४	श्रो	डो
६७	१८	न	नु	१०५	११	है	पं
६९	५	रर	रिरि	१०५	११	श्रो	श्री
७२	२१	श	स	१०६	९	०	गर
७२	१३	ग	न	१०६	२१	०	कंठीरव
७९	८	ले	लेडे	१०७	२१	र	रु
८०	९	नैहै	नैंहैं	१०८	१५	भ	म
८०	२१	ग	क	११६	८	नं	चं
८०	२२	वरा	०	११६	९	क	कुं
८१	५	प्र	प	११८	७	र	रि
८५	६	नी	निं	११९	१५	म	ग
८७	११	ली	न	१२०	४	श्रा	श्रसे
८९	३	सी	शी	१२०	९	स	से
९०	१०	पा	प	१२०	१५	न	ना
९२	२१	हं	हु	१२१	२	हिं	हि
९३	२	बं	बें००	१२१	४	ले	लें
९३	१२	क	भ	१२१	७	हिं	हि
९३	१९	न	नु	१२१	२०	न्य	त्या
९३	२०	न	नु	१२२	२१	य	न

पृ०	पं०	अशु०	शु०
१२३	३	धग्र	धूग
१२४	२०	द	व
१२६	१	०सोमतुमारोजूप असतत्वमसीश्रुति गान।	
१२७	८	घ	धू
१२७	९	ग	न
१२७	२	ति	ती
१२७	३	या	य
१२८	१२	जा	गा
१३०	१२	श	म
१३१	५	नि	न
१३२	११	सना	पुरा
१३४	७	त्र	त्री
१३४	९	ब्र	ब्रा
१३८	७	भ	भु
१३९	३	त	ति
१४०	७	०	न
१४३	१५	स्त्र	स्त्री
१४४	३	ना	नां
१४५	१८	घा	षा
१४५	५	ट	टि
१४७	१९	०	मंनारोह
१४७	१९	स्त्र	नम

पृ०	पं०	अशु०	शु०
१५८	३	ल	लादि
१४९	१८	ह्मामिति	ब्रह्माहमिति
१५०	७	भो	भू
१५१	१८	कं	नं
१५१	१९	ग	गं
१५१	२१	ख	खा
१५४	२०	सो	सा
१५५	४	ढे	हे
१६३	५	ज	च
१६३	१७	गा	सा
१६४	२१	सो	सों
१६५	३	द०	दो०
१६५	१३	नी	निं
१७०	३	या	जा
१७०	८	नी	निं
१७३	१४	उपजान	पहिचान
१७५	१७	०।पुनातिदिशाब्रस नामसरश्रमर कोशगतगान	
१७७	३	हनपुरि	गतिहनत्रान
१७७		चामि पीईपावि पान	पिईशानानाम
१८२	९	०।मिलीपरसपर जासविषपांचबीस पहिचान	

पृ०	पं	अशुद्ध	शुद्ध		पृ	पं	अशुद्ध	शुद्ध
१८१	१८	व	वैं		२५३	१४	राग	चार
१८८	२२	लिं	लिंः		२६०	४	ह्रा	रा
१९१	१०	नि	जि		२६०	३	०	न
१९१	१८	ज्यों	त्यों		२६३	१३	बा	बां
१९४	१४	न	त		२६४	९	म	यु
१९४	१५	त	न		२६८	५	नू	रू
१९५	६	ट	ठ		२७०	२	नि	नी
१९७	८	श्रा	स		२७१	१५	ज	हि
२००	८	वैं	वैं		२७६	१५	बा	व
२०४	९	ग्र	श्री		२७७	१४	मे	ये
२०९	२२	रि	र		२७७	४	दि	ट
२१०	२	श	स					
२११	१५	स	श					
२११	१४	ला	लो					
२२५	८	ज	जु					
२२८	६	नी	ति					
२२९	२	पर	जन					
२३२	२	यो	०					
२३६	५	ति	न					
२३६	१३	न	ति					
२४२	१०	र	ग					
२४२	१५	धा	हा					
२४६	१७	कृ	र					
२५०	१२	श्रं	श्रा					
२५२	१६	लो	हो					

इति